सुरेन्द्र मोहन पाठक

का बेहतरीन उपन्यास

ऑपरेशन बुडापेस्ट

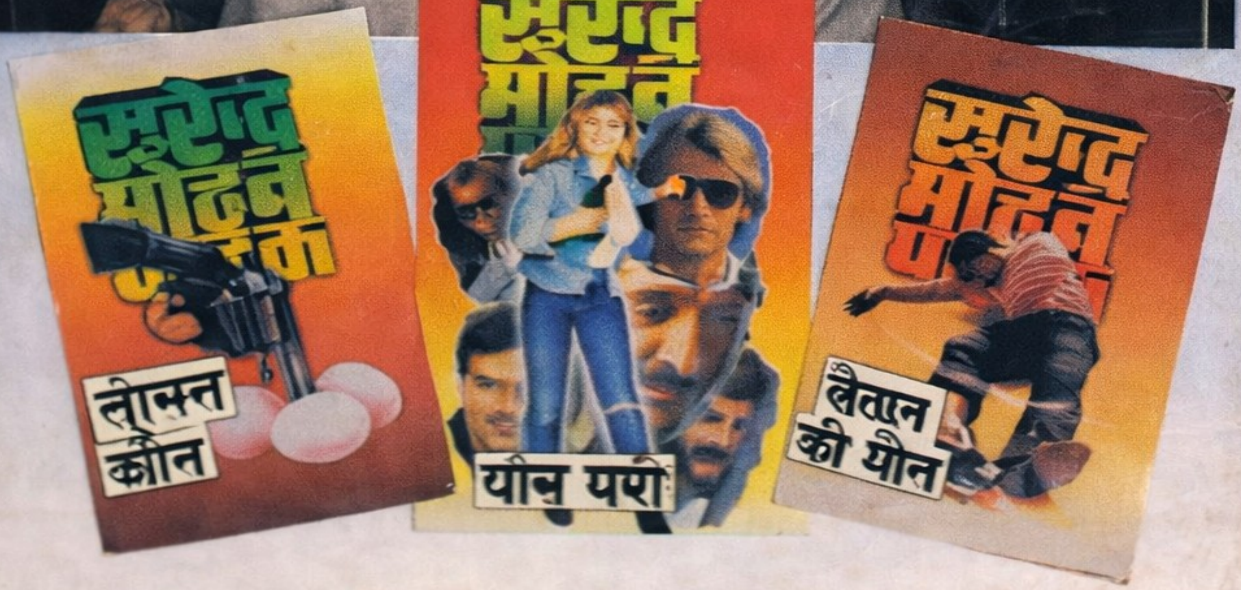

'आपरेशन
बुडापेस्ट '

जेम्स बांड

पी डफ्याल

सुरेन्द्र मोहन पाठक

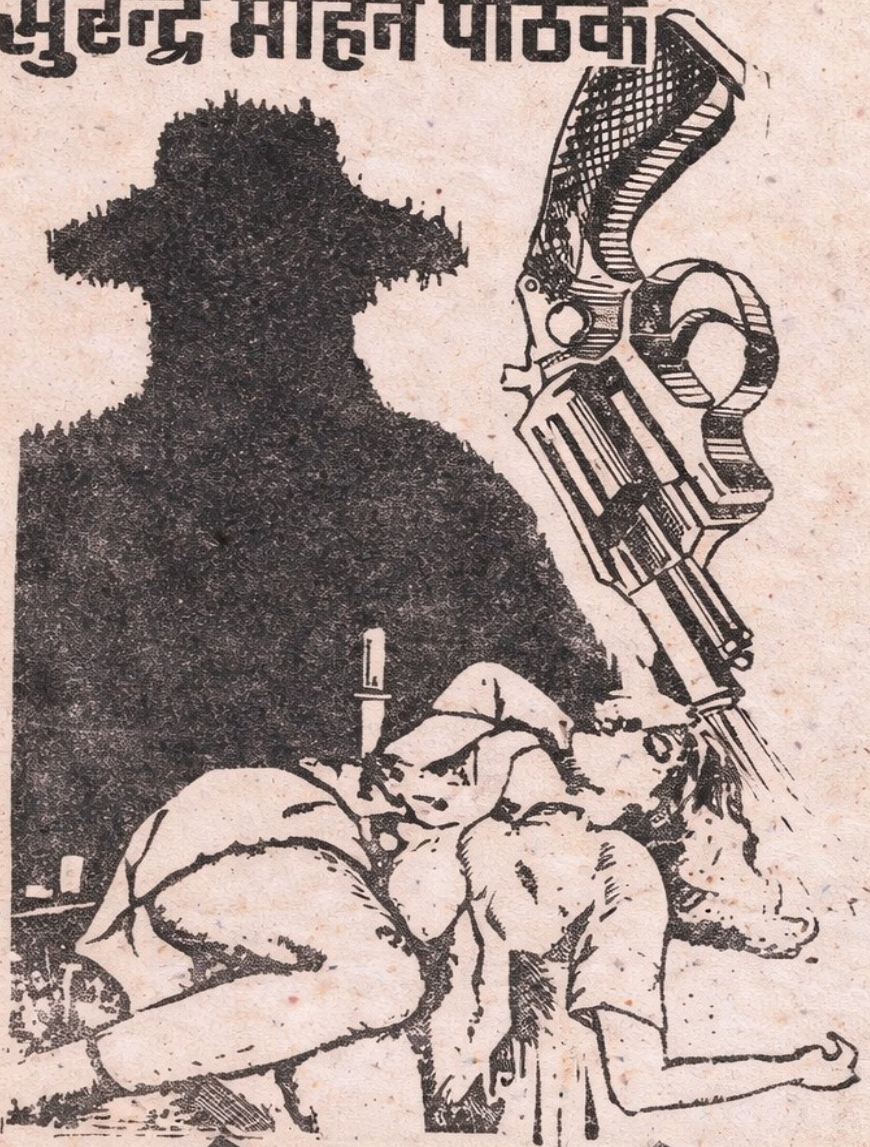

आपरेशन बुडापेस्ट

और

जेम्स बांड फिर बुडा पेस्ट में

लेखकीय:

'आपरेशन बुडापेस्ट' आपके हाथों में है। यह वो उपन्यास है 'तीसरा कौन' के साथ प्रकाशित परिशिष्ट में जिसे मेरे प्रथम प्रतिद्धिप्राप्त उपन्यास का दर्जा दिया गया है। इसी के साथ ऐसे ही एक और सम्पूर्ण एवं अत्यन्त लोकप्रिय उपन्यास 'जेम्स बांड फिर बुडापेस्ट में' भी प्रकाशित हुआ है। दोनों ही उपन्यास पाठकों की बेहद मांग पर बहुत लम्बे अन्तराल के बाद पुनर्प्रकाशित हुए हैं, आशा है आपको पसन्द आयेंगे ।

'तीसरा कौन' की बाबत पत्र मुझे अभी तक प्राप्त हो रहे हैं। मेरे कितने ही पाठकों ने उसे 'मेरी जान के दुश्मन' के बाद मेरा सर्वश्रेष्ठ थ्रिलर उपन्यास करार दिया है। साथ छपे परिशिष्ठ ने तो सोने पर सुहागा का काम किया है। परिशिष्ट की मेरे हर वर्ग के पाठकों ने प्रशंसा की है। कुछ ने तो यहां तक लिखा है कि उन्होंने उपन्यास खरीदते समय दस रुपये परिशिष्टं की कीमत अदा की थी, तीसरा कौन तो उन्हें मुफ्त में हासिल हुआ था। ये मांग अभी भी निरन्तर की जा रही है कि परिशिष्ट के ६४ रंगीन पृष्ठ अलग से उपलब्ध हों, किसी भी कीमत पर उपलब्ध हों क्योंकि हर कोई उस परिशिष्ट का अलग से संग्रह करना चाहता है और कोई भी उसे पुस्तक में से नहीं फाड़ना चाहता। सूचनायें निवेदन है कि पाठकों का यह सुझाव मेरे प्रकाशक की 'एक्टिव कनसिडरेशन' में है। बहुत जल्द उक्त परिशिष्ट अलग से पुस्तकाकार में ही उपलब्ध होगा।

जैसा कि पहले सूचित किया जा चुका है कि मेरे जो दो नये उपन्यास डायमण्ड के आगामी किन्हीं सैंटों में प्रकाशित होंगे उनके नाम पांच पापी और जाना कहां है। पांच पापी थ्रिलर उपन्यास होगा जो अप्रैल में प्रकाशित होगा। उसके बाद जुलाई या अगस्त में विमल का बहुप्रतीक्षित उपन्यास 'जाना कहीं' प्रकाशित होगा। डायमण्ड के मई के सैट में विमल सौरीज के सदाबहार उपन्यास 'आज कत्ल होकर रहेगा' का रिप्रिंट प्रकाशित होगा।

पूर्व सूचनानुसार जो अन्य रिप्रिंट प्रकाशन की राय पर हैं, उनका विवरण इस प्रकार है:

खाली कारतूस: सुनील सीरीज का उपन्यास। राधा से इसी मास प्रकाशित होगा ।

गैंगवार: राधा से ही जून में प्रकाशित होगा। साथ में 'साक्षा-त्कार एक मिस्ट्री राइटर से' नामक लेखक के इन्टरव्यू की सम्पूर्ण टैक्स्ट प्रकाशित होगी ।

स्पाई-चक्र: सुनील सीरीज का उपन्यास । तुलसी के मार्च के सैट में। में। साथ में सुनील सीरीज का ही सम्पूर्ण उपन्यास बदसूरत चेहरे ।

दीवाली की रात: सुनील सीरीज का नया उपन्यास । तुलसी से सम्भवतः जून में प्रकाशित होगा।

आपरेशन षाकिस्तान सुनील सीरीज का अत्यन्त लोकप्रिय उपन्यास । सुबोध से संभवतः इसी मास प्रकाशित होगा। उपरोक्त के अतिरिक्त मेरा नया पुराना कैसा भी कोई उपन्यास अन्यत्र कहीं से प्रकाशित होने वाला नहीं है।

रिप्रिट्स के टू-इन-वन के रूप में प्रकाशन के सन्दर्भ में पाठकों की मिली जुली राय मुझे प्राप्त हो रही हैं। मेरे कुछ पाठक इसे फायदे का सौदा मानते हैं क्योंकि इस प्रकार उन्हें दस रुपये में दो उपन्यास मिलते हैं जिनके अलग-अलग छपने पर उन्हें बारह रुपये अदा करने पड़ते। इसके विपरीत कुछ पाठक इसे घाटे का सौदा मानते हैं क्योंकि यदि कोई एक उपन्यास उनके पास पहले से उपलब्ध हो तो यूं दूसरा वैसे छः रुपये में प्राप्त होने लायक उपन्यास उन्हें दस रुपये में मिलता है। इस घाटे के सौदे को जिला जालंधर के मेरे पाठक रणजीतसिंह ने यूं बयान किया है:

'मान लीजिये एक आदमी तीन रुपये की गोभी, लेना चाहता है मगर उसे पांच रुपये इसलिए देने पड़ते हैं क्योंकि दों रुपये के आलू उस पर जबरदस्ती थोप दिये जाते हैं। उस आदमी की हालत का अनुमान आप लगा सकते हैं।'

टू-इन-वन के उपन्यासों का अप्रैल तक तो पूर्वनिर्धारित आयोजन है इसलिए यह सिलसिला अपने लेखक की खातिर आपको झेलना ही होगा। उसके बाद कोशिश यही होगी कि दो उपन्यास एक साथ प्रकाशित होने की नौबत न आये ।

विनीत.
१५-३-१९८६
सुरेन्द्र मोहन पाठक

5

आपरेशन बुडापेस्ट

एकाएक दूसरे कमरे में रखे हुये टेलीफोन की घण्टी बज उठी ।

बैंड रूम में जेम्स बांड ने घण्टी की आवाज सुनी। उसने बिस्तर में से निकलने का उपक्रम किया लेकिन लड़की की नंगी बांहें बड़ी मजबूती से उसकी गर्दन के गिर्द लिपट गई।

घण्टी बजती रही ।

'हनी,' जेम्स बांड बोला- 'टेलीफोन..'

बाकी के शब्द उसके मुंह में ही रह गये। लड़की ने अपने खूबसूरत गुलाबी होंठ उसके होंठों पर रखकर उसका मुंह बन्द कर दिया और वह और मजबूती से जेम्स बांड के शरीर से लिपट गई।

वर्तमान स्थिति में जेम्स बांड ने भी टेलीफोन की घंटी को नजर-अन्दाज करना ही उचित समझा।

उसने एक उचटती सी दृष्टि अपनी कलाई पर बंधी घड़ी पर डाली - ११ बजने को थे और फिर उसका हाथ लड़की के नग्न शरीर की गोलाईयों पर फिरने लगा ।

टेलीफोन की घण्टी कई क्षण बजती रही और फिर एकाएक बन्द हो गई।

'थैंक गाड' - लड़की धीरे से बोली । बांड उसके नेत्रों में झांकता हुआ मुस्करा दिया ।

लड़की उसे लन्दन के एक नाइट क्लब में मिली थी। नाच और शराब के कई दौर चलने के बाद लड़की ने स्वयं ही नोइट क्लब के शोर भरे वातावरण से निकलकर कहीं और चलने कीं इच्छा प्रकट की थीं । जेम्स बांड यह संकेत खूब समझता था और एक विशेष स्थिति में पहुंचकर इसी संकेत की प्रतीक्षा भी किया करता था।

परिणामस्वरूप वे नाइट क्लब के कथित शोर भरे वाता-वरण से निकलकर जेम्स बांड के फ्लैट के बैडरूम की तनहाई में पहुंच गये थे ।

७

एकाएक जेम्स बांड की कलाई पर बंधी घड़ी में फिट इल-क्ट्रानिक पल्सर (इलेक्ट्रॉनिक पल्सर) में से दिल की धड़कन जैसी आवाज सुनाई देने लगी- जेम्स बांड एकदम सचेत हो गया-उस सिग्नल का अर्थ था कि उसे फौरन अपने ००७विभाग के चीफ 'एम' से सम्पर्क स्थापित करना चाहिये ।

लड़की के शरीर से उसकी पकड़ फौरन ढीली हो गई।
'क्या हुआ ?' - लड़की साश्चये बोली ।

'कुछ नहीं।'- जेम्स बांड बोला। वह एकाएक बेहद गम्भीर हो उठा था और उसके चेहरे पर एक विचित्र प्रकार की कठोरता छा गई थी। उसने लड़की को लता की तरह अपने शरीर से लिपटी हुई नंगी बांहों को अपनी मजबूत पकड़ में थामा और उन्हें अपने शरीर से अलग कर दिया।

वह बिस्तर में से बाहर निकल आया ।

"वाट्स द मैटर, मैन?' - लड़की झुंझलाये स्वर में बोली ।
'अभी बताता हूं डालिंग ।' जेम्स बांड अपने चेहरे पर एक बनावटी मुस्कराहट लाता हुआ बोला। उसने अपने नग्न शरीर को ड्रेसिंग गाउन से ढका और लम्बे डग भरता हुआ

उस कमरे की ओर बढ़ गया जिसमें टेलीफोन रखा था। उसने बड़ी सावधानी से बीच का दरवाजा बन्द कर दिया।

फिर उसने टेलीफोन का रिसीवर उठाया और सीक्रेट सर्विस के हैडक्वार्टर के अपने चीफ 'एम' का नम्बर डायल कर दिया।

दूसरी ओर से तत्काल उत्तर मिला ।

'हल्लो।' दूसरी ओर से 'एम' की सेक्रेट्री का स्वर सुनाई दिया।

'हल्लो; स्वीट हार्ट ।' - जेम्स बांड मीठे स्वर में बोला ।

'हू इज स्पीकिंग, प्लीज (कौन बोल रहा है) ?'- सेक्रेट्री का भावहीन स्वर उसके कानों में पड़ा।

'बांड,' - जेम्स बांड ने उत्तर दिया- 'सीक्रेट एजेन्ट जीरो-जीरो सेवन ।'

'कहां से बोल रहे हो?' - सेक्रेट्री ने प्रश्न किया ।

'अपने फ्लैट से।'

'अपने फ्लैट से?' सेक्रेट्री का आश्चर्यपूर्ण स्वर सुनाई दिया 'लेकिन अभी दो मिनट पहले तो मैंने तुम्हारे फ्लैट पर
टेलीफोन किया था तो कितनी ही देर घन्टी बजती रहने के बावजूद भी किसी ने रिसीवर नहीं उठाया था?'

'उस समय मुझे यह मालूम न था कि टेलीफोन 'एम' की सुन्दर सेक्रेट्री कर रही है और वैसे भी मैं टेलीफोन काल रिसीव करने से ज्यादा महत्वपूर्ण काम कर रहा था।'

'क्या?'

उत्तर देने के स्थान पर जेम्स बांड हंस पड़ा ।

'तुम अपने बैडरूम में थे?' - सेक्रट्री संदिग्ध स्वर से बोली ।

जेम्सवांड ने उत्तर नहीं दिया।

'तुम जरूर अपने बैडरूम में थे।'

'राइट।'

'लड़की कौन थी?'

'मैंने उसका नाम नहीं पूछा।'

'वह अभी भी वहीं है?'

'हां।'

'तुम्हारे बैडरूम में?'

'हां।'

'कैसी स्थिति में है?'

'जैसी स्थिति में एक मर्द के बैडरूम में एक खूबसूरत औरत होती है।'

'फौरन दफा करो उसे ।'

'वह तो करता हूं लेकिन किस्सा क्या है? मुझे इलैक्ट्रानिक पल्सर पर सिग्नल क्यों दिया गया था?'

'वह सब भी बताती हूं। पहले लड़की को चलता करो ।'

'कर दूंगा, बाबा। टेलीफोन बैडरूम में नहीं है। मैं दूसरे कमरे में हूं और बीच का दरवाजा बन्द है। वह हमा हमारा वार्ता लाप नहीं सुन सकती। मैं काम खत्म होते ही उसे चलता कर दूंगा।'

'जेम्स, बाई गाड तुम बेहद गंदी मौत मरोगे। किसी दिन इसी प्रकार हमारे किसी शत्रु राष्ट्र की कोई खूबसूरत नागिन तुम्हें तुम्हारे बैडरूम में ही डस लेगी।'

'ऐसी नौबत नहीं आयेगी।' - जेम्सबांड विश्वासपूर्ण स्वर से बोला-'मैं ऐसी कई नागिनों के फन कुचल चुका हूं।'

'लेकिन लुहार की एक ही---- ओह माई गाड, मतलब की बात तो में भूल ही गई। जेम्स तुमसे बात करते समय मैं हमेशा विषय से भटक जाती हूं। तुम्हारी वजह से किसी न किसी दिन जरूर मुझे नौकरी से जवाब मिल जायेगा।'

'जानती हो ऐसा क्यों होता है?'

'क्यों होता है?'

'क्योंकि तुम मुझसे मुहब्बत करती हो।'

'जेम्स!'

जेम्सबांड की आंखों के सामने सेक्रेट्री का लज्जा से सुर्ख 'होता हुआ चेहरा घूम गया।

कुछ क्षण दोनों में से कोई नहीं बोला ।

अब मतलब की बात करो'- अन्त में जेम्सबांड ने ही चुप्पी तोड़ी ।

'तुम्हें चीफ ने बुलाया है।' - इस बार सेक्रेट्री एकदम व्यवसायिक स्वर से बोली ।

'क्यों?'

'□□□ □□□□ □□□□□□□ □□ □□□□ □□□□□□□'

'□□□ □□□□□□ □□□□□ □□ ?'

'□□□ □□ □□□□ □□ □□□ □□□□□ □□□□ □□□'

'□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□ □□ ?'

'□□ □□□ □□ □□□ □□□-□□ □□□□□ □□□ □□□□□□□□□□□ □□□ □□□□□□□ '□□' □□ □□□□□ □□□□ □□□□□□ □'

□□ □□□ □'

□□□□□□□-□□□□□□□ □□ □□□□

□□□□□□□□□ □□ □□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□ □□ □□□ □□□□ □□ □□□□□□□□□ □□□ □□ □□□□□ □□□□□□ □□□ □□□□□□ □□□ □□□ □□□□

□□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□ □□ □□ □□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□ □□□□ □□ □□□ □□□ □□□□□□□□□ □□ □□□ □□□ □□□□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□ □□□□□□□□□ □ □□□

□□□□□□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□□□□ □□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□ □□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□ □□ □□ □□□-□□□ □□□ □□□□- '□□□ □□□□, □□□□□'

'□□□ □ □□□ □□ □ □□□ □□ (□□□□□ □□□□ □□)?'-□□□□□ □□□□ □□□□□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□□ □

'□□ □□ □□□□, □□□' □□□□□ □□□□ □□□□- '□□□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□□ □ □□□□ □□□'

'□□□□ □□□ ?'

'□□□ □□□□□□□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□□□ □□□□□ □□ □□ □□□ □□ □□□□□ □□ □□□ □□□□ □□□□ □□□ □□ □□□ □□□□□□□ □□□'

'□□□□ □□□ □□ □□□ □□□□□□□ □□□ □□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□ ?'

'□□□□□ □□□□□ □□□ □□□□□ □□ □□ □□□ □□□□ □□□□'

□□□□ ?'

'□□□□ □□□ □□□□ □□'- □□□□□□□□□ □□□□□□ □□□□ □□□ □□□□-'□□□□□ □□, □□□□□ □□□□□ □□□, □□□□□ □□ □□□□□ □□□□□□□ □□□'

'□□□ □□□□ □□□ □□□□□□□ □□□□□ □□□ □□□□□ ?'

'□□□□ □□□□ !'

'□□□□□ □□□ ?'

'□□ □□□□ □'

'□□□□□ □□□□□ □□□ ?'

'□□□□ □□□□ □'

'□□□□□ □□□ □□ □□□□□ □□□□□□□ □□□ ?'

'□□□□ □□□□ □'

'□□ □□□□ □□□ □□ □□□□□□□ □□□ ?"

'□□□□□□ □□□□ □'

'ये तो केवल पचास मिनट हुये लेकिन तुम्हारे पास को एक घण्टे का समय है। बाकी के दस मिनटों में क्या करोगे?" लड़की अर्थपूर्ण स्वरे में बोली ।

'क्या मतलब?' जेम्सबांड उसे घूरता हुआ बोला ।

'मतलब यह।'- लड़की बोली और उसने अपने नग्न शरीर पर से चादर हटा दी और एक निमन्त्रण के रूप में अपनी बांहें जेम्सवांड की ओर फैला दीं ।

'बाई गाड, यू आर राइट बेबी ।'- जेम्स बांड मुस्कराता हुआ बोला- 'आई श्योर ऐज हैल हैव टैन मिनटस् टाईम । (तुम ठीक कह रही हो। वाकई दस मिनट फालतू हैं मेरे पास)'

और फिर जेम्स बांड ने अपने शरीर पर से गाउन उतार कर एक ओर फेंका और पलंग की ओर झपटा।

जिस समय जेम्स, बांड सीक्रेट सर्विस के हैडक्वार्टर के जीरो-जीरो सेवन विभाग में अपने चीफ एम के आफिस में घुसा, उस समय बारह बजने में अभी एक मिनट वाकी था।

'एम' के आफिस में दो कमरे थे। एक भीतर का बड़ा कमरा जिसमें एम स्वयं बैठता था और दूसरा सामने का छोटा कमरा था जिसमें उसकी सेक्रेट्री बैठती थी। सेक्रेट्री फाइलिंग केबिनेट के पास खड़ी थी ।

'हल्लो, स्वीट हार्ट -!' - जेम्स बांड सेक्रेट्री को देखकर मुस्कराता हुआ बोला ।

'हल्लो ।' सेक्रेट्री मुस्कराई। उसने अपनी कलाई पर बंधी नन्ही-सी घड़ी पर दृष्टि डाली और बोली- 'तुम एकदम ठीक समय पर पहुंचे हो। चीफ तुम्हारा इन्तजार कर रहा है।'

'अभी एक मिनट बाकी है डालिंग।' जेम्स बांड अर्थपूर्ण स्वर में बोला- 'और यहां कम-से-कम एक मिनट पहले पहुंचने के लिए मैं अपनी कार हवाई जहाज की तरह उड़ाता हुआ लाया हूं।'

'क्यों?'

'इसलिए।' जेम्स बांड बोला और उसने झपटकर सेक्रेट्री को अपने आलिंगन में बद्ध कर लिया ।

'छोड़ो।' सेक्रेट्री जेम्सबांड की गिरफ्त में छटपटाती हुई बोली ।

एक मिनट बाद ।'- जेम्स बांड बोला और उसने अपने होंठ सेक्रेट्री के अधखुले होंठों पर रख दिए ।

सेक्रेट्री ने दस सेकेण्ड से अधिक विरोध नहीं किया। फिर उसने अपनी बांहें जेम्स बांड की गर्दन में डाल दीं और अपने शरीर को उसके आलिंगन में ढीला छोड़ दिया ।

'जेम्म।' - एकाएक सेक्रेट्री की मेज पर रखे इन्टर कम्यू-निकेशन माइक में से एम की दहाड़ सुनाई दी- 'लीव माई सेक्रेट्री एण्ड कम इन एट वन्स (मेरी सेक्रेट्री को छोड़ो और फौरन भीतर आओ।'

सेक्रेट्री छिटककर जेम्स बांड से अलग हो गई। उसका चेहरा लज्जा से लाल हो गया था। उसने आगे बढ़कर इण्टर कम्यूनिकेशन माइक में लगा एक बटन दबा दिया । माइक का बटन गलती से आन रह गया था और चीफ ने भीतर बैठे हुए उनका सारा वार्तालाप सुन लिया था ।

जेम्स बांड ने घबराई हुई सेक्रेट्री को देखकर अपनी दाईं आंख दबाई, अपने चेहरे पर एक आश्वासनपूर्ण मुस्कराहट लाकर उसकी ओर देखा और फिर अपनी टाई की नाट ठीक करता हुआ एम के ऑफिस में घुस गया ।

अपनी विशाल महोगनी की मेज के पीछे सीक्रेट सर्विस के ०७ विभाग का चीफ 'एम' बैठा हुआ था। उसके होंठ भिचे हुए थे और नेत्रों से नाराजगी टपक रही थी।

जेम्स बांड उसके सामने जाकर खड़ा हो गया। एक मुस्क राहट के साथ उसने अपने चीफ का अभिवादन किया ।

□□ □□ □□□□ □□□ □□□□□ □□□ □□ □□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□- □□□□□'

□□□□□ □□□□ □□□ □□ □□□-□□□ □□□ □□□ □□□□□ □□ □□ □□□□□□□□ □□□ □□ □□ □□ □□□ □□□□

'□□□□ □□□□□ □□ □□ □□□□□□□□ □□□□□□'- □□ □□ □□□□ □□□□ □□ □□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□□□

□□□□□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□ □□ □□□□□ □□□□□□ □□ □□□ □□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□□ □□ □□□ □□□ □□□□□-□□ □□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□-'□□ □□ □□□□ □□ □'

'□□ □□ □□ □'- □□ □□□□ □

□□□□□ □□□□ □□□ □□□□

'□□□□ □□ □□□□□'- □□ □□ □□□□ □□□□□

'□□ □□ □'- □□□□□ □□□□ □□□ □□□□□ □□□□ □

'□□□ □□□□□□□□ □□□□□ □□□ □□ □□□□□ □□ □□□ □□□ □□□□ □□ □□ □□□ □□□□ □□□ □□□□ ?'

'□□ □□□□□□□□□'

'□□□□□□ □□ ?'

'□□ □□□□□□□□'

'□□□□□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□□□□□ □□□ □□□□ □□□'
 '□□□□□ ?'- □□□□□ □□□□ □□ □□□ □□□□ □□ □□□□□□ □□□□ □

'बुडापेस्ट जाने के लिए तुम्हें इसलिए चुना गया है। - एम यूं बोला जैसे उसने जेम्स बांड का प्रश्न सुना हीं नहीं- 'क्योंकि' तुम पहले भी एक बार एक अन्य आपरेशन के लिए बुडापेस्ट जा चुके हो। मेरे विभाग के बाकी एजेन्टों के मुकाबले में बुडापेस्ट की, वहां के जन-जीवन की, वहां की भाषा वगैरह की तुम्हें बेहतर जानकारी हैं। इंग्लैंड के महान वैज्ञानिक प्रोफेसर हेरोल्ड जेनिग्स को जिस सफाई से तुम हंगेरियन सीक्रेट पुलिस के पंजे से निकाल लाए थे, उसके लिए मैं आज भी तुम्हारी प्रशंसा करता हूं।' (देखिए 'हंगरी में हंगामा')

'लेकिन सर ।'- जेम्सबांड ने विरोध किया- 'उस आपरेशन की सफलता का कारण मैं हरगिज भी नहीं था। आपके मित्र सिरोव और उसके साथियों ने अगर मेरी सहायता न की होती तो मैं प्रोफेसर हेराल्ड जेनिंग्स को बुडापेस्ट से स्वदेश लौटा लाने में हरंगिज सफल नहीं हो पाता। उस आपरेशन के दौरान तो मैंने कंदम-कदम पर हार का सामना किया था। जैसा कि आप जानते ही हैं, आस्ट्रिया का बार्डर क्रास करके हंगरी की सीमा में प्रवेश करते ही मैं गिरफ्तार कर लिया गया था। अगर मेजर होत्रार्थ ने-----।'

'ठीक है, ठीक है।'- एम हाथ उठाकर उसे रोकता हुआ बोला- 'हमें अभियान की सफलता से मतलब है। हमें वह सफलता हासिल कैसे हुई, अपने प्रयत्नों से हासिल हुई या गैर लोगों की मदद से हुई, हुई, इससे हमें वास्ता नहीं है। मुझे तो केवल नतीजे से मतलब है।। तलब है। तुमने पिछले आपरेशन में वहां कहां मात खाई इससे मुझे वास्ता नहीं। मैं किसी आपरेशन की रिपोर्ट की डिटेल याद नहीं रखता, केवल नतीजा याद रखता हूं। तुम्हारे बुडापेस्ट में पिछले आपरेशन के विषय में मुझे केवल इतना याद है कि तुम प्रोफेसर हेरोल्ड जेनिंग्स को स्वदेश वापिस लौटा लाने के लिए गए थे और वापिस लेकर ही लौटे थे।'

जेम्स बांड चुप रहा।

'मेरी बात समझ में आई तुम्हें?'

जेम्स बांड ने स्वीकृति सूचक ढंग से सिर हिला दिया।

पिछली बार भी तुम ऐसे ही मौसम में बुडापेस्ट भेजे गए थे।' एम फिर बोला- 'पिछली बार की तरह अब भी सारे हंगरी में बर्फ पड़ने लगी है। अभी तक हवाई अड्डे खुले हुए

हैं लेकिन अंगर इसी रफ्तार से मौसम खराब होता रहा और बर्फ गिरती रही तो फिर किसी भी क्षण हवाई अड्डे बन्द हो जाएंगे और सारा एयर ट्रैफिक ब्लाक हो जाएगा। यही वजह है कि तुम्हें फौरन बुडापेस्ट भेजने का इन्तजाम किया गया है। इस बार तुम्हें पिछली बार की तरह गैर कानूनी ढंग से हंगरी का बार्डर क्रास नहीं करना पड़ेगा। इस बार तुम सीधे यहां से वियेना जाओगे और फिर एक जाली जर्मन पासपोर्ट के साथ किसी जर्मन मैटल फर्म के प्रतिनिधि या पार्टनर के रूप में सीधे बुडापेस्ट के हवाई अड्डे पर जाकर उतरोगे। और देशों के लोगों के मुकाबले में जर्मन बुडापेस्ट में कम संदेह की निगाह से देखे जाते हैं। वैसे भी हंगरी की साम्यवादी सरकार में विदेशी मैटल कम्पनियों के प्रतिनिधि बड़े सम्मान की दृष्टि से देखे जाते हैं। बुडापेस्ट पहुंच कर पूछे जाने पर तुम अपनी बुडापेस्ट यात्रा का कारण यह बताओगे कि तुम वहां हंगरी की इकानोमिक मिनिस्ट्री में फैरो बाल्फाम (फेरो-वुल्फ्राम) के सौदे के बारे में बातचीत करने आए हो। यह कहानी किसी हद तक बुडापेस्ट में बुम्हारी मौजूदगी के दौरान तुम्हारी सुरक्षा की गारण्टी होगी। इस बात का पूरा इन्तजाम किया जाएगा कि तुम्हारे बारे में तफ्तीश होने की नौबत आ जाने पर यही जाहिर हो कि तुम वाकई किसी जर्मन मैटल फर्म के प्रतिनिधि हो और इकानोमिक मिनिस्ट्री के फैरो-वाल्फाम का सौदा करने के लिए ही बुडापेस्ट में आए हो।'

*लेकिन बुडापेस्ट जाने का मिशन क्या है?' - जेम्सबांड ने पूछा ।

'एम' ने अपनी मेज का एक दराज खौला और उसमें से कई तस्वीरें निकालीं । कुछ क्षण वे उन तस्वीरों को अपने हाथों में उलटते-पलटते रहे और फिर उनमें से सात आठ तस्वीरें उन्होंने जेम्स बांड की ओर बढ़ा दीं।

जेम्स ब्रांड ने देखा वे फुलसाइज की बड़ी स्पष्ट तसवीरें थीं। सारी तस्वीरें एक ही आदमी की थीं जिनमें उस आदमौ को विभिन्न मुद्राओं में दिखाया गया था।
जेम्स बांड कुछ क्षण बड़ी गौर से उन तसवीरों को देखता रहा और बड़ी मेहनत से उनकी एक-एक डिटेल को अपने मस्तिष्क में बैठाता रहा।

अन्त में उसने तस्वीरों को मेज पर रख दिया ।

'अब तुम इस आदमी को कभी देखो तो पहचान लोगे?'-'एम' ने प्रश्न किया।

'पहचान लूंगा।'- जेम्स बांड विश्वासपूर्ण स्वर से बोला ।
'गुड!'- 'एम' सन्तुष्टि पूर्ण स्वर से बोला ।

'लेकिन यह है कौन?'

'इसका नाम मैक्स ओल्गर है। यह ब्रिटिश सीक्रेट सर्विस ' का बड़ा होशियार और विश्वसनीय एजेन्ट है।'

'एम' एक क्षण के लिए चुप रहा और फिर धीरे से बोला,
मैक्स ओल्गर इस समय हंगेरियन सीक्रेट पुलिस की कैद में है।'

जेम्स बांड एकदम सतर्क हो गया ।

'क्यों?'- उसने प्रश्न किया ।

'मैक्स ओल्गर हमारा एजेन्ट था और हंगरी में साम्य-वादियों की राजनैतिक गतिविधियों की सूचनायें हम तक पहुं-चाया करता था। पता नहीं कैसे वह हंगेरियन सीक्रेट पुलिस की निगाहों में आ गया और फिर एकाएक गिरफ्तार कर लिया गया। हंगेरियन सीक्रेट पुलिस ने उस पर स्पाइंग का इलजाम लगाया है।'

जेम्स बांड चुप रहा ।

'साधारण स्थिति में अगर हमारा कोई स्पाई किसी अन्य देश में पकड़ लिया जाता है और वह देश हमसे स्पाई के कृत्य की सफाई मांगता है तो हम साफ झूठ बोल देते हैं कि हमारा उस स्पाई से कोई वास्ता नहीं है। नब्बे प्रतिशत मामलों में नजीजा यह होता है कि वह या तो कई सालों के लिए जेल में डाल दिया जाता है और या फिर उसे गोली से उड़ा दिया जाता है।'

'वे लोग पहले टार्चर द्वारा उसका कोशिश करते हैं।' मुंह खुलवाने की भी तो

'जरूर करते हैं। लेकिन या तो वे सफल नहीं होते और अगर सफल हो भी जाते हैं तो उससे कोई ऐसी बात नहीं जान पाले जो हमें कोई नुकसान पहुंचा सके। एक आध मामले में ऐसा भी होता है कि हमारा कोई ऐसा स्पाई शत्रओं की पकड़ में आ जाता है जो हमारे स्पाई चक्र के बारे में बहुत कुछ जानता होता है और शत्रु उसका मुंह खुलवाने में और उसका अपराध स्वीकार करवाने में सफल भी हो जाते हैं, जैसा कि मैक्स ओल्गर के मामले में हुआ है।' 'अच्छा!'

'हां मैक्स ओल्गर के माध्यम से हंगरी की सरकार ने ऐसा इन्तजाम किया है कि एक बार तो हमारे राष्ट्र को सारे संसार के सामने जलील होना पड़ जाएगा।'

'क्या किया है उन्होंने?'

'मैवस ओल्गर की गिरफ्तारी को उन्होंने इन्टरनेशनल न्यूज बना दिया है। सभाचार पत्रों के मुख पृष्ठों पर मैक्स ओल्गर की तस्वीर के साथ यह समाचार छपा हैं कि ब्रिटिश सीक्रेट एजेन्ट मैक्स ओल्गर बुडापेस्ट में जासूसी के इलजाम में गिरफ्तार कर लिया गया है।

'यह समाचार कब छपा है?'

'परसों। और सच पूछो तो उसी समाचार के माध्यम से हमें मालूम हुआ है कि मैक्स ओल्गर शत्रुओं के कब्जे में आ गया है। यही, नहीं हंगरी की साम्यवादी सरकार ने घोषणा की है कि अट्ठारह तारीख को, अर्थात् आज से छः दिन बाद, मैक्स ओल्गर पर बुडापेस्ट में जनता की अदालत में मुकदमा चलाया जायेगा। अट्ठारह तारीख को उन्होंने सारे संसार के समाचार पत्रों के प्रतिनिधियों को बुडापेस्ट में आमन्त्रित किया है और घोषणा की है कि ब्रिटिश स्पाई मैक्स ओल्गर जनता की खुली अदालत में हंगरी की जनता के सामने, संसार भर के प्रेस प्रति-निधियों के सामने, बुडापेस्ट में मौजूद विभिन्न देशों के राज-नैतिक प्रतिनिधियों के सामने यह स्वीकार करेगा कि वह ब्रिटिश सरकार की ओर से जासूसी करने के लिए बुडापेस्ट में नियुक्त था। वह साम्यवादी सरकार के गुप्त रहस्यों को जानकर ब्रिटेन में अपने अफसरों तक पहुंचाया करता था, वह हंगरी को साम्य-वादी सरकार के पंजे से छुड़ाने के लिए क्रियाशील हंगेरियन जनता को ब्रिटिश सहयोग का आश्वासन देकर बगावत के लिए भड़काया करता था। यही नहीं मैक्स ओल्गर ब्रिटिश सीक्रेट सर्विस के कार्य

कलापों की तगड़ी जानकारी रखता है। संसार भर के साम्यवादी देशों में फैले हुए हमारे जासूसों में से तीन चौथाई को वह जानता है। अगर हंगेरियन सीक्रेट पुलिस मैक्स ओल्गर का मुंह खुलवाने में सफल हो गई तो हमारे कितने ही जासूस तो गिरफ्तार होंगे ही साथ ही सारे संसार के सामने हमारे मुंह पर कालिख पुत जायेगी ।' 'तो आप चाहते हैं-' जॅम्सबांड बोला- 'कि मैं बुडापेस्ट जाकर मैक्स ओल्गर को हंगेरियन सीक्रेट पुलिस के चंगुल में से निकाल लाऊं ।'

'ऐसा हो पाना असम्भव है। मैक्स ओल्गर की सारी हंगरी की सीक्रेट पुलिस निगरानी कर रही है। मैक्स ओल्गर को बुडापेस्ट से निकाल कर इंगलैंड ले आना एक करिश्मा होगा।'

'तो फिर आप मुझे बुडापेस्ट क्यों भेजना चाहते हैं?'

'मैक्स ओल्गर को गोली से उड़ा देने के लिए।'

जेम्स बांड के चेहरे पर शिकन नहीं आई।

'ऐसा हो पाना सम्भव है?' उसने शांति से पूछा ।

'सम्भव है और इसे तुम कर सकते हो।'

'कैसे?'

'सुनो'- 'एम' तनिक आगे को झुकता हुआ बोला-'सौभाग्यवश मैक्स ओल्गर हंगेरियन सीक्रेट पुलिस के हैडक्वार्टर ऐन्ड्रेसी डट में गिरफ्तार नहीं है। बुडापेस्ट नगर में ही एक जेल है जिसमें उसे रखा गया है। उस जेल पर और विशेष रूप से जेल के उस कमरे पर जिसमें मैवस ओल्गर गिरफ्तार है सिविल पुलिस के साथ-साथ सीक्रेट पुलिस का भी कड़ा पहरा है। कोई बाहरी आदमी उस जेल में छुपकर मैक्स ओल्गर तक हरगिज हरगिज नहीं पहुंच सकता। जेल की अभेद्य और साधा-रण से ऊंची चार दीवारी और सिविल और सीक्रेट पुलिस के कड़े पहरे की मौजूदगी में वहां कोई पंछी भी पर नहीं सकता ।'

'तो फिर...?'

'सुनते रहो। मैक्स ओल्गर दिन रात जेल की उस कोठरी में बन्द रखा जाता है। रात को नौ बजे जब उसे खाना दिया जाता है तो खाने के बाद केवल दस मिनट के लिए उसे कोठरी में से निकाल कर खुली हवा में लाया जाता है।'

'आपको यह सब कैसे मालूम है?'

'मेरा एक सोर्स है। बिल नाम का बुडापेस्ट का ही एक निवासी हमारा एजेन्ट है। तुम्हारे बुडापेस्ट पहुंच जाने पर वह खुद तुमसे सम्पर्क स्थापित करेगा और कई मामलों में तुम्हारी भारी सहायता करेगा । मैक्स ओल्गर की स्थिति की सूचना हमें उसी के माध्यम से प्राप्त हुई है।'

'आई सी ।'

'जेल के आस पास दो फलांग तक कोई आबादी नहीं है लेकिन उसके बाद घनी आबादी शुरू हो जाती है और ऊंची-ऊंची इमा-रतों का सिलसिला शुरू हो जाता है। जेल से लगभग आधा मील दूर कुछ इमारतें इतनी ऊंची हैं कि उनकी छत से एकदम जेल की चारदीवारी के भीतर कांका जा सकता है।' 1

'आधा मील दूर से?'

'हां लेकिन नंगी आंखों से नहीं टैलीस्कोपिक साइट से । उन्हीं इमारतों में से एक इमारत ऐसी है जहां से जेल के भीतर का वह स्थान साफ दिखाई देता है जहां रात के खाने के बाद मैक्म ओल्गर को दस मिनट खुली हवा में बैठने कीइजाजत दी जाती है। उस इमारत का पता तुम्हें बिल बता देगा ।

फिर 'एम' अपने स्थान से उठा और क के एक कोने में लगी कई अलमारियों में से एक के सामने आ खड़ा हुआ। उसने अलमारी का ताला खोला और उसमें से एक विचित्र से आकार की और असाधारण लम्बाई की रायफल निकाली। उसने अल-मारी को दुबारा ताला लगा दिया और रायफल लेकर जेम्स बांड के सामने आ खड़ा हुआ।

'यह रायफल'- 'एम' ने बताया- 'मैंने विशेष रूप से इसी आपरेशन के लिए तैयार करवाई है। यह एक मील तक मार करने वाली रायफल है और इसकी ७.८५ केलिबर की गोली इंसान तो क्या एक बार तो हाथी के भी प्राण निकाल दे। इसकी नाल के साथ जो एक और लंबी सी नाल तुम्हें दिखाई दे रही है वह एक बेहद शक्तिशाली टेलीस्कोप है। इसकी सहायता से आधा मील दूर की चीज एकदम साफ दिखाई दे जाती है। तुम इसको हैंडल कर सकते हो?'

जेम्स बांड ने तत्काल उत्तर नहीं दिया। उसने रायफल के हाथ से ले ली। कुछ क्षण वह रायफल को अपने हाथों में उलटता पलटता रहा। उसने रांयफल की मकेनिज्म चैक की, उसका टेलीस्कोप चैक किया, नाल की अलाइनमेंट को चैक किया और फिर उसे अपने हाथों में तौलता हुआ अपने स्थान से उठकर खिड़की के समीप पहुंच गया, उसने रायफल की नाल को खिड़की से बाहर निकाल दिया और टेलीस्कोप को दूर की एक इमारत की छत पर लगे टेलीविजन के एरियल पर फोकस करने लगा । बिना टेलीस्कोप के एरियल का अस्तित्य ही नहीं मालूम होता था लेकिन टेलीस्कोप की सहायता से एरियल एकदम जेम्सबांड की आंखों के सामने आ गया था।

अन्त में जेम्सबांड ने रायफल की नाल खिड़की में से वापस खींच ली और संतुष्टिपूर्ण ढंग से सर हिलाता हुआ खिड़की से हट गया ।

'मैं इसे हैंडल कर सकता हूं।'- जेम्सबांड विश्वासपूर्ण स्वर में बोला ।

'और रात के सीमित प्रकाश में आधे मील के फासले से एक दम सच्चा निशाना भी लगा सकते हो?'

'हां'- जेम्सवांड स्थिर स्वर में बोला ।

'मुझे तुमसे यही उम्मीद थी।'- 'एम' संतुष्ट स्वर से बोला-'इसीलिये इस आप्रेशन के लिये मैंने तुम्हें चुना है। मैंने तुम्हें टारगेट प्रक्टिस में एक इन्च की गोलाई के टारगेट पर दस बार में से दस बार निशाना लगाते देखा था।'

'लेकिन'- जेम्सबांड बोला- 'इस असाधारण आकार की रायफल को छुपा कर बुडापेस्ट ले जाना सम्भव कैसे होगा?'

'मैं बताता हूं, यह कैसे सम्भव होगा।'- 'एम' मुस्कराता हुआ बोला- 'यह रायफल फोल्डिग है और छः भागों में विभक्त हो जाती है।'

'एम' ने रायफल को जेम्सबांड के हाथ से ले लिया और उसके विभिन्न भागों को इस प्रकार घुमाने लगा जैसे चूड़ियां खोल रहा हो।

थोड़ी ही देर बाद रायफल छः भागों में विभक्त हुई मेज पर पड़ी थी।

'रायफल के इन भागों को बड़ी सावधानी से एक विशेष रूप से निभित सूटकेस की साइडों में फिट कर दिया जाएगा। राय-फल के इस्तेमाल का मौका आने पर तुम सूटकेस को चाकू की सहायता से फाड़ डालना और रायफल के छः भाग निकाल लेना। इस्तेमाल के बाद तुम्हें रायफल की जरूरत नहीं रहेगी। फिर तुम रायफल को कहीं भी फेंक देना।'

'बुडापेस्ट में मैं बिल को पहचानूंगा कैसे और उससे सम्पर्क कैसे स्थापित करूंगा?' - जेम्सबांड ने पूछा।

'तुम्हें बिल को पहचानने या उससे सम्पर्क स्थापित करने की जरूरत न पड़ेगी। बिल खुद तुमसे सम्पर्क स्थापित करेगा।'
'कैसे?'

'बुडापेस्ट में तुम हिल्टन होटल में ठहरोगे। हिल्टन होटल से तीन ब्लाक आगे बहुत बड़ा पब्लिक पार्क है। उस पार्क के मध्य में स्टालिन की एक बहुत बड़ी प्रतिमा लगी हुई है। बुडापेस्ट पहुंचने के बाद हर शाम को साढ़े छः और सात बजे के बीच तुम उस प्रतिमा के आसपास पड़े बैंचों में से एक पर जाकर बैठा करोगे। उस आधे घन्टे में तुम लगातार सिग्रेट पियोगे और अपना हर नया सिक्रेट माचिस से ही सुलगाओगे, लाइटर या पिछले सिग्रेट के जलते हुए टुकड़े से नहीं। हर बार तुम माचिस की पहली दो तीलियों को माचिस से इस प्रकार टकराओगे कि या तो वे जलें नहीं और अगर जलें तो फौरन टूट जाएं या बुझ जाएं। हर बार तुमने तीसरी बार ही सिग्रेट सुलगाने में सफल हो पाना है। तुम्हारे इस एक्शन से बिल तुम्हें पहचान लेगा।'

'मैं बिल को कैसे पहचानूंगा?'

'वह तुमसे टाइम पूछेगा । तुम उसे टाइम बताओगे तो वह सन्देह प्रकट करेगा कि तुम्हारी घड़ी आगे है। तुम इसरार करोगे कि टाइम ठीक है। वह फिर तुम्हारी घड़ी को पहले दस मिनट और फिर कम से कम पांच मिनट आगे बताएगा। तुम फिर यही कहोगे कि तुम्हारी घड़ी एकदम ठीक है। अन्त में वह तुमसे सह-मति प्रकट कर देगा। जिस आदमी से तुम्हारा ठीक ऐसा ही वार्तालाप हो, वही बिल होगा।'

'लेकिन बिल मुझे मिलेगा कब?'

'निश्चय ही वह अट्ठारह तारीख से पहले मिलेगा तुम्हें । लेकिन कोई निश्चित दिन नहीं बताया जा सकता। तुम रोज शाम को उस पार्क में जाकर बैठोगे। बिल जब सुरक्षित समझेगा तुमसे सम्पर्क स्थापित कर लेगा। सम्भव है वह तुम्हें पहले ही दिन मिल जाए, सम्भव है वह तुम्हें सत्रह तारीख को अर्थात आखिरी दिन मिले ।'

'अगर उसे दौरान में मैक्स ओल्गर को उस जेल में से हटा दिया गया तो?'

'तो हमारी किस्मत । सम्भव तो यह भी है कि वह अभी ही वहां से हटा दिया गया हो। ऐसी स्थिति में हाथ पर हाथ रख कर तमाशा देखने के अतिरिक्त हम कुछ नहीं पाएंगे।'

'इस सिलसिले में आपके मित्र सिरोव और उसकी रिजीस्टेंस मूवमेंट के सदस्य हमारी कोई सहायता नहीं कर सकते क्या..?' जेम्सबांड ने पूछा। प्रश्न पूछते समय उसके नेत्रों में सिरोव, जूलिया सैंडर, इमर और मेजर होवार्थ के चेहरे घूम गए। फिर उसे याद आया कि किस प्रकार मेजर होवार्थ ने अपने बेटे इमर के साथ कर्नल हीदस और उसके साथियों को आगे बढ़ने से रोके रखा था और जेम्सबांड और प्रोफेसर हेरोल्ड जेनिंग्स को हंगरी का बार्डर क्रास करके आस्ट्रिया में प्रवेश कर जाने का अवसर देने हेतु अपनी जानें गंवा दी थीं। (देखिए 'हंगरी में हंगामा')

एक क्षण, केवल एक क्षण के लिए जेम्सबांड का गला भर आया ।

'सिरोव और उसके साथियों से सहायता मिल पाने की कोई सम्भावना नहीं है।'- 'एम' ने उत्तर दिया पिछले आठ महीने से मेरा सम्पर्क एकदम समाप्त हो चुका है। तुम्हारे बुडापेस्ट पहुंचने की सूचना सिरोव को देने का मेरे पास कोई साधन नहीं है।'

'आई सी ।'- जेम्सबांड बोला ।

'फिर भी एक नाम और नम्बर याद कर लो।'

'कौन-सा नाम?'

'जान्सी!'

'और नम्बर?'

'६२५८४२!'

'यह क्या कोई टेलीफोन नम्बर है?'

'मालूम नहीं। तुम इस नम्बर को याद रख लो। जान्सी नाम के आदमी से सम्पर्क स्थापित करने के लिए यह कोड का काम देगा ।'

'लेकिन जान्सी है कौन?'

'जान्सी एक आदमी का नाम है। नाम और इस नम्बर के अतिरिक्त उसके बारे में मैं तुम्हें कुछ नहीं बता सकता। मैं तुम्हें केवल इतना बता सकता हूं कि यह आदमी हंगरी की साम्यवादी सरकार का शत्र है और मेरा निजी मित्र है। मुझे यह भी पता नहीं कि इस समय वह बुडपेस्ट में है भी या नहीं। अगर बुडापेस्ट में तुम्हें सहायता की जरूरत पड़े तो जान्सी के बारे में तुम बिल से पूछना। शायद वह तुम्हें जान्सी तक पहुंचाने में सफल हो जाए।'

'ओ० के० ।'

'और कुछ पूछना चाहते हो?'

'नहीं।' जेम्सबांड ने उतर दिया ।

'अब मेरे साथ आओ ।'

'कहां?'

'प्रोजेक्शन रूम में। मैं तुम्हें मैक्स ओल्गर की एक फिल्म दिखाना चाहता हूं। फिल्म देखने के बाद तुम्हें उसकी अच्छी पहचान हो जाएगी।'

'चलिए।'

जेम्सबांड 'एम' के पीछे-पीछे प्रोजेक्शन रूम में आया। प्रोजेक्शन हाल लगभग पचास सीटों वाला मिनियेचर सिनेमा हाल था- सामने स्क्रीन थी और पीछे एक हाल में ही एक ऊंचे स्टैंड पर प्रोजेक्टर फिट किया हुआ था।

एक आदमी एम के संकेत पर प्रोजेक्टर के पीछे पहुंच गया। 'एम' और जेम्सबांड कुसियों पर बैठ गए। 'एम' ने फिर संकेत किया।

हाल की बत्तियां बुझ गयीं। कुछ क्षण तक अन्धकार रहा और फिर सामने स्क्रीन पर तीव्र प्रकाश पड़ा। फिल्म चलने लगी ।

एक्रीन पर एक गली का दृश्य दिखाई देने लगा। फिर एक इमारत का मुख्य द्वार खुला और उसमें से एक आदमी निकलकर गली में आ गया और एक ओर चलने लगा।

वह मैक्स ओल्गर था ।

मैक्स ओल्गर गली में से चलता हुआ सड़क पर आ गया-और फिर बस स्टैंड पर आकर बस की लाईन में खड़ा हो गया-स्क्रीन पर मैक्स की सूरत लांग शाट से मिड शाट में दिखाई दी और फिर क्लोज अप में बदल गई। थोड़ी देर बाद कैमरा लांग शांट में पहुंच गया।

मैक्स ओल्गर ने एक बार सड़क पर झांका। फिर उसने बाएं हाथ से अपने चेहरे पर लगा हुआ चश्मा उतारा और फिर उसी हाथ के पृष्ठ भाग को आंखों पर फिराने लगा। कुछ क्षण बाद उसने चश्मा फिर नाक पर रख लिया ।

'इसके किसी एक्शन से यह तो नहीं लगता कि इसे मालूम है कि मूवी कैमरे से इसकी फिल्म खींची जा रही है।'

'मालूम होने का सवाल ही नहीं पैदा होता। सारी फिल्म टेलीस्कोपिक लैस बाले कमरे से ली गई है। कैमरा मैन को मैक्स ओल्गर के पास फटकने की जरूरत ही नहीं थी।'

स्क्रीन पर अभी भी मैक्स ओल्गर दिखाई दे रहा था। उसने एक बार फिर बाएं हाथ से अपना चश्मा उतारा, उसी हाथ को आंखों पर फिराया और चश्मा दुबारा आंखों पर लगा लिया ।

'आपको मैवस ओल्गर की ऐसी फिल्म तैयार करवाने की क्या जरूरत पड़ गई?'

'एम' के चेहरे पर हल्की-सी मुस्कराहट आ गई।

'मिस्टर।' वह बोला- 'सिर्फ मैक्स ओल्गर की ही नहीं, ब्रिटिश सीक्रेट सरविस के हर एजेंट की ऐसी फिल्म हैडक्वार्टर में मौजूद है।'

'मेरी भी?' जेम्लबांड हैरानी से बोला ।

'तुम अपने आपको अपबाद क्यों समझते हो?'

जेम्सबांड चुप रहा ।

स्क्रीन पर मैक्स ओल्गर अपनी बगल में खड़ी एक लड़की से बातें करने लगा था।
लड़की से बात करते-करते मैक्स ने फिर अपने बाएं हाथ से आंखों पर से चश्मा हटा लिया और उसी हाथ के पृष्ठ भाग को अपनी आंखों पर फिराने लगा।

'काफी है..?' एम ने पूछा ।

'काफी है..!' जेम्सबांड बोला ।

'एम' उठ खड़ा हुआ। उसने आपरेटर को संकेत किया । स्क्रीन पर फिल्म प्रोजेक्ट होनी बन्द हो गई और हाल फिर कृत्रिम प्रकाश से जगमगा उठा ।

'एम' और जेम्सबांड हाल से बाहर निकल आए ।

'अब तो तुम मैक्स ओल्गर को बड़ी आसानी से पहचान लोगे?'- एम० ने पूछा ।

'बड़ी आसानी से'- जेम्सबांड ने विश्वासपूर्ण स्वर से उत्तर दिया- 'कहीं भी, किसी भी हालत में ।'

'उसमें कोई विशेष बात नोट की तुमने?'

'हां, एक ।' जेम्सबांड बोला- 'हर दूसरे तीसरे मिनट बाद चश्मा उतारकर आंखों पर हाथ का पिछला हिस्सा फिराना उसकी आदत मालूम होती है।'

'करैक्ट ।'- 'एम' प्रशंसात्मक स्वर से बोला- अपनी इस आदत की वजह से वह हर वक्त बड़ा बौखलाया-सा दिखाई देता है। और कोई यह सोच भी नहीं पाता कि ऐसा नर्वस आदमी सीक्रेट एजेंट हो सकता है।'

जेम्सबांड चुप रहा

'वियना के प्लेन में तुम्हारी सीट बुक हो चुकी है। प्लेन लगभग डेढ़ घंटे में रवाना होगा। तुम एयरोड्रम पहुंचो - मैं तुम्हारे सामान और पासपोर्ट वगैरह वहां भिजवाता हूं।'

'ओ० के०।'

'विश यू गुड लक।'- 'एम' उसकी ओर हाथ बढ़ाता हुआ बोला ।

जेम्सबांड ने मजबूती से 'एम' का हाथ थाम लिया और शांत स्वर में बोला- थैंक्यू ।'

□□□□□□□□□□ □□ '□□' □□ □□□□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□□□ '□□' □□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□□□ □

'□□' □□ □□□□□□□□□□□□ □□□□ □□□□□□ □□□□□ □□□□ □□ □□ □□ □□□□□ □□□□ □

'□□□□ □□□□□ □□□□□□ □□□□□□ □□□□□ □□□□ □□□□□ □□?' - □□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□□ □

'□□□□□, □□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□□□'

'□□ □□ !"

'□□□□□□□□□□ □' -□□□□□□□□□□□ □□ □□□□□ □

'□□□□ !'

'□□□□□ ?'

'□□□□□□□ □□□□□□□□□□ □'

'□□□□ □□ !'

'□□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□ □□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□□□ ? □□□□□ □□ □□□□□□□□ □□□□□□□ □□□□'

□□□□□□□□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□ □□□□

□□□□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□□□□□□ □□□□ □□ □□□□□ □

'□□□□□□ □□□□□□□' □□□□□□□□□□□□ □□□□□□□□□□□□ □□□□□ □□ □□□□□- □□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□..?'

□□□□□□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□□□□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□ □□□□□ □□ □

'ऐसी की तैसी चीफ की।'- जेम्सबांड ने अपनी बांहों का घेरा और छोटा कर लिया 'वह इस समय मुझे मौत के मुंह में भेज रहा है। इस समय तो मैं खुद उसका चुम्बन लेना चाहूं तो वह ऐतराज नहीं करेगा।'

'लेकिन।'

जेम्सबांड ने अपने होंठ सेक्रेट्री के अधखुले होंठों पर रख दिए । सेक्रेट्री ने भी अपनी बांहें जेम्सबांड के गले में डाल दीं।

उसी क्षण 'एम' के आफ़िस का दरवाजा खुला । केवल एक क्षण के लिए 'एम' का विशाल शरीर दरवाजे के फ्रेम में दिखाई दिया। उसने जेम्स बांड और सेक्रेट्री को एक-दूसरे की बांहों में देखा और फिर तत्काल ही द्वार को बन्द कर लिया ।

जेम्स बांड और सेक्रेट्री 'एम' के इस एक्शन से एकदम बेखबर थे ।

****

जेम्स बांड अपना सूटकेस हाथ में लटकाए बुडापेस्ट हवाई अड्डे की इमारत से बाहर की ओर चल दिया।

एकाएक भीड़ में से एक लड़की निकली और उसके साथ कदम से कदम मिला कर चलती हुई मधुर स्वर में बोली वेल कम टू बुडापेस्ट, मिस्टर ।'

जेम्स बांड ने पूर्ववत् चलते एक भरपूर दृष्टि उस लड़को पर डाली। लड़की बेहद खूबसूरत थी। उसके नेत्रों में एक विचित्र प्रकार की चमक थी और गोरे होंठों के कोरों पर फैली हुई शरारत भरी मुस्कराहट उसके व्यक्तित्व का स्थाई अंग मालूम होती थी ।

'थैंक्यू ।'- जेम्स बांड मुस्कराता हुआ बोला ।
'टूरिस्ट?'- लड़की ने प्रश्न किया। 'नहीं । बिजनेस मैन ।'

'आस्ट्रियन हो?'

'नहीं। जर्मन हूं।'

'अंग्रेजी तो बड़ी साफ बोलते हो ।'

जेम्स बांड के कानों में खतरे की घंटियां बजने लगीं। वह एकदम सतर्क हो गया। कहीं वह बुडापेस्ट में कदम रखते हीं पहचान तो नहीं लिया गया है। यह लड़की।

'मैंने अपनी जिन्दगी का एक काफी बड़ा भाग स्काटलैंड में गुजारा है।' - प्रत्यक्ष वह बोला- 'इसीलिए अंग्रेजी सीख

'बुडापेस्ट में क्या बिजनेस करने आए हो?'

'बेबी ।' जेम्स बांड पूर्ववत् मुस्कराता हुआ बोला- 'यू आार आस्किंग टू मैनी क्वेश्चन्स (तुम बहुत सवाल पूछ रही हो) ।'

'ओह आई एम सारी।' लड़की तनिक खेदपूर्ण स्वर से बोली-'दरअसल में यह जानने की कोशिश कर रही हूं कि तुम्हें बुडापेस्ट में मेरी जरूरत पड़ेगी या नहीं।'

'तुम्हारी जरूरत?'- जेम्स बांड चौंका- 'क्या मतलब?'
'मैं गाइड हूं। विदेशी पर्यटकों को बुडापेस्ट की सैर कराना मेरा पेशा है।'

'ओह!' जेम्स बांड ने शान्ति की दीर्घ निश्वास ली- 'आई सी। बट आई एम सारी, बेबी, मुझे गाइड की जरूरत नहीं।'

'तुम पहले भी कभी बुडापेस्ट आ चुके हो क्या?'

जेम्स बांड तनिक हिचकिचाया और फिर स्थिर स्वर में बोला- 'नहीं ।'

'फिर भी तुम बुडापेस्ट की सैर नहीं करोगे?'

'नहीं।'

'क्यों?'

क्योंकि जिस धन्धे के लिए मैं बुडापेस्ट आया हूं उसकौ वजह से शुझे इतनी फुरसत नहीं मिलेगी कि मैं बुडापेस्ट की सैर कर सकें ।

'लेकिन शायद।'

'सारी, बेबी ।'

'ओह.' - लड़की ने निराश स्वर में कहा।

जेम्स बांड चुप रहा।

'ठहरोगे कहां?'

'हिल्टन में।'- वह बाला। यह अभी तक फैसला नहीं कर पाया था कि वह लड़की के प्रश्नों के उत्तर दे या नहीं और अगर दे तो सही उत्तर दे या नहीं।

'वह तो बहुत महंगा होटल है। तुम भी कोई बहुत अमीर आदमी हो शायद ।'

'मैं जर्मनी की एक मैटल कम्पनी का पार्टनर हूं।'

'तुम्हारा नाम क्या है?'

'हरबर्ट वेहनर ।'- जेम्स बांड बोला ।

उसी क्षण जेम्स बांड एयरोड्रोम की इमारत की मारकी के सामने आकर रुक गया और पलक झपकते ही एक टैक्सी उसके सामने आ खड़ी हुई ।

जेम्स बांड लड़की की ओर देखकर मुस्कराया और दरवाजा खोलकर पिछली सीट पर बैठ गया।

'लुक मिस्टर वेहनर।' लड़की टैक्सी की खिड़की में सिर डालकर जल्दी-जल्दी बोलने लगी 'मेरा नाम हेलेन है। इस कागज पर मेरा टेलीफोन नम्बर लिखा हुआ है। उसने एक छोटा-सा कागज का टुकड़ा जबरदस्ती जेम्स बांड के कोट की ऊपर की जेब में ठूंस दिया अगर कभी तुम्हारे पास थोड़ा फालतू समय बच जाए और तुम्हें उसका कोई इस्तेमाल न सुझे तो मुझे इस नम्बर पर टेलीफोन कर लेना। मैं फौरन हाजिर हो जाऊंगी। मैं तुम्हें विश्वास दिलाती हूं कि बुडापेस्ट में तुम्हें मुझसे वढ़िया कम्पनी और मुझसे बेहतर गाइड दूसरा नहीं मिलेगा।'

तत्काल ही लड़की टैक्सी से अलग हट गई।

टैक्सी एक झटके से आगे बढ़ गई।

'हिल्टन होटल ।' - जेम्स बांड टैक्सी ड्राइवर से बोला ।

टैक्सी ड्राइवर ने स्वीकारात्मक ढंग से सिर हिलाया और फिर उसने अपना सारा ध्यान टैक्सी चलाने में केन्द्रित कर लिया।

जेम्स बांड ने सहज भाव से अपनी कोट की ऊपर की जेब में से वह कागज निकाला जो हेलेन जबरदस्ती उसकी जेब में ठूंस गई थी। उसने मुड़े-तुड़े कागज से बल निकाले और उसे सीधा करके अपनी आंखों के सामने ले आया।

एकाएक वह यूं चिष्टुंका जैसे उसे बिजली का करेण्ट छू गया हो। फिर तत्काल ही उसने स्वयं को व्यवस्थित कर लिया। उसने एक गुप्त दृष्टि ड्राइवर पर डाली। ड्राइवर उससे पूर्णतया बेखबर था। वह बड़ी तल्लीनता से गाड़ी चला रहा था।

जेम्स बांड ने शान्ति की सांस ली ।

हेलेन द्वारा उसकी जेब में ठूंसे कागज पर टेलीफोन नम्बर नहीं लिखा हुआ था। उस पर लिखा था-

सावधान ।. हंगेरियन सीक्रेट पुलिस तुम्हारी निगरानी कर रही है।

जेम्स बांड ने अपनी जेब में से एक सिगरेट निकाला। लाइ-टर से सिगरेट सुलगाया और फिर लाइटर की लौ उस कागज को छुआ दी। पलक झपकते ही कागज जलकर राख हो गया ।

जेम्स बांड चिन्तापूर्ण ढंग से सिगरेट के गहरे-गहरे कश लेने लगा । हेलेन का उल्लास-भरा चेहरा उसके नेत्रों के सामने घूम गया। वह कौन थी? उसने जेम्स बांड को वह चेतावनी क्यों दी थी? उसे कैसे मालूम था कि जेम्स बांड कौन है? उसे कैसे मालूम था कि हंगेरियन सीक्रेट पुलिस उसकी निगरानी कर रही है?

जेम्स बांड उलझकर रह गया।

कहीं हेलन दुश्मन की ओर से उसे परखने के लिए तो नियुक्त न की गई थी?

या वह वाकई जेम्स बांड को खतरे से आगाह कर रही थी। ऐसे ही कई प्रश्न जेम्सबांड के मस्तिष्क में गूंजने लगे ।

वह परेशान हो उठा। यकायक उसने अपने सर को एक जोरदार झटका दिया। उसने सिगरेट का आखरी कश लगाया और उसे खिड़की से बाहर फेंक दिया ।

फिर वह बड़ी सावधानी से खिड़की के बाहर झांकने लगा ।

कितनी ही देर वह अपनी टैक्सी के पीछे भागते हुए यातायात का निरीक्षण करता रहा।

जल्दी ही उसे अनुभव होने लगा कि उसका पीछा नहीं किया जा रहा था ।

'सुनो।' यकायक वह ड्राइवर से सम्बोधित हुआ ।
'यस।' ड्राइवर हंगेरियन में बोला ।

'कारोनेशन चर्च की ओर चलो।' जेम्सबांड भी हंगेरियन में बोला ।

'हिल्टन नहीं?"

नहीं!'

'ओ० के० बास ।'

कुछ क्षण टैक्सी उसी रास्ते पर चलती रही और फिर सड़क काट गई। जेम्स बांड अब भी बड़ी सावधानी से अपने पीछे आते हुए मोटर ट्रैफिक का निरीक्षण कर रहा था।

टैक्सी फेरेक जोजेफ ब्रिज पर से गुजर रही थी-फिर टैक्सी डेन्यू नदी के पुल को पार करके बुडापेस्ट नगर के दूसरे भाग में पहुंच गई। जेम्सबांड को विश्वास हो गया कि उसका पीछा नहीं किया जा रहा था।

टैक्सी रायल पैलेस के समीप से गुजरती हुई कारोनेशन चर्च की ओर बढ़ गई।

जेम्सबांड सोचने लगा। अगर हेलन की ये चेतावनी सच थी तो उसका पीछा क्यों नहीं किया जा रहा था?

यकायक उसे टैक्सी ड्राइवर का ख्याल आया ।

अगर यह टैक्सी ड्राइवर ही हंगेरियन सीक्रेट पुलिस का आदमी हो तो तो फिर जेम्सबांड का पीछा करने की जरूरत ही नहीं थी।

'गाड़ी रोको।' यकायक जेम्सबांड बोला ।

ड्राइवर ने फौरन गाड़ी को फुटपाथ के साथ लगाकर रोक दिया और फिर घूम कर आश्चर्य से जेम्सबांड का मुंह देखने लगा।

जेम्सबांड सूटकेस लेकर टैक्सी से बाहर निकल आया । जेम्सबांड ने अपनी जेब में से दस फोरित का एक नोट निकाला और उसे हैरान ड्राइवर की मुट्ठी में ठूंस दिया।

'हिल्टन नहीं जाइयगा? - ड्राइवर हैरानी से बोला ।

'नहीं' जेम्सबांड ने संक्षिप्त सा उत्तर दिया।

'ओ० के० बास' ड्राइवर पोला। उसने गाड़ी को गियर में डाला और फिर उसे मन्थर गति से चलाता हुआ कंक्रीट की चिकनी सड़क पर आगे बढ़ा ले गया।

जब तक टैक्सी दृष्टि से ओझल न हो गई, जेम्सबांड वहीं खड़ा रहा। फिर वह घूमा और ऊंची-ऊंची इमारतों की दो कतारों के बीच में से गुजरती हुई पतली सी गली में चलने लगा । गली के दूसरे सिरे पर फिर एक चौड़ी सड़क थी।

जेम्सबांड के गली में से निकल कर सड़क पर आते ही एक खाली टैक्सी सड़क पर से गुजरी। टैक्सी ड्राइवर ने आशापूर्ण नेत्रों से जेम्सवांड की ओर देखा।
जेम्सबांड ने जान बूझ कर उसे नजर-अन्दाज कर दिया।

इसी प्रकार उसने दो-तीन टैक्सियों को गुजर जाने दिया । अन्त में उसने एक टैक्सी रोकी और उसमें जा बैठा ।

'हिल्टन होटल ।' वह ड्राइवर से बोला ।

टैक्सी आगे बढ़ गई।

पूरे रास्ते में जेम्सबांड सतर्कता से टैक्सी में बैठा रहा। अन्त में टैक्सी हिल्टन की लावी में आ रुकी।

एक डोर मैन ने आगे बढ़ कर टैक्सी का द्वार खोला ।

एक बैल ब्वाय ने उसका सूटकेस सम्हाल लिया ।

जेम्सबांड रिसैप्शने पर पहुंच गया। रिसैप्शन क्लर्क ने उसका नाम, राष्ट्रीयता वगैरह पूछी,

उसका जाली जर्मन पासपोर्ट देखा, हंगरी सरकार की वीसा एन्डोर्समैंट देजी और फिर जब उसे यह मालूम हुआ कि 'हरबर्ट बेहनर' बुडापेस्ट में इकानमिक मिनस्ट्री से फैरो-वाल्फ्राम का सौदा करने आये हैं तो उसके नेत्रों में जेम्सबांड के प्रति एक नये सम्मान की भावना उत्पन्न हो गई। उसने बड़े सम्मानपूर्वक जेम्सबांड को कमरा नम्बर ८१५ में बुक कर दिया। वह कमरा, जैसा कि जेम्सवांड को बाद में मालूम हुआ, हिल्टल की आठवीं मंजिल का सब से शानदार कमरा था और हमेशा बड़े प्रतिष्ठित विदेशी मेहमानों को ही दिया जाता था।

बैल व्वाय जेम्सवांड को उसके कमरे में छोड़ गया ।

कमरे में आकर जेम्सबांड ने घड़ी देखी। उस समय चार बजने को थे ।

उसे पूरा विश्वास था कि हिल्टन होटल तक उसका पीछा नहीं किया गया था। फिर भी उसने कमरे का द्वार भीतर से बन्द कर लिया और फिर बड़ी बारीकी से कमरे के एक-एक भाग का निरीक्षण करने लगा। आधे घण्टे के अनथक परिश्रम के बाद उसे विश्वास हो गया था कि कमरे में कहीं माइक्रोफोन नहीं छुपा हुआ था। उसने शांति की सांस ली और फिर एक आराम कुर्सी पर ढेर हो गया ।

शाम के साढ़े छः बजे जेम्सबांड हिल्टन होटल से निकल कर होटल से तीन ब्लाक आगे स्थित पब्लिक पार्क में पहुंच गया।

वातावरण में बहुत ज्यादा ठण्डक और नमी मौजूद थी । जेम्सबांड अपने सूट के ऊपर भारी ट्रेंच कोट पहने पार्क के मध्य स्थित स्टालिन की विशाल प्रतिमा के सामने पहुंचा और उसकी बगल में पड़े एक बैंच पर जाकर बैठ गया।

उसने अपने आसपास दृष्टि दौड़ाई। प्रतिमा के आसपास मौजूद वह अकेला आदमी था। उसने अपनी जेब से सिग्रेट. निकाल कर होंठों में लगाया और माचिस निकाल ली। उसने माचिस में से एक तीली निकाली और उसे बड़े नपे तुले ढंग से माचिस की मसाले वाली साईड से टकराया। तीली जल उठी लेकिन जेम्सबांड के सिग्रेट तक पहुंचने से पहले ही बुझ गई। जेम्स ने दूसरी तीली निकाल कर फिर वही क्रिया दौहराई।

तीली जलने से पहले ही बीच में से टूट गई।

तीसरी तीली से उसने सिग्रेट सुलगा ली और सिग्रेट से हल्के-हल्के काश लेने लगा।
उसी क्षण कुछ बच्चे अपने माता-पिताओं के आगे भागते हुए उस सर्कल में प्रविष्ट हुये और प्रतिमा के आसपास खेलने लगे। उनके माता पिता बैंचों पर बैठ गए ।

थोड़ी देर बाद कुछ और आदमी आ गये ।

पहली सिग्रेट समाप्त हो जाने के बाद जेम्सबांड ने पहले ही, ढंग से दूसरी सिग्रेट सुलगा ली।

'शू शाइन सर (पालिश) यकायक जेम्सबांड के सामने आकर आदमी बोला। जेम्सबांड ने देखा, वह एक लगभग पैंता-लिस साल का वृद्ध था। उसने कन्धे पर एक फोल्डिग कुर्सी टांगी हुई थी और हाथ में पालिश का स्टैंड लटकाने हुए था। उसकी दाड़ी बढ़ी हुई थी और वह अपने होंठों में एक भूरे रंग का कागज के सिग्रेट का बुझा हुआ टुकड़ा दबाये हुए था ।

'नहीं' जेम्सबांड रुक्ष स्वर से बोला ।

पालिश वाला जेम्सबांड के सामने से हट गया। वह उस बैंच से थोड़ी दूर हट कर अपना स्टैंड वगैराह जमीन पर रख कर बैठ गया।

जेम्सबांड ने पहले ही ढंग से एक नया सिग्रेट सुलगाया । सर्कल में मौजूद किस्सी आदमी ने भी जेम्सबांड के सिग्रेट सुलगाने के ढंग को नोट नहीं किया था।
जेम्सबांड तनिक निराश हो गया। शायद आज बिल यहां नहीं था।

उसने घड़ी पर दृष्टिपात किया, पौने सात बज चुके थे ।

उसी क्षण हंगेरियन सीक्रेट पुलिस के कैप्टन की यूनीफार्म पहने एक लम्बे चौड़े आकार का आदमी सर्कल में प्रविष्ट हुआ । उसने एक सरसरी दृष्टि अपने चारों ओर डाली। फिर उसकी दृष्टि जेम्सबांड की दिशा में आकर टिक गई।

कैप्टन सीधा जेम्सबांड की ओर बढ़ा ।

जेम्सबांड का दिल धड़कने लगा। वह सतर्क हो गया। अपने सिग्रेट वाला हाथ वह होंठों तक ले गया। हाथ की इस स्थिति में वह पलक झपकते कपकते ही सिग्रेट फेंक कर शोल्डर होलस्टर में रखी हुई अपनी ६.३५ कैलिबर की आटोमैटिक बैल्जियन रिवा-ल्वर निकाल सकता था।

कैप्टन जेम्सबांड के समीप पहुंचा और फिर उसे पूरी तरह नजर अन्दाज करता हुआ उससे थोड़ा हट कर उसी बैंच पर बैठ गया ।

कैप्टन ने अपनी जेब से एक रूसी सिग्रेट निकाला, सोने के सिग्रेट लाइटर से उसे सुलगाया और चेहरे पर अपार निलिप्तता के भाव लिए सिग्रेट पीने लगा ।

जेम्सबांड ने शांति की सांस ली।

जेम्सबांड ने बचा हुआ सिग्रेट का टुकड़ा फेंक दिया ।

सात बजने में इतना ही समय था जितने में जेम्सबांड एक सिग्रेट और पी सकता था।
जेम्सबांड ने पहले की तरह फिर एक नया सिग्रेट सुलगा लिया ।

एकाएक उसकी बगल में बैठा हुआ कैप्टन उसकी ओर मुड़ा और हंगेरियन में बोला- 'टाइम क्या हुआ है?'

जेम्सबांड चौंक गया। क्या हंगेरियन सीक्रेट पुलिस का कैप्टन ही बिल था।

'सात बजने में पांच मिनट हैं।' जेम्सबांड ने बड़े आशापूर्ण स्वर से हंगेरियन में ही उत्तर दिया।

कैप्टन ने अपनी कलाई पर बंधी घड़ी को देखा फिर सहमति सूचक ढंग से सर हिलाया और दुबारा सिग्रेट पीने लग।।

जेम्सबांड ने एक गहरी सांस ली। वह बिल नहीं था । सात बजे गए! जेम्सबांड ने सिग्रेट का बचा हुआ टुकड़ा जमीन पर फेंक दिया और उठ खड़ा हुआ ।

आज बिल नहीं आया था।

वह सर्कल से बाहर की ओर चल दिया ।

'शू शाइन सर?' पालिश वाला उसे अपने सामने से गुजरता देख कर फिर आशापूर्ण स्वर से बोला ।

न जाने क्यों जेम्सबांड को उस पर दया आने लगी। वह पालिश वाले को देख कर मुस्कराया और उसके स्टैंड के सामने बिछी उसकी कैनवस की फोल्डिंग कुर्सी पर बैठ गया। उसने अपना पांव पालिश वाले के स्टैंड पर रख दिया।

पालिश वाले की बुझी-चुभी आंखें चमक उठीं। बह बड़ी फुर्ती से जेम्सबांड के जूते पर बुश फिराने लगा।

हंगेरियन सीक्रेट पुलिस का कैप्टन अभी भी बैंच पर बैठा हुआ था ।

पालिश वाले ने जेम्सवांड के जूते चमका दिये ।

जेम्सबांड कुर्सी से उठ खड़ा हुआ। उसने एक फोरिन्त का नोट पालिश वाले की ओर उछाल दिया।

पालिश वाले ने कृतज्ञतापूर्ण ढंग से सर नवाया और फिर मुस्कराते हुए नोट अपने कोट की जेब में ठूंस लिया । जेम्सबांड लम्बे डग भरता हुआ पार्क से बाहर की ओर चल दिया।

ब्रिटिश सीक्रेट एजेंट मैक्स ओल्गर की मौत चौबीस घण्टे के लिए टल गई थी।

होटल में वापस आकर उसने बड़ी बारीकी से अपनी हर चीज का निरीक्षण किया ।

उसकी किसी भी चीज को छेड़ा नहीं गया था।

अगली शाम को साढ़े छः बजे फिर जेम्सबांड पब्लिक पार्क में उसी स्थान पर जा बैठा।

सर्कल में केवल दो तीन आदमी ही बैठे हुए थे। कल वाला पालिश वाला आज भी स्टालिन की प्रतिमा के नीचे बैठा हुआ था।

उसने सिग्रेट निकाल कर होंठों से लगाया, कल की तरह माचिस की पहली दो तीलियों को बर्बाद किया और फिर तीसरी से सिग्रेट को सुलगा लिया ।

लगा । वह शांति से सिग्रेट के कश लेने लगा और प्रतीक्षा करने

एक के बाद उसने दूसरा सिग्रेट सुलगाया।

पालिश वाला उदास सा बैठा था और अपने भूरे कागज बाले सिग्रेट के कश लगा रहा था।
उसके पास कोई ग्राहक नहीं आ रहा था ।

एकाएक वह अपने स्थान से उठ खड़ा हुआ। उसने अपनी कैनवस की कुर्सी फोल्ड की, स्टैंड उठाया और फिर झिझकता हुआ जेम्सबांड के सामने आ खड़ा हुआ।

'शू शाइन, सर?' वह दीन स्वर से बोला ।

जेम्सबांड ने सर उठा कर उसकी ओर देखा, फिर बोला-'अभी कल तो पालिश करवाया था मैंने।'

'आज फिर करवा लीजिए, साहब वह बोला- 'बर्फ बारी का मौसम है। पालिश तो रोज खराब हो जाता है।'

'नहीं' जेम्सबांड निश्चयात्मक स्वर से बोला । पालिश वाला फिर भी दीन-हीन मुद्रा बनाये उसके सामने खड़ा रहा ।
'अब क्या है?'- जेम्सबांड तनिक कठोर स्वर से बोला । बालिश वाला कुछ क्षण चुप रहा और फिर वैसे ही दीन स्वर से बोला- 'टाइम क्या हुआ है, साहब?'

'पौने सात ।'- जेम्स बांड ने घड़ी पर दृष्टिपात किया और सहज स्वर से उत्तर दे दिया ।

'पौने सात पालिश वाला सोचता हुआ बोला-'आपकी घड़ी कुछ आगे मालूम होती है साहब।'

जेम्स बांड चौंक पड़ा। उसने एकदम बदली हुई दृष्टि पालिश वाले के दयनीय चेहरे पर डाली। पालिश वाले के उत्तर से उसके कानों में घण्टियां सी वजने लगी थीं।

'नहीं'..' प्रत्यक्ष में जेम्स बांड सुसंयत स्वर से बोला-'मेरी घड़ी एकदम ठीक है। इस समय पौने सात ही बजे हैं।'

पालिश वाले ने सिर उठाकर आसमान की ओर देखा, जैसे समय का अन्दाजा लगा रहा हो और फिर बोला- 'मेरे ख्याल से तो इस समय आठ बजने में पांच मिनट हैं।'

'तुम्हारा ख्याल गलत है-'- जेम्स बांड शान्ति से बोला-'इस समय पौने सात ही बजे हैं। मेरी घड़ी दस मिनट आगे नहीं हो सकती ।'

'दस मिनट न सही लेकिन कम से कम पांच मिनट आगे तो आपकी घड़ी जरूर है।'

'अरे बाबा कहा न कि मेरी घड़ी एकदम ठीक है''।' जेम्स बांड तनिक चिढ़े स्वर से बोला ।

'फिर मेख ही ख्याल गलत होगा साहब।' अन्त में पालिश वाला सहमति प्रकट करता हुआ बोला शायद पौने सात ही बजे हैं।'

जेम्स बांड ने शान्ति की सांस ली। काम दूसरे ही दिन हो गया था। निश्चय ही पालिश बाला ही विल था। वार्तालाप 'एम' के बताये ढंग से हुआ था ।

'बिल?' जेम्स बांड ने धीरे से पूछा ।

पालिश वाले के चेहरे पर तो पहले जैसे ही दीनता छाई रही लेकिन उसके स्वर में एक विचित्र प्रकार की तत्परता और तेजी आ गई।

'हां' वह बोला 'तुम्हें 'एम' ने भेजा है?'

'हां। मेरा नाम बांड है। जेम्स बांड। सीक्रेट एजेन्ट जीरो-जीरो सेवन । मैं मैक्स ओल्गर के जिए बुडापेस्ट आया हूं।'

'मुझे सन्देश मिल चुका है।'

'मैक्स ओल्गर अभी नगर वाली जेल में ही है?'

'हां। और अभी भी रात को ठीक नौ बजे खाना खा चुकने के बाद वह दस मिनट के लिए अपनी कोठरी में से बाहर निकाल कर खुली हवा में लाया जाता है।'

'तुमने मुझे जेल से आधा मील दूर की उस इमारत का पता बताना है जिसकी छत पर से जेल की चार दीवारी के भीतर का वह स्थान दिखाई देता है जहां रात को नौ बजे दस मिनट के लिए ओह्गर को लाया जाता है।'

'वह इमारत फर्स्ट क्रास रोड पर है। इमारत का नाम है जोएल हाउस । मैं तुम्हें बह इमारत दिखा दूंगा।'

'जान्सी को जानते हो?' एकाएक जेम्स बांड ने पूछा । एक क्षण के लिए जेम्स बांड को लगा जैसे बिल चौंका हो फिर उसके चेहरे पर पहले वाले भाव ही स्थिर हो गये और वह धीमे स्वर से बोला 'एम ने तुम्हें जान्सी के बारे में भी बताया है?'

'हो।'

'नम्बर भी?'

'हां । ६२५८४२'

'तुम्हें जान्सी की सहायता की जरूरत पड़ेगी?'

'शायद पड़े। पहले तुम यह तो बताओ कि जान्सी है कौन?'

'जान्सी वह इंसान है जिसके नाम से ही हंगरी सरकार के बड़े अफसरों की आत्मा कांप जाती है। जान्सी वह इंसान है जिसकी...'

एकाएक बिल एकदम चुप हो गया। उसकी आंखें जेम्स बांड की पीठ के पीछे कहीं देख रही थीं।

'मिस्टर वांड' एकाएक वह बेहद धीमे स्वर से जल्दी-जल्दी बोलने लगा- 'आज रात को बारह बजे तुम मुझे मागिट आइलैंड पर वाचमैन बाक्स के पास. मिलना ।'

'बात क्या है?'- जेम्स बांड ने व्यग्र स्वर से पूछा ।

'मुझे सन्देह है कि पिछले कुछ दिनों से हंगेरियन सीक्रेट पुलिस द्वारा मेरी निगरानी करवाई जा रही है। अभी-अभी मुझे सीक्रेट पुलिस का एक आदमी यहां दिखाई दिया था। मैं नहीं चाहता कि हम दोनों एक साथ देखे जायें। रात को मागिट आइलैंड पर जरूर आना। मैं मैक्स ओल्गर के मामले में तुम पर अपना एक बड़ा भारी सन्देह व्यक्त करना चाहता हूँ। मैं चला ।' और वह जेम्स बांड के सामने से हट गया और फिर लम्बे डग भरता सर्कल से बाहरं निकल आया ।

जेम्स बांड ने पहले सिगरेट के टुकड़े से ही एक नया सिगरेट सुलगा लिया और चुपचाप वहीं बैठा सिगरेट पीता रहा।

कितनी ही देर वह वहां बैठा रहा लेकिन उसे वहां कोई संदिग्ध चरित्र नहीं दिखाई दिया ।

जेम्स बांड ने हिल्टन की आठवीं मंजिल पर स्थित अपने कमरे का दरवाजा भीतर से बन्द कर दिया और दरवाजे के हैंडिल के नीचे एक कुर्सी की पीठ अटका दी। अब दरवाजे का हैंडिल बाहर से घुमाया नहीं जा सकता था। उसने कमरे की खिड़कियों पर परदे डाल दिये। शोल्डर होल्स्टर में रखे रिवाल्वर को चैक किया। सूट के ऊपर ट्रैच कोट पहना। ट्रैच कोट के कालर कानों तक खड़े कर लिए। सिर पर फैल्ट हैट जमाई और फिर फायर ऐस्केप के रास्ते और ठण्डी बर्फीली रात के खुले वाता-वरण में निकल आया। वह

दबे पांव फायर एस्केप की सीढ़ियां उतर कर नीचे होटल के पिछवाड़े में पहुंच गया ।

रास्ते सुनसान पड़े थे। बर्फ गिर रही थी।

जेम्स बांड अपने हाथों को ट्रैच कोट की जेबों में ठूंसे मागिट आइलैंड की ओर चलने लगा।

उस समय रात के साढ़े ग्यारह बजे थे। रास्तों पर टखनों तक गहरी रुई जैसी नर्म बर्फ इकट्ठी हो चुकी थी। अभी उसने तीन चार सौ गज का ही फासूला तय किया था कि उसका हैट ट्रैच कोट व जूते वगैरह सब सफेद बर्फ की पर्त से ढक गये ।

बर्फीला मौसम जेम्स बांड के लिए हर सूरत में लाभदायक था। सिर से पांव तक बर्फ से ढके होने के कारण उसके पहचाने जाने की सम्भावना बहुत कम थी। बर्फ से ढकी सड़कों पर चलते समय उसके कदमों की आहट बिल्कुल नहीं हो रही थी और सब से मुख्य बात यह थी कि ऐसे गन्दे मौसम में रास्ते में किसी पुलिस के आदमी से टकरा जाने की सम्भावना बहुत कम थी ।

बीस मिनट बाद वह मागिट आइलैंड की ओर ले जाने बाले पुल पर से गुजर रहा था।

मार्गिट आइलैंड की सूरत दिखाई देते ही उसे जूलिया की याद हो आई। उसे उस लम्बे चुम्बन की याद हो आई जो उसने वाचमैन बाक्स में गश्त के सिपाहियों की मौजूदगी में जूलिया का लिया था (देखिये 'हंगरी में हंगामा')

जेम्स बाण्ड के ठण्ड से नीले पड़ गये होंठों पर एक क्षीण सी मुस्कराहट दौड़ गई।

पता नहीं जूलिया इस समय बुडापेस्ट में कहां होगी।

जूलिया की याद आते ही एक बार फिर उसे मेजर होवार्थ की याद हो आई।

मेजर होवार्थ। वह महान पुरुष जो अपनी फूल जैसी बेटी जूलिया की सिरोव और सैंडर के सहारे छोड़कर अपने जवान लड़के इमर के साथ आस्ट्रियन फन्टियर पर इसलिए शहीद

वह फिर वाचमैन बाक्स की ओर बढ़ा।

बारह बज चुके थे । बिल अब तक वहां पहुंच चुका होगा।

बाचमैन बाक्स के समीप उसका पांव किसी भारी चीज से टकराया और उसके शरीर का सन्तुलन बिगड़ गया। बड़ी मुश्किल से वह स्वयं को गिरने से सम्भाल पाया।

उसने नीचे देखा। एक क्षण के लिए उसे एक काले से ढेर के अतिरिक्त कुछ नहीं दिखाई दिया और फिर वह चिहुंक गया ।

शोल्डर होल्स्टर से रिवाल्वर खींचकर उसने अपने हाथ में ले ली। उसकी सतर्क दृष्टि चारों ओर घूमने लगी।

चारों ओर सौत का सन्नाटा छाया हुआ था। कहीं किसी के होने का आभास नहीं मिल रहा था। नीचे बर्फ से ढकी हुई जमीन पर बिल की लाश पड़ी थी।

उसके शरीर पर हल्के-हल्के बर्फ के गोलें गिर रहे थे और उसके आस-पास की बर्फ की रंगत सुर्ख हो गई थी। उसका सारा शरीर गोलियों से छलनी हो चुका था। उसके दायें हाथ के समीप एक रिवाल्वर पड़ी थी।

जेम्स वांड ने रिवाल्वर उठा ली। उसने पहले रिवाल्वर की नाल को सूंघा और फिर चैम्बर खोल कर देखा ।

रिवाल्वर में से एक भी फायर नहीं किया गया था।

बिल पर मशीनगन की गोलियां बरसाई गई थीं और मशीन गन के सामने रिवाल्वर की कोई भारी हैसियत नहीं होती ।

उसने बिल का चेहरा छुआ। चेहरा बर्फ की तरह ठंडा था। उसने बिल के कोट के बटन खोलकर अपना हाथ उसकी छाती पर रखा । शरीर चेहरे के मुकाबले गर्म था।

बिल को मरे अधिक देर नहीं हुई थी।

फिर उसने बड़ी शान्ति से बिल की तलाशी लेनी आरम्भ कर दी। कोई काम की चीज उसके हाथ नहीं लगी ।

जेम्स बांड उठ खड़ा हुआ। उसकी अपनी बेल्जियम रिवा-ल्वर अभी भी उसके हाथ में थी।

वह वापिस चल पड़ा। मागिट आइलैंड से बाहर आने तक कहीं उसे कोई जीवित प्राणी नहीं दिखाई दिया ।

उसने रिवाल्वर फिर अपने शोल्डर होल्स्टर में खोंस लिया। उसने ठंडक से नर्म हो चुके हाथों को ट्रैच कोट की जेबों में ठूंसा और वापिस हिल्टन की ओर चल दिया।

बिल की मौत पर वह हैरान था। अगर उसे हंगेरियन सीक्रेट पुलिस के लोगों ने मारा था तो उन्होंने जेम्स बांड को क्यों छोड़ दिया था। वे बड़ी आसानी से बिल की लाश के समीप ही जेम्स बांड को भी निशाना बना सकते थे ।

वह चुपचाप सिर झुकाये रास्ता तय करता रहा।

वह हिल्टन पहुंच गया। हिल्टन सुनसान पड़ा था। नीचे के एक दो कमरों को छोड़कर हिल्टन की विशाल इमारत के किसी भी कमरे की बत्ती नहीं जल रही थी।

जेम्स बांड हिल्टन के पिछवाड़े पहुंचा और फिर फायर एस्केप के रास्ते अपने कमरे में आ गया।

अगले पांच मिनट उसने स्वयं को इस बात में संतुष्ट करने के लिए लगाये कि कमरा वैसा ही था जैसा वह उसे छोड़कर गया था। फिर जेम्स बांड ने खिड़की बन्द कर दी और उसकी सील पर पल्लों से सटाकर दो तीन शीशे के गिलास और ऐसी ही टूटने वाली चीजें रख दीं। यह इन्तजाम बर्गलर अलार्म का काम देता था। बाहर से खिड़की को खोलने का जरा सा उपक्रम करने पर भी शीशे की चीजें एक जोरदार आवाज के साथ फर्श पर आ गिरतीं और उसकी नींद खुल जाती ।

फिर उसने रिवाल्वर को पलंग के तकिये के नीचे रखा और फिर अपने सारे कपड़े उतारकर बिस्तर में घुस गया।

वह एकदम नग्नावस्था में सोने का आदी था ।

कल उसे खुद ही फर्स्ट क्रास रोड पर जाकर जोएल हाउस को ढूंढ़ना था।

एक दिन और, मैक्स ओल्गर की जिन्दगी का एक दिन और। न जाने कब उसे नींद आ गई।

अगले दिन रात को पौने नौ बजे जेम्स बांड फर्स्ट क्रास रोड पर था। उसके हाथ में वह सूटकेस था जिसकी साइडों में रायफल के छः भाग छुपे हुये थे।

फर्स्ट क्रास रोड पर बुडापेस्ट के निवासियों के अतिरिक्त रूसी फौजियों के के झुंड घूम रहे थे।

जेम्स बांड लापरवाही से चलता हुआ जोएल हाउस के सामने पहुंच गया ।

बाकी रास्ते के मुकाबले में फर्स्ट क्रास रोड का वह भाग उजाड़ सा था। बाकी रास्ते से भी भीड़ घटती जा रही थी।

उस समय बर्फ नहीं गिर रही थी।

जोएल हाउस एक बीस मंजिल की इमारत थी और अपने आसपास स्थित तमाम इमारतों में सबसे ऊंची थी।

जेम्स बांड दिन में ही उस इमारत की स्थिति देख गया था, इसलिए अब उसे इमारत तक पहुंच जाने में कोई कठिनाई नहीं थी। दिन में ही वह यह भी मालूम कर चुका था कि इमारत की सारी मंजिलों में केवल दफ्तर थे, रिहायशी फ्लैट नहीं थे। लेकिन फिर भी अभी कई मंजिलों पर खिड़कियों में रोशनी दिखाई दे रही थी।

जेम्स बांड अपार व्यस्तता का प्रदर्शन करता हुआ इमारत की लाबी में घुस गया। लिफ्ट के सामने पहुंचकर उसने लिफ्ट का बटन दबा दिया। लिफ्ट निचली मंजिल पर उसके सामने आकर खड़ी हो गई और फिर लिफ्ट का दरवाजा खुला । लिफ्ट के भीतर आपरेटर भी बैठा था।

जेम्स बांड को रात को पौने नौ बजे लिफ्ट आपरेटर द्वारा संचालित होने की आशा नहीं थी।

'आइए साहब!'- विक्टर जम्हाई लेता हुआ हंगेरियन में बोला ।

जेम्स बांड लिफ्ट में प्रवेश कर गया ।

आपरेटर ने दरवाजा बन्द किया और पूछा- कौन फ्लोर साहब?' ?'

'चौदहवां ।' जेम्स बांड हंगेरियन में बोला ।

आपरेटर ने बटन दबाया। लिफ्ट ऊपर की ओर चल दी।

'आज तुम अभी तक लिपट कैसे चला रहे हो?' - जेम्स बांड ने पूछा ।

'चौदहवीं मंजिल पर हेगल एण्ड कम्पनी की बोर्ड की मीटिंग हो रही है, उन्होंने मुझे रोक रखा है। आप भी वहीं जा रहे हैं साहब?'

'हां।' जेम्स बांड धीरे से बोला ।

उसने जेब में से एक सिगरेट निकाला और उसे होंठों से लगा लिया। फिर उसने लाईटर निकाला लेकिन सिगरेट को सुलगाने का उपक्रम नहीं किया।

लिपट चौदहवीं मंजिल पर आकर रुक गई।

एकाएक लाइटर जेम्स बांड के हाथ से निकलकर लिफ्ट के फर्श पर गिर पड़ा।

'ओह!'... जेम्स बांड खेदपूर्ण स्वर से बोला ।

जेम्स बांड के झुकने का उपक्रम करने से भी पहले, एक स्वाभाविक प्रतिक्रिया के रूप में स्टूल पर बैठा हुआ आपरेटर लाइटर के लिए नीचे झुका ।

जेम्सबांड का सधा हुआ हाथ कैरेट चाप की सूरत में आप-रेटर की गर्दन पर पड़ा।
आपरेटर के मुंह से एक हल्की-सी आवाज भी नहीं निकली और उसका शरीर लहरा गया ।
जेम्स बांड ने उसके फर्श तक पहुंच पाने से पहले ही उसे अपनी बांहों में संभाल लिया। उसने आपरेटर का अचेत शरीर धीरे से फर्श पर लिटा दिया। उसने लिफ्ट का एक बटन दबाया। लिफ्ट का द्वार अपने रोलरों पर धीरे-धीरे चलता हुआ बन्द हो गया।
उसने लिफ्ट का बीसवीं मंजिल का बटन दबा दिया ।

लिफ्ट फिर ऊपर की ओर चलने लगी ।

जेम्स बांड ने फर्श पर से लाइटर उठाकर अपना सिगरेट सुलगाया और लाइटर जेब में डाल लिया।

लिफ्ट बीसवीं मंजिल पर आकर रुक गई और लिफ्ट का स्वचालित द्वार अपने-आप खुल गया।

जेम्स बांड सावधानी से लिफ्ट से बाहर निकल भाया। आसपास कहीं कोई आदमी नहीं था।

जीरो वाट के बल्ब के धुंधलके प्रकाश में सामने दो-तीन दर-बाजे दिखाई दे रहे थे, जिन पर टायलेट लिखा था। जेम्स बांड मे आगे बढ़कर बारी-बारी उनके द्वार खोलकर देखे । सब खाली थे।

वह वापिस लिपट में लौट आया। उसने आपरेटर की बगलों में अपनी बांहें डालीं और उसके अचेत शरीर को घसीटता हुआ टायलेट रूम में ले गया। उसने आपरेटर को एक लैट्रिन में धकेलकर बाहर से द्वार बन्द कर दिया और फिर टायलेट रूम का द्वार भी बाहर से बन्द करता हुआ बाहर निकल आया।

उसने सूटकेस सभाला और छत की ओर ले जाने वाली सीढ़ियों की ओर चल दिया ।

वह छत पर पहुंच गया। बुडापेस्ट नगर से विपरीत दिशा में एक काले धब्बे की सी सूरत में जेल की विशाल चारदीवारी और भीतर की इमारतें दिखाई दे रही थीं।

जेम्सबांड ने घड़ी देखी। नौ बजने में अभी दस मिनट बाकी थे।

जेम्सबांड ने अपनी जेब में से एक छोटा चाकू निकाला और उसे खोल कर सूटकेस्र की साइडों में उसका चमड़ा काटने लगा। चाकू का फल बहुत तेज था। चमड़ा बड़ी सहूलियत से कटता जा रहा था।

दो ही मिनटों में जेम्स बांड ने सूटकेस के टुकड़े-टुकड़े कर डाले और उसमें से रायफल के छः भाग निकाल लिए ।

अगले तीन मिनटों में उसने उन विभिन्न भागों को एक दूसरे से जोड़ कर रायफल तैयार कर ली।

उसने रायफल को मुंडेर के एक ऊंचे भाग पर टिका कर उसकी नाल जेल की दिशा में तान दी और फिर नाल के साथ लगे टैलिस्कोप के लैंस पर अपनी एक आंख लगा दी। उसने टैलीस्कोप के मध्य में लगे एक स्लाइडिंग ट्यूबों के मध्य में लगे गियर को आगे पीछे फिराना शुरू कर दिया। ट्यूबों के एक विशेष स्थिति में पहुंच जाने के बाद जेम्स बांड को टैलीस्कोप में से आधा मील दूर स्थित जेल के भीतर का दृश्य स्पष्ट दिखाई देने लगा 1

उसने टैलिस्कोप से अपनी आंख हटा ली ।

उसने कलाई पर बंधी घड़ी पर दृष्टिपात किया। नौ बजने में अभी चार मिनट बाकी थे।

उसने अपने होंठों में लगे समाप्त प्रायः सिग्रेट को निकाल लिया और उसी से एक नया सिग्रेट सुलगा लिया ।

रायफल को अपनी जांघ से टिकाये वह सिग्रेट के लम्बे-लम्बे कश लेने लगा और प्रतीक्षा करने लगा।

उसके चेहरे पर किसी प्रकार की व्यग्रता के भाव नहीं थे। वह एकदम शान्त था। उस जल्लाद की तरह जो अपने जीवन में सैकड़ों आदमियों को मौत के घाट उतार चुकने के बाद एक दम हृदयहीन हो चुका हो, किसी आदमी की जान ले लेना जिसके लिए रोजमर्रा की एक बड़ी ही साधारण क्रिया हो।

ठीक नौ बजे उसने सिग्रेट का टुकड़ा जमीन पर फेंक कर उसे अपने जूते से मसल दिया और रायफल संभाल ली ।

यह उसका सौभाग्य था कि आज बर्फ नहीं गिर रही थी।

उसने रायफल को फिर दीवार के साथ टिकाया और उसकौ टेलीस्कोपिक साइट पर अपनी आंख लगा दी।

जेल की चारदीवारी के भीतर का एक भाग उसकी आंखों के सामने आ गया ।

एक मिनट बाद उसे मैक्स ओल्गर दिखाई दिया। उसके साथ दो सिपाही थे। दोनों के हाथ में कारबाइन थी और वे बड़ी तत्परता से मैक्स ओल्गर के दांये-बांये चल रहे थे।

मैक्स ओल्गर उनके बीच में चलता हुआ एक चबूतरे पर आ कर बैठ गया। दोनों सिपाही उससे थोड़ा हट कर खड़े हो गये और आपस में बातें करने लगे ।

टैलीस्कोप में से जेम्सबांड को मैक्स ओल्गर का चश्माधारी चेहरा स्पष्ट दिखाई दे रहा था।

मैक्स ओल्गर एकदम शान्त था।

जेम्सबांड के हाथ एकदम स्थिर हो गये। उसके सारे शरीर में हरकत होनी बन्द हो गई। केवल उसके हाथ की उंगलियां हिल रही थीं और रायफल की नाल की स्थिति एकदम एक इंच के हजारवें भाग से भी कम बदलती जा रही थी-जेम्सबांड की आंख टैलीस्कोप पर गड़ी हुई थी और वह मैक्स ओल्गर के सर को टैलीस्कोप की क्रास वायर पर लाने का प्रयत्न कर रहा था-उसका सारा ध्यान मैक्स ओल्गर पर केन्द्रित था। उस वक्त राय-फल और

मैक्स ओल्गर के अतिरिक्त सारे संसार का अस्तित्व उसकी दृष्टि से समाप्त हो चुका था।

अन्त में मैक्स ओल्गर की आंखों के बीच का भाग रायफल की क्रास वायर पर आ गया।

भयानक सर्दी में भी जेम्सबांड के माथे पर पसीने की बूंदें चमकने लगी थीं।

उसके दायें हाथ की पहली उंगली धीरे-धीरे सरकती हुई रायफल के ट्रीगर पर आकर रुक गई।

जेम्सबांड का शरीर एकदम जड़ था। उसके शरीर के किसी भी भाग में किसी प्रकार की कोई हरकत नहीं हो रही थी। उसकी उंगली का दबाव धीरे-धीरे रायफल के ट्रीगर पर बढ़ता जा रहा था। किसी भी क्षण रायफल की गोली नाल में से निकल कर मैक्स ओल्गर का काम तमाम कर सकती थी। उंगली का दबाव बढ़ता जा रहा था।

यह उसके लिये परीक्षा की घड़ी थी। निशाना चूक जाने का मतलब था मिशन की स्थायी असफलता। मैक्स ओल्गर वहां से फौरन हटा लिया जाएगा और फिर दुबारा किसी को मैक्स ओल्गर की हवा भी नहीं मिलेगी ।

एकाएक जेम्सबांड के मस्तिष्क में बिजली सी कौंध गई। रायफल के ट्रीगर पर कसी हुई उसकी उंगली ढीली पड़ गई ।

जिस आदमी की वह हत्या करने जा रहा था, वह मैक्स ओल्गर नहीं था।

वह आदमी जरूर मैक्स ओल्गर के मेकअप में कोई बहुरूपिया था-हंगेरियन सीक्रेट पुलिस का ही कोई आदमी था।

पिछले पांच मिनटों से जेम्सबांड टकटकी लगाये उसे देख रहा था। उतने ही समय में वह आदमी अपनी गोद में हाथ रखे चुपचाप बैठा रहा था। एक बार भी उसने मैक्स ओल्गर की आदत का अनुकरण करते हुये अपने एक हाथ से आंखों से चश्मा हटा कर उसी हाथ से आंखें नहीं पोंछी थीं। शायद उस बहू-रूपिये को मैक्स ओल्गर की उस आदत का ज्ञान नहीं था।

जेम्स बांड ने फिर भी टैलीस्कोप से अपनी दृष्टि नहीं हटाई।

एक बार संदेह हो जाने के बाद उसे और भी कई मामलों में उस आदमी में और मैक्स ओल्गर में भिन्नता दिखाई देने लगी। विशेष रूप से उस आदमी के कानों की बनावट मैक्स ओल्गर के कानों की बनावट से काफी भिन्न थी ।

धीरे-धीरे जेम्सबांड का विश्वास दृढ़ से दृढ़तर होता गया कि वह आदमी मैक्स ओल्गर नहीं था।

अगले पांच मिनटों में भी उस आदमी ने मैक्स ओल्गर की तरह आंखों से चश्मा उतार कर आंखें पोंछने की क्रिया को नहीं दोहराय।। अन्त में वह आदमी उठ खड़ा हुआ। सिपाहियों ने भी उसकी ओर देखा और फिर तीनों वापस बैरकों की ओर चल दिए। उस आदमी के आखिरी एक्शन ने जेम्सबांड को पूरा विश्वास दिला दिया कि वह आदमी मैक्स ओल्गर नहीं था, बल्कि मैक्स ओल्गर के मेकअप में हंगेरियन सीक्रेट पुलिस का ही कोई साथी था ।

वह आदमी दस मिनट का समय समाप्त होते ही स्वेच्छा से अपने स्थान से उठ खड़ा हुआ था और सिपाहियों से भी पहले बैरकों की ओर चल दिया था। अगर वह वाकई कई दिनों से बुडापेस्ट की उस जेल में सड़ता हुआ मैक्स ओल्गर होता, जिसे चौबीस घण्टों में केवल दस मिनट के लिए खुली हवा में लाया जाता था, तो क्या वह खुले वातावरण के उन सुखद क्षणों की समाप्ति के बाद यूं स्वेच्छा से उठकर चल देता। वह उस आजादी के आखिरी क्षण तक फायदा उठाता और सिपाहियों द्वारा जब-र्दस्ती वहां से उठाए जाने पर ही उठता। यहां सिपाहियों को तो परवाह ही नहीं थी और मैक्स ओल्गर ही उठकर वहां से जा रहा था जैसे कोई अप्रिय सी ड्यूटी को भुगताकर छुट्टी पा रहा हो, जैसे वह वहां एक क्षण भी अधिक न ठहरना चाहता हो। उस आदमी का तो ठीक दस मिनट बाद वहां से उठ जाना युक्ति संगत भी था। हंगेरियन सीक्रेट पुलिस मैक्स ओल्गर के स्थान पर उसके मेकअप में उसे वहां विठाकर उसकी तो बलि दे रही थी।

लेकिन ऐसा क्यों?

उत्तर जेम्सबांड को नहीं सूझा ।

उसने रायफल को दीवार पर से हटा लिया और सीधा खड़ा हो गया। उसने अपनी जेब में से एक नया सिग्रेट निकालकर सुलगाया और रायफल को एक फालतू बोझ की तरह अपने बाएं हाथ में लटकाए वापस घूमा ।

और फिर यकायक जैसे पहाड़ उसके सामने आ गया ।

जेम्सबांड का हाथ फुर्ती से शोल्डर होलस्टर में रखी रिवा-ल्वर की ओर बढ़ा लेकिन उसके पहले ही उसके सामने खड़े आदमी ने अपनी रिवाल्वर की नाल उसकी छाती पर रख दी थी।

उस लम्बे-चौड़े आदमी का शरीर सिर से पांव तक एक मिलिट्री के ओवर कोट से ढका हुआ था। उसके सर पर मिलिट्री की टोपी थी जो माथे पर जरूरत से ज्यादा झुकी होने की बजह से उसकी सूरत को भी ढके हुए थी। थी उस आदमी ने हाथ के संकेत से ही जेम्सबांड को रायफल नीचे गिरा देने के लिए कहा।

जेम्सवांड ने रायफल नीचे गिरा दी। वह हैरान था। पता नहीं वह आदमी कब से उसके पीछे खड़ा था।

उस आदमी ने हाथ बढ़ाकर जेम्सबांड के शोल्डर होलस्टर में से उसकी बैल्जियन रिवाल्वर खींच ली और उसे अपने ओवर कोट की जेब में डाल लिया। उसने अपने खाली हाथ से जेम्सबांड के शरीर को थपथपाकर देखा कि कहीं उसके पास कोई और हथि-यार तो नहीं है। फिर वह थोड़ा पीछे हट गया। अपने खाली हाथ से उसने ओबरकोट की जेब से एक सिग्रटकेस निकाला-एक सिग्रेट होंठों से लगाया, सिग्रटकेस जेब के हवाले किया-"लाइटर निकाल लिया। वह लाइटर को जलाकर उसकी लौ सिग्रेट के पास तक ले गया।

लाइटर की रोशनी एक क्षण के लिए उस आदमी के चेहरे पर पड़ी और फिर जेम्सबांड के नेत्र फट पड़े। उसके मुंह से एक आश्चर्य भरी सिसकारी निकल गई।

'मेजर!'- वह बौखलाए स्वर से बोला ।

'मेजर!' - वह आदमी अपने अधिकारपूर्ण स्वर के साथ ढेर सारा धुआं उगलता बोला- कौन मेजर?'

वही सूरत, वही आवाज। यह करिश्मा कैसे हो गया। तो क्या मेजर मरा नहीं? लेकिन यह असम्भव है। कर्नल हीदस और उसके बीसियों आदमियों से मुकाबले में बच पाना एक असम्भव कृत्य था ।

'मैजर होबार्थ ।'- जेम्सबांड हक्का-बक्का सा उस आदमी के चेहरे को घूरता हुआ पूर्ववत् बौखलाए हुए स्वर से बोला ।

'मेजर होवार्थ।' वह आदमी बोला- 'कौन मेजर होवार्थ?'

'मेजर''।' जेम्सबांड यकायक उस आदमी की ओर बढ़ा-'यह क्या तमाशा है? तुम।'

'वहीं खड़े रहो।' उस आदमी का शांत स्वर कोड़े की तरह वातावरण को काट गया।

जेम्सबांड ठिठक गया ।

'बहीं खड़े रहो।' वह बोला- और जो मैं मैं पूछता हूं उसका जबाब दो बर्ता अभी, यहीं गोली मार दूंगा।'

'पूछो।' जेम्सबांड धीरे से बोला ।

'तुम कौन हो?'

'मेरा नाम हरबर्ट बेहतर है।' जेम्सबांड ने उत्तर दिया -

'मैं जर्मनी की एक मैटल फर्म का प्रतिनिधि हूं और यहां बुडापेस्टं में हंगरी की इकानामिक मिनिस्ट्री से फैरो बाल्फाम का सौदा करने आया हूं।'

क्षण के लिए जेम्सबांड को ऐसा आभास मिला जैसे वह आदमी उसका उत्तर सुनकर मुस्कराया हो।

'यहां।' उस आदमी ने प्रश्न किया- 'जोएल हाउस की छत पर क्या कर रहे हैं आप?'

'यहां मैं किसी से मिलने आया था!'

'ऊपर? बीसवीं मंजिल पर?'

'नहीं। आया तो मैं चौदवीं मंजिल पर था लेकिन जिससे मैं मिलने आया था वह आफिस बंद करके जा चुका था-यहां छत्त पर तो मैं बुडापेस्ट का नजारा देखने के लिए चढ़ आया था।'

'नजारा देख लिया?' उस आदमी के स्वर में तीव्र व्यंग का पुट था।

'हां।' जेम्सबांड स्थिर स्वर से बोला ।

'और यह रायफल तुम्हारे हाथ में क्या कर रही थी...?' उस आदमी ने जेम्सबांड के कदमों में पड़ी रायफल की ओर संकेत करते हुए पूछा ।

'यह रायफल यहीं छत पर पड़ी थी।' जेम्सबांड ने उत्तर दिया- 'मैंने तो इसे केवल देखने के लिए उठा लिया था।'

'आई सी।' वह बोला- 'मिस्टर वेहनर आप ऐसा कीजिए कि एक बार मुंडेर के पास पहुंचकर नीचे सड़क पर झांकिए।'

जेम्सबांड हिचकिचाया।

उस आदमी ने अपने रिवाल्वर वाले हाथ को एक भटका दिया ।

जेम्सबांड मुंडेर के पास पहुंच गया और उसने नीचे झांका - नीचे उसे जो दृश्य दिखाई दिया उसे देखकर उसका हृदय एक तीव्र निराशा और पराजय के भावों से भर गया ।

नीचे हंगेरियन सीक्रेट पुलिस की आधी दर्जन से भी अधिक भूरी लारियां खड़ी थीं और अनगिनत सशस्त्र आदमी जोएल हाउस को पूरी तरह कवर किए खड़े थे।

'बाकी दिशाओं में भी दृष्टिपात कर लीजिए।' वह आदमी बोला ।

जेम्सबांड ने वैसा ही किया।

जोएल हाउस चारों तरफ से सीक्रेट पुलिस के लोगों से घिरा हुआ था। इमारत के आसपास दूर दूर तक बुडापेस्ट के साधारण नागरिक के दर्शन नहीं हो रहे थे।

जेम्सबांड फंस गया था और उसके सामने खड़ा आदमी उसके साथ चूहे बिल्ली का खेल खेल रहा था।

'अब शायद झूठ बोलने के मामले में आपका दृष्टिकोण बदल गया हो।' - वह आदमी बोला ।

जेम्सबांड चुप रहा ।

'अब आप बताइए कि वास्तव में आप कौन हैं?'

'मैं अपने बारे में पहले ही सब कुछ सच-सच बता चुका हूं।' - जेम्सबांड स्थिर स्वर से बोला- 'मैं वाकई हबर्ट वेहनर हूं और जर्मनी की एक मैटल फर्म का प्रतिनिधि हूं। अगर आपको विश्वास नहीं है तो आप मेरा पासपोर्ट देख लीजिए, मेरे बाकी कागजात देख लीजिए, मेरे बारे में इकानामिक मिनिस्ट्री से पूछ-ताछ करवा लीजिए ।'

'मतलब यह कि आप अपने बारे में सच-सच कुछ नहीं बताएंगे?'

'साहब, मैंने सब कुछ सच-सच ही बताया है।'

'आल राइट, आप अपने बारे में सच मत बोलिए। आपके बारे में मैं सच बोलता हूं।' - वह आदमी एक क्षण के लिए रुका और फिर बोला- 'आपका वास्तविक परिचय मैं आपको देता हूं। आप हैं कमांडर जेम्सबांड, ब्रिटिश सीक्रेट एजेंट जी रो-जीरो सेवन । आप यहां इस समय जोएल हाउस की छत पर इसलिए मौजूद हैं क्योंकि आप यहां से आधा मील दूर स्थित

जेल में कैद अपने एक अन्य सीक्रेट एजेंट मैक्स ओल्गर को इस करामाती रायफल की सहायता से गोली से उड़ा देना चाहते थे। कहिए मैं सच कह रहा हूं?'

जेम्सबांड का मुंह खुला का खुला रह गया। उसके मुंह से बोल नहीं फूटा ।

'मैंने कुछ गलत तो नहीं कहा?'

जेम्सबांड चुप रहा ।

उस आदमी ने आगे बढ़कर फर्श पर पड़ी रायफल उठा ली और उसका निरीक्षण करने लगा ।

'हूं।' वह बोला- 'अनोखी चीज है। किसी रायफल में लगा इतना शक्तिशाली टैलीस्कोप मैंने आज तक नहीं देखा। रायफल चलाई नहीं गई है। क्या बात है, आपने अपना काम नहीं किया? आपने गोली वयों नहीं चलाई? मैंने आपको निशाना साधते तो देखा था।'

जेम्सबांड ने उत्तर नहीं दिया।

उसी क्षण एक आदमी तेजी से चलता हुआ उस आदमी की बगल में पहुंचा और उसके कान के पास मुंह लगाकर तेजी में कुछ कहने लगा ।

पहले ओवरकोटधारी आदमी ने सहमति सूचक ढंग से सिर हिलाया। नया आया आदसी फिर भागता हुआ सीढ़ियों की ओर चला गया।

ओवरकोटधारी एकदम जेम्सबांड के सामने अखड़ा हुआ। अपने रिवाल्वर की नाल उसने जेम्सवांड की छाती पर रख दी और एकदम बदलें हुए स्वर से बोली- 'मैं पांच तक गिनूंगा। अगर उतनी देर में तुमने अपनी हकीकत व्यान नहीं कर दी तो मैं तुम्हें गोली से उड़ा दूंगा (एक दो)।'

जेम्सबांड जानता था कि वह आदमी कोरी धमकी नहीं दे रहा था। वह तत्काल बोल पड़ा- 'मैं वही हूं जो आपने मुझे समझा है।'

'कमांडर जेम्सबांड सीक्रेट एजेंट जीरो जीरो सेवन?'

'हां।'

'रायफल उठाओ।' ओवर कोट वाले ने आदेश दिया । जेम्सबांड ने झिझकते हुए रायफल उठा ली ।

'यह लो।'- और उस आदमी ने जेम्सबांड के शोल्डर होल-स्टर में से निकाली हुई रिवाल्वर उसकी ओर बढ़ा दी।

जेम्सबांड ने मशीन की तरह हाथ बढ़ाकर रिवाल्वर ले लो। आज उसे कदम कदम पर चौंका देने वाली स्थितियों का सामना करना पड़ रहा था। ऐसी अप्रत्याशित घटनाएं घट रही थीं कि जेल्सबांड का मस्तिष्क निष्क्रिय हो गया था। आश्चर्य प्रदर्शन तो एक बेक़ार क्रिया रह गई थी।

'अपने टूटा फूटा सूटकेस उठाओ ।'

जेम्सबांड़ ने आदेश का पालन किया। उसने सूटकेस समेट लिया ।

'जो मैं कह रहा हूं उसे गौर से सुनो।' वह आदमी धीमे स्वर से बोला- 'यहां से सीढ़ियां उतरकर नीचे की मंजिल पर पहुंच जाओ । सीढ़ियों की बगल से ही एक गलियारा गुजरता है जो पिछले विंग की ओर जाता है। उस विंग के मध्य में एक सरबिस एलीवेटर है। उस एलीवेटर के रास्ते तुम सीधे पहली मंजिल पर पहुंच जाओ और वाहर गलियारे के दाएं कोने पर पहुंच जाओ। उस कोने में पिछवाड़े की ओर खुलने वाली एक खिड़की है। उस स्थान पर पहुंचने तक अगर कोई भी आदमी तुम्हें रोकने की कोशिश करे तो उसे बेहिचक गोली मार दो। समझे।'

जेम्सबांड ने मशीन की तरह स्वीकृति सूचक ढंग से सिर हिला दिया।

'तुम्हारे उस खिड़की पर पहुंचने के बाद किसी भी क्षण खिड़की से नीचे सड़क पर हंगेरियन सीक्रेट पुलिस का एक भूरे रंग का ट्रक आकर रुकेगा। एक भी क्षण हिचके बिना तुम उस ट्रक में कूद जाना। समझ गये?'

'हां।'

'बिल्कुल ऐसा ही करना। अगर कहीं जरा भी हिचके या कोई गलत हरकत की तो मारे जाओगे ।'

'जेम्सबांड ने उत्तर नहीं दिया।'

'भागो ।'- उस आदमी ने आदेश दिया । जेम्सबांड फौरन सीढ़ियों की ओर भागा ।

वह भागता हुआ नीचे पहुंचा ।

लिफ्ट के इन्डीकेटर से प्रकट हो रहा था कि लिफ्ट ऊपर की ओर बढ़ रही थी।
सीढ़ियों से मिलिट्री के भारी बूटों की आहट आ रही थी। जेम्सबांड उस गलियारे की ओर भागा जो पिछले विंग की ओर ले जाता था ।

उसके बांये हाथ में कटा हुआ सूटकेस और रायफल थी। और दांये हाथ में फायर करने के लिये तैयार बैल्जियन रिवाल्वर थी।
वह भागता हुया सरविस ऐलीवेटर के सामने पहुंच गया ।

उसी क्षण ऐलीवेटर का दरवाजा खुला और जेम्सबांड को चार पांच कारवाईन धारी फौजी दिखाई दिये। उनकी दृष्टि जेम्सबांड पर पड़ी ।

जेम्सबांड की रिवाल्वर ने लगातार कई फायर किये। रिवाल्वर की आवाज से गलियारा गूंज गया। किसी फौजी को अपनी कारबाईन सीधी करने का भी मौका नहीं मिला। सभी एलीवेटर के फर्श पर और दरवाजे के बीच में ढेर हो गये ।

उस विंग की सीढ़ियों से भी फौजियों के भागते हुए ऊपर आने की आवाज आ रही थी।

जेम्सबांड फुर्ती से ऐलीवेटर में घुस गया। दरवाजे के बींच में पड़े दो फौजियों में से एक को उसने टांग से घसीट कर ऐली-बेटर के भीतर खींच लिया और दूसरे को बाहर धकेल दिमा उसने ऐलीवेटर की पैनल में लगे स्विचों में से पहली मंजिल का स्विच

दबा दिया। ऐलीवेटर का स्वचालित द्वार स्वयं ही बन्द हो गया और लिफ्ट नीचे को सरकने लगी ।

ऐलोवेटर के निचले फ्लोर से गुजरते समय जेम्स बांड को ऊपर भागते हुये फौजी दिखाई दिए ।

ऐलीवेटर पहली मंजिल पर आकर रुक गया ।

उसने बाहर झांका। गलियारा खाली था। वह फुर्ती से बाहर निकल आया और गलियारे की दांयीं ओर भागा ।

पलक झपकते ही वह कोने की उस खिड़की के समीप पहुंच गया जिसका भूरे कोट वाले आदमी ने जिक्र किया था। जेम्स बांड ने सावधानी से खिड़की को खोला और बाहर झांका ।

बाहर हंगेरियन सीक्रेट पुलिस की भूरे रंग की कई लारियां खड़ी थीं। और कई सशस्त्र फौजी गाड़ी में मौजूद थे!

जेम्सबांड सांस रोके खिड़की के पास खड़ा था ।

उसी क्षण जेम्सबांड को इमारत की छत की ओर से नीचे सड़क पर खड़ी सीक्रेट पुलिस की गाड़ियों पर कोई भारी सी चीज गिरती दिखाई दी।

एक जोर का धमाका सा हुआ। फिर एक शोला सा लपका और फिर सारा वाताबरण गहरे सफेद रंग के धुयें से भर गया। सड़क पर खलबली मच गई।

जेम्स बांड आंखें फाड़-फाड़कर उस घुएं में देखता रहा।

उसे सब कुछ बेहद धुंधला दिखाई दे रहा था और धुआं बढ़ता जा रहा था। वह जानता था कि जल्दी ही वातावरण में इतना धुआं फैल जाएगा कि हाथ को हाथ सुझाई नहीं देगा।

उसी क्षण जेम्स बांड को ऐसा महसूस हुआ कि एक भूरे रंग का ट्रक खिड़की के नीचे आकर रुका है।

[redacted]

[redacted] [redacted] [redacted] [

जेम्स बांड ने लाइटर जेब में ही छोड़ दिया। शायद उसके आसपास बैठे लोग यह नहीं चाहते थे कि लाइटर या सिगरेट की रोशनी में जेम्स बांड उनकी सूरत देख पाए ।

लगभग दस मिनट तक निरन्तर चलते रहने के बाद ट्रक रुक गया ।

'चलो।' कोई तत्काल बोला ।

जेम्स बांड उठ खड़ा हुआ। एक आदमी ने उसकी बांह पकड़ी और उसको ट्रक से बाहर कूद जाने में मदद की।

जेम्स बांड के पीछे ही वह भी ट्रक से कूद पड़ा।

ट्रक की बगल में एक काले रंग की कार खड़ी थी। कार की ड्राइविंग सीट पर बैठी हुई आकृति ने हाथ बढ़ाकर कार की दूसरी ओर का द्वार खोल दिया। जेम्स बांड के साथी ने जेम्स बांड को भीतर बैठने का संकेत किया। जेम्स बांड कार के ड्राइ-वर की बगल में जा बैठा।

पहले आदमी ने कार का पिछला द्वार खोला और पिछली सीट पर जेम्स बांड का सूटकेस और रायफल डाल दी। उसने भड़ाक से पिछला द्वार बन्द कर लिया। कार एक झटके के साथ स्टार्ट हुई और चिकनी सड़क पर दौड़ गई।

'थोड़ी देर तक कार की हैड लाइट्स से सामने की सड़क जगमगाती रही और फिर ड्राइवर ने हैड लाइट्स बुझा दी। हैड 'लाइट्स के सामने सड़क से प्रतिविम्बित होते हुए प्रकाश में जेम्स बांड केवल इतना ही देख पाया कि ड्राइवर एक लंबा ट्रच कोट पहने हुए था और उसका सिर ट्रॅच कोट से ही सम्बद्ध एक हुड से ढका हुआ था ।

हैड लाइट्स आफ हो जाने के बाद तो जेम्स बांड को ड्राइ-वर के आकार की छाया मात्र ही दिखाई देने लगी ।

बर्फ गिरने लगी थी। ड्राइवर अपने काम में बेहद दक्ष मालूम होता था । मीलों सड़कों पर हैड लाइट् के प्रकाश के बिना तेजी से गाड़ी चलाना कोई आसान काम नहीं था।

'हम कहां जा रहे हैं?' - जेम्स बांड ने अंग्रेजी में प्रश्न किया ।

उत्तर नहीं मिला। जेम्स बांड ने वही प्रश्न हंगेरियन में दोहराया। ड्राइवर ने फिर भी उत्तर नहीं दिया।

जेम्स बांड फिर नहीं बोला। उसने सिगरेट के लिए जेब की ओर हाथ बढ़ाया लेकिन फिर उसने इरादा बदल दिया। गाड़ी अंधेरी सड़कों पर भागती रही।

एकाएक गाड़ी ने एक गहरा मोड़ काटा और फिर फौरन एक गई। जेम्स बांड ने देखा, गाड़ी एक बहुत बड़े फाटक के सामने रुकी हुई थी जिस पर रोलिंग शटर लगा हुआ था।

ड्राइवर ने अपना हाथ कार से बाहर निकाला। फिर उसके हाथ में से प्रकाश की किरण फूट पड़ी ।

शायन ड्राइवर के हाथ में छोटी-सी टाचं थी।

तीन धार प्रकाश प्रकट हुआ और लुप्त हो गया ।

फिर एकाएक सामने का शटर ऊपर उठने लगा। ड्राइवर ने गाड़ी स्टार्ट करके आगे बढ़ा दी। गाड़ी भीतर प्रवेश कर गई। पीछे शटर दुबारा बन्द हो गया। भीतर एक जीरो वाट का - बल्ब जल रहा था।

उस प्रकाश में जेम्स बांड ने देखा वह एक बड़ा-सा गैरेज था और गाड़ी का अगला बम्फर सामने की दीवार को लगभग छू रहा था। पिछले शटर के अलावा चारदीवारी में कोई खिड़की या दरवाजा नहीं था।

ड्राइवर ने गाड़ी का इंजन बन्द नहीं किया था और न ही कार से बाहर निकलने का उपक्रम किया था।

एकाएक सामने की दीवार बीच में से दो भागों में विभक्त हो गई। जेम्स बांड को यूं लगा जैसे रोलरों से चलता हुआ कोई भारी दरवाजा खुल गया हो।

आगे एक लम्बा-चौड़ा गलियारा दिखाई देने लगा । ड्राइवर ने गाड़ी आगे बढ़ा दी।

पीछे दीवार के दोनों भाग फिर एक-दूसरे से मिल गए और ऐसा लगने लगा जैसे पहले वहां कोई रास्ता था ही नहीं।

गाड़ी रुक गई। ड्राइवर ने इग्नीशन ऑफ किया और कार से बाहर निकल आया।

जेम्स बांड भी दूसरी ओर का द्वार खोलकर बाहर आ गया। प्रकाश वहां भी सीमित था।
उस स्थान पर बाईं ओर एक दर-वाजा था जो उस समय बन्द था। ड्राइवर ने अपना ट्रैच कोट और हुड उतारकर कार में फेंक दिया।

ड्राइवर की सूरत पर दृष्टि पड़ते ही जेम्स बांड के नेत्र फैल गए। उस सीमित प्रकाश में भी उसे ड्राइवर की सूरत पहचानने में दिक्कत नहीं हुई।

ड्राइवर' हेलेन नाम की वही लड़की थी जो उसे बुडापेस्ट एरोड्रोम के बाहर मिली थी।

'तुम?'... जेम्स बांड के मुंह से बरबस निकल गया । जेम्स बांड का जितना समय कार में उसकी बगल की सीट
पर गुजरा था उतने में उसे एक क्षण के लिए भी महसूस नहीं हुआ था कि ड्राइवर एक लड़की है, विशेष रूप से उसकी निर्दोष ड्राइविंग के कारण ।

'चलो।'- हेलेन बन्द द्वार की ओर संकेत करती हुई बोली।

जेम्स बांड ने द्वार की ओर बढ़ने का उपक्रम नहीं किया। वह लम्बे डग भरता हुआ हेलेन के समीप पहुंचा और बोला-'तुम कौन हो, यह तुम मुझे कहां ले आई हो?'

'प्लीज कम।' उत्तर देने के स्थान पर हेलेन बोली और द्वार की ओर बढ़ी ।

जेम्स बांड ने उसकी बांहें पकड़कर उसे रोक लिया और बोला-'पहले मेरी बात सुनो।
तुम।'

बिजली की तरह हेलेन उसकी पकड़ में से निकल गई। अगले ही क्षण उसके हाथ में एक छोटी-सी खिलौना-सी रिवाल्वर चमक रही थी जिसकी नाल जेम्स बांड की छाती की ओर की।
जेम्स बांड हड़बड़ाकर दो कदम पीछे हट गया ।

'मैं समझा था मैं भित्रों में हूं।'- जेम्स बांड धीरे से बोला ।

लड़की ने उत्तर देने के लिए मुंह खोला लेकिन फिर कुछ सोचकर चुप हो गई। उसने रिवाल्वर की नाल से जेम्स बांड को आगे बढ़ने का संकेत किया ।

जेम्स बांड द्वार की ओर बढ़ा ।

उसी क्षण द्वार खुला और उसमें एक लगभग अट्ठारह साल का लड़का दिखाई दिया। लड़का बेहद खूबसूरत था। उसके चेहरे पर बच्चों जैसी मासूमियत थी। वह काउ ब्वायज जैसे कपड़े पहने हुए था। उसके सिर पर वैसा ही बड़ा-सा हैट था। उसके दोनों कानों पर दो सिगरेट टंगे हुए थे और एक जलता हुआ सिगरेट उसके होंठों में झूल रहा था। सिगरेट का धुआं उसकी आंखों में घुसा जा रहा था लेकिन वह होंठों से सिगरेट हटाने का उपक्रम नहीं कर रहा था। उसके हाथ में एक लम्बी नाल वाली रिवाल्वर थी जिसे वह टेलीविजन की गैंगस्टर फिल्मों के गुण्डों की तरह अपने हाथ में घुमा रहा था।

'ऐनी ट्रबल बेबी?' लड़का फिल्म अभिनेताओं जैसे बनावटी स्वर से बोला । जेम्स बांड के होंठों पर बरबस मुस्कराहट फैल गई। लड़के की हर हरकत बेहद बचकानी थी। हेलेन को वह बड़े रोमांटिक अन्दाज से बेबी कह रहा था जबकि हेलेन लड़के से छः साल बड़ी मालूम हो रही थी।

'नहीं जिमः।' हेलेन मधुर स्वर से बोली- 'कोई गड़बड़ नहीं है। तुम साहब को भीतर ले जाओ।'

'ओ० के०। कम आन मिस्टर।' जिम बोला ।

जेम्स बांड आगे बढ़ा। जिम ने जेम्स बांड के लिए रास्ता छोड़ दिया। जेम्स बांड द्वार में प्रवेश कर गया। हेलेन पीछे ही बड़ी रही।

जिम एक लम्बे गलियारे में जेम्स बांड के साथ चलने लगा।

'सोनी' जेम्स बांड मुस्कराता हुआ बोला- 'अपने होंठों में से सिगरेट निकाल लो।'

'क्यों? क्यों निकाल लूं?' जिम अवज्ञा पूर्ण स्वर से बोला-'तुमसे मतलब?"

'मुझसे मतलब नहीं लेकिन, बेटे, सिगरेट के कडुए धुएं से तुम्हारी आंखें फूट जाएंगी।'

'ऐसी की तैसी तुम्हारी। तुम्हें क्या? और खबरदार जो मुझे बेटा-बेटा कहा। आई एम ए ग्रोन अप मैन ।'

'लेकिन सोनी'

'शट अप मैन और बाई गाड, आई विल शूट --जिम रिवाल्वर उसकी और तानकर धमकी भरे स्वर से बोला ।

जेम्सबांड फिर नहीं बोला लेकिन उसके होंठों से मुस्कराहट नहीं मिटी ।

जेम्स बांड उस समय कहां था उसकी उसे रंच मात्र भी जानकारी नहीं थी लेकिन एक बात का उसे पूरा भरोसा था कि वह जहां भी था मित्रों के बीच था। अगर वे लोग मित्र न होते तो वे हंगेरियन सीक्रेट पुलिस से पूरी तरह घिरे हुये जोएल हाउस में से उसे इस प्रकार निकाल न लाते। उसका तगड़ा अनुमान यह था कि वह रिजीस्टेन्स मूवमेंट के लीडर सीरोव के हैडक्वार्टर पर था ।

मेजर होवार्थ अभी भी उसके लिए भारी रहस्य था। आखिर वह जीवित कैसे बच्च गया और फिर उसने जेम्स बांड को फौरन पहचाना क्यों नहीं। मेजर होवार्थ ने उसका नाम वगैरह जरूर बताया था लेकिन उसकी सूरत से यह नहीं मालूम होता था कि वह जेम्स

बांड को पहचानता था। लगता था जैसे केवल एक अनुमान के आधार पर उसने जेम्स बांड का पता वगैरह बता दिया हो। जिम उसे एक बड़े से कमरे में ले आया। जेम्स बांड के भीतर प्रवेश करते ही उसने द्वार बन्द कर दिया।

जेम्स बांड ने देखा। वह विशाल कमरा लगभग खाली था। कमरे के बीच में एक बड़ी सी मेज थी और उसके आसपास तीन-चार कुसियां पड़ी थीं। मेज के ऊपर छत से तार के सहारे एक शेड लटका हुआ था जिसमें एक तेज प्रकाश वाला बल्ब जल रहा था। शेड की वजह से बल्ब का प्रकाश अधिकतर विशाल मेज के आसपास ही पड़ रहा था। सामने दीवार के सहारे एक लम्बा बैंच पड़ा था।

मेज के इर्द-गिर्द पड़ी कुर्सियों में से एक पर एक दुबला-पतला लेकिन लम्बा आदमी बैठा था। उसका सिर झुका हुआ था और उसके नेत्रों पर काला चश्मा चड़ा हुआ था। उसने दोनों हाथ सामने मेज पर रखे हुए थे। उसका शरीर किसी हद तक अन्धकार में था लेकिन मेज पर रखे उसके हाथों पर बल्ब का सीधा प्रकाश पड़ रहा था और वे हाथ..

न जाने क्यों जेम्स बांड के शरीर में सिहरन सी दौड़ गई। अपनी जिन्दगी में उसने ऐसे भयंकर हाथ कभी नहीं देखे थे और न ही कभी ऐसी बुरी तरह नोंचे हुए खरोंचे हुये, मरोड़े हुये, कुचले हुये भारी हथौड़ों से लोहे की तरह पीटे हुये हाथों की कल्पना की थी। हाथों की हालत देखकर यही करिश्मा मालूम होता था कि उन हाथों का स्वामी उन्हें हाथों की तरह इस्तेमाल कैसे कर रहा था। दोनों अंगूठे इतनी बुरी तरह कुचले हुए थे कि चपटे हो गए थे। सारी उंगलियां गीले कपड़े की तरह मरोड़ी गई मालूम होती थीं। दो उंगलियों के अगले पोर गायब थे। सारी उंगलियों के अगले भाग से ऐसा मालूम होता था जैसे नाखून उन पर से जबरदस्ती बड़ी बेरहमी से नोंचकर उखाड़ दिए गए हों। हथेलियों के पिछले भाग के एक एक इंच में हजार-हजार खरोंचों और जख्म के निशान थे। दोनों हथेलियों के बीचोंबीच आधा इंच व्यास के खड्डे से मालूम हो रहे थे जैसे कोई चीज आर-पार गुजर गई हो। उन हाथों को देखकर जेम्स बांड के नेत्रों के सामने क्रूस पर लटके हुए ईसा मसीह की सुस्त घूम गई।

नेत्रों में एक गहरे आतंक का भाव लिए हुए वह उन हाथों को घूरने लगा। फिर अपने आप ही उसकी दृष्टि हाथों से हट-कर उन हाथों के स्वामी के अन्धकार में छुपे चेहरे की ओर उठ गई।

दायां हाथ हिला । चश्मे वाले ने जेम्स बांड को बैठने का संकेत किया ।

जेम्स बांड मन्त्र मुग्ध सा एक कुर्सी पर बैठ गया ।

चश्से वाले का दायां हाथ हिलने से उसके कोट की आस्तीन तनिक ऊपर उठ गुई थी और दाईं कलाई का थोड़ा सा भाग नंगा हो गया था। कलाई पर भी हाथों की तरह गहरी खरोंचों और जख्मों के निशान थे। एक खरोंच का निशान सूरत में ऐसा था जैसे '२' लिखा हो ।

चश्मे वाले ने सिर उठाया। काले चश्मे की वजह से जेम्स बांड उसके नेत्र तो नहीं देख सका लेकिन उसे पूरा विश्वास था कि चश्मे वाले के नेत्र उसी के चेहरे पर टिके हुये थे।

जेम्स बांड विचलित हो उठा।

चश्मे वाले की खोजपूर्ण दृष्टि उसके चेहरे से हट गई।

'सैन्डर को बुलाओ चश्मे वाला धीमे, भावहीन स्वर से जिम से सम्बोधित हुना ।

जिम फौरन कमरे से बाहर निकल गया।
सैन्डर।
जेम्स बांड के नेत्रों के सामने सैंडर का पहाड़ जैसा शरीर आ गया। अब उसे पूरा विश्वास हो गया था कि वह सिरोव के हैडक्वार्टर पर ही था।

थोड़ी देर बाद सैंडर कमरे में प्रविष्ट हुआ। सैंडर एक टूटी हुई नाक और बेहद भद्दे चेहरे वाला विशालकाय आदमी था लेकिन उसके भद्दे चेहरे से क्रूरता के स्थान पर एक विचित्र प्रकार की सरलता टपकती थी। पिछले एक साल से सैन्डर में केवल इतना अन्तर आया था कि उसका चेहरा पहले से ज्यादा गम्भीर हो गया था और ऐसा मालूम होता था जैसे उसके नेत्रों में अवसाद का साया सा तैर रहा हो।

सैन्डर ने द्वार के पास लगे स्विच बोर्ड के दो तीन बटन आपरेट किये। कमरे के बीच लगा बल्ब बुझ गया और कमरा ट्यूब लाइट के चमकीले प्रकाश से भर गया।

तीव्र प्रकाश में जेम्स बांड ने चश्मे वाले का चेहरा देखा। वह एक लगभग पचास वर्ष के वृद्ध का एकदम भावहीन चेहरा था। उस चेहरे को देखकर एक बार तो यूं लगता था जैसे पत्थर में से तराशा हुआ कोई बुत हो ।

प्रकाश में जो दूसरी चीज जेम्स बांड को दिखाई दी, वह दांयी दीवार पर टंगी हुई सुनही फेम में जड़ी हेलेन की एक बड़ी सी तस्वीर ।

जेम्स बांड सैन्डर को देखकर मुस्कराया और फिर बड़े आत्मीय स्वर से बोला- 'हल्लो, सैन्डर ।'

सैन्डर का हाथ स्वसेव ही अपनी गर्दन पर पहुंच गया जहां सैन्डर से पहली मुलाकात में ही जेम्स बांड ने कैरेट का भीषण प्रहार किया था। सैन्डर के चेहरे पर कोई भाव नहीं आया।

'हल्लो..' वह भावहीन स्वर में बोला ।

फिर उसने चश्मे वाले की ओर देखा और स्वीकृति सूचक ढंग से सिर हिला दिया।

'तुम्हारा नाम जेम्स बांड है।'- चश्मे वाला पूर्ववत् भाव-हीन स्वर से बोला- 'तुम ब्रिटिश सीक्रेट एजेन्ट हो। तुम्हारा चीफ अपने ००७ विभाग में 'एम' के नाम से जाना जाता है और तुम एक बार पहले भी पिछले साल, ऐसे ही बर्फीले मौसम में बुडापेस्ट आकर हमारे क्रांतिकारी दल के कुछ लोगों से सहयोग प्राप्त कर चुके हो-प्रोफेसर हैरोल्ड जेनिग्स की रिहाई के सिल-सिले में।'

चश्मे वाले के बोलने का ढंग ऐसा नहीं था जैसे प्रश्न कर रहा हो, ऐसा लगता था जैसे वह कोई साधारण सी बात जेम्स बांड को बता रहा हो।

जेम्स बांड ने सहमति सूचक ढंग से सिर हिला दिया । 'तुम सैन्डर को पहचानते हो न?'

'हां, पहचानता हूं। खूब पहचानता हूं लेकिन मुझे शक है कि कहीं मेजर होवार्थ की तरह सैन्डर भी यह न कह दे कि वह सैन्डर नहीं है और यह कि वह मुझे पहचानता नहीं है।'

'सैंडर तुम्हें पहले ही पहचान चुका है मि० बांड ।' - चश्मे वाला बोला 'और सच पूछिये तो हमारे दल का यही अकेला आदमी है जो आपको पहचान सकता है।'

'सैंडर ही क्यों? सिरोव और जूलिया भी तो मुझे पहचा-नते हैं और मेजर होवार्थ भी।'

'मिस्टर बांड ।'- चश्मे वाला धीरे से बोला- 'आप लग-भग एक साल बाद हंगरी में तशरीफ लाए हैं इसलिये यहां हमारे साथ, कैसी कैसी भयावही घटनायें घटित हो चुकी हैं, इसकी आपको जानकारी नहीं है। मिस्टर बांड आपकी जानकारी के लिये बता रहा हूं कि मेजर सैंडर को छोड़ कर सिरोव की पार्टी का एक भी आदमी जीवित नहीं है। सिरोव का एक एक साथी हंमरी की साम्यवादी सरकार का शिकार हो चुका है।'

'नहीं!'- जेम्स बांड के मुंह से बरबस निकल गया।

'मैं हकीकत बयान कर रहा हूं।'

'जूलिया भी! खुद सिरोव भी।'

'हर कोई। सैंडर के अतिरिक्त हर कोई। सिरोव हंगेरियन सीक्रेट पुलिस के हैडक्वार्टर ऐन्ड्रसी डट में टार्चर का शिकार होकर एड़ियां रगड़-रगड़ कर मरे लेकिन हंगेरियन सीक्रेट पुलिस विशेष रूप से कर्नल हीदस और उसका जल्लाद कोको सिरोव की जुबान खुलवाने में सफल नहीं हो सके। जूलिया की तकदीर अच्छी थी, वह कर्नल हीदस के अत्याचारों का शिकार होने से पहले ही आत्म हत्या करने में सफल हो गई। अन्य कितने ही आदमियों ने जिन्हें तुम जानते नहीं हो, ऐन्ड्रस डट में सिरोव की तरह की जान दी है।'

' ओह माई गाड! ओह माई गाड!!' जेम्स बांड आतंकित स्वर से बोला ।

चश्मे वाला चुप रहा।

'लेकिन..' थोड़ी देर बाद जेम्स बांड बोला- 'मेजर होवार्थ

'जिसे तुम मेजर होवार्थ समझ रहे हो, वह मेजर होवार्थ नहीं है। आस्ट्रियन फन्टियर पर कर्नल हीदस और उसके आदमियों ने मेजर होवार्थ और उसके बेटे इमर के चीथड़े उड़ा दिए थे। जिस आदमी को तुमने देखा है, वह मेजर होवार्थ का भाई है और उसमें वे तमाम गुण मौजूद हैं जो मेजर होवार्थ में थे । उसका डील-डौल और थोड़ी बहुत शक्ल सूरत तो मेजर होवार्थ से मिलती ही थी। रही सही कसर उसने स्वयं प्लास्टिक मेकअप से पूरी कर रखी है। उसके चेहरे पर परमानन्ट प्लास्टिक मेक-अप है। वह मेजर होवार्थ की छोटी से छोटी आदत को पहचानता है और नकल कर सकता है और मेजर होवार्थ की मृत्यु के वाद से ही मेजर होवार्थ के स्थान पर ऐन्ड्रसी डट में काम कर रहा है और आज तक किसी को इस बात का तनिक भी सन्देह नहीं हुआ है कि वह वह मेजर होवार्थ नहीं है। कर्नल हीदस और उसके चीफ फरमिन्ट को ख्वाब में भी यह मालूम नहीं हो सकता कि असली मेजर होवार्थ उन्हीं के खिलाफ मोर्चा लेता हुआ मारा गया था ।

'लेकिन कर्नल हीदस को आस्ट्रियन फन्टियर पर मेजर होवार्थ की लाश के स्थान पर हड्डियों और मांस के छोटे-छोटे लोथड़ों का ढेर मिला था, उसकी गर्दन के ऊपर के भाग के तो भग्ना-वशेष भी नहीं मिले थे। यही हाल इमर का हुआ था। कर्नल हीदस को आज तक यह मालूस नहीं हो पाया है कि उसके खिलाफ मोर्चा लेकर उसे पूरे एक घण्टे तक आगे बढ़ने से रोके रखने वाले सूरमा कौन थे।'

'और मेजर होवार्थ और उसके बेटे ने वह सब मेरे लिये किया... जेम्स बांड बड़बड़ाया।

'मेजर होवार्थ के भाई को मेजर होवार्थ बना कर ऐन्ड्र सी डट में उसका स्थान लेने के लिये भेजने का आइडिया सिरोव का था ---चश्मे वाला कहता रहा --'मेजर होवार्थ के हंगेरियन सीक्रेट पुलिस में होने की वजह से हमें बड़ा फायदा था। साम्य-वादी सरकार के कई गुप्त भेद सहज ही हमारे हाथ लग जाते थे। कई मुसीबतें हमारे ऊपर से इसलिए टल जाती थीं क्योंकि मेजर होवार्थ हमें पहले ही सचेत कर देता था। इन्हीं, मुसीबतों से बचने की खातिर हमने मेजर होवार्थ के भाई को मेजर होवार्थ बना कर

ऐन्ड्रे सी डट भेजने का भारी खतरा मोल लिया था। हमारी किस्मत अच्छी थी। आज तक ऐन्ड्रेसी डट में किसी को मेजर होवार्थ की हकीकत पर शक नहीं हुआ।'

"आप" आप कौन है? एकाएक जेम्स बांड ने पूछा ।

'मैं' चश्मे वाला बोला- 'वह आदमी हूं जो रिजीस्टेंस मूवमेन्ट के लीडर सिरोव के साम्यवादियों के पंजे से हंगरी को आजाद कराने के महान मिशन को पूरा करने का प्रयत्न कर रहा है।'

चश्मे वाले ने अपना नाम नहीं बताया था। इच्छा होते हुए भी जेम्स बांड ने उससे उसका नाम नहीं पूछा ।

उसी क्षण कमरे में मेजर होवार्थ ने प्रवेश किया।

उसने बड़ी लापरवाही से जेम्स बांड की ओर देखा और फिर चश्मे वाले की बगल में पड़ी कुर्सी पर बैठ गया।

'यह वही आदमी है?' उसने जेम्स बांड की ओर संकेत करते हुये चश्मे वाले से पूछा।

'हां' चश्मे वाले ने उत्तर दिया- 'यही जेम्स बांड है।

ब्रिटिश सीक्रेट ऐजेन्ट जीरो जीरो सेवन। और काउन्ट, मैंने इसे तुम्हारे बारे में बता दिया है।'

'काउन्ट!' जेम्स बांड बड़बड़ाया ।

'लेकिन तुम मुझे मेजर होवार्थ के नाम से ही पुकारोगे नकली मेजर होवार्थ उर्फ काउन्ट बोला- 'सैन्डर, हेलन, जिम और इनके वह चश्मे वाले की ओर संकेत करता हुआ बोला.. 'बाद तुम पहले आदमी हो जिसे इस हकीकत की जानकारी हुई है कि वास्तविक मेजर होवार्थ मर चुका है और उसके स्थान पर उसके भेष में कोई दूसरा आदमी ऐन्द्रसी डट में काम कर रहा है। इसलिए तुम यह भूल जाओ कि वास्तव में मेजर होवार्थ नहीं हूं।'

जेम्स बांड चुप रहा ।

'तुम बड़े किस्मत वाले हो मिस्टर --मेजर होवार्थ बोला - 'इस बार सही सलामत इंग्लैंड वापिस पहुंच जाओ तो वहां चर्च में जाकर चार चार फुट लम्बी मोमबत्ती जलाना । तुम्हें गिरफ्तार करने के लिए हंगेरियन सीक्रेट पुलिस ने जोएल हाउस के इर्द-गिर्द जैसा जाल फैला रखा था उसमें से एक चूहा भी वच कर नहीं निकल सकता था।'

'वह तो मैं मानता हूं।'- जेम्स बांड व्यग्र स्वर से बोला-'आपने मुझे वहां से निकाल कर मुझ पर जो अहसान किया है वो मैं जीवन भर नहीं भूल सकता लेकिन मेरी समझ में यह नहीं आ रहा कि पुलिस को यह मालूम कैसे हुआ कि मैं जोएल हाउस में हूं। मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि जब से मैं बुडापेस्ट के हवाई अड्डे पर उतरा हूं, तब से किसी ने मेरा पीछा नहीं किया है। आज हिल्टन से जोएल जाते समय तो मैंने विशेष सावधानी बरत्ती थी लेकिन फिर भी-'

'तुम्हारा दावा एकदम सच है।'- मेजर होवार्थ उसकी बात काट कर बोला- 'वाकई किसी ने कहीं भी तुम्हारा पीछा नहीं किया था।'

'लेकिन फिर भी वे लोग पूरे दल बल के साथ मेरी गिर-फ्तारी के लिए जोएल हाउस पहुंच गए?'

'वह इसलिए क्योंकि वे पहले से ही जोएल हाउस की निग-रानी कर रहे थे और तुम्हारे आगमन की प्रतीक्षा कर रहे थे।'
'क्या?' जेम्स बांड एकदम चौंक कर बोला ।

'है न मजेदार बात?' - मेजर होवार्थ मुस्कराता हुआ बोला- 'हंगेरियन सीक्रेट पुलिस को एयरोड्रोम पर या हिल्लन में या कहीं और तुम्हारी निगरानी करने की जरूरत थी ही नहीं क्योंकि उन्हें पूरा भरोसा था कि अट्ठारह तारीख से पहले रात को नौ बजे तुम या यूं कह लो कि ब्रिटिश सीक्रेट सर्विस का कोई एजेन्ट जोएल हाउस जरूर आयेगा ताकि वह वहां दूर जेल में गिरफ्तार ब्रिटिश सीक्रेट ऐजेन्ट मैक्स ओल्गर की हत्या कर सके ।'

'क-क-क्या?' - जेम्स बांड के नेत्र फट पड़े- 'सीक्रेट पुलिस को यह सब मालूम था?'

'हां।'

'लेकिन इसका मतलब तो यह हुआ कि यहां की सीक्रेट पुलिस जानबूझ कर मुझे यह मौका दे रही थी कि मैं मैक्स ओल्गर को गोली मारने में कामयाब हो जाऊं?'

'बिल्कुल । इसीलिये तो नौ बजकर दस मिनट से पहले उन्होंने जोएल हाउस के आस पास अपना एक भी आदमी प्रकट नहीं होने दिया।'

'लेकिन यह कैसे हो सकता है? हंगरी की साम्यवादी सर-कार ने अट्ठारह तारीख को जनता की अदालत में ब्रिटिश सीक्रेट ऐजन्ट मैक्स ओल्गर के मुकद्दमे का सारी दुनिया में प्रचार कर रखा है है। सारे संसार के प्रेस रिपोटर और राजनैतिक प्रति-निधियों को उन्होंने अट्ठारह तारीख को बुडापेस्ट में आमन्त्रित कर रखा है ताकि वे लोग खुद मैक्स ओल्गर के मुंह से ब्रिटिश सीक्रेट सर्विस की काली करतूतों का कच्चा चिट्ठा सुन सकें। बे मैक्स ओल्गरं के माध्यम से अंग्रेजी सरकार के चेहरे से शराफत और ईमानदारी की नकाब उठती देख सकें। अगर मैं मैक्स ओल्गर को शूट करने में कामयाब हो जाता तो कहानी ही खत्म हो जाती ।'

'तुम्हारे सवाल का जवाब मैं बाद में दूंगा।' मेजर होवार्थ कुछ सोचता हुआ बोला- 'पहले तुम मुझे एक बात बताओ ।'

'क्या?'

'तुमने मैक्स ओल्गर को शूट क्यों नहीं किया। मैं पूरे पांच मिनट तुम्हारे पीछ खड़ा रहा था। तुमने अपनी रायफल से निशाना भी ले लिया था और घोड़ा दबाने ही वाले थे कि एका-एक तुमने घोड़े पर से उंगली हटा ली। उसके बाद भी रायफल के टैलीस्कोप पर आंख तो गड़ाये रहे थे लेकिन तुमने फिर गोली चलाने का उपक्रम नहीं किया था। तुमने मैक्स ओल्गर पर गोली क्यों नहीं चलाई?'

'क्योंकि वह मैक्स ओल्गर नहीं था।'- जेम्सबांड धीरे से बोला ।

'क्या?' - इस बार चौंकने की बारी मेजर होवार्थ की थी ।

'वह मैक्स ओल्गर के मेकअप में कोई दूसरा आदमी था। उस आदमी ने मेकअप जरूर मैक्स ओल्गर का कर लिया था और उसका कद भी मैक्स ओल्गर जैसा ही था लेकिन मैक्स ओल्गर की आदतों की पूरी जानकारी रख पाना उसके बस की बात नहीं थी।'

'तुम्हें पूरा विश्वास है कि वह मैक्स ओल्गर के मेकअप में कोई दूसरा आदमी था?'

'मुझे पूरा विश्वास है' जेम्सबांड निश्चात्मक स्वर से बोला

'अब बात समझ में आती है।'- मेजर होवार्थ चश्मे वाले की ओर देखता हुआ बोला ।

'क्या?' जेम्सबांड ने पूछा।

'कि हंगेरिमन सीक्रेट पुलिस क्यों चाहती थी कि इंग्लैंड का कोई दूसरा सीक्रेट एजेन्ट आये और आकर मैक्स ओल्गर की हत्या कर जाये ।'

'हर बात इसी ओर संकेत करती है कि मैक्स ओल्गर हंगे-रियन सीक्रेट पुलिस के हैडक्वार्टर ऐन्ड्रेसी डट के टार्चर चैम्बर में उनकी यातनायें न सहन कर सकने के कारण मर चुका है। और हंगरी की साम्यवादी सरकार को भारी बखेड़े में फंसा छोड़ गया है। साम्यवादियों ने इस बात का बहुत प्रचार किया है कि मैक्स ओल्गर पर किसी प्रकार का नाजायज दबाव नहीं डाला गया है। उससे केवल यह सौदा किया गया है कि अगर वह खुद अपनी मर्जी से ब्रिटिश सरकार का भण्डा फोड देगा, उनके सीक्रेट एजेन्टों के विश्व भर में फैले हुये जाल को वे नकाब कर देगा और ब्रिटेन की विस्तारवादी नीतियों की पोल खोल देगा तो उसे रिहा कर दिया जायेगा। अट्ठारह तारीख को सारे संसार के प्रेस रिपोर्टर और राजनैतिक जनता की अदालत में मैक्स ओल्मर का बयान सुनने के लिए एकत्रित हो रहे हैं। अगर अट्ठारह तारीख को हंगरी की साम्यवादी सरकार मैक्स ओल्गर को जनता के सामने न प्रस्तुत कर सकी तो उसकी बड़ी तौहीन होगी। ब्रिटिश सरकार इसे साम्यवादियों के घिनौने प्रचार की संज्ञा देकर साम्यवादियों की अच्छी खासी भद्द पीट देगी।' मेजर होवार्थ एक क्षण के लिए रुका और फिर बोला-

'अब अगर तुम यह न जान पाते कि जेल में मौजूद आदमी असली मैक्स ओल्गर नहीं है और तुम उसे गोली मार देते तो साम्यवादियों की जान में जान आ जाती। वे मैक्स ओल्गर को जनता की अदालत में प्रस्तुत करने की जिम्मेदारी से बरी हो जाते और उसके स्थान पर तुम्हें गिरफ्तार करके जनता की अदालत में खड़ा कर देते। उस सूरत में वे ब्रिटिश सरकार के चेहरे पर और अच्छी तरह कालिख पोतने में सफल हो जाते कि किस प्रकार मैक्स ओल्गर का मुंह अपने खिलाफ खुलने से रोकने के लिए ब्रिटिश सरकार ने उसकी हत्या करने के लिए एक अन्य एजेन्ट भेज दिया। फिर जब संसार को यह मालूम होता कि किन हालात में तुमने मैक्स ओल्गर की हत्या की है तो यह बात और भी अच्छी तरह सिद्ध हो जाती कि न केवल मैक्स ओल्गर ब्रिटेन की ओर से बुडापेस्ट में जासूसी करने के लिए नियुक्त था वरना यह कि अभी भी ढेर सारे ब्रिटिश जासूस बुडापेस्ट में मौजूद हैं वरना तुम्हें यह कैसे मालूम हो गया कि मैक्स ओल्गर जेल में में है ओर उसे जोएब हाऊस की छत से लम्बी मार करने वाली टैलीस्कोपिक लैंस वाली रायफल द्वारा गोली से उड़ाया जा सकता है।'

'शायद आप ठीक कह रहे हैं- जेम्स बांड ने सहमति सूचक ढंग से सिर हिलाते हुए कहा।

'वर्तमान स्थिति में यही युक्ति-संगत बात मालूम होती है, मिस्टर'- मेजर होवार्थ बोला- 'हंगेरियन सीक्रेट पुलिस ने इस बार तुम्हारी सारी आर्गेनाइजेशन को चक्कर में डाल दिया था। उन्होंने बड़े तरीके से यह बात इंगलैण्ड में तुम्हारे विभाग तक पहुंचाई थी कि मैक्स ओल्गर एंड्रेसी डट में नहीं बुडापेस्ट जेल में है।'

'कैसे?'

बिल की हत्या इसी दिशा में संकेत करती है कि हंगेरियन सीक्रेट पुलिस को मालूम था कि बिल ब्रिटिस स्पाई है। उन्होंने किसी प्रकार यह बात लीक हो जाने दी कि मैक्स ओल्गर नगर जेल में है और रात को नौ बजे दस मिनट के लिए अपनी कोठरी से निकाल कर खुले में लाया जाता है। बौत किसी प्रकार बिल तक भी पहुंची। उसने मैक्स ओल्गर की हत्या की सम्भावना पर विचार किया। वह इस नतीजे पर पहुंचा कि अंगर कोई बहुत दक्ष निशानेबाज हो और आधा मील दूर तक मार करने वाली शक्तिशाली टैलीस्कोपिक लैंस वाली रायफल मुहैया हो तो जोएल हाउस की छत से मैक्स ओल्गर को गोली से उड़ाया जा सकता है और फिर उसने यह सूचना इंगलैंड में तुम्हारे चीफ को भिजवा दी। यहां के लोग यही चाहते थे। वे बड़ी शान्ति से मैक्स ओल्गर की हत्या

के लिए किसी ब्रिटिश सीक्रेट एजेन्ट के बुडापेस्ट में आगमन की प्रतीक्षा करने लगे ।

'लेकिन उन्हें यह कैसे मालूम था कि मैं आने वाला हूं?'

'कौन कहता है कि उन्हें मालूम था कि तुम आने वाले हो । 'वे तो केवल एक ब्रिटिश सीक्रेट एजेंट की प्रतीक्षा में थे। संयोग वश तुम पहले भी यहां आकर हंगेरियन सीक्रेट पुलिस से टक्कर ले चुके थे और तभी से सीक्रेट पुलिस के कुछ लोग तुम्हें पहचानते थे इसीलिए उनका काम आसान हो गया वर्ना उन्हें ब्रिटिश सीक्रेट एजेंट को पहचानने के लिए कोई कठिन तरीका इस्ते-माल करना पड़ता जैसे बुडापेस्ट में बाहर से आने वाले हर आदमी की निगरानी करवाते और फिर देखते कि रात को नौ बजे के करीब जोएल हाउस कौन पहुंचता है। तुम्हें आया देख-कर तो उन्होंने तुम्हारा पीछा करने की भी जरूरत नहीं समझी और उन्होंने सीधे जोएल हाउस पर ही घेरा डाल दिया ।'

'आप लोगों को मेरी जानकारी कैसे हुई?' मेजर होवार्थ ने चश्मे वाले की ओर देखा ।

'हमें बिल ने बताया था।' - चश्मे वाला बोला- 'बिल मेरे पास आया था। उसने मुझे मैक्स ओल्गर की हत्या की स्कीम बताई थी और कहा था कि जेम्सबांड नाम का कोई सीक्रेट एजेन्ट यह काम करने के लिए बुडापेस्ट आ रहा है। वह चाहता था कि जरूरत पड़ने पर हम तुम्हारी सहायता करें। मैंने मेजर होवार्थ से बात की। मेजर ने मुझे बताया कि ऐन्ड्रेसी डट में उसने अपने चीफ फरमिन्ट और कर्नल हीदस में एक वार्तालाप सुना था जिसका आशय यह था कि कोई ब्रिटिश एजेंट जल्द ही बुडापेस्ट में कदम रखने वाला है। उस समय मेजर को यह नहीं मालूम हो पाया था कि ब्रिटिश एजेंट बुडापेस्ट में करने क्या आ रहा है। बहरहाल हम लोगों ने आपस में मन्त्रणा की। सैंडर ने यह सम्भावना प्रकट की कि शायद बुडापेस्ट तुम ही भेजे जाओ क्योंकि तुम एक बार पहले बुडापेस्ट आ चुके थे और तुम्हें यहां की बड़ी तगड़ी जानकारी थी। बिल ने बताया था कि तुम हवाई जहाज द्वारा वियना से बुडापेस्ट आओगे। संन्डर ने हेलेन को तुम्हारा हुलिया बताया और फिर हेलेन हर रोज वियना से बुडापेस्ट की फ्लाइट चैक करने के लिए एयरोड्रोम जाने लगी । वैसे हमें इस बात का कोई विशेष भरोसा नहीं था कि हेलेन तुम्हें पहचान लेगी और तुमसे सम्पर्क स्थापित करने में सफल हो जायेगी।'

'लेकिन आपने सैंडर को क्यों नहीं भेजा। वह तो मुझे पहचानता था।'

'उसकी वजह यह है कि सिरोव की पार्टी में से यही अकेला आदमी है जो अभी तक हंगेरियन सीक्रेट पुलिस के हत्थे नहीं चढ़ा है। अपने इस लम्बे चौड़े डील डौल की वजह से सैंडर कहीं छुप तो पाता नहीं है। इसलिए उसका ओपन में जाना भारी खतर-नाक हो सकता है। बहरहाल हैलेन भी एयरोड्रोम जाने लगी और सौभाग्यवश उसने तुम्हें पहचान भी लिया। उस समय हम स्थिति के विषय में अधिक कुछ जानते नहीं थे, यह तो हमें ख्वाब में भी नहीं सूझा था कि तुम जो मैक्स ओल्गर की हत्या के लिए बुडा-पेस्ट आ रहे हो, वह सब हंगेरियन पुलिस की ही भयंकर चाल का नतीजा था। उस स्थिति में हम इससे बेहतर और कुछ नहीं कर सकते थे कि तुम्हें चेतावनी दे दें कि तुम हंगेरियन सीक्रेट पुलिस की जानकारी में हो और शायद तुम्हारी निगरानी भी हो रही है।'

जेम्सबांड चुप रहा ।

'अब।' अन्त में वह बोला- 'किसी हद तक मेरी समझ में यह भी आ रहा है कि एकाएक बिल की हत्या क्यों कर दी गई थी?'

'क्यों कर दी गई थी?' चश्मे वाले ने प्रश्न किया ।

'बिल ने मुझ पर यह संदेह व्यक्त किया था कि शायद वह हंगेरियन सीक्रेट पुलिस की नजरों में आ गया है। पार्क में जब वह मुझे आखिरी बार मिला था तब भी उसने मुझे यह कहा था कि शायद वहां भी कोई उसकी निगरानी कर रहा है। इसलिए वह नहीं चाहता था कि मैं उसके साथ देखा जाऊं। उसने रात के बारह बजे मुझे मागिट आइलैंड पर बुलाया था और कहा था कि वह मुझ पर मैक्स ओल्गर के बारे में अपना एक बड़ा भारी संदेह व्यक्त करना चाहता था। शायद उसका संदेह, यही था कि शायद जेल में मौजूद मैक्स ओल्गर वास्तविक मैक्स ओल्गर नहीं है। इसीलिये शायद मेरे मागिट आइलैंड पहुंचने से पहले ही हंगेरियन सीक्रेट पुलिस के लोगों ने उसकी हत्या कर दी थी ताकि वह मुझ पर अपना संदेह व्यक्त न कर सके ।'

'लेकिन हमारे सामने तो उसने यह जिक्र नहीं किया कि उसे मैक्स ओल्गर की वास्तविकता पर शक है।'

'आखिरी बार वह आप लोगों से कब मिला था?''

'जिस दिन तुमने बुडापेस्ट में कदम रखा था उसी रात को वह हमारे पास आया था। उसने तुम्हें पार्क में देख लिया था लेकिन उचित अवसर न होने के कारण उस रोज उसने तुमसे सम्पर्क स्थापित नहीं किया था। उसी रात को उसने हमसे फिर प्रार्थना की थी कि जरूरत पड़ने पर तुम्हारी सहायता करें लेकिन उसने यह नहीं कहा था कि शायद मैक्स ओल्गर ही नकली है।'

'शायद यह बात उसे बाद में मालूम हुई हो और उसे दुबारा आप लोगों से सम्पर्क स्थापित करने का अक्सर न मिला हो ।'

'शायद।' चश्मे वाले ने स्वीकार किया ।

'आप लोगों को यह कैसे मालूम हुआ था?' जेम्सबांड ने पूछा- 'कि जोएल हाउस में मेरी गिरफ्तारी का इन्तजाम किया जा चुका है।'

'आज ही शाम को मेजर होवार्थ को यह मालूम हुआ था कि असली किस्सा किया है।'- चश्मे वाला बोला ।

'लेकिन यह फिर भी मेरी जानकारी में न आया था कि जेल में मौजूद मैक्स ओल्गर नकली है।'- मेजर होवार्थ बोला-'आज शाम को मुझे यह पता लगा था कि आज रात नौ बजे कोई ब्रिटिश सीक्रेट एजेंट जोएल हाउस जायेगा और सवा नौ बजे वह इमारस से बाहर निकलते समय गिरफ्तार कर लिया जायेगा। हमने हिल्टन में तुम्हें चेतावनी देने की कोशिश की थी लेकित तुम वहां से निकल चुके थे। हिल्टन से लेकर जोएल हाउस तक के रास्ते में भी हमने तुम्हें रोकने की कोशिश की लेकिन तुम हमें वहां भी नहीं मिले। बाद में केवल एक चारा रह गया था कि किसी प्रकार सीक्रेट पुलिस के हाथों पड़ने से पहले ही तुम्हें बचा लिया जाये। तुम एक बार एन्ड्रेसी डट पहुंच जाते तो भगवान भी तुम्हें वहां से नहीं निकाल सकता था। लेकिन सीक्रेट पुलिस के हर प्रकार के हथियारों से लैस कम से कम दो सौ आदमियों की मौजूदगी में तुम्हें जोएल हाउस से निकाल लाना भी आसान काम, नहीं था, मिस्टर।'

'मैं समझता हूं।'

'वैसे तुम्हें इस बात में गौरव का अनुभव होना चाहिए कि अकेले तुम्हें गिरफ्तार करने के लिए साम्यवादी सरकार को सीक्रेट पुलिस के दो सौ आदमी तैनात करने की जरूरत पड़ती है।'

जेम्सबांड के चेहरे पर एक क्षीण सी मुस्कराहट दौड़ गई। 'बाद में जिस ढंग से तुम वहां से निकाल कर लाये गये थे वह तुमने देखा ही था ।'

जेम्सबांड ने सहमतिसूचक ढंग से सर हिला दिया ।

'लेकिन तुम्हारी वजह से बेचारा वह अफसर मारा गया जो तुम्हें गिरफ्तार करने के लिए फौज़ लेकर जोएल हाउस गया था।'

'क्या मतलब?'

'मतलब यह कि इतनी तैयारी के बाद भी यह तुम्हें गिर-फ्तार नहीं करवा सका। हंगेरियन सीक्रेट पुलिस का चीफ फर-मिट उसे कभी माफ न करेगा। उसकी बाकी जिंदगी तो कान्स टान्टा के लेबर कैम्पों में या साइबेरिया की ब्लैक सी कनाल में कटेगी।' मेजर होवार्थ बोला ।

' ओह!...' जेम्सबांड के मुंह से निकल गया ।

'अब वापिस लौटने का क्या प्रोप्राम है मिस्टर बांड..?' एकाएक चश्मे वाला बोला।

जेम्सबांड कुछ क्षण विचारपूर्ण मुद्रा बनाये चुपचाप बैठा रहा, और फिर धीरे से बोला- 'वापस लौटने का फिलहाल कोई प्रोग्राम नहीं है।'

'क्यों? अब यहां रह कर भी क्या करोगे? अधिक देर बुडा-पेस्ट में ठहर कर तो तुम स्वयं को खतरे में ही डालोगे। मिशन तो तुम्हारा फेल हो ही चुका है।'

'मेरे दिमाग में एक नई सम्भावना उभर रही है।' 'क्या?'

'सम्भव है मैक्स ओल्गर अभी मरा न हो।'

'यह कैसे हो सकता है? हालात तो यही जाहिर करते हैं कि.."

'आप मेरी बात तो सुनिये जेम्सबांड चश्मे वाले की बात काट कर बोला- 'यह भी तो
सम्भव है कि मैक्स ओल्गर अभी तक जिंदा हो। सम्भव है हंगेरियन सीक्रेट पुलिस
मैक्स ओल्गर की जुबान खुलवाने में असफल रही हो। मैक्स औल्गर ने सीक्रेट पुलिस
की टार्चर के सामने सर न झुकाया हो। पुलिस उसे अट्ठा-रह तारीख को जनता की अदालत
के सामने अपना मनचाहा ब्यान देने के लिए तैयार न कर सकी हो और इसलिए उन्होंने
अपनी इज्जत बचाने के लिए नकली मैवस ओल्गर की, हत्या का खटराग फैलाना चाहा हो ताकि वे तारीख के बाद भी मैक्स ओल्गर का मुंह खुलवाने की कोशिशें करते रहें।'

'लेकिन मिस्टर जेम्सबांड मेजर होवार्थ प्रतिवाद करता हुआ बोला- 'यह सम्भव नहीं
है। हंगेरियन सीक्रेट पुलिस के हथकंडों को तुम नहीं मैं जानता हूं। ऐन्ड्रेसी
डट में साम्यवादी सरकार ने जो राक्षस पाल रखे हैं, वे इतने दिनों में एक आदमी की जुबान न खुलवा सके हों, यह असम्भव है। कर्नल हीदस का कोको नाम का अकेला शैतान ही
वह दावा करता है कि दुनिया का सख्त से सख्त आदमी केवल चौबीस घंटे के लिये उसे सौंप दिया जाए, चौबीस घण्टों के बाद वह आदमी वही धुन अलाप रहा होगा जो कोको उसे सिखाएगा।'

'मेरा कोको से वास्ता पड़ चुका है।'

'फिर तो तुम खुद भी अनुभव कर सकते हो कि उसका दावा गलत नहीं है।'

'मेजर होवार्थ, अपवाद हर बात का होता है। सम्भावना कम जरूर है लेकिन यह बात एकदम असम्भव नहीं है कि शायद साम्यवादी सरकार मैक्स ओल्गर का मुंह खुलवाने में असफल रही हो। जिस प्रकार आप यह बेहतर जानते हैं कि कोको किसी को कितनी यातनायें दे सकता है उसी प्रकार मैं बेहतर जानता हूं कि कोई ब्रिटिश सीक्रेट एजेंट किस हद तक यातनायें बरदाश्त कर सकता है।'

'लोगों का मुंह खुलवाने के टार्चर के अलावा भी बहुत तरीके होते हैं।'

'वह सब ठीक है लेकिन फिर भी मुझे यह बात एकदम असम्भव नहीं मालूम होती कि शायद मैक्स ओल्गर अभी भी जिंदा हो।'

'यह आशा तुम इसलिए प्रकट कर रहे हो क्योंकि तुम अपने चीफ 'एम' के पास इस अभियान से असफल नहीं लौटना चाहते ।'
'बस छोड़ो काउंट' - चश्मे वाला बीच में बोल पड़ा- 'तुम मिस्टर बांड से यह पूछो कि यह हम से क्या चाहते हैं।'

'मैं आप लोगों से सहायता चाहता हूं।'- जेम्सबांड तनिक विनीत स्वर से बोला ।

'किस प्रकार की सहायता?'

'मेजर होवार्थ हंगेरियन सीक्रेट पुलिस के इतने बड़े अफसर हैं। जाहिर है कि हंगेरियन सीक्रेट पुलिस के हैडक्वार्टर ऐन्ड्रेसी डट के हर विभाग में उनकी पहुंच होगी। अगर ये चाहें तो बड़ी आसानी से यह मालूम कर सकते हैं कि असली मैक्स ओल्गर मर चुका है या जिदा है।'

'आसानी से नहीं।'- मेजर होवार्थ बोला- 'लेकिन मालूम करने की कोशिश कर सकता हूं।'

'मान लो अगर मैक्स ओल्गर जिंदा हुआ लेकिन ऐन्ड्रेसी डट के किसी तहखाने में मौजूद हुआ तो यह जानकारी तुम्हारे किस काम आएगी?'- चश्मे वाला बोला ।

'यह बाद की बात है, इसलिए इसे मैं बाद में सोचूंगा। पहले मुझे यह तो मालूम हो कि वह जिदा है।'- जेम्सबांड बोला ।

चश्मे वाले ने मेजर होवार्थ की ओर देखा ।

मेजर होवार्थ जैसे चश्मे वाले के नेत्रों में निहित प्रश्न को समझ गया ।

'जैसे आप कहें।'- वह बोला ।

'काउन्ट ।' - चश्मे वाला बोला- 'जेम्सबांड का चीफ 'एम' मेरा दोस्त है। वह सिरोव और मेजर होवार्थ का भी दोस्त था।'

'फिर ठीक है।'- मेजर होवार्थ बोला ।

'मिस्टर बांड।'- चश्मे वाला निर्णयात्मक स्वर से बोला-'हम क्रांतिकारी हैं और हंगरी को साम्यवादियों के पंजे से छुड़ाने के लिए जी जान से प्रयत्नशील हैं लेकिन बुनियादी तौर पर हम लोग अन्तर्राष्ट्रीय भाई चारे में अटूट आस्था रखते हैं और अपनी हर सांस के साथ इस बात की कामना करते हैं कि सारे विश्व के राष्ट्र एक परिवार की तरह रहें, कोई किसी पर हमला नहीं करे। कोई अपने पड़ोसी देश की सीमाओं पर नजर न रखे, भगवान किसी के मन में इम्पीरियलिज्म की भावनाएं न पनपने दें। अपनी इन भावनाओं की वजह से हम लोग एस्पियानेज और काउन्टर एस्पियानेज की हरकतों को पसन्द नहीं करते हैं। हमारी नजर में जब कोई राष्ट्र किसी अन्य राष्ट्र में में अपने स्पाई भेजता है तो वह एक बड़ी ही नीच हरकत करता है। ब्रिटिश सीक्रेट एजेंट मैक्स ओल्गर के साथ हंगरी की साम्यवादी सरकार किस ढंग से पेश भाती यह बाद की बात है पहले तो हमें तुम्हारे देश की ही यह हरकत बढ़ी निन्दनीय लगती है कि उन्होंने एस्पियानेज के गन्दे इरादों से मैक्स ओल्गर को बुडापेस्ट में भेजा। ये तमाम बातें हम आपको इसलिए बता रहे हैं ताकि आपको महसूस हो सके कि मैक्स ओल्गर की रिहाई के मामले में आपकी सहायता करके हम अपने सिद्धान्तों के कितने खिलाफ काम कर रहे हैं।'

चश्मे वाला क्षण भर के लिए चुप हो गया।

जेम्सबांड संकोचपूर्ण ढंग से सिर झुकाए बैठा रहा।

'हमें तुम्हारे चीफ 'एम' से अपने लोगों की मित्रता का उतना ख्याल नहीं है।'- चश्मे वाला फिर बोला- 'जितना हमें इस बात का ख्याल है कि मैक्स ओल्गर अगर वह जिंदा है, तो इसलिए हंगे-रियन सीक्रेट पुलिस की गिरफ्त में फंसा तिल-तिल करके दम तोड़ रहा होगा क्योंकि वह एक गलत प्रकार की देश भक्ति के नशीभूत था और उचित अनुचित पर विचार किए बिना आंख बन्द करके अपने स्वामियों की आज्ञाओं का पालन कर रहा था। हर सीक्रेट एजेन्ट ऐसा ही करता है मिस्टर बांड खुद आप भी ऐसा ही करते हैं न? जो आर्डर आपको ऊपर से मिलते हैं उसके औचित्य पर अगर आप विचार करें तो

आपको भी अपने द्वारा किए गए नब्बे प्रतिशत काम ऐसे लगेंगे जो आपको नहीं करने चाहिए थे। उदाहरण के तौर पर अगर एक सीक्रेट एजेन्ट के ढंग से सोचने के स्थान पर आप एक साधारण इन्सान के ढंग से सोचें तो आपको इस प्रकार मैक्स ओल्गर की हत्या के आदेश का पालन करना न्यायोचित नहीं लगेगा। लेकिन आप साधारण इन्सान की तरह सोच ही नहीं सकते क्योंकि अगर आप साधारण इन्सान होते तो अपने ००७ विभाग के सीक्रेट एजेन्ट हरगिज नहीं होते। क्योंकि आप 'एम' के ००७ विभाग के सीकेट एजेन्ट हैं इसलिए किसी वर्ग विशेष के स्वार्थों की पूर्ति की खातिर किसी निर्दोष प्राणी की हत्या कर देना आपको एक अतिसाधारण कृत्य मालूम होता है। अभी आप हमारी सहायता की अपेक्षा में हमारे सामने बैठे हैं और जहां तक मैं समझता हूं आप हमारे बारे में कुछ अच्छी भावनाएं ही रखते हैं, बहरहाल आप हमारे दुश्मन तो हर-गिज भी नहीं हैं लेकिन अगर अभी आपको ऊपर से हमारी हत्या करने का आदेश मिल जाए तो आप हमें फौरन गोली मार देने में एक क्षण के लिए भी नहीं हिचकेंगे। मैं गलत तो नहीं कह रहा हूं मिस्टर बांड?'

'आप एकदम ठीक कह रहे हैं।' - जेम्सबांड धीरे से बोला-

'ब्रिटिश इन्टेलीजेंस के जीरो जीरो सेवन विभाग में ऐसे ही हृदय हीन आदमियों की जरूरत होती है जो समय आने पर देश के हित के लिए अपने बाप को भी गोली से उड़ा देने में एक क्षण के एक लाखवें भाग के लिए भी न हिचकें। अमानवीय क्या है और गन्दी हरकत कौन-सी, इसका फैसला मुझे नहीं करना है। मेरे सोचने समझने के लिए एक ही बात है कि मुझे एक काम करने के लिए दिया गया है और मुझे हर उचित अनुचित ढंग से वह काम करना है।'

'जो कुछ आप कह रहे हैं औरों को उससे कभी किसी प्रकार की कोई शिकायत या असन्तुष्टि नहीं हुई?'

'मैंने इस लाइन में कभी सोचा ही नहीं।'

जेम्सबांड एक बात से विशेष रूप से चिन्तित था। इस बार भी वैसा ही तनाव का वातावरण बन चुका था जो पिछली बार प्रोफेसर हैरोल्ड जेनिग्स की रिहाई की चर्चा के समय सिरोव से बातचीत होते समय बन गया था। जेम्सबांड को भय था कि कहीं वे लोग यकायक उसकी सहायता से इनकार न कर दें। उनकी सहायता के बिना मैक्स ओल्गर तक

पहुंच पाना तो एक बेहद असम्भव बात थी ही, बुडापेस्ट में खुद उसके सुरक्षितः रह पाने की कोई गारन्टी नहीं थी।

'खैर।'- चश्मे वाला पटाक्षेप करता हुआ बोला- 'इस बार तोमैक्स ओल्गर के मामले में हमसे जो कुछ होगा, हम करेंगे लेकिन भविष्य के लिए आप बड़े स्पष्ट शब्दों में 'एम' को कह दीजिए कि हम किसी ऐसे मामले में हरगिज हरगिज भी उसकी सहायता नहीं करेंगे जो हमें नैतिक रूप से उचित नहीं लगता।'

जेम्सबांड ने शान्ति की गहरी सांस ली। कम से कम इस बार तो उन्होंने उसकी सहायता करने से इन्कार नहीं किया था। 'लेकिन, मिस्टर बांड ।'- मेजर होवार्थ बोला- 'अब तुम रहोगे कहां? वापिस हिल्टन तो मौत के मुंह में छलांग लगाने जैसा है और यहां हम तुम्हें रख नहीं सकते ।'

'आप लोग ही कुछ सुझाइए।'- जेम्सबांड असहाय भाव से बोला ।

मेजर होवार्थ और चश्मे वाला धीमे शब्दों में एक दूसरे से बातें करने लगे ।
जेम्सबांड को उनके वार्तालाप का एक शब्द भी सुनाई नहीं दिया ।

फिर मेजर होवार्थ उठ खड़ा हुआ ।

मेजर होवार्थ को देखकर सैन्डर भी अपने स्थान से उठ खड़ा हुआ ।

दोनों चुपचाप द्वार की ओर चल दिए ।

'मैं एक बात पूछना चाहता हूं।'- एकाएक जेम्सबांड बोला ।

मेजर होवार्थ और सैंडर ठिठक गये। उनकी नजरें जेम्स-बांड पर टिक गईं।

'आप लोग जान्सी को जानते हैं?' जेम्सबांड ने किसी व्यक्ति विशेष पर दृष्टि डाले बिना प्रश्न किया।

राई। मेजर होवार्थ और चश्मे वाले की दृष्टि एक दूसरे से टक-

'आप जान्सी के बारे में क्या जानते हैं, मिस्टर बांड?'-चश्मे वाले ने पूछा ।

'कुछ भी नहीं। केवल नाम और एक नम्बर ।'

'नम्बर । कैसा नम्बर?'

'६२५८४२ ।'

मेजर होवार्थ ने प्रश्न सूचक दृष्टि से चश्मे वाले कौ ओर देखा ।

चश्मे वाला धीरे से मुस्कराया और फिर बोला- 'जान्सी से मिल लीजिए मिस्टर बांड ।'

और फिर बड़ी शान्ति से उसने अपनी दाईं कलाई पर से कोट और कमीज की आस्तीन को कोहनी तक सरका दिया और नंगी कलाई जेम्सबांड के सामने कर दी।

जेम्सबांड ने देखा, कलाई पर के जख्मों और खरोंचों के निशानों के बीच '६२५८४२' की संख्या का यूं ठप्पा सा लगा हुआ था जैसे कारपोरेशन के बैल के पुट्ठ पर सरकारी नम्बर अंकित हुआ होता है।

जेम्सबांड के नेत्र फैल गए। तो यह था उस नम्बर का रहस्य ।

'अ-अ-आपका नाम।'- वह हकलाता हुआ बोला-'जांसी है?'

'लोग।' - चश्मे वाले ने शांति से उत्तर दिया- 'मुझे जांसी के नाम से पुकारते हैं।'

मेजर होवार्थ और सैंडर कमरे से बाहर जा चुके थे ।

कमरे में जान्सी और जेम्सबांड अकेले बैठे हुए थे।

एक विचित्र प्रकार के सम्मोहन के से भाव से जेम्सबांड जान्सी की ओर देख रहा था।

जान्सी के चेहरे से अपूर्व शांति टपक रही थी।

जान्सी के बारे में जेम्सबांड के मस्तिष्क में सैकड़ों प्रश्न घूम रहे थे लेकिन उनमें से एक भी प्रश्न जेम्सबांड अपनी जुबान पर नहीं ला रहा था। रह रहकर उसकी दृष्टि जान्सी के चेहरे से हटकर उसके भयंकर हाथों की ओर उठ जाती थी।

फिर उसकी दृष्टि दीवार पर लगी हेलेन की तस्वीर की ओर भटक गई।

'यह तस्वीर बहुत शानदार है।'- एकाएक जेम्सबांड बोला।

'ऐं।' जान्सी ने चौंककर सिर उठाया- 'क्या कहा तुमने?'

'मैं कह रहा था हेलेन की यह तस्वीर बहुत शानदार है।'-जेम्सबांड तस्वीर की ओर संकेत करता हुआ बोला ।

'हां।'- जान्सी ने एक उड़ती हुई दृष्टि उस तस्वीर पर डाली और उदास स्वर से बोला- 'तुम ठीक कह रहे हो। यह तस्वीर बहुत शानदार है।'

'इतना सजीव कैमरा फोटोग्राफ बहुत कम देखने को मिलता है। लगता है बुडापेस्ट में फोटोग्राफर बहुत बढ़िया हैं।'

'यह तस्वीर मैंने खुद खींची है।'- जान्सी ने बताया ।

'अच्छा!' आप तो बहुत शानदार फोटोग्राफर हैं फिर ।'

'कभी था। अब कैमरे की सूरत देखे हुए बीस साल हो गए हैं।'

'लेकिन यह तो ताजा फोटोग्राफ है।'

। 'यह फोटोग्राफ बीस साल पुराना है।'- जान्सौ धीरे से बोला।

'बीस साल पुराना!' - जेम्सबांड हैरानी से बोला- 'यह कैसे सम्भव है। यह तो हेलेन का एकदम ताजा फोटोग्राफ है। बीस साल पहले तो हेलेन एकदम दूध पीती बच्ची रही होगी।'

'यह फोटोग्राफ हेलेन का नहीं है। यह फोटोग्राफ हेलेन की मां कैथरीन का है। यह फोटोग्राफ मेरी बीवी का है।'

'आपकी बीवी का! मतलब यह कि हेलेन आपकी बेटी है?'

'हां।'

'कमाल है।'- जेम्स बांड दीवार पर टंगी तस्वीर की ओर देखता हुआ आश्चर्यपूर्ण स्वर से बोला- 'मां और बेटी की सूरतों में ऐसी शतप्रतिशत समानता मैंने आज तक नहीं देखी। कोई कह नहीं सकता कि यह हेलेन की तस्वीर नहीं है। कैथरीन मेरा मतलब है आपकी मिसेज भी यहीं आपके साथ रहती हैं?'

'नहीं'।' जान्सी बोला- 'कैथरीन यहां नहीं रहती। पता नहीं कहां है कैथरीन ।'

जान्सी यूं बोल रहा था जैसे ख्वाब में बड़बड़ा रहा हो। उसके स्वर में एक विचित्र प्रकार की उदासी थी।

जेम्स बांड चुप था ।

'लेकिन कैथरीन किसी अच्छी जगह पर नहीं है, ऐसा मुझे लगता है। वह जहां भी होगी वह ऐसी नारकीय जगह होगी यहां भगवान किसी दुश्मन को न भेजे। जब किसी इंसान को सीक्रेट पुलिस की भूरी पूरी लारियां उसके घर के सुरक्षित और सुखकर वातावरण में से घसीट कर ले जाती हैं तो उस इन्सान की आखिरी मंजिल कोई कान्स टान्टा जैसा गुलामों का लेबर कैम्प, या कोई ब्लैक सी कनाल जैसा नर्क ही होता है।'

'सीक्रेट पुलिस की भूरी लारियां?'- जेम्स बांड आशंकित स्वर से बोला ।

'हां।'- जान्सी धीरे से सिर हिलाता हुआ बोला- 'साम्य-वादियों की वही भूरी लारियां जो केवल हंगरी से ही नहीं, पोलैंड, रूमानिया और बल्गारिया से भी लाखों करोड़ों निर्दोष लोगों को साम्यवादियों के कन्सन्ट्रेशन कैम्पों तक पहुंचा चुकी हैं। जो लारियां लाखों दूसरे हंगरी निवासियों को ले गईं वे ही कैथरीन को भी ले गईं। जहां लाखों आदमी साम्यवाद के कोल्हू में पिस कर मर चुके हों, वहां एक कैथरीन का जिक्र क्या मायने रखता है।'

'लेकिन यह हो कैसे गया?' - जेम्स बांड के मुंह से बरबस निकल गया ।

'बस हो गया।'- जान्सी बोला- 'मेरी तकदीर अच्छी थी कि उस रात हेलेन घर में नहीं थी। वह गांव अपने कुछ मित्रों के साथ रहने गई हुई थी वर्ना कैथरीन की तरह वे हेलेन को भी ले जाते। आधी रात को मैं एक काम से घर से चला गया था।
फिर घर की बिजली और गैस की सप्लाई बन्द हो गई। कैथरीन इसका मतलब नहीं समझी।'

'क्या मतलब था इसका?'

'आधी रात को गैस और पावर सप्लाई बन्द हो जाने का मतलब एक ही होता है और वह यह कि सीक्रेट पुलिस किसी के लिए डिपोर्टशन का आर्डर लेकर आ रही है। आने के पहले वे हमेशा ही उस सारे ब्लाक की गैस और बिजली की सप्लाई बन्द कर देते हैं ताकि लोग गैस सूंघकर या बिजली का करेन्ट खाकर आत्महत्या न कर लें। कन्सट्रेशन कैम्प में तिल तिलकर मरने से वह मौत हर हाल में अच्छी होती है। मिस्टर बांड, उन लोगों ने कैमिस्ट की दुकानों पर जहर की विक्री रुकवा दी है ताकि कहीं लोग आत्महत्या करके उनकी पकड़ से दूर न निकल जाएं। बहरहाल वे लोगों को इमारत की ऊपर की मंजिलों से छलांग लगाकर आत्महत्या करने से नहीं रोक पाए। लेकिन क्योंकि कैथरीन को इन बातों की जानकारी नहीं थी इसलिए वह ऐसा कुछ नहीं कर पाई। वे लोग उसे ले गए। पहले भूरी लारी में और फिर जानवरों के रेवड़ की तरह मालगाड़ी के डिब्बों में ठूंस कर ।'

'फिर उसके बाद आपको कैथरीन की खबर नहीं मिली?'

'नहीं। सच पूछो तो मुझे यह भी मालूम नहीं है कि वह मर चुकी है या जिन्दा है।'

'ओह!'

'मैं केवल आशा ही कर सकता हूं कि वह जिन्दा होगी। सम्भावना इसी बात की ज्यादा है कि वह मर चुकी होगी। मिस्टर बांड कई लोग तो लेबर कैम्पों तक पहुंच ही नहीं पाते । वे रास्ते में भूरी लारियों में और मालगाड़ी के डिब्बों में ही दम तोड़ देते हैं और कई तब मर जाते हैं जब खेतों में, कारखानों में, खदानों में उनसे सोलह-सोलह घंटे घोर श्रम करवाया जाता है। कैथरीन में उन तमाम यातनाओं को सह सकने जितनी जान नहीं थी। उन्हीं दिनों वह हस्पताल से फेफड़ों का बड़ा सीरियस आप्रेशन करवाकर लौटी थी। उसे टी० बी० थी-घर लौटकर उसने चार दिन भी आराम नहीं किया था कि।'

। जान्सी चुप हो गया। उसका सिर उसकी छाती पर झुक गया।

'आपने मिसेज को तलाश करने की कोशिश की थी?'

"बहुत कोशिश की लेकिन मैं उसे तलाश नहीं कर सका।'

"लेकिन सीक्रेट पुलिस के हैडक्वार्टर में तो इस प्रकार का रिकार्ड रखा जाता होगा। अगर मेजर होवार्थ चाहे तो मालूम कर सकता है कि आपकी मिसेज कहां हैं?'

'नहीं मालूम कर सकता। यह जानकारी हंगेरियन सीक्रेट पुलिस की टाप सीक्रेट फाइलों में होती है और उन तक मेजर होवार्थ की पहुंच नहीं ।'

उसी क्षण जिम ने कमरे में प्रवेश किया। उसके एक हाथ में एक बोतल थी और दूसरे में दो गिलास थे। पहले की तरह अब भी उसके होंठों में जलता हुआ सिगरेट लटका हुआ था और सिगरेट का धुआं उसकी आंखों में घुसा जा रहा था। वह होंठों से सिगरेट हटाए बिना जान्सी से बोला- 'सब इंतजाम हो चुका है। मेजर ने कहा है कि अभी आधा घण्टा और इन्तजार करना पड़ेगा।'

'ओ० के० जान्सी बोला ।

जिम ने बोतल और गिलास मेज पर रखे, जेम्सबांड पर एक उपेक्षापूर्ण दृष्टि डाली और फिर लम्बे डग भरता हुआ कमरे से बाहर निकल गया ।

जान्सी ने बोतल का ढक्कन खोला और उसका तरल पदार्थ दो गिलासों में डालता हुआ बोला- 'विलान्सी हमारे देश की बड़ी विशिष्ट शराब है। आशा है आपको पसन्द आएगी, मिस्टर बांड ।'

'जरूर पसन्द आएगी।'- जेम्स बांड बोला- 'इस शराब को लगभग ऐसे ही माहौल में चखने का सौभाग्य मुझे पहले भी प्राप्त हो चुका है।

'आई सी ।'- जान्सी बोला। उसने एक गिलास जेम्सबांड की ओर बढ़ा दिया । जेम्सबांड ने गिलास उठा लिया। दोनों ने गिलास टकराए। जेम्सबांड ने शराब का एक घूंट पिया और गिलास नीचे रख दिया ।

'यह लड़का बड़ा अनोखा है।'- जेम्सबांड बोला । * 'तुम जिम की बात कर रहे हो?'

'हां। बड़ी हास्यास्पद हरकतें करता है। होंठों से सिगरेट नहीं निकालता चाहे धुएं की कड़वाहट से आंखें फूट जाएं।'

'यही नहीं, और भी कई ऐसे भयंकर काम करता है जिनका ख्याल भी एक अट्ठारह साल के लड़के के दिमाग में नहीं आए । जैसे वह मोटरसाइकिल का साइलेन्सर तो निकाल देता है और फिर सौ मील प्रति घण्टा की रफ्तार से मोटरसाइकिल चलाता है। साइलेन्सर निकालने का अर्थ यह है कि मील मील तक लोगों को पहले ही पता लग जाए कि जिम आ रहा है। शाम को पार्क में जाकर काउब्वायज की तरह रिवाल्वर की निशानेबाजी के करतब दिखाता है। इसका निशाना इतना सच्चा है कि आप हवा में सिक्का उछालिए और वह उसमें गोली मार देगा। पहले गोली चलाकर लकड़ी के तख्ते में छेद कर देगा और फिर उसी छेद में से रिवाल्वर की तमाम गोलियां गुजार देगा और छेद का व्यास बड़ा नहीं होगा। बुडापेस्ट का बच्चा-बच्चा जिम को जानता है।'

फिर भी यह आपकी पार्टी में है?"

'क्यों नहीं?'

'मेरा मतलब है ऐसा लड़का तो पार्टी के लिए बहुत खतर-नाक साबित हो सकता है। क्योंकि यह तो पहले ही सारे बुडापेस्ट की नजर में आया हुआ है।'

'इसी वजह से तो कोई इस पर सन्देह नहीं करता। जिम का हर ऐक्शन इतना प्रत्यक्ष होता है कि कोई इससे छल कपट की अपेक्षा तो कर ही नहीं सकता। हंगेरियन सीक्रेट पुलिस का एक एक आदमी इसे जानता है। यह उनमें काउब्वाय जिम के नाम से मशहूर है। जिम तो अगर सीक्रेट पुलिस वालों को किसी सन्देहास्पद स्थिति में दिखाई भी दे जाए तो वे इस पर शक नहीं करते ।'

'आई सी!'

'और जानते हो यह इतनी अनोखी हरकतें करता क्यों है?'

'क्यों करता है?'

'यह हेलेन से मुहब्बत करता है।'

'ओह!'

'और यह इस विषय में बड़ा सीरियस है। हेलेन से शादी करना चाहता है। शादी का प्रस्ताव वह हेलेन के सामने रख भी चुका है। हेलेन ने कह दिया कि वह तो अभी बच्चा है तो बेहद नाराज हो गया। इसीलिए वह हेलेन को प्रभावित करने के लिए और स्वयं को भर्द साबित करने के लिए ऐसे ऐसे भयंकर काम करता है कि हमारा दिल दहल जाता है।'

जेम्स विस्मयपूर्ण नेत्रों से जान्सी को देखता रहा।

'और मजेदार बात यह है कि हेलेन के सामने शादी का प्रस्ताव इसने आज से दो साल पहले रखा था जब वह केवल सोलह साल का था। हेलेन इससे छः साल बड़ी है। अपने आपको बहादुर जवां मर्द साबित करने के लिए इसने अक्टूबर के विद्रोह में ऐसे ऐसे भयंकर काम किये थे जिनकी तुम कल्पना भी नहीं कर सकते?'

'जैसे?' जेम्सबांड ने विस्की का एक घूंट हलक से उतारते हुये पूछा ।

जैसे गिलर्ट के उत्तर में बैसल हिल पर जितने रूसी टैंकों का सत्यानाश अकेले जिम ने किया था उतने किसी फौज ने नहीं किये होंगे। गहरी ढाल वाली पहाड़ी सड़क के मोड़ों पर यह साबुन का घोल फैला आता था। टैंक जब मोड़ पर घोल पर से गुजरता था, तो एकाएक लुढ़ककर गहरे गड्ढे में जा गिरता था। यह सड़क पर छोटे-छोटे गड्ढे खोदकर उन में पैट्रोल भर देता था और फिर पैट्रोल से भीगे हुये एक पतले धागे को वहां से पेड़ों के पीछे ले जाकर इन्तजार में बैठ जाता था। जब टैंक पैट्रोल भरे उन छोटे छोटे खड्डों के ऊपर से गुज़रता था तो वह धागे को माचिस दिखा देता था। इन्हीं टैंकों की वजह से एक बार वह मरता मरता बचा था।

'कैसे?'

'एक टी-५४ टैंक के सारे क्रियू को इसने मार गिराया था। लेकिन एकाएक टैंक ढलवां सड़क पर पीछे की ओर लुढ़क पड़ा था। जिम उस टैंक और एक इमारत की दीवार के बीच इस प्रकार फंस गया था कि वैसे तो वह सही सलामत था लेकिन अपने स्थान में एक इंच भी हिल जुल नहीं सकता था। छत्तीस घण्टे वह उसी स्थिति में फंसा खड़ा रहा था। उतने समय में अपने उस टैंक को बर्बाद करने के लिए रूसी हवाई जहाजों ने दो बार टैंक पर भीषण गोलाबारी की थी ताकि टैंक सही सलामत शत्रुओं के हाथ न पड़ पाये और जिम की तकदीर थी ति यह फिर भी बच गया। उसके शरीर पर एक खरोंच तक नहीं आई थी।'

'कमाल है' जेम्स बांड बोला "फिर बाद में वह वहां से निकला कैसे?"

'संयोगवश ही सैंडर की दृष्टि उस पर पड़ गई थी। वह इमारत में घुसकर उस दीवार के पिछले भाग में पहुंच गया था।
सैंडर ने पिछली ओर से दीवार में छेद करके जिम को वहां से निकाला था। उस समय जिम अधमरा हो चुका था। सैंडर उसे एक अन्य इमारत में ले आया था और उसे आराम करने के लिए एक बैडरूम में लिटाकर खुद फिर लड़ने चला गया था। उसके जाते ही एक मंगोलियन टैंक के कमांडर ने उस इमारत की पहली मंजिल पर गोले बरसाने आरम्भ कर दिए और सारी इमारत धराशायी कर दी। बाद में फिर मलबे में जिम की तलाश की गई और वह तब भी सही सलामत था। उसके शरीर पर एक खरोंच भी नहीं आई थी। उसके बाद वह कई महीने बीमार रहा

था। लेकिन अब तो उसे ये बातें याद भी नहीं हैं कि कैसे एक करिश्मा हो गया था और वह मरने से बच गया था।'

जेम्स बांड प्रभावित दिखाई देने लगा। जिम के लिए उसके मन में एक नये सम्मान का भाव उत्पन्न हो गया।

'सैंडर ने भी अक्टूबर विद्रोह में भाग लिया था?'- जेम्स बांड ने पूछा।

'हां। सैंडर पहले एक स्टील मिल में इलैक्ट्रिकल फोरमैन था। इन्कलाब में उसने अपने बिजली के ज्ञान का भारी लाभउठाया था। मिस्टर बांड, इस बात की कल्पना करके भी आपकी धमनियों में रक्त जमने लगेगा कि सैंडर ग्यारह किलो वाट लोड के हाई टेंशन तारों को केवल लकड़ी के दो डण्डों की सहायता से जिधर चाहे तोड़ मरोड़ लेता था। अपने उसी अनोखे तरीके से उसने तीन रूसी टैंकों के सारे क्रीयू को हाई वोल्टेज के धक्के से मार डाला था। वह पैट्रोल की बोतल भर लेता था। उसके मुंह में कपड़ा ठूंस देता था और फिर कपड़े को आग लगाकर बोतल को सीधे टैंक की हैच में फेंक देता था और फिर हैच का ढक्कत बन्द करके ढक्कन के ऊपर बैठ जाता था। बोतल भीतर एक भीषण बम की तरह फटती थी। और टैंक के क्रीयू के परखचे उड़ जाते ।

जेम्स बांड हैरान था। ऐसे शांत और सज्जन लगने वाले लोग इतने खतरनाक लड़ाके भी हो सकते हैं- इस पर जेम्स बांड को सहज ही विश्वास नहीं हो पाता था। विशेष रूप से सैंडर के चेहरे पर तो ऐसी दया और सरलता टपकती थी कि ऐसा लगता था जैसे वह किसी चींटी को भी नुकसान पहुंचाने से डरता हो ।

उसी क्षण हेलेन ने भीतर प्रवेश किया। उसने जान्सी की ओर देखते हुये सिर हिलाकर संकेत किया। 'आप हेलेन के साथ चले जाइये मिस्टर बांड' - जांसी बोला

- 'आपके रहने का काफी हद तक सुरक्षित इन्तजाम किया जा चुका है।'

'कहां?'- जेम्स बांड ने पूछा।

'मुझे नहीं मालूम। हेलेन आपको वहां छोड़ आएगी ।'

'ओ० के०'- जेम्स बांड बोला। उसने गिलास की बची हुई शराब अपने गले में उंडेल ली और उठ खड़ा दुआ।

'एक बात का ख्याल रखियेगा।'- जान्सी बोला ।

'क्या?'

'हेलेन से ज्यादा हिलने मिलने की कोशिश मत कीजियेगा बरना जिम आपका शत्रु हो जायेगा ।'

'ओह, जान्सी।'- हेलेन विरोध भरे स्वर से बोली ।

'मैं ख्याल रखूंगा।'- जेम्स बांड हेलेन की ओर देखकर तनिक मुस्कराता हुआ बोला ।

फिर जेम्स बांड ने एक आखिरी दृष्टि जान्सी की मेज पर रखे उन भयंकर हाथों पर डाली और फिर हेलेन के प्रीछे हो लिया।

वे फिर उस लंबे गलियारे में से गुजरने लगे। गलियारे के दूसरे सिरे पर जिम खड़ा था। उन लोगों के समीप पहुंचने पर वह बोला- 'वैसे मेरा अभी वही ख्याल है कि मिस्टर बांड की सेवा का मौका मुझे दिया जाना चाहिए ।'

'तुम्हारा ख्याल गलत है जिम।' - हेलन स्नेह पूर्ण स्वर से बोली- 'मिस्टर बांड को इस समय जिस प्रकार की सेवा की जरूरत है वह तुम नहीं कर सकते ।'

जिम फिर नहीं बोला, लेकिन उसके चेहरे पर परम असन्तुष्टि के भाव स्पष्ट रूप से अंकित थे।

दोनों फिर उस विशाल कमरे में आ गये जिसमें कार खड़ी थी। हेलेन इस बार कार की ओर नहीं बढ़ी।

एक बार फिर न जाने किस प्रकार दीवार दो भागों में विभक्त हो गई और वे दोनों शटर लगे विशाल गैरेज में आ गये।

गैरेज में एक भद्दी सी ट्रक नुमा गाड़ी खड़ी थी।

हेलेन उस गाड़ी की वे आराम और खुरदरे तख्तों की बनी सीट पर बैठ गई ।

जेम्स बांड दूसरी ओर का द्वार खोलकर उसकी बगल में जा बैठा। सीट और गाड़ी के डैश बोर्ड में मुश्किल से इतना स्थान था कि जेम्स बांड की टांगें उसमें समा जायें।
हेलेन और जेम्स बांड कौ सीट के बीच में एक लोहे की डण्डे की पार्टीशन लगी हुई थी।

हेलेन ने गाड़ी स्टार्ट की। जिम ने गैरेज का शटर उठा दिया। गाड़ी बाहर सड़क पर आ गई। पीछे शटर फिर बन्द हो गया।

गाड़ी बुरी तरह झळके खाती हुई सड़क पर चलने लगी । जेम्स बांड भारी असुविधा पूर्ण स्थिति में बैठा गाड़ी के साथ-साथ हिचकोले खाता रहा। बर्फ फिर गिरने लगी थी।

जेम्स बांड ने घड़ी देखी, रात के बारह बजने को थे ।

हेलेन बड़ी शान्ति से सुनसान, अंधेरी और बर्फीली सड़कों पर गाड़ी चला रही थी।

'तुम वाकई बहुत दक्ष ड्राइवर हो।' - जेम्स बांड बोला ।

हेलेन ने उत्तर नहीं दिया ।

'तुम्हें डर नहीं लगता?'

किस बात से मिस्टर बांड?' - हेलेन ने पूछा ।

' 'उस खतरनाक जिन्दगी से जो जान्सी और उसके साथी जी रहे हैं।'

'लगता है।'- हेलेन गम्भीर स्वर से बोली- 'बहुत डर लगता है। वक्ती खतरों से नहीं, उस अन्जाम से डर लगता है जो एक न एक दिन हम सब का होना है। हंगेरियन सीक्रेट पुलिस के हाथ बहुत लम्बे हैं मिस्टर बांड और जान्सी एक बेहद असम्भव लक्ष्य की पूति में लगा हुआ है।'

'फिर भी तुम इन लोगों के साथ रहती हो?'

'हां जान्सी को मेरा यहां रहना पसन्द नहीं। न जाने कितनी बार वह मुझ से प्रार्थना कर चुका है कि मैं इन भयंकर खतरों में से निकल कर किसी अन्य देश के सुरक्षित वातावरण में पहुंचे जाऊं। कई मामलों में जान्सी की शक्तियां असीमित हैं। वह जब चाहे मुझे हंगेरियन सीमा से बाहर कहीं भी पहुंचा सकता है लेकिन मैं ही जाना स्वीकार नहीं करती। मैं जान्सी को अकेला नहीं छोड़ सकती, मिस्टर बांड।'- आखिरी शब्द कहते समय हेलेन के स्वर में एक विचित्र प्रकार की दृढ़ता उभर आईं थी ।

जेम्स बांड चुप रहा।

गाड़ी नगर के सम्पन भाग को छोड़कर अब मध्यम वर्गीम इलाके की सड़कों पर चल रही थी।

'मुझे जान्सी के बारे में कुछ बताओ।'- एकाएक जेम्स बांड बोला ।

'क्या बताऊं?'

'जान्सी वास्तव में कौन है? निश्चित ही जान्सी उसका बास्तविक नाम तो नहीं है। बिल कहता था कि जान्सी वह इन्सान है, जिस के नाम से हंगरी की साम्यवादी सरकार की आत्मा कांप जाती है। निश्चय ही वह बहुत बड़ा और बहुत प्रसिद्ध आदमी होगा ।'

'हम लगभग अपनी मंजिल पर पहुंच चुके हैं, इसलिए अधिक कुछ कहने का समय नहीं है, मिस्टर बांड। फिलहाल आप केवल इतना जान लीजिए कि जान्सी का वास्तविक नाम इल्यू- रिन है। मेजर जनरल अलैक्सिस इल्यूरिन । वह यूक्रेन में पैदा हुआ था, इसलिए उसे रूसी ही समझो।'

'मेजर जनरल अलैक्सिस इल्यूरिन।'- जेम्स बांड ने दोहराया।

'हां लेकिन जान्सी के सामने या किसी और के सामने कभी भूल कर भी यह नाम मत दोहराना। हंगेरियन सीक्रेट पुलिस और यहां की साम्यवादी सरकार की नजर में मेजर जनरल भलैक्सिस इल्यूरिन मर चुका है और जान्सी भी मेजर जनरल भलैक्सिस इल्यूरिन के अस्तित्व को भूले रहना ही पसन्द करता है।'

'उसकी दांई कलाई पर गुदा हुआ नम्बर कैसा है? उसके हाथों की ऐसी भयंकर हालत कैसे हो गई है?'

हेलेन के जबड़े कस गये। उसने उत्तर नहीं दिया।

जेम्सबांड ने कुछ क्षण प्रतीक्षा की फिर उसने दुबारा प्रश्न करने के लिए मुंह खोला ही था कि हेलेन ने गाड़ी को एक पुरानी सी चार मंजिली इमारत के सामने लाकर खड़ा कर दिया। इमारत पर हंगेरियन में लिखा था।

'होटल कीव ।'

हेलेन गाड़ी से निकल पड़ी। जेम्सबांड भी बाहर निकल आगा। दोनों गाड़ी को सड़क पर खड़ी छोड़ कर पैदल ही भीतर 'की ओर चल दिये ।

इमारत के कम्पाउन्ड में बर्फ जमा होती जा रही थी। इमा-रत की सारी बत्तियां बुझी हुई थीं, केवल लाबी में थोड़ा प्रकाश था। उस प्रकाश में जेम्सबांड को एक लगभग चालीस साल के मोटे-ताजे आदमी का चेहरा दिखाई दिया। वह अपने शरीर पर एक भारी ओवर कोट और सिर पर रूसी टाइप की टोपी पहने हुये था।

हेलेन को देखकर वह मुस्कराया ।

'मिस्टर कीव से मिलिये ।'- हेलेन परिचय कराती हुई बोली-'और मिस्टर कीव, यही हैं आप के मेहमान, मिस्टर जे।'

'जोहान बुहल ।'- जेम्सबांड जल्दी से बोल पड़ा और उसनें कीव की ओर हाथ बढ़ा दिया ।

कीव ने बड़ी गर्मजोशी से उससे हाथ मिलाया।

'जोहान बुहल रिकार्ड के लिए ठीक नाम रहेगा, मिस्टर बांड ।'- हेलेन बोली- लेकिन जहां तक मिस्टर कीच का सवाल है ये पहले से ही आप की वास्तविकता जानते हैं।'

कीव मुस्कराया।

'ओह!' जेम्सबांड तनिक हतप्रभ स्वर में बोला ।

'आप की वास्तविकता जाने बिना ये आप की ढंग से रक्षा नहीं कर सकेंगे मिस्टर बांड ।'

'आई सी ।' जेम्सबांड बोला- 'आई एम सारी ।'

'मैं जाती हूं।' हेलेन बोली- 'मिस्टर बांड अब आपके सुपुर्द हैं मि० कीव ।'

कीव सहमति सूचक ढंग से फिर मुस्कराया। लगता था वह शब्दों की जगह हर बात का उत्तर मुस्कराहट से देने का आदी था।

'मिस्टर बांड ।'- हेलेन बोली- 'जैसी शानदार जगहों पर आप रहने के आदी हैं, यह जगह उतनी शानदार तो नहीं है लेकिन फिर भी मिस्टर कीव की ओर से मैं आप को विश्वास दिलाती हूं कि यहां आपको कोई असुविधा नहीं होगी। और फिर सुरक्षा के लिहाज से जान्सी ने आपका गहीं रहना उचित समझा है।'

'यह जगह बिल्कुल ठीक है।'- जेम्सबांड बोला- 'मुझे इस से कोई शिकायत नहीं है।'

'थैंक्यू।' हेलेन बोली- 'फिलहाल आप यहीं रहिए। यहां से बाहर आप हरगिज मत निकलिये। आप जिस चीज की भी इच्छा प्रकट करेंगे, कीव आप के लिये मुहैया करेगा। मेजर अगर मैक्स ओल्गर के विषय में कुछ जान पाया तो उसकी सूचना भी आपको यहीं पहुंच जायेगी ।'

'ओ० के०!'

'गुड नाइट मिस्टर बांड, गुड नाइट मिस्टर कीव ।'.

'गुड नाइट!' जेम्सबांड बोला ।

कीव केवल मुस्कराया ।

हेलेन लम्बे डग भरती हुई कम्पाउन्ड से बाहर निकल गई।

अगले ही क्षण वह अपनी छकड़ा सी गाड़ी पर बैठ कर दृष्टि से ओझल हो गई ।

कीव जेम्स बांड को तीसरी मंजिल पर एक कोने के कमरे में छोड़ गया।

हिल्टन होटल के कमरों से तो उस कमरे का कोई मुकाबला नहीं था लेकिन उसमें ऐसी कोई बात नहीं थी जो जेम्सबांड को असुविधा जनक लगे ।

उसने कपड़े उतारे, रिवाल्वर को शोल्डर होल्स्टर से निकाल कर तकिये के नीचे रखा, आदतन वे तमाम सावधानियां बरतीं जिन्हें सोने से पहले वह बरतने का आदी था और फिर बिस्तर में घुस गया ।

जब तक उसे नींद नहीं आई तब तक उसके सामने जान्सी का चेहरा और उसके भयंकर हाथ घूमते रहे।

जेम्सबांड सुबह दस बजे सोकर उठा ।

नित्य कर्म से निवृत हो चुकने के बाद उसने कमरे के स्विच

बोर्ड पर लगी काल बैल बजा दी।

कीव खुद आया ।

'गुड मार्निंग।' वह अपने होंठों को मुस्कराहट के रूप में एक कान से दूसरे कान तक फैलाता हुआ बोला ।

'गुड मार्निंग।' जेम्सबांड बोला ।

'पुलिस कम! पुलिस गो। नो डेंजर।'- कौव बोला ।

'क्या?'- जेम्सबांड हंगेरियन में बोला कीव शांति की सांस लेकर बोला- 'मुझे ठीक से अंग्रेजी बोलनी नहीं आती।'

'यहां पुलिस आई थी?' जेम्सबांड ने अपना प्रश्न दोह-राया ।

'हां सुबह चार बजे के करीब सीक्रेट पुलिस के दो आदमी आये थे। मि० बांड सारे बुडापेस्ट में आपकी तलाश हो रही है। आपकी गिरफ्तारी के लिये कर्नल हीदस खुद भागा फिर रहा है। नगर के एक-एक होटल और गैस्ट हाउस की भरपूर तलाशी ली जा रही है।'

'यहां की भी तलाशी हुई थी?'

'हां।'- कीव ने स्वीकार किया 'लेकिन भरपूर नहीं! लेकिन मेरा होटल ऐसा नहीं है, जहां कोई सीक्रेट एजेन्ट आना पसन्द कर सके और पसन्द का ही सवाल नहीं है, वह वैसे ही नगर के ऐसे घटिया इलाके में है। किसी बाहरी आदमी को होटल कीव का ख्वाब भी नहीं आयेगा।'

'लेकिन फिर भी तुम्हारे होटल की तलाशी हुई?'

'नाम मात्र को ही। मैं सच्चा कम्यूनिस्ट हूं मि० बांड ।' कीव के स्वर में हल्का सा व्यंग्य का पुट था- 'और सौभाग्य वश सीक्रेट पुलिस के जो आदमी यहां आये थे वे

मुझे जानते थे । उन्होंने मेरे कथन पर ही विश्वास कर लिया कि यहां कोई विदेशी एजेंट नहीं आया है। उन्होंने होटल के मेहमानों का रजिस्टर देखा। उसमें पिछले दो दिन से कोई ऐन्ट्री नहीं थी। फिर भी उन्होंने आखिर में आए हुये मेहमानों की सूरत देखी, यह देख कर कि उनमें से कोई जेम्स बांड नहीं था, बे सन्तुष्टि पूर्वक ढंग से सिर हिलाते हुए यहां से चले गए। हां, जाती बार वे मुझे 'फासिस्ट स्पाई' जेम्स बांड से सावधान रहने की चेता-बनी जरूर दे गए ।'

'लेकिन अगर सीक्रेट पुलिस के वे दो आदमी तुम्हें जानते न होते और वे एक एक कमरे की भरपूर तलाशी लेने की जिद्द करते तो..?'

'तो कर्नल हीट्स को जेम्स बांड के साथ-साथ अपने उन दो आदमियों की तलाश शुरू करवानी पड़ती।'- कीव बोला । उसके चेहरे पर एक क्रूर मुस्कराहट थी।

'क्या मतलब?'

'मि० बांड, क्या मैं आपको सीक्रेट पुलिस के दो आदमियों के भी काबिल दिखाई नहीं देता। मैं यूं और "-और उसने अपने बायें हाथ से चुटकी बजाई - 'उनका गला काट देता।'

जेम्स बांड को हरदम मुस्कराने वाला वह आदमी बहुत खतरनाक लगा।

'अब कैसी स्थिति है?'- जेम्स बांड ने पूछा ।

'अब कोई खतरा नहीं है।'- कीव पूर्ववत् मुस्कराता हुआ बोला। उसके स्वर में गहरे आश्वासन का भाव था।

जेम्स बांड चुप था। एकाएक उसके मन में असुरक्षा की भावना पनप आई थी।

'मैं आपके लिए ब्रेकफास्ट भिजवाता हूं।'- कीव बोला ।

'हां ।'- जेम्स खोए स्वर में बोला ।

कीव चला गया।

पन्द्रह मिनट बाद किसी ने बांड के कमरे का द्वार फिर खट-खटाया ।

जेम्स बांड ने पतलून की जेब में रिवाल्वर रखी और रिवा-ल्वर वाली जेब में अवना एक हाथ डाले ही दूसरे हाथ से द्वार खोल दिया ।

द्वार पर एक ठिंगना सा आदमी ट्रे लेकर खड़ा था।

'ब्रेकफास्ट सर।'- ठिगना उसके चेहरे पर एक भरपूर दृष्टि डाल चुकने के बाद आदरपूर्ण स्वर से बोला ।

जेम्स बांड द्वार से एक ओर हट गया। ठिगना कमरे के भीतर प्रवेश कर गया।

जेम्स बांड बड़ी गौर से ठिगने को देख रहा था। ठिगने से पहली बार आंखें चार होते ही जेम्स बांड को यूं लगा था जैसे ठिगना उसे देख कर चौंका हो। ठिगने की सूरत भी उसके नेत्रों में खटक रही थी। उसे ऐसा लग रहा था जैसे उसने ठिगने को कहीं देखा था ।

ठिगने ने ट्रे मेज पर रख दी।

'मैं चाय बनाऊं सर?'- ठिगने ने पूछा ।

'नहीं।'- जेम्स बांड बोला- 'मैं बना लूंगा।'

ठिगना सिर झुका कर द्वार की ओर बढ़ गया ।

'सुनो।'- जेम्स बांड ने उसे पीछे से आवाज दी।

ठिगना किठक गया।

'कीव को भेजना!' जेम्स बांड बोला।

'यस सर, यस सर।' ठिगना बोला और जल्दी से कमरे से बाहर निकल गया।

लगभग फौरन ही कीव जा गया।

'यस मिस्टर बांड ।'- कीव बोला ।

'यह आदमी जो अभी मुझे ब्रेकफास्ट देकर गया था. क्या नाम है इसका?' - जेम्स बांड ने पूछा ।

'हम लीग इसे फ्राग के नाम से पुकारते हैं क्योंकि यह ठिगना होने की वजह से मेंढक की तरह फुदक फुदक कर चलता है।'

'यह तुम्हारा विश्वास-पात्र आदमी है?'

'हां-हां। क्यों? क्या बात हो गई है?'

'मुझे ऐसा लगा था जैसे वह मुझे देख कर चौंका था और मुझे भी इसकी सूरत कुछ पहचानी सी लगी थी।'

'आपको बहम हुआ होगा, मिस्टर बांड। फ्राग पिछले एक साल से मेरे पास काम कर रहा है और इस बात की कतई सम्भावना नहीं है कि आज से पहले इसने आपको देखा हो। उसी प्रकार इस बात की भी सम्भावना मुझे दिखाई नहीं देती है कि आपने पहले कभी उसे देखा हो।'

'मुमकिन है मेरा वहम ही हो।'- जेम्स बांड अनिश्चित स्वर से बोला ।

'मिस्टर बांड, विश्वास रखिये मेरा कोई आदमी मेरे साथ गद्दारी नहीं कर सकता और फिर मैं ऐसा कोई आदमी आपके पास भेजूंगा ही नहीं जो आपको पहचान सकता हो।'

'अरे नहीं।'

कीव चला गया।

जेम्स बांड चिन्ता पूर्ण मुद्रा बनाए ब्रेकफास्ट करने लगा ।

सारा दिन गुजर गया। रात आ गई।

जेम्स बांड नै खाना खाया और फिर बिस्तर में पहुंच गया। हेलेन ने या जान्सी के किसी अन्य आदमी ने उससे सम्पर्क स्थापित नहीं किया था।

रात को एकाएक शीशे के टूटने की आवाज से उसकी नींद खुल गई। बिजली की फुर्ती से उसका हाथ तकिये के नीचे पड़ी रिवाल्वर पर पहुंच गया। फिर उसने करवट बदली और बिना आवाज किये बिस्तर से नीचे लुढ़क पड़ा।

उसका बर्गलर अलार्म काम कर गया था।

सोने से पहले बन्द खिड़की के पल्लों से सटा कर जो दो तीन गिलास उसने सिल पर रखे थे वे वहां से लुढ़क कर फर्श पर आ गिरे थे और जमीन पर गिर कर टूट गए थे।

खिड़की पर उसे एक साया सा दिखाई दिया। खिड़की को बाहर से खोलने के प्रयत्न में कोई उसे झटके दे रहा था।

पलंग ने एक चादर खींच कर जेम्सबांड ने अपने नग्न शरीर कार लपेटी और फिर धीरे से उठ खड़ा हुआ।

जेम्माबांड ने फायरिंग पोजीशन पर रिवाल्वर तैयार कर ली और फिर एकाएक बिजली का स्वीच ओन कर दिया ।

डोन्ट मूव (हिलना मत)।'-- जेम्सबांड साये की ओर रिवा-स्वर तानता हुआ बोला ।

फौरन बत्ती बुझा दो।'- साया दबे स्वर से गुर्राया ।

जेम्सबांड चौंक पड़ा। उसने फौरन आज्ञा का पालन किया।

आवाज हेलेन की थी।

उसने अपनी रेडियम डायल वाली घड़ी पर दृष्टि डाली ।

रात के साढ़े बारह बज चुके थे ।

हेलेन इस समय ऐसे भयंकर बर्फीले मौसम में कीव होटल की तीसरी मंजिल पर जेम्सबांड के कमरे के बाहर प्रोजेक्शन पर लटकी क्या कर रही थी?

वह आगे बढ़ा और उसने खिड़की की चिटकनी खोल दी। हेलेन भीतर कूद आई।

'क्या बात है?' जेम्सबांड ने पूछा ।

'सीक्रेट पुलिस ने होटल को घेर लिया है।'हेलेन हांफती हुई बोली- 'पता नहीं उन्हें तुम्हारे यहां होने की सूचना कैसे मिल गई है।' जेम्सबांड के नेत्रों के सामने फाग नाम के ठिगने वेटर की सूरत घूम गई।

उसने खिड़की से बाहर झांक कर देखा।

नीचे हंगेरियन सीक्रेट पुलिस की कई लारियां खड़ी दिखाई दे रही थीं और सैकड़ों सशस्त्र फौजी बर्फ से भरे रास्तों पर निःशब्द चलते हुए इमारत के आस-पास घेरा डाल रहे थे।

तुम यहां कैसे पहुंच गयी?'- जेम्सबांड ने पूछा ।

"सवाल बाद में करना पहले फौरन यहां से निकलो ।'-हेलेन बल्दी से बोली।

'कहां?'

'मेरे साथ आओ।'- हेलेन उसे बांह पकड़कर खिड़की की ओर घसीटती हुई बोली ।

'उहरो मुझे कपड़े तो पहनने दो।'

'ओह माई गाड। बी क्विक मैन ।'

जेम्सवांड ने जल्दी से कपड़े पहन लिए ।

साइलेंसर लगी रिवाल्वर उसने शोल्डर होलस्टर में रखने के स्थान पर पतलून की बैल्ट में खोंस ली।

हेलेन फिर खिड़की पर चढ़ गई और खिड़की के बाहर मुश्किल से एक फुट चौड़े प्रोजेक्शन पर खड़ी हो गई। फिर वह दीवार के सहारे प्रोजेक्शन पर दायीं ओर सरकने लगी।

उसने जेम्सबांड को संकेत किया ।

जेम्सबांड भी प्रोजेक्शन पर उतर गया और दीवार का सहारा लेकर हेलेन के पीछे सरकने लगा।

बाहर बर्फ का तूफान सा चल रहा था। बर्फ के थपेड़े जेम्स बांड के मुंह पर लग रहे थे और हर क्षण ऐसा मालूम हो रहा था कि वह हवा के वेग के साथ तिनके की तरह उड़ जायेगा-नीचे झांकने से भी डर लगता था ।

नीचे और भूरी लारियां इकट्ठी हो रही थीं और उनमें से फौजी कूद रहे थे।

हेलेन दीवार के साथ चिपकी हुई एक-एक इंच आगे सरक रही थी। जेम्सबांड भी उसका अनुकरण कर रहा था।

हेलेन के लिए उसका मन एक नये सम्मान से भर उठा-ऐसी बहादुर लड़की उसने अपने जीवन में नहीं देखी थी।

वह सरकता हुआ हेलेन के समीप पहुंच गया । उसने एक दृष्टि उसके चेहरे पर डाली ।

□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□ □□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□ □□□ □□□□ □□□ □□□□□ □□ □□□ □□□ □□□ □□, □□□□ □□□ □□□□□ □□□□□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□ □□□ □□□□

□□□ □□□□ □□□□ □□. □□□ □□□□□□ □□□ □□□ □ □□□□□□□□□ □□ □□□□□□□ □□□ □□□□ □□□□□ □

□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□ □□□ □□□□□□□□ □□ □□□ □□ □□ □□□□ □□□□□□ □□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□□□-□□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□ □□□□□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□□□□ □□ □□□ □□□ □□□

□□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□□□□□□ □□ □□□□□ □□□ □

□□□□□□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□ □□ □□□ □□□ □□ □□□□ □□ □□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□□□□□□ □□□□□ □□ □

□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□ □□□□ □□□ □□ □□ □□□□, □□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□ □□□ □□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□□ □□ □□□ □□□□□□□□ □□ □□□ □□□ □□□□

□□□□□□□□□ □□ □□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□□ □□□ □ □□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□ □

□□ □□□□□ □ □□□□ □□□□□□□ □□□□□□□ □□□□ □□□ □□□ □□ □□□

□□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□ □□□ □□ □□□ □□□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□□□ □□ □□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□ □

'□□□□□□□□□ ?'- □□ □□□□ □□ □□□□ □

□□□□□□□□□ □□ □□□□□ □□□ □□ □□□□□□□□ □□□□□□□ □□□□□ □□ □□ □□□□ □□□ □□□□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□ □□□ □□□□ □□ □

हेलेन ने साइलेंसर लगी रिवाल्वर को खिड़की के पल्ले पर उस स्थान पर लगाया जहां चिटखनी होने का अनुमान था और फिर घोड़ा दबा दियां ।

एक हल्की सी पिट की आवाज हुई ।

हेलेन ने रिवाल्वर की नाल से ही खिड़की के पल्ले को धक्का दिया। पल्ले खुल गये ।

हेलेन फुर्ती से प्रोजेक्शन से चौखट पर चढ़ गई और भीतर कूद गई। जेम्सबांड भी चौखट पर चढ़ गया ।

उसके भीतर कूदते ही सर्च लाइट का प्रकाश एकदम उस खिड़की पर पड़ा और भीतर सारा कमरा रोशनी से जगमगा गया।

हेलेन और जेम्स बांड दोनों एकदम चौखट के नीचे दुबके बेठे रहे।

सर्चलाइट का प्रकाश वहीं स्थिर हो गया।

जेम्सबांड ने देखा वह कमरा फालतू और टूटे हुये फर्नीचर से भरा हुआ था। कमरा सूरत में होटल के उस कमरे जैसा ही था जिसमें जेम्सबांड रहा था।
सामने वार्डरोब दिखाई दे रही थी शायद, वह कमरा भी पहले ग्राहकों की रिहाइश के लिए इस्ते-माल किया जाता था।

हेलेन दीवार के साथ लगी लम्बी लम्बी सांस ले रही थी । ठंडक की वजह ले उसके होंठ नीले पड़ गये थे।

उसी क्षण बाहर गलियारे में भारी जूतों की आवाज सुनाई देने लगी। फिर किसी ने उस कमरे का द्वार खटखटाया ।

'इस कमरे में कौन है?' - किसी ने अधिकारपूर्ण स्वर से पूछा ।

'इस कमरे में कोई नहीं है कामरेड।'- कीव का विनयपूर्ण स्वर सुनाई दिया- 'इसमें तो सिर्फ पुराना फर्नीचर भरा हुआ है। देख लीजिए दरवाजे को बाहर से ताला लगा हुआ है।'

'ताला खोलो!'

'अभी खोलता हूं।'

'सामने वार्डरोब की ओर चलो। जल्दी।'- हेलेन एकदम हड़बड़ाये स्वर से बोली और घुटनों के बल सामने की ओर चलने लगी । जेम्सबांड भी उसके पीछे था।

बाहर चाबियां खटकने की आवाज सुनाई दे रही थी। 'जल्दी करो।' किसी ने शादेश दिया ।

"जल्दी ही कर रहा हूं कामरेड।'- कीव का स्वर सुनाई दिया- 'यह ताला कभी खोला नहीं जाता इसलिए मैं भूल गया हूं कि इसकी चाबी कौन सी है।'

हेलेन और जेम्सबांड वार्डरोब के समीप पहुंचे । हेलेन ने हाथ उठाकर वार्डरोब की चिटखनी खोली ।

'हटो। मैं खोलता हूं ताला।'- कोई क्रोधित स्वर से बोला ।

फिर एक हाई कैलिबर की रिवाल्वर के दो फायरों की आवाज से वातावरण गूंज गया। एक टन की आवाज से कोई भारी चीज फर्श पर गिरी। शायद किसी ने ताले के साथ रिवाल्वर सटाकर फायर कर दिया था।

हेलेन और जेम्सबांड वार्डरोब में घुस गये। हेलेन ने वार्ड-रोब का द्वार भीतर से बन्द कर लिया। जेम्सबांड ने चिटकनी लगाने के लिए हाथ बढ़ाया लेकिन हेलेन ने उसे रोक दिया ।

बाहर भड़ाक से कमरे का द्वार खुलने की आवाज आई फिर कई लोग एक साथ कमर में घुस आय ।

'बत्ती जलाओ।'- किसी ने आदेश दिया ।

शायद बत्ती जला दी गई। वार्डरोब के द्वार के पल्लों के झिरोखों में से पीला प्रकाश भीतर फूट पड़ा ।

जैम्सबांड ने अपनी रिवाल्वर संभाल ली।

'इसकी जरूरत नहीं पड़ेगी।' - हेलेन फुसफुसाकर बोलौ ।

'क्यों?'

'क्योंकि एक रिवाल्वर के दम पर तुम एक पूरी फौज के घेरे में से नहीं निकल सकते। अगर रिवाल्वर पर ही भरोसा करना था तो इतना खतरा उठाकर तुम्हारे कमरे से यहां तक आने की क्या जरूरत थी?'

'तो फिर..?'

बाकी के शब्द जेम्सबांड के मुंह में ही रह गए। हेलेन ने न जाने क्या किया था कि वार्डरोब के पीछे की दौवार एकदम न जाने कहां सरक गई औउस स्थान पर एक तीन गुणा तीन का लगभग चार फुट ऊंचा बक्सा-सा दिखाई देने लगा ।

हेलेन फुर्ती से उसे बक्से में घुस गई। फिर उसने जेम्सबांड को संकेत किया।
जेम्सबांड भी भीतर घुस गया ।

दोनों बड़ी मुश्किल से उस बक्से में समा पाए ।

'वार्डरोब खोलो।'- किसी ने आदेश दिया ।

उसी क्षण हेलेन ने पिंजरे में मौजूद बटन दबाया ।

दीवार अपने स्थान पर हो गई और बक्सा लिफ्ट के पिंजरे की तरह नीचे सरकने लगा ।

'वार्डरोब खाली है।' किसी की दूर होती हुई आवाज सुनाई दी।

बक्सा धीमी गति से नीचे सरक रहा था।

'यह क्या गोरख धन्धा है?' - जेम्सबांड हैरानी से बोला ।

'यह एक इमरजेंसी लिफ्ट है, मिस्टर बांड।'- हेलेन बोली।

निपट अन्धकार में जेम्सबांड हेलेन का मुंह तो नहीं देख सका लेकिन उसके स्वर में शरारत की झलक एकदम स्पष्ट थी।

एकाएक वह लिफ्टनुमा बक्सा एक स्थान पर आकर रुक गया।

'हम कहां हैं?'- जेम्सबांड ने पूछा ।

'ग्राउण्ड फ्लोर पर ।' - हेलेन बोली- 'कीव के प्राइवेट आफिस में लोहे की बिशाल सेफ के पीछे ।'

'यहाँ से कैसे निकलेंगे!

'कैसे नहीं, कब पूछिए? मिस्टर बांड जब तक कीव या उनका कोई आदमी हमें यहां से नहीं निकालेगा, हमें यहीं चूहे की तरह फंसा रहना पड़ेगा ।'

'ओह!'

हेलेन चुप रही।

'लेकिन यह सब हंगामा हो कैसे गया?'

'किसी ने एन्ड्रेसी डट में फोन कर दिया था कि ब्रिटिश सीक्रेट एजेन्ट जेम्सबांड होटल कीव में छुपा हुआ है।'

'वह फोन जरूर उसी हरामजादे ठिगने वेटर ने किया होगा जिसे कीव फाग के नाम से पुकारता है। मुझे सुबह ही उस पर संदेह हो गया था लेकिन कीव कहता था कि वह बड़ा विश्वास-पात्र वेटर है और पूरे एक साल से उसके यहां काम कर रहा था।'

'लेकिन उसने तुम्हें पहचान कैसे लिया?'

'जरूर उसने मुझे पहले कहीं देखा होगा।'

लेकिन कब? कैसे? होटल कीव में तो तुभ पहली बार ही आए हो ।'

'लेकिन हंगरी में मैं पहली बार नहीं आया हूं। सम्भव है उसने पहली बार मुझे हां।' एकाएक जेम्सबांड बदले स्वर से बोला-'अब याद आ गया मैंने इस ठिगने वेटर को पहले कहां देखा था।'

'कहां देखा था?'

'उस होटल में जिसमें पिछले साल मेजर होवार्थ ने मेरे रहने का इन्तजाम किया था। यह ठिगना उस होटल में नाइट पोर्टर था। मेजर होवार्थ ने इसकी अच्छी खांसी मरम्मत कर दी थी, इसलिये यह मुझे और मेजर को भूला नहीं होगा।'

'आई सी!'

' कीव तो अब बड़ी मुश्किल में फंस जायेगा?'

'हां। हेलेन चितित स्वर से बोली- 'अगर वह सीक्रेट पुलिस के अफसरों को यह विश्वास न दिला सका कि ठिगने को गलतफहमी हुई थी तो वाकई उसकी बड़ी दुर्गति होगी।'

'और यह सब मेरी वजह से हो रहा है।' - जेम्स बांड पश्चा-तापपूर्ण स्वर से बोला ।

हेलेन ने उत्तर नहीं दिया ।

'तुम इस समय यहाँ कैसे पहुंच गई थीं?" - कुछ क्षण बाद जेम्स बांड ने पूछा ।

'मैं तुम्हें बुलाने के लिये आई थी। काउन्ट तुम से बात करना चाहता था।' - हेलेन ने बताया ।

'किस सिलसिले में?"

'मुझे मालूम नहीं। शायद मैक्स ओल्गर के बारे में।'

'लेकिन तुम तीसरी मंजिल पर मेरी खिड़की के प्रोजेक्शन पर कैसे पहुंच गयी?'

'जिस समय सीक्रेट पुलिस की पहली लारी होटल के ब्लाक वाले मोड़ को घूमी थी, उससे थोड़ी ही देर पहले मैं होटल में आई थी। आस-पास सीक्रेट पुलिस की मौजूदगी की बात सुनकर ही कीव का माथा ठनक गया था। । हम फौरन तीसरी मंजिल पर तुम्हारे कमरे में पहुंचे थे लेकिन कमरे के बाहर ताला झूल रहा था। शायद ठिगने ने पुलिस ऐन्ड्रेसी डट में फोन करने के बाद खुद तुम्हारे द्वार को बाहर से ताला लगा दिया था ताकि तुम भाग न सको ।'

'लेकिन फायर ऐस्केप?'

'कीव ने तीसरी मंजिल के अन्य कमरे से नीचे झांककर देखा था। फायर ऐस्केप की सीढ़ियों के नीचे एक आदमी खड़ा था जो शायद वही ठिगना था। उसी क्षण सीक्रेट पुलिस की लारियां भी इमारत के आस- इकट्ठी होने लगी थीं। कीब ने ही मुझे इस लिफ्ट के बारे में बताया था। फिर कीव नीचे चला गया और मैं बगल के कमरे की खिड़की में से निकलकर प्रोजे-क्शन के रास्ते तुम्हारी खिड़की पर पहुंच गई थी।'

'तुम बेहद बहादुर लड़की हो, मिस इल्यूरिन ।' - जेम्स बांड गहरे सम्मानपूर्ण स्वर से बोला- 'तीसरी मंजिल पर के उस एक फुट चौड़े प्रोजेक्शन पर भीषण बर्फीली हवा में चल पाना किसी साधारण इन्सान के बस की बात नहीं है। तुम ने--।'

'मैं बहादुर-वहादुर बिल्कुल नहीं हूं, मिस्टर बांड..' हेलेन उसकी बात काटकर बोली- 'जो कुछ मैने किया है, उस पर मुझे खुद हैरानी है कि वह कैसे हो गया। तेज हवा

में बिना साहरे के उस प्रोजेक्शन पर पहला कदम रखते ही मैं गिर क्यों नहीं गई - अपनी स्थिति की कल्पनामात्र से ही मेरा दिल कांप जाता है।'

एक बात तो बताओ, मिस इल्यूरिन।'

'भगवान के लिये मुझे हेलेन ही कहो।'

'अच्छा । हेलेन, क्या जान्सी ने कभी इस बात के लिये जिद्द नहीं की कि तुम हंगरी के असुरक्षित वातावरण से निकल जाओ।'

'बहुत बार की है। कई बार तो जान्सी ने मुझे जबरदस्ती हंगरी से बाहर भेजने की कोशिश की है। लेकिन एक बात ऐसी है कि जिसकी वजह से जान्सी मेरे साथ जबरदस्ती नहीं कर पाता।'

'क्या बात?'

'कि मैं अपनी मां से मिलना चाहती हूं- अगर मैं हंगरी से एक बार निकल गई तो अपनी मां से कैसे मिल पाऊंगी?'

'तुम्हें अपनी मां से मिलने की आशा है?'

'सवाल ही नहीं पैदा होता। मेरी मां मर चुकी है मिस्टर बांड।'

'लेकिन लेकिन जान्सी तो ऐसा नहीं कहता।'

'मुझे मालूम है जान्सी ऐसा नहीं कहता। जान्सी हरगिज-हरगिज भी इस बात पर विश्वास नहीं कर सकता कि मेरी मां मर चुकी है। जान तो उसमें तभी नहीं थी जब साम्मबादी उसे पकड़ कर ले गए थे। उसका एक फेफड़ा बुरी तरह खतम हो चुका था। वह तो लेबर कैम्प में पहुंचने से पहले ही मालगाड़ी के डिब्बे की भीड़ में पिसकर कहीं मर खप गई होगी। लेकिन जान्सी इस बात को कभी नहीं मानेगा। कभी नहीं मानेगा। उसकी आशा कभी नहीं मर सकती। जब तक सांस तब तक आस वाली कहावत उस पर पूरी तरह चरितार्थ होती है।'

लेकिन तुम जान्सी के सामने यही प्रकट करती हो कि तुम्हें अपनी मां के अभी भी जीवित होने की आशा है।'

'हां। ऐसा कहना जरूरी है। यही वह बहाना है जिसकी वजह से जान्सी मुझे हंगरी से निकल जाने के लिए मजबूर नहीं कर पाता। अगर उसे आज पता लग जाए कि मेरी मां मर चुकी है और मैं उसकी वजह से हंगरी से नहीं जाना चाहती तो वह चौबीस घन्टे के अन्दर मुझे हंगरी से बाहर पहुंचा देगा। जान्सी अपने लिए मुझे अपनी जिन्दगी हरगिज भी खतरे में नहीं डालने देगा। इसलिए मैं मां की इन्तजार का बहाना करके उसके साथ रह रही हूं।'

'ओह!'- जेम्सबांड प्रभावित स्वर से बोला । अपनी जिंदगी में वह जान्सी और उसकी बेटी जितना किसी से प्रभावित नहीं हुया था।

तुम्हारे पापा ने तुम्हारी मां को तलाश किया है?'

'तुम्हें शक है?'

जेम्स बांड चुप रहा ।

'जान्सी की सूरत से यही मालूम होता है जैसे वह मेरी मां के खुद बखुद उसके पास चले आने की प्रतीक्षा में हाथ पर हाथ रखकर बैठा हो। जान्सी से मिलने पर हर आदमी यही सोचता है लेकिन मिस्टर बांड, तुम जान्सी को नहीं जानते । संसार का कोई भी आदमी केवल मुलाकात के बाद जान्सी को नहीं जान सकता, जान्सी को नहीं समझ सकता। हंगरी में नौ कन्सन्ट्रे शन कैम्प हैं और तुम मानोगे नहीं लेकिन यह हकीकत है कि पिछले अट्ठारह महीनों में मेरी मां की तलाश में जान्सी ने उन कैम्पों में से पांच का चप्पा-चप्पा छान मारा है। तुम विश्वास कर सकते हो कि कोई इन्सान ऐसा करिश्मा कर सकता है। तुम्हें यह सम्भव दिखाई देता है कि कोई आदमी बिना किसी की जानकारी में आए भूत की तरह कन्सन्ट्रेशन कैम्प में घुस कर किसी व्यक्ति विशेष को तलाश करता रहे और फिर सही सलामत बाहर भी आ जाए और किसी को खबर भी न हो?'

'मुझे यह सम्भव दिखाई नहीं देता।'- जेम्सेबांड धीरे से बोला ।

'लेकिन जान्सी ने ऐसा किया है। अक्टूबर के विद्रोह से पहले उसने मेरी मां की तलाश में हजारों खदानों, कारखानों, लेबर कैम्पों और खेतों के चक्कर लगाए हैं लेकिन वह मेरी मां को तलाश नहीं कर पाया और न ही शायद कभी तलाश कर पाएगा। लेकिन जान्सी की तलाश जारी रहेगी। जान्सी की आस नहीं टूटेगी।'

एकाएक हेलेन के स्वर में अन्तर आ गया था। जेम्सबांड ने गहन अन्धकार में हेलेन की दिशा में देखा लेकिन उसे कुछ भी दिखाई नहीं दिया। फिर उसने अपना हाथ उठाया और टटोल कर धीरे से हेलेन के चेहरे को हुआ। उसका चेहरा आंसुओं से भीगा हुआ था।

हेलेन की आंखों से आंसुओं की अविरल धारा बह रही थी।

'मिस इल्यूरिन हेलेन।' जेम्सबांड नर्वस स्वर से बोला - 'तुम एक बहुत बहादुर लड़की हो। तुम्हें आंसू बहाना शोभा नहीं देता ।'

हेलेन कुछ नहीं बोली। जेम्स बांड भी चुप रहा।

कई क्षण चुप रहने के बाद जेम्स बांड फिर बोला.. 'हेलेन!'

'हां''।' इस बार हेलेन के स्वर में स्थिरता थी।

'मुझे जान्सी के बारे में कुछ बताओ।'

'क्या बताऊं? मुझे खुद अपने बाप के बारे में क्या मालूम है। मैं केवल इतना जानती हूं कि जान्सी एक अकेला इन्सान है जो शांति के लिए वह काम कर रहा है जो हजारों लाखों आदमी मिलकर नहीं कर सकते। जान्सी उन लोगों की मदद के लिए जिन्दा है जो खुद अपनी मदद नहीं कर सकते। जान्सी वह इंसान है जिसने बेइंताह खून बहा चुकने के बाद शान्ति का महत्व समझा है।'

हेलेन एक क्षण रुकी और फिर बोली- मेरा दादा, अर्थात जान्सी का बाप यूक्रेन में एक कम्यूनिस्ट लीडर था। वह एक अच्छा कम्यूनिस्ट था और एक अच्छा इन्सान था और शायद यही उसकी गलती थी कि एक अच्छा कम्यूनिस्ट बनने के साथ-साथ उसने एक अच्छा

इन्सान बनने की भी कोशिश की थी। सन् १९३८ में वह यूक्रेन के बाकी कम्यूनिस्ट लीडरों के साथ कीव में सीक्रेट पुलिस के टार्चर चैम्बरों में मर गया। उस दिन के बाद से ही जान्सी के दिल में एक शोला भड़क उठा। उसने जल्लादों को फांसी पर चढ़ाना शुरू कर दिया। उसने उन लोगों की जान लेनी शुरू कर दी जिन्होंने यूक्रेन के कम्युनिस्ट लीडरों की जान ली थी लेकिन वह अकेला था और उसके खिलाफ सारा संसार था। वह पकड़ा गया और साइबेरिया भेज दिया गया। छः महीने तक वह ब्लाडीवास्टक की एक अण्डर ग्राउंड कोठरी में इस इन्तजार में गिरफ्तार पड़ा रहा कि कब बर्फ पिघले, कब एक स्टीमर वहां तक पहुंच पाए और उसे और बाकी कैदियों को उस नारकीय वातावरण में से निकाल कर ले जाए। उस अण्डर ग्राउंड कोठरी में छः महीने तक जान्सी ने दिन की रोशनी नहीं देखी । उन छः महीनों में जान्सी ने किसी दूसरे इन्सान की सूरत नहीं देखी। उसका खाना एक टोकरी में रखकर रस्सी के सहारे उसकी कोठरी में लटका दिया जाता था। उसकी कोठरी में कोई कम्बल नहीं था, कोई बिस्तर नहीं और तापमान जीरो से भी कई डिग्री नीचे था। अधिकारी उसके मरने की प्रतीक्षा कर रहे थे लेकिन वह नहीं मरा। जान्सी नहीं मरा।

आखिरी महीने में तो उन्होंने जान्सी को खाना और पानी तक देना बन्द कर दिया था लेकिन जान्सी फिर भी नहीं मरा। वह अपनी कोठरी के लोहे के दरवाजे की छड़ों पर टपक पड़ने वाली ओस की बूंदों को चाट चाट कर जिन्दा रहा। फिर उन लोगों को अनुभव होने लगा कि जान्सी अमर है। जान्सी नष्ट नहीं हो सकता ।'

हेलेन चुप हो गई।

जेम्स बांड मन्त्रमुग्ध सा सुन रहा था। पता नहीं कब उसने हेलेन का हाथ अपने हाथ में ले लिया था। हेलेन के चुप होते ही उसने बड़ी व्यग्रता से हेलेन का हाथ दबाया और वैसे ही स्वर में बोला- 'फिर? फिर??

'फिर बर्फ पिघली। स्टीमर आया और जान्सी को ले गया। वहां से जान्सी को कोलिमा की पहाड़ियों में ले जाया गया। मिस्टर बांड आज तक कोलिमा की पहाड़ियों में से कोई आदमी लौटकर वापिस नहीं आया लेकिन जान्सी-जान्सी वहां से जिन्दा लौटा।'

हेलेन एक बार फिर चुप हो गई और फिर यूं बोली जैसे स्वप्न में बड़बड़ा रही हो- 'वे जान्सी की जिन्दगी के सबसे भयानक दिन थे। मुझे नहीं मालूम उन दिनों में क्या

हुआ था शायद किसी को भी नहीं मालूम है। क्योंकि जान्सी का उन दिनों का कोई भी साथी जिन्दा नहीं है। मुझे केवल इतना मालूम है कि आज भी वह कई बार नींद में बड़बड़ाकर उठ जाता है, उसका चेहरा पीड़ा और आतंक से सफेद हो जाता है और वह विक्षिप्तों की तरह चिल्लाने लगता है दवाई, दवाई-चलते रहो, चलते रहो और बिस्ट्री, बिस्ट्री, और तेज और तेज! शायद इन बातों का स्लेज (बर्फ पर चलने वाली बिना पहियों की गाड़ी) को खींचने से सम्बन्ध है। आज भी जब जान्सी स्लेज की बजती हुई घन्टी की आवाज सुनता है तो वह बेचैन हो जाता है। उसके चेहरे पर गहन पीड़ा के भाव उभर आते हैं। बेचैन होकर अपनी आंखें बन्द कर लेता है और कानों में उंगलियां ठूंस लेता है। तुमने जांन्सी के हाथ देखे हैं। उनमें से दो । वह उंगलियों के अगले पोर गायब हैं।'

'हां' जेम्स बांड बोला। वे भयंकर हाथ फिर उसकी आंखों के सामने घूम गये ।

'केवल तमाशे की खातिर अधिकारियों की प्रोपेलर से चलने वाली गाड़ियों के पीछे चलने वाले कैदियों को धकेला जाया करता था यह देखने के लिए कि इन्सान को उस प्रोपेलर (पंखा) के कितनी पास तक ले जाया जा सकता है। कई बार कैदी को एकाएक पीछे से धक्का दे दिया जाता था और उसका चेहरा प्रोपेलर की चपेट में आ जाता था।'- हेलेन एक क्षण चुप रही और फिर बोली- 'जान्सी फिर भी खुश किस्मत था। अधि-कारियों के प्रोपेलर के खेल में उसकी दो उंगलियां और उसके हाथ उसकी कलाइयां, उसके हाथ देखे हैं तुमने?'

'हां।'- जेम्स बांड धीरे से बोला ।

'उसके हाथों की वह हालत जानते हो कैसे हुई है?'

'क कैसे?'

'भेड़िये! भूख से पागल हुये भेड़ियों ने जान्सी के हाथों को ही नहीं सारे शरीर को उधेड़ कर रख दिया। सीक्रेट पुलिस के आदमी भेड़िये पकड़ लाते थे, कुछ दिन उन्हें भूखा रखते थे और फिर एक बड़े से खड्डे में ऐसे एक एक भेड़िये के साथ एक कैदी को धकेल देते थे-तमाशा देखने के लिए। जान्सी भी एक ऐसे ही. भूखे भेड़िये के

साथ अधिकारियों के मनोरन्जन के लिए निहत्था धकेल दिया गया था। नतीजा तुमने देखा ही है। जान्सी का सारा शरीर ऐसी ही खरोंचों और जख्मों से उधड़ा पड़ा है।'

'यह नहीं हो सकता।'- जेम्स बांड बड़बड़ाया- 'इतनी बर्बरता असम्भव है। यह सब असम्भव है।'

'ये तो मामूली बातें हैं।'- हेलेन बोली- 'कोलिमा की पहाड़ियों में इनसे भी भयंकर कृत्य सम्भव हैं। इन लोगों के हाथों जान्सी ने इससे भयंकर तकलीफें उठाई हैं जिनकी जान-कारी मुझे नहीं है।'

'और जान्सी के हाथों की हथेलियों में जो छैद हैं?'

'उनकी भी सुनो। जान्सी ने कोई भयंकर काम कर दिया था, पता नहीं क्या, और फिर सीक्रेट पुलिस वाले भयानक सदियों के दिनों में उसे घने जंगल में ले आये थे। उन्होंने जान्सी के सारे कपड़े उतार कर उसे एकदम नंगा कर दिया था और फिर उसकी दोनों हथेलियों को करीब-करीब उगे दो पेड़ों के तनों पर फैलाकर हथेलियों में कील ठोककर उन्हें पेड़ के तनों में ठोंक दिया था और फिर वे उसे उसी हालत में छोड़कर चले गये थे। वे जानते थे कि उस जमा देने वाली सर्दी में और भूखे भेड़ियों की मौजूदगी में जान्सी कुछ मिनटों से अधिक समय तक जीवित नहीं रह सकेगा लेकिन वह फिर भी बच गया ।'

'कैसे?' - जेम्स बांड के के मुंह से अपने आप निकल गया।

'भगवान जाने कैसे? लेकिन मैंने जान्सी को एक बार यह कहते सुना था कि कोलिमा की पहाड़ियों में ही उसके हाथों की यह हालत हुई थी। वहीं उसकी उंगलियों के नाखून टूटे थे; उंगलियां गीले कपड़े की तरह मरोड़ दी गई थीं और अभी तुमने जान्सी के पांव नहीं देखे। उनके पैरों में एक भी उंगली मौजूद नहीं है।'

जेम्स बांड चुप रहा। वह सोच रहा था, जिस आदमी ने ऐसी भीषण जिन्दगी गुजारी हो उसके चेहरे पर दया और ममता के भाव कैसे रह सकते हैं।

'चार महीने में जान्सी कोलिमा की पहाड़ियों से ट्रांस-साइबेरियन रेलवे के उस स्थान पर पहुंचा था जहां रेलवे लाइन 'लीना' से गुजरती है और जब उसने रेलगाड़ी रोकी थी उस समय तक वह बिल्कुल पागल हो चुका था। एक लम्बे अरसे तक वह बिल्कुल विक्षिप्तों की तरह रहा था। अन्त में उसकी हालत सुधर गई थी और वह वापिस यूक्रेन पहुंच गया था।'

'फिर यूक्रेन में?'

'हां। सन् १६४१ में वह यूक्रेन में ही फौज में भरती हो गया था और एक साल के भीतर ही मेजर बन गया था।'

'लेकिन वह लाल सेना में भरती क्यों हो गया?"

'उसी वजह से से जिस वजह से बाकी यूक्रेन निवासी फौज में भरती होते हैं। ताकि मौका आने पर वह लाल सेना के खिलाफ ही जिहाद बोल दें। और ऐसा मौका शीघ्र ही आ भी गया ।'

'कब?'

'जब जर्मनी ने हमला किया था।'

हेलेन फिर चुप हो गई।

कई क्षण चुप रहने के बाद वह फिर बोली- 'उस समय रूसी यह प्रचार करते थे कि कीव की रक्षा के लिए हम लोग बड़ी बहादुरी से जर्मन सेना से लड़े थे लेकिन वह सब झूठ था । हमने जर्मन फौज के खिलाफ उंगली भी नहीं उठाई। हमने खुले दिल से जर्मन फौज का स्वागत किया। हमने उन्हें खिलाया, पिलाया, उनकी हर प्रकार से सेवा की, उनके स्वागत में हमने कीव की गलियों को फूलों से सजाया। कीव की सुरक्षा के लिए एक भी गोली नहीं चलाई गई थी। फिर रूसी जनरल आन्द्रइ ब्लासोव के नेतृत्व में लाखों यूक्रीनिमन सिपाही जर्मन फौज में शामिल हो गये थे। जान्सी भी उसी फौज में था और शीघ्र ही मेजर जनरल के पद पर पहुंच गया था और जनरल ब्लासोब क़ा दायां हाथ बन गया था। सन् १६४३ में जर्मन फौज की विनिस्ता में हार तक जान्सी उसी फौज में लड़ता

रहा था। विनिस्ता की लड़ाई के बाद ही जान्सी के व्यवहार में वास्तविक अन्तर आया था। एकाएक वह एकदम बंदल गया था और तभी उसने कसम खाई थी कि वह दुबारा कभी युद्ध में भाग नहीं लेगा, दुबारा कभी इन्सान का खून नहीं बहायेगा। तब से आज तक उसने अपनी कसम नहीं तोड़ी।'

'लेकिन वह अक्टूबर के विद्रोह की बातें कर रहा था, जब जिम और सैंडर ने कितने ही रूसी टैंक तबाह कर दिये थे। उनका नेता होते हुये क्या उसने इन्कलाब में भाग नहीं लिया था?'

'नहीं लिया था। जान्सी तो उस विद्रोह के एकदम खिलाफ था। इसलिए नहीं क्योंकि विद्रोह की जरूरत नहीं थी बल्कि इसलिए क्योंकि वह विद्रोह के लिए उचित समय नहीं था। उसने लोगों को रोकने की बहुत कोशिश की थी लेकिन यहां की जनता इतनी भड़क चुकी थी कि किसी ने भी जान्सी की एक नहीं सुनी। विद्रोह का जो नतीजा निकला है, वह आपने देखा ही है। कितने ही लोग विद्रोह में जान गंवा बैठे लेकिन स्थिति में जरा भी फर्क नहीं पड़ा।'

जेम्स बांड चुप हो गया।

'फिर थोड़ी देर बाद हेलेन फिर बोली-'एक बार जान्सी विनिस्ता में अपने पुराने घर में जाने की गलती कर बैठा। वहां रूसी उसका इन्तजार कर रहे थे। वह फिर पकड़ लिया गया। जान्सी की ही तरह रूसियों ने कितने ही यूक्रेनियन सिपाही पकड़े हुये थे। रूसियों ने जान्सी को इन सिपाहियों की रेजीमेंट का कमाण्डर बना दिया और बिना वर्दी के और टूटे फूटे हथि-यार लेकर उन्हें जबरदस्ती जर्मन फौज के खिलाफ लड़ने के लिए मजबूर किया। जान्सी फौज तो ले गया लेकिन लड़ा नहीं। जर्मन फौज के सामने पहुंच कर उसने हथियार फेंक दिये और उनकी ओर चला गया। जर्मनों ने उसे पहचान लिया और फिर जंग का बाकी का समय उसने जनरल ब्लासोव के साथ गुजारा ।
उन्हीं दिनों जान्सी की मुलाकात काउन्द और उसके भाई से अर्थात् असली मेजर होवार्थ से होवार्थ से हुई थी।'

'वह वाकई काउन्ट है?'

'हां।'

'□□□ □□ □ ?'

'□□□ □□ □□□□□□ □□□ □□□□ □□□□□□□ □□□ □□□ □□□□□□ □□□□□ □□□ □□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□ □□ □□□ □□□, □□□□ □□ □□□□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□□ □□ □□□ □□ □□□ □□□□ □□□□□□□ □□ □□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□ □□ □□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□□□ □□□□□□□□□ □□ □□□□ □□□ □□ □□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□□□ □□□ □□□□□ □□□□□□ □□□□□□ □□□□□ □□□ □□□□ □□ □□□□□-□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□□ □□ □□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□□□□□ □□ □□□ □□□□ □□□□□□ □□ □□□ □□ □□□ □□□□ □□□□ □□ □□ □□□ □□□□ □□□ □□ □□□□□ □□□□□□□□□□□ □□□□□ □□□ □□□□□ □□ □□□ □□□ □□□ □□□□ □□□ □□ □□□ □□ □□□□ □□□ □□□ □□□□□ □□□ □□□□□ □□□ □□□□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□ □□□□ □□□ □□□ □□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□□ □□□ □□ □□□, □□□□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□ □□ □□ □'

'□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□ □□□□□□□ □□ □□□ □□□ □□ □□□ □□ ?'

'□□□ □□□□□ □□□ □□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□ □□ □□□□-□□□□ □□ □□□□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□□ □□□□□□□ □□ □□□ □□□□□□□ □□ □□□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□□ □□□□□□ □□□□□□□□□□ □□ □□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□ □□ □□ □□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□ □□□ □□□□□□ □□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□ □□□ □□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□□ □□□ □□ □□□□ □□□ □□□□ □□ □□□□□□□□□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□□ □□□□□ □□-□□ □□□□□□ □□ □□□ □□ □□□□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□□□ □□□ □□ □□□ □□ □□□□□□ □□ □□□ □□ □□ □□□□ □□□'

'□□□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□ ?'

'□□□□□□ ?'

'□□□□'

'□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□ □□ □□□□ □□□ □□ □□ □□ □□□□ □□□ □□□□ □□ □□□□□□□□□ □□ □□□□ □□□ □□□ □□□ □□ □□ □□□□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□ □□□'

उसी क्षण भारी बूटों की और कई लोगों के जोर-जोर से बोलने की आवाजें उनके कान में पड़ीं।

दोनों एकदम चुप हो गये।

'सच-सच बताओ, तुमने उस ब्रिटिश जासूस को कहां छुपाया है?'-कोई गर्ज कर बोला ।

'यह तो कर्नल हीदस की आवाज है।' जेम्सबांड फुस-फुसाया ।

हेलेन चुप रही ।

'ये आवाजें आ कहां से रही हैं?'- जेम्सबांड बोला । 'शायद कीव के कमरे में से।'- हेलेन बोली ।

'कामरेड, आपको किसी ने बहकाया है।'- कीव कह रहा था- 'आपको जरूर गलत फहमी हुई है। यहां कोई ब्रिटिश जासूस नहीं आया है। कामरेड, मैं सच्चा कम्यूनिस्ट हूं। मैं पार्टी का मेम्बर हूं। अगर कोई ब्रिटिश जासूस या ऐसा कोई दूसरा सन्देहास्पद चरित्र मेरे होटल में आया होता तो मैं स्वयं इसकी सूचना ऐन्ड्रेसी डट में भिजवा देता ।'

'ये झूठ बोल रहे हैं। फाग की आवाज सुनाई थी-'तीसरी मंजिल के कोने वाले कमरे में वही ब्रिटिश जासूस था जो पिछले साल भी बुडापेस्ट में था जब मैं उस होटल में नाइट पोर्टर था जिसमें वह पिछले साल ठहरा था। उस बार हंगे-रियन सीक्रेट पुलिस के एक अफसर के भेष में इसका एक साथी भी था।'

'कामरेड ।' कीव की आवाज सुनाई दी- 'इससे यह पूछिये कि अंगर ऐसा कोई जासूस होटल के उस कमरे में मौजूद था तो वह गया कहां? इसने खुद उस कमरे को बाहर से ताला लगाया था और खिड़की के रास्ते वह भागा नहीं था क्योंकि फायर ऐस्कप की यह खुद निगरानी कर रहा था।'

'यही तो मेरी समझ में नहीं आ रहा है।' फाग का बौख-लाया हुआ स्वर सुनाई दिया ।

कई क्षण तक कोई कुछ नहीं बोला। शायद कर्नल हीदस की समझ में भी वह गुत्थी नहीं आ रही थी।

'कामरेड।' कीव का चिकना चुपड़ा स्वर फिर सुनाई दिया- 'मैं यह नहीं कहता कि फाग झूठ बोल रहा है लेकिन मेरे
ख्याल से इसे भारी गलत फहमी हो गई है।'

'मुझे गलतफहमी नहीं हुई है।' फाग चिल्लाया- मैंने सुबह खुद उसे ब्रेकफास्ट दिया है।'

'तो फिर तुमने तभी ऐन्ड्रेसी डट में फोन क्यों नहीं किया?' - कौव बोला ।

'मुझे मौका नहीं मिला था।'- फाग बोला- 'कीव हर समय मुझ पर नजर रखे हुये था। रात को सो जाने के बाद ही मुझे फोन करने का मौका मिला था।'

'कामरेड ।'- कीव बोला- 'यह पागलों की तरह प्रलाप कर रहा है। इसकी बात में कोई दम नहीं है। यह होटल के किसी अन्य मेहमान को ब्रिटिश स्पाई समझ बैठा है।'

'नहीं।' फाग चिल्लाया- 'मैंने खुद उसे देखा था और उसे उसी कमरे में कैद भी कर दिया था।'

'तो फिर वहां से कहां उड़ गया?'

'उस कमरे में से जरूर कोई गुप्त रास्ता होगा।'

'कामरेड।' कीव कह रहा था- 'इसका पागलपन इसी बात से स्पष्ट है कि वह उस कमरे में किसी गुप्त रास्ते की कल्पना कर रहा है। अगर आप चाहें तो मैं अभी आपको उस कमरे की बल्कि उस कमरे के आस पास के सारे कमरों की भी चार दीवारी और फर्श खोदकर दिखा सकता हूं।'

'मुझे कुछ समझ में नहीं आ रहा है।'- कर्नल हीदस गर्ज कर बोला- 'पता नहीं इसने किसी वहम के अन्तर्गत ऐन्ड्रेसी डट में फोन कर दिया है या तुम कोई बदमाशी कर रहे हो लेकिन मैं दोनों को लेबर कैम्प में भिजवा दूंगा।'

'मैं सच बोल रहा हूं। मैंने वाकई उस ब्रिटिश स्पाई को देखा है।' फाग भयभीत स्वर में चिल्लाया।

थोड़ी देर के लिए फिर शान्ति छा गई ।

अन्त में कर्नल हीदस का निर्णयात्मक स्वर सुनाई दिया-'कीव, मैं यहां पन्द्रह आदमी छोड़कर जा रहा हूं। दस आदमी इमारत की बाहर से निगरानी करेंगे और पांच आदमी भीतर रहेंगे। भीतर के पांच आदमियों में से चार आदमी होटल की चारों मंजिल पर रहेंगे और एक आदमी हर समय साये की तरह तुम्हारे साथ रहेगा। अगर तुमने उस ब्रिटिश जासूस को इमारत में कहीं छुपा रखा है तो वह अपने बिल में चूहे की तरह मारा जायेगा।'

'ठीक है।'- कीव का स्वर सुनाई दिया- 'मुझे कोई एत-राज नहीं है।'

'चलो।' कर्नल हीदस ने आदेश दिया ।

भारी बूटों के फर्श पर पड़ने की आहट फिर सुनाई देने लगी ।

'मुझे भी अपने साथ ले चलिये।'- एकाएक फाग भयभीत स्वर से चिल्लाया- 'मैं भी यहां से जाना चाहता हूं।'

'क्यों?'

'आप लोगों के जाने के बाद कीव मुझे नहीं छोड़ेगा। यह मुझे जान से मार डालेगा ।

'कीव ।' -कर्नल हीदस का स्वर सुनाई दिया- 'अगर इस आदमी पर कोई आंच आई तो।'

'सवाल ही नहीं पैदा होता कामरेड।'- कीव का मीठा स्वर सुनाई दिया- 'यह तो खामखाह डर रहा है। मैं इसे भला क्या कहूंगा? वैसे भी यह तो मेरे होटल का सबसे ज्यादा काम करने वाला वेटर है।'

थोड़ी देर बाद आवाजें आनी बन्द हो गईं।

शायद कमरा खाली हो गया था।

'कर्नल हीदस जैसा इन्तजाम कर गया है।'- जेम्सबांड बोला- 'उसकी वजह से तो हम वाकई चूहे की तरह मारे जाएंगे।'

'मेरा तो अभी से दम घुटने लगा है।'- हेलेन बोली- 'इस पिंजरे में वर्तमान स्थिति में और अधिक देर बैठा रहना मेरे बस की बात नहीं है।'

'मजबूरी है।'- जेम्सबांड बोला ।

जेम्सबांड ने अपनी रेडियम डायल वाली घड़ी पर दृष्टि-पात किया। दो बज चुके थे ।

उसी तकलीफदेह हालत में गठरी की तरह बैठे-बैठे एक घण्टा और गुजर गया ।

फिर एकाएक बक्से की सामने की दीवार अपने स्थान से हटने लगी ।

जेम्सबांड ने रिवाल्वर शोल्डर होलस्टर में से निकालकर हाथ में ले ली।

दीवार हटते ही हल्की सी रोशनी उनके ऊपर पड़ी। चार-दीवारी में कीव दिखाई दिया।

'आओ।' - वह बोला ।

जेम्सबांड घिसटता हुआ बाहर निकल आया। फिर उसने हेलेन को भी सहारा देकर बाहर निकाल लिया।

दोनों के हाथ पांव सन्न हो गए थे। किसी में भी अपने पैरों पर खड़े होने की शक्ति नहीं थी। हेलेन की हालत बहुत खराब बी। जना देने वाली ठण्ड और एक ही स्थिति में बैठे रहने की वजह से उसकी धमनियों में रक्त का संचार बन्द सा हो गया था। बाहर निकलकर कमरे में आते ही वह फर्श पर ढेर हो गई।

स्वयं जेम्सबांड में उसकी कोई सहायता करने की हिम्मत नहीं थी।

कीव हेलेन की बगल में बैठ गया और उसकी हथेलियां मसलने लगा ।

थोड़ी देर बाद वह उठा और दूसरे कमरे में से एक ब्रांडी की बोतल ले आया। उसने ढेर सारी ब्रांडी जबरदस्ती हेलेन के हलक में उतार दी और फिर बोतल जेम्सबांड को थमा दी।

जेम्सबांड ने बोतल मुंह को लगाई और गटागट उसके कई घूंट पी गया।

ब्रांडी ने तत्काल प्रभाव दिखाया ।

जेम्सबांड को अपनी जान में जान आती महसूस हुई। वह उठकर अपने पैरों पर खड़ा हो गया।

हेलेन भी अब पहले से अधिक स्वस्थ दिखाई दे रही थी।

"चल फिर सकती हो?' - कीव ने पूछा।

हेलेन ने स्वीकृति सूचक ढंग से सिर हिला दिया।

'कर्नल हीदस तुम्हारे ऊपर तो हर समय निगरानी करने के लिए एक आदमी छोड़ गया था?'- जेम्सबांड बोला ।

तुम्हें वार्तालाप सुनाई दे रहा था?" - कीव ने पूछा । 'हां।'

"बह आदमी दूसरे कमरे में पड़ा हुआ खर्राटे भर रहा है।'

"खर्राटे भर रहा है?'

"हां। लेकिन अपनी मर्जी से नहीं। मैंने उसे काफी पिलाई थी और काफी में उसे फीनोबाबींटोन (नींद आने वाली एक दवा) का एक डोज दे दिया था। यही हालत फाग की भी हुई है। दूसरे कमरे में पड़े दोनों खर्राटे भर रहे हैं।'

फाग के बारे में मेरा सन्देह सच निकला?"

'हां'- कीव खेदपूर्ण स्वर से बोला- 'उस मामले में मैंने जो लापरवाही दिखाई, उस ने वाकई बड़ा भारी धोखा दिया मुझे ।'

'यह सब छोड़ो।'- जेम्सबांड बोला- 'अब यह बताओ हम निकलेंगे कैसे? कर्नल हीदस तो यहां पूरी फौज छोड़ यहां से गया है।'

'कोई फर्क नहीं पड़ता।' कीव विश्वासपूर्ण स्वर में बोला - 'मैं उसका अभी इन्तजाम करता हूं। वैसे कर्नल हीदस हमारे हक में एक से एक भारी गलती कर गया है।'

'क्या?'

'उसने यह नहीं सोचा कि सीक्रेट पुलिस के सिपाही भी इन्सान होते हैं।'

'क्या मतलब?'

'जो सिपाही होटल की हर मंजिल पर मौजूद हैं, वे कारी-डोर के फर्श पर बैठे दीवार से पीठ लगाए और कारबाइन गोद में रखे ऊंघ रहे हैं। मैंने बाहर झांककर देखा था। बाहर भी रिलीविंग में पहरेदारी चल रही है। अर्थात बारी-बारी आधे सिपाही सो जाते हैं और आधे आदमी बराये नाम पहरा दे रहे हैं। इस लापरवाही की वजह यह है कि किसी को भी इस बात

की आशा नहीं है कि ब्रिटिश जासूस होटल में होगा।' 'लेकिन फिर भी पहरा तो पहरा ही है। यहां से बाहर कैसे निकलेंगे?'

'देखते जाओ मैं क्या करता हूं।'- कीव मुस्कराता हुआ बोला ।

वह बगल के कमरे में घुस गया।

अगले ही क्षण वह फाग को अपने कन्धे पर लादे हुए वापिस लौटा।

'अन्दर सिपाही सोया पड़ा है। इसका ख्याल रखना। मेरे लौटने से पहले वह होश में न आ जाए।'

जेम्सबांड ने स्वीकृति सूचक ढंग से सिर हिला दिया ।

कीव ठिगने को लेकर सेफ में प्रवेश कर गया।

पांच मिनट बाद वह वापिस लौटा ।

'तुम कर क्या रहे हो?'- जेम्सबांड ने पूछा ।

'इस लिफ्ट का आऊट-लेट हर मंजिल के एक कमरे में है।' कीव ने बताया- 'फाग को मैं चौथी मंजिल के कमरे में छोड़ आया हूं। उस कमरे में रोशनी नहीं है और तीसरी मंजिल के कमरे की तरह उसमें भी फर्नीचर भरा हुआ है। उस कमरे का दरवाजा बाहर से बंद है। खिड़कियों के बोल्ट मैं इस तरह बन्द कर आया हूं-किसी से खुल न पाएं। फाग को मैं फर्नीचर में फंसाकर छोड़ आया हूं। आठ दस मिनट में ही कमरे में ठन्डक की वजह से उसकी नींद खुल जाएगी। वह जब उठेगा तो स्वयं को घोर अन्धकार में पाएगा और अन्धेरे में फर्नीचर से टक-राता फिरेगा। भीतर से खटपट की आवाजें आएंगी तब तक मैं यह कह शायद ब्रिटिश एजेंट जेम्सबांड उस कमरे में छिपा हुआ है मैं सारे सिपाही उस कमरे के आसपास पहुंचा दूंगा। उसी समय तुम होटल से बाहर निकल जाना।'

"बात बनेगी ।'- जेम्सबांड ने संदिग्ध स्वर से पूछा । "उम्मीद तो है। नहीं बनेगी तो और कोई तरकीब सोचेंगे ।' लेकिन कोई तुमसे यह नहीं पूछेगा कि तुम हर फ्लोर पर मौजूद सीक्रेट पुलिस के आदमी की नजर में आए बिना चौथी मंजिल तक कैसे पहुंच गए?'

'कोई नहीं पूछेगा। अगर कोई पूछेगा तो मैं कह दूंगा कि वे सब लोग सोए पड़े थे इसलिए किसी ने मुझे देखा नहीं। फिर इस बात की चर्चा कोई नहीं करेगा। क्योंकि अगर कर्नल हीदस को पता लग गया कि वे ड्यूटी पर सोते रहे हैं तो वह उन्हें गोली से उड़वा देगा।'

जेम्सबांड चुप रहा। 'तुम दोनों वार्डरोब में छुप जाओ।'- कीव बोला । जेम्सबांड और हेलेन वार्डरोब में घुस गए । कीव दूसरे कमरे में प्रवेश कर गया। सीक्रेट पुलिस का आदमी ईजीचेयर पर खर्राटे ले रहा था। कीव ने उसे झिझोड़कर जगाया।

"क्या है?'- सिपाही हड़बड़ाकर बोला । "कामरेड ।' कीव धीमे स्वर से बोला- 'चौथी मंजिल के एक कमरे में कोई है।'

क्या?- सिपाही चिहुंककर बोला ।

"चौथी मंजिल के एक कमरे में कोई है।'- कीव ने दोहराया - मुझे उसमें से खटपट की आवाज सुनाई दी है। सम्भव है भीतर बही ब्रिटिश जासूस हो।'

" अच्छा। सिपाही के नेत्र फैल गए।

"हाँ "

'कौन से कमरे में?'

'चौथी मंजिल के दाईं ओर के चौथे कमरे में।'

सिपाही ने अपनी कारबाइन सम्भाली और फिर उठ खड़ा हुआ ।

'चलो।' - वह बोला । कीव उसके साथ हो लिया। सिपाही सीढ़ियों की ओर लपका।
'अपने साथियों को तो बुला लो।'- कीव बोला ।
'नहीं। पहले मुझे दिखाओ ।'- सिपाही बोला ।

निराश सा कीव उसके साथ चल दिया ।

उस सिपाही ने हर मंजिल पर मौजूद किसी सिपाही को भी बुलाने की कोशिश नहीं की।
कीव उसे चौथी मंजिल के उस कमरे के सामने ले आया जिसमें फाग मौजूद था। भीतर से खटपट की आवाज सुनाई दे रही थी। सिपाही के नेत्र फैल गए। वह उल्टे पांव नीचे भागा । कीव भी उसके पीछे था ।

सिपाही होटल से बाहर निकल गया और इमारत के आस-पास फैले हुए सिपाहियों की ओर भागा ।

अगले ही क्षण कुछ सिपाही निःशब्द होटल के पिछवाड़े की ओर भागे और कुछ पहले सिपाही के पीछे भागते हुए होटल में घुस आये ।

वे दबे पांव सीढ़ियां चढ़ते हुए ऊपर की ओर भागे । इस बार किसी ने कीव को साथ आने के लिए नहीं कहा। रास्ता साफ था। कीव ने लपककर वार्डरोब का द्वार खोला । 'चुपचाप बाहर निकल जाओ।'- कीव बोला- 'रास्ता साफ है।'

जेम्सबांड हेलेन का हाथ थामे कमरे से बाहर निकल आया और चुपचाप होटल के मुख्य द्वार से निकल अन्धेरी रात के खुले वातावरण में पहुंच गया ।

कीव ऊपर भागा जा रहा था। कम्पाउन्ड से निकलकर वे सड़क पर आ गये और होटल के सामने दो ब्लाकों के बीच की पतली गली में भाग निकले।

गली के दूसरे सिरे पर पहुंचकर हेलेन उसे बाईं ओर घसीटती हुई बोली- 'इघर चलो।'

इधर क्यों?'- जेम्सबांड ने पूछा ।

"इधर मैं वह गाड़ी खड़ी करके आई हूं जिस पर मैं यहां तक आई थी।'

"ओह। शुक्र है।' जेम्सबांड ने शांति की सांस ली। --यह बात तो मैं भूल ही गया था।
मैं तो इसी चिन्ता में था कि यहां से जाएंगे कैसे?'

हेलेन उसे एक पार्किंग लान के सामने ले आई। वहां पर कई गाड़ियां खड़ी थीं।
हेलेन आगे बढ़ गई ।

अगले ही क्षण उसने एक एयर कन्डीशन गाड़ी जेम्सबांड की बगल में ला खड़ी की।

जेम्सबांड गाड़ी में हेलेन की बगल की सीट पर बैठ गया।

उसने रिवाल्वर को शोल्डर होलस्टर के हवाले किया। जेब में से सिगरेट का पैकेट निकाला, एक सिगरेट हेलेन को दी, एक खुद सुलगाई और शांति की गहन निश्वास छोड़ता हुआ बोला - 'बच गये।'

हेलेन ने गाड़ी स्टार्ट कर दी।

गाड़ी निशब्द बर्फ से भरी सड़कों पर दौड़ गई।

**

जिस समय जेम्स बांड के नेत्र खुले उस समय ग्यारह बज चुके थे। उसने एक अंगड़ाई ली और पुआल के ढेर में से उठकर बैठ गया।

वह एक बड़े से खेत के एक कोने पर बना एक पुराना सा घर था और उसके खलिहान जैसे एक कमरे में जेम्स बांड सोया था।

पिछली रात को कीव के होटल से वह जान्सी के हैडक्वार्टर पर नहीं लाया गया था। हेलेन उसे उस पुराने मकान में ले आई थी-वह स्थान हेलेन ने बताया था- चैकोस्लाविया के बार्डर से केवल बीस किलोमीटर दूर था और जान्सी की नजर में बुडापेस्ट नगर के किसी भी स्थान के मुकाबले में काफी सुरक्षित था.।

जेम्स बांड उस समय वहां बिल्कुल अकेला था। हेलेन उसे वहाँ छोड़कर रात को ही चली गई थी।

जेम्स बांड मन ही मन भगवान से प्रार्थना कर रहा था कि उसकी सहायता करने के चक्कर में जान्सा और उसके पार्टी के सदस्यों पर कोई आंच न आये ।

लगभग एक बजे हंगेरियन सीक्रेट पुलिस के बड़े अफसरों द्वारा प्रयुक्त होने वाली एक गाड़ी उस पुराने मकान के समीप आ कर रुकी।

क्षण भर के लिये तो जेम्स बांड बौखला गया। फिर ड्राइ विंग सीट पर जिम को बैठा देखकर उसकी जान में जान आई। गाड़ी में से जान्सी, सैंडर और जिम उतरे और मकान के भीतर आ गये ।

मेजर होवार्थ उनके साथ नहीं था ।

सैंडर की बगल में एक बड़ा सा बन्डल दबा हुआ था । सब मकान के भीतर आकर एक स्थान पर बैठ गये ।

जेम्स बांड आशंकापूर्ण नेत्रों से एक एक का चेहरा देखने लगा।

'मैक्स ओल्गर का पता लग गया है, मिस्टर बांड ।'- जान्सी बोला ।

'वह जिन्दा है?'- जेम्स बांड ने पूछा।

'हां हमारी तकदीर अच्छी थी। मेजर होवार्थ उसके बारे में जानकारी हासिल करने में एन्ड्रेसी डट के एक-एक विभाग में सिर पटकता रहा लेकिन उसे मैक्स ओल्गर की हवा भी नहीं मिल सकी और जब वह एकदम आशा छोड़ बैठा तो वह बात उसे बड़ी सहूलियत से अपने आप ही मालूम हो गई।'

'कैसे?'

'हंगेरियन सीक्रेट पुलिस के चीफ फर मिन्ट ने मेजर होवार्थ के साथ वार्तालाप के दौरान में खुद ही मैक्स ओल्गर का जिक्र कर दिया।'

'कहां है वह?'- जेम्स बांड ने व्यग्र स्वर से पूछा ।

'मैक्स ओल्गर को सीक्रेट पुलिस ने बहुत अगम्य जगह पर रखा हुआ है मिस्टर बांड ।'

'कहां?'

'जारहाजा जेल में।'

'जारहाजा जेल?'

'हां। कैदियों के मामले में जारहाजा जेल हंगरी का सब से बदनाम स्थान है। बुडापेस्ट के दक्षिण में लगभग सौ किलोमीटर दूर जारहाजा नाम के स्थान पर पुराने जमाने का एक अभेद्य किला है जो आजकल हंगेरियन सीक्रेट पुलिस द्वारा जेल की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है। उस जेल में साम्यवादी सरकार के वे दुश्मन रखे जाते हैं जिन्हें सरकार सबसे अधिक खतरनाक समझती है। जो कैदी एक बार जारहाजा जेल में पहुंच जाता है, वह संसार द्वारा मरा समझ लिया जाता है। इस मामले में हमारी आखिरी उम्मीद मेजर होवार्थ था लेकिन वह भी हमारी कोई सहायता नहीं कर सकता।'

'क्यों?'

'क्योंकि वह आज ही बुडापेस्ट से बाहर गोंडोलो नाम के एक अन्य शहर में एक सरकारी काम से भेज दिया गया है। वैसे भी मेजर होवार्थ को जारहाजा जेल के बारे में कतई जानकारी नहीं है। उसने उस जेल को भीतर से कभी नहीं देखा है।'

'ओह!'

'लेकिन जेल के भूगोल और उसके भीतर के इन्तजाम की जानकारी न होने की वजह से कोई फर्क नहीं पड़ता है। सीधे-सीधे तो केवल भरपूर घोखा ही मतलब हल कर सकता है।'

'कैसे?'

जान्सी ने सैंडर को संकेत किया ।'

सैंडर ने अपनी बगल में रखा बंडल खोल दिया ।

उसमें हंगेरियन सीक्रेट पुलिस के अफसरों द्वारा पहनी, जाने वाली दो वर्दियां थीं।

'काउन्ट का कथन है।'- जान्सी बोला- 'कि मैक्स ओल्गर कहीं भी हो, उसकी रिहाई के लिए तो ये वर्दियाँ जरूरी हैं ही। मिस्टर बांड ये वर्दियाँ हंगरी का कोई भी दरवाजा खुलवाने के लिए खुल जा सिम सिम - जैसा मन्त्र हैं।'

'ये वर्दियाँ किनके लिए हैं?'

'तुम्हारे और मेरे लिए।' जान्सी बोला- 'और अब यह.देखो।'

जान्सी ने अपनी जेब से कुछ कागजात निकालकर जेम्स बांड के सामने रख दिए ।

उनमें नकली नामों से जान्सी और जेम्सबांड के सीक्रेट पुलिस के पहचान पत्र थे।

दूसरा कागज एक आदेश पत्र था जिसमें जारहाजा जेल के कमाण्डर को आदेश दिया गया था कि वह मैक्स ओल्गर नाम के कैदी को पत्र धारकों के सुपुर्द कर दे।'

'यह आदेश पत्र काउन्ट का कमाल है।'- जान्सी बोला-'इसका कागज देखो। यह कागज केवल हंगेरियन सीक्रेट पुलिस के हैडक्वार्टर में टाप आफीसरों द्वारा इस्तेमाल किया जाता है। इस क्वालिटी का कागज सारे संसार में कहीं हासिल नहीं है और कागज में बने सीक्रेट पुलिस के वाटर मार्क की नकल करना एक असम्भव कृत्य है। फिर इस पर सीक्रेट पुलिस के चीफ फरमिन्ट के हस्ताक्षर हैं और हस्ताक्षरों के नीचे उसके दफ्तर की उचित मोहर लगी हुई है। फिर फरमिन्ट के हस्ताक्षरों को एक केबिनेट मिनिस्टर ने अपने हस्ताक्षरों से प्रमाणित किया है और नीचे अपने आफिस की गुप्त मोहर लगाई है। काउन्ट का कथन है कि जारहाजा जेल से किसी कैर्द कैदी की रिहाई के लिए इस आदेश पत्र से बड़ी अथारिटी प्रस्तुत नहीं की जा सकती ।' फिर तो मैक्स ओल्गर की रिहाई की अच्छी-खासी संभा-वना है।'

'बिल्कुल। और फिर अधिकारियों की नजर में तो कोई सिरफिरा ही अपनी मर्जी से जारहाजा जेल के भयंकर वाता-वरण में कदम रखने का प्रयत्न करेगा।'

जेम्सबांड ने सहमतिसूचक ढंग से सिर हिलाया।

'जारहाजा जेल से पांच किलोमीटर उत्तर में पटोली नामक एक गांव है। काउन्ट की राय है कि वहां तक सैंडर और जिस भौ हमारे साथ जायें और टेलीफोन के पास हमारी प्रतीक्षा करें। इस प्रकार पार्टी के सारे सदस्य एक-दूसरे के सम्पर्क में रह पाएंगे। और सीक्रेट पुलिस की जो गाड़ी बाहर खड़ी है, वह इस बात की गारण्टी है कि हम जेल तक एकदम सुरक्षित पहुंच जाएंगे।'

'यह गाड़ी कहां से आई?'

'यह भी काउन्ट ने ही पैदा की है।'

'कमाल है!'

'काउन्ट का काम कमाल होता है।"

जेम्सबांड चुप रहा।

**

तीन घन्टे बाद जान्सी ने सीक्रेट पुलिस की गाड़ी को जार-हाजा जेल के सामने पहुंचा दिया ।

सैन्डर और जिम को जान्सी ने पांच किलोमीटर दूर पटोली**

लाज के बाहर उतार दिया था।

जान्सी और जेम्स बांड दोनों सीक्रेट पुलिस के अफसरों की यूनीफार्म पहने हुये थे । आदेश पत्र जान्सी की जेब में था।

किला वाकई अभेद्य था। किले की चारदीवारी बेहद ऊंची थी। प्राचीर के छेदों में जगह-जगह मशीनगनें लेकर सैनिक हर समय पहरा देते थे। चारदीवारी के आस पास गहरी खाई थी बौर खाई के बाहर कांटेदार तारों की ऊंची बाढ़ लगी हुई थी जिनमें से हर समय बिजली का करेन्ट गुजरता था। किले के बातावरण में एक विचित्र प्रकार का तनाव था।

जेम्स बांड के शरीर में भय की लहर दौड़ गई। एकाएक इसे यूं अनुभव होने लगा कि वह अगर एक बार किले के भीतर प्रवेश कर गया तो लौटकर नहीं आ पायेगा।

जान्सी गाड़ी को किले के मुख्य द्वार के सामने ले आया । गाड़ी की सूरत देखते ही चैक पोस्ट में से हाथ में कारबाइन लिए हुये एक गार्ड उनकी ओर भागा। लेकिन गाड़ी के समीप पहुंचते ही पहले गाड़ी की ओर फिर गाड़ी के भीतर मौजूद अफसरों की सूरत देखकर ठिठक गया और फिर सम्मानपूर्ण ढंग से पीछे हटकर खड़ा हो गया।

जान्सी गाड़ी से बाहर निकला। उसने एक नफरत भरी निगाह गार्ड पर डाली और कठोर शब्दों में जेल के कमाण्डर से मिलने की इच्छा प्रकट की।

जान्सी के व्यक्तित्व और उसके शानदार अभिनय का गार्ड पर उचित प्रभाव पड़ा। पांच मिनट बाद ही जान्सी और जेम्स बांड जेल के कमाण्डर के कमरे में उसके सामने बैठे थे ।

कमाण्डर एक लम्बा, पतला, बुद्धि-जीवी सा लगने वाला आदमी था। उसकी आंखों पर एक सुनहरी फ्रेम का चश्मा लगा हुआ था और चेहरे पर उस प्रकार की गम्भीरता थी जैसी डाक्टरों और वैज्ञानिकों के चेहरे पर पाई जाती है। उसका किसी सरकारी जेल के कमाण्डर जैसा व्यक्तित्व तो हरगिज नहीं लगता था।

उसने जान्सी और जेम्स बांड के पहचान पत्र देखे ।

जितनी देर वह पहचान पत्र देखता रहा उतनी देर जेम्स बांड की जान सूली पर टंगी रही। लेकिन जान्सी एकदम शान्त था ।

अंत में कमाण्डर ने पहचान पत्र लौटा दिये। उसे दोनों की वास्तविकता पर कतई सन्देह नहीं हुआ था।

जेम्स बांड की जान में जान आई।

फिर जान्सी ने उसके सामने मैक्स ओल्गर को उन्हें सौंप देने का आदेश पत्र रख दिया। कमाण्डर आदेश पत्र देखने लगा ।

'हूं।'-वह बोला-'ठीक है। सीक्रेट पुलिस का चीफ फरमिन्ट मेरा दोस्त है। उसके हस्ताक्षर मैं खूब पहचानता हूं। मैक्स ओल्गर को आप ले जाइये, साहब ।'

जेम्स बांड का दिल खुशी में हुमकने लगा। काम इतनी आसानी से हो जायेगा इसकी उसे आशा नहीं थी।

'वैसे-कमाण्डर फिर बोला- 'आप लोग तो जानते होंगे कि जारहाजा जेल से ऐन्ड्रसी डट तक डायरैक्ट टैलीफोन कनेक्शन है।' और उसने मेज पर रखे टेलीफोन की ओर संकेत किया- 'मैक्स ओल्गर बड़ा ही महत्वपूर्ण कैदी है। अगर आपको एतराज न हो तो मैं ऐन्ड्रसी डट में टेलीफोन करके फरमिन्ट से इस आदेश पत्र की पुष्टि करा लूं और साथ ही आप लोगों के बारे में भी पूछ लूं। इससे मेरी जिम्मेदारी कतई खतम हो जायेगी ।'

जेम्स बांड को यूं 'लगा जैसे एकाएक उसका दिल धड़कना बन्द हो गया हो। उसके शरीर में ठण्डक की लहर दौड़ गई और चेहरे की सारी नसें तन गईं। हे भगवान, टेलीफोन की बात उन्हें क्यों नहीं सूझी? इतनी मामूली बात उन्हें फंसा देने वाली थी। अब तो केवल एक ही रास्ता था।

और उसका हाथ सचमुच रिवाल्वर की ओर सरकने लगा था जबकि जान्सी बोल पड़ा। उसके स्वर में कमाल की स्थिरता थी और चेहरे पर चिन्ता की छाया भी नहीं थी ।

'हां, हां, क्यों नहीं।' वह बोला- 'मैक्स ओल्गर जैसे महत्त्वपूर्ण कैदी के मामले में आपको ऐसी सावधानी जरूर बर-तनी चाहिए ।'

'फिर फोन करने की जरूरत नहीं है।' - कमाण्डर मुस्क-राता हुआ बोला। और उसका टेलीफोन की ओर बढ़ता हुआ हाथ रुक गया।

जेम्स बांड के शरीर में जैसे नए जीवन की लहर दौड़ गई। जाम्सी वाकई महान था।
जान्सी के मुकाबले में तो उसने अभी जिन्दगी में बहुत कुछ सीखना था। जान्सी के मुकाबले में तो वह अभी बच्चा था ।

कमाण्डर अपने स्थान परउठ खड़ा हुआ ।

'आप लोग यहीं प्रतीक्षा कीजिए।'- कमाण्डर बोला- 'मैं पांच मिनट में वापिस लौटता हूं। मैक्सओल्गर यहां से ज्यादा दूर नहीं है।'

और कमाण्डर कमरे से बाहर निकल गया ।

लेकिन कमाण्डर ने वापिस लौटने में पांच मिनट नहीं लगाए। वह तीन मिनट में वापिस लौट आया और वापसी में उसके साथ मैवस ओल्गर नहीं था आधी दर्जन सशस्त्र गार्ड थे जिन्होंने पलक झपकते ही जान्सी और जेम्स बांड को अपने अधिकार में ले लिया। उन्हें अपनी कुर्सियों से हिलने का भी अवसर नहीं मिला था और वे अभी ठीक से समझ भी नहीं पाए थे कि क्या हो रहा है कि वे गिरफ्तार कर लिए गए थे।

कमाण्डर फिर अपनी कुर्सी पर आ बैठा। उसने एक नजर जान्सी पर डाली और फिर जेम्स बांड की ओर देखता हुआ बोला- 'मिस्टर जेम्स बांड सीक्रेट एजेन्ट जीरो-जीरो सेवन आफ ब्रिटिश इन्टैलीजैस सर्विस, मैं जारहाजा जेल में आपका स्वागत करता हूं।'

गार्ड जेम्स बांड के हाथ पैरों को लोहे की जंजीरों से कुर्सी के साथ बांधते रहे और वह जड़ सा बैठा रहा। कितनी सह-लियत से फांस लिया गया था, वह सोच रहा था। जेल के कमाण्डर से वे पूरी तरह धोखा खा गए थे। वह उनके साथ चूहे बिल्ली का खेल खेलता रहा था और अव वे सारी हंगरी में बदनाम जारहाजा जेल में बन्दी थे जहां से वे जन्म भर बाहर नहीं निकल सकते थे ।

उसने सिंर घुमा कर जान्सी की ओर देखा। वह देखना चाहता था कि उस भारी हार का जान्सी पर क्या प्रभाव हुआ था। उस निश्चित मौत ने जान्सी को हिलाया था या नहीं।

जान्सी का चेहरा सलेट की तरह साफ था। वह एकदम शान्त था और बड़े विचारपूर्ण ढंग से जेल के कमाण्डर को देख रहा था।

दोनों को बांध चुकने के बाद सिपाहियों ने कमाण्डर की बोर देखा।

'तुम लोग जाओ।'- कमाण्डर बोला ।

सिपाहियों का इन्चार्ज हिचकिचाया और फिर अनिश्चित स्वर से बोला- 'सर, खतरनाक आदमी हैं।'

'मुझे मालूम है।'- कमाण्डर बोला- ये खतरनाक है लेकिन इस समय असहाय हैं। इनके हाथ पांव कुसियों से जकड़े हुए हैं और कुसियों के पाए जमीन में मजबूती से गड़े हुए हैं और मुझे पूरा विश्वास है ये बैठे बैठे हवा में लुप्त नहीं हो जाएंगे।'

सिपाही बाहर निकल गये ।

कमांडर कुछ क्षण दोनों को देखता रहा और फिर बोला-मिस्टर बांड, ये जंजीर बहुत मजबूत है। इस पर जोर बाज-माइश करना व्यर्थ की मेहनत है। आप इन्हें तोड़ नहीं पायेंने । अपने साथी से सबक लीजिये। जंजीर की मजबूती का उसे बेह तर अनुमान है इसलिए उसने ऐसी कोई हरकत नहीं की है।'

जेम्सबांड ने अपने हांथ-पांव ढीले छोड़ दिये ।

'आप लोग सोच रहे होंगे कि एकाएक यह पांसा कैसे पलट गया? आप इतनी फूल-प्रूफ स्कीम के बावजूद भी गिरफ्तार कैसे हो गये?' - वह जान्सी की ओर घूमा और बोला- 'मुझे यह सूचना देते हुए बहुत दुख हो रहा है कि आपका वह अनोखा दोस्त जो इतने लम्बे अर्से से हंगेरियन सीक्रेट पुलिस में मेजर बना हुआ हमें धोखा दे रहा था अन्त में आप लोंगों को फंसाने का कारण बना है।'

कुछ क्षण शान्ति रही और फिर दार्शिकतापूर्ण स्वर से जान्सी बोला- 'सम्भव है, इस संसार में कुछ भी सम्भव है।'

'हंगेरियन सीक्रेट पुलिस के कर्नल जोसेफ हीदस को बहुत पहले से मेजर होवार्थ पर संदेह था। कल कर्नल का सन्देह विश्वास में बदल गया था और फिर कर्नल और चीफ फरमिन्ट ने मिलकर मेजर होवार्थ को और आप लोगों को जाल में फंसाने की एक स्कीम बना ली थी। जानबूझ कर वार्तालाप में मैक्स ओल्गर का जिक्र लाया गयाग्था और कहा गया था कि मैक्स ओल्गर जारहाजा जेल में है। फिर जान बूझकर मेजर होवार्थ को ऐसा मौका दिया गया था कि वह फरमित्ट के कमरे में घुस-कर आदेश पत्र, आप के पहचान पत्र वगैरह आवश्यक कागजात जुटा ले और मोहर वगैरह इस्तेमाल कर ले। आप सब लोग फंस जरूर गये हैं लेकिन मैं फिर भी मेजर होवार्थ की जाली कागजात बनाने की काबलियत की दाद देता हूं। अगर मुझे पहले से ही सारी स्थिति की जानकारी न होती तो मैं जरूर धोखा खा जाता।'

'मेजर गिरफ्तार हो चुका है?'

'अभी नहीं। और अभी उसे यह भी मालूम नहीं है कि स्थिति ने इतनी तगड़ी करवट ले ली है। वक्ती तौर पर मेजर को रास्ते से हटाने के लिए फरमिन्ट ने उसे एक फिजूल से काम के लिये गोंडोलो भेज दिया है। किसी भी क्षण वह गिरफ्तार कर लिया जायेगा। कर्नल हीदस उसे खुद गिरफ्तार करना चाहता है। फिर ऐण्ड्र सी डट में मेजर होवार्थ का कोर्ट मार्शल होगा जिसमें उसे मौत की सजा सुना दी जाएगी लेकिन उसके प्राण आसानी से नहीं निकलेंगे।'

'जाहिर है।' जान्सी भावहीन स्वर से बोला- 'उसे तो किश्तों में मारा जायेगा ताकि ऍन्ड्रेसी डट के अफसर और अच्छे कम्यूनिस्ट सबक लें और फिर दुबारा किसी मेजर होवार्थ की तरह सीक्रेट पुलिस के साथ दगा करने का हौसला न हो।'

'आपका ख्याल एक दम ठीक है।'- कमान्डर बोला।

जान्सी चुप रहा ।

'मिस्टर बांड ।' कमान्डर जेम्स बांड की ओर घूमा- 'मैं व्यान नहीं कर सकता कि हंगरी की साम्यवादी सरकार के लिये आप कितने महत्वपूर्ण कैदी सिद्ध होने वाले हैं। शायद आपको अब यह बताने में कोई हर्ज नहीं है कि सीक्रेट पुलिस को मैक्स

ओल्गर से भारी मायूसी हुई है। ऐन्ड्रेसी डट के अधिकारियों को अपने सैकड़ों बार आजमाये हुये पुराने, भयंकर और बर्बरता-पूर्ण टार्चर के तरीकों पर जरूरत से ज्यादा भरोसा था। इसलिए वह जोश में आकर एक भारी गलती कर बैठे। उन्होंने मैक्स ओल्गर की खुलवाने का कोई भी प्रयत्न करने से पहले ही यह घोषणा कर दी कि अट्ठारह तारीख को ब्रिटिश स्पाई मैक्स ओल्गर पर जनता की अदालत में मुकद्दमा चलाया जायेगा और उसमें वह खुद अपनी मर्जी से स्वीकार करेगा कि वह ब्रिटिश स्पाई है और साथ ही ब्रिटिश एस्पियानेज सिस्टम के कई रहस्यों का पर्दाफाश करेगा। कर्नल हीदय का ख्याल था कि कोको नाम के राक्षस के मैक्स ओल्गार के साथ चौबीस घण्टे गुजरेंगे और फिर वह नहीं राग अलापेगा जो राग से अलापने के लिए
कहां जायेगा। लेकिन ऐसा नहीं हुआ ।'

कमाण्डर एक क्षण के लिये रुका और फिर बोला- 'मैक्स ओल्गर पता नहीं कौन-सी मिट्टी का बना हुआ है, साहब। ऐन्ड्रेसी डट में अधिकारियों को किसी का मुंह खुलवाने के जितने तरीके आते थे, वे सब उस पर आजमा लिये गये लेकिन मैक्स ओल्गर की जुबान नहीं खुली। अधिकारियों का धीरज छूटने लगा। क्रोध और बेबसी के अधिक्य में वे टार्चर के मामले में जरा असतर्क हो गये और नतीजा यह कि मैक्स ओल्गर पागल हो गया।

'पागल हो गया?'- जेम्स बांड ने दोहराया ।

'हां।'- कमान्डर उदास स्वर से बोला- 'उसके मस्तिष्क को कुछ इस तरह की चोट पहुंच गई कि वह अपना मानसिक सन्तुलन खो बैठा। कहने का मतलब यह है कि हंगेरियन सीक्रेट पुलिस के लिये उसने अपना मानसिक सन्तुलन खोकर एक भारी मुसीबत की स्थिति पैदा कर दी और फिर किसी दूसरे ब्रिटिश स्पाई को फंसाने के लिये चाल चली गई जिसमें मुझे खुशी है कि आप एक बार बच निकलने के बाद भी फिर फंस गये हैं।'

'मैक्स ओल्गर किस हवालात में है?'

'वह यहीं है। मैं आपको उसके दर्शन करा दूंगा। वह एक दम पागल हो गया है। हम लोगों को उसे जंजीर से बांधकर रखना पड़ता है।'

जेम्स बांड चुप हो गया।

'अब आप से हमें कुछ आशा हुई है।'- कमान्डर बोला-अब शायद हंगरी की साम्यवादी सरकार को पहले जैसी शर्मिन्दगी नहीं उठात्ती पड़ेगी। अब मैक्स ओल्गर को हम गोली से उड़ा देंगे लेकिन उसकी हत्या का इल्जाम आप स्वीकार करेंगे।'

'वहम है आपका।'- जेम्स बांड विश्वासपूर्ण स्वर से बोला । कमान्डर मुस्कर। या ।

'मिस्टर बांड' वह बोला- 'आपने यह बात इसलिये कही है क्योंकि आप समझ रहे हैं कि आप पर भी टार्चर के बही पुराने बर्बर तरीके आजमाये जायेंगे जो मैक्स ओल्गर पर आजमाये गये थे और आपकी सहन शक्ति शायद मैक्स ओल्गर से भी तगड़ी है। लेकिन ऐसा कुछ नहीं होगा। ऐसा कुछ नहीं होगा, मिस्टर बांड। आप पर यातना के ऐन्ड्रेसी डट वाले वे पशुतापूर्ण तरीके नहीं आजमाये जायेंगे जिनमें इन्सान के नाखूनों में कीलें ठोंक दी
जाती हैं, गर्म-गर्म सलाखों से उसके शरीर को दागा जाता है, मार मारकर उसकी चमड़ी उधेड़ दी जाती है, उसके दांत उखेड़ दिये जाते हैं, उसकी उंगलियां तोड़ दी जाती हैं, जख्मों में मिर्च भर दी जाती हैं, ऐसे ही न जाने और कितने भयानक तरीके ऐन्ड्रेसी डट में आजमाये जाते हैं जिनके विचार मात्र से ही मेरी आत्मा कांप जाती है।

और कमाण्डर के दुबले पतले शरीर में सिहरन सी दौड़ गई।

एक्टिंग जेम्स बांड मन ही मन बड़बड़ाया ।

'मैं मानता हूं।'- कमाण्डर फिर बोला- 'कि टार्चर के सीधे तरोके बड़े कारआमद होते हैं लेकिन साथ ही यह भी हकी-कत है कि हर किसी आदमी का मुंह टार्चर से नहीं खुलवाया जा सकता। अपवाद हर बात का होता है कि लोगों में दुख दर्द बर्दा-शत करने की अमानवीय शक्ति होती है। उदाहरण मैक्स ओल्गार का है। हंगेरियन सीक्रेट पुलिस के सारे हथकण्डे उसका मुंह नहीं खुलवा सके। आपने अपना दावा ठीक ही किया है कि हम टार्चर द्वारा आपका मुंह खुलवा सकेंगे यह हमारा वहम है। और आप..

वह जान्सी की ओर घूमा।

'आपका परिचय?'- उसने पूछा । 'आप मुझे जान्सी के नाम से पुकारिये।'- जान्सी बोला ।

'मैंने आपका परिचय पूछा था ।'

मेरा नाम ही मेरा परिचय है।'

'अच्छी बात है। वैसे मुझे बताया गया है कि आप रिजीस्टेंस मूवमेंट के कोई नेता हैं। आपका मुंह खुलवाने का काम भी मुझे ही सौंपा गया है। आपसे मुझे आपकी पार्टी की पूरी जानकारी हासिल करनी है जैसे पार्टी का हैंडक्वार्टर कहां है, उसके सदस्य कौन-कौन हैं, सरकारी गोदामों का गल्ला और सरकारी फार्म की गाय भैंसें कैसे चोरी हो जाती हैं, वगैरह।'

जान्सी चुप रहा ।

कमाण्डर कुछ क्षण जान्सी के चेहरे को देखता रहा और फिर धीरे से बोला- 'इस भयानक जेल का कमाण्डर होने के बावजूद भी मैंने कभी कोई ऐसा इन्सानी चेहरा नहीं देखा जिस पर बेपनाह मुसीबतों की ऐसी भारी छाया हो। मुझे लगता है कि इंसान के मस्तिष्क द्वारा आविष्कृत भीषण से भीषण शारी-रिक यातना भी तुम्हारा मुंह नहीं खुलवा सकता।

'तुम हमें टार्चर नहीं करोगे?' - जेम्स बांड बोला ।

'हरगिज भी नहीं।'- कमान्डर बोला- 'टार्चर में मेरी आस्था नहीं है। तुम जैसे सख्त जान लोगों पर टार्चर का इस्ते-माल समय की बर्बादी है और मैं समय की बर्बादी के सख्त खिलाफ हूं और फिर हम पढ़े-लिखे समझदार लोग हैं। हमें उन पुराने 'तरीकों के बारे में सोचना शोभा नहीं देता है।'

'तो आप क्या करेंगे?'

पहले तो मैं सबसे सीधा और सरल तरीका आजमाऊंगा। और वह यह है कि आप मेरी प्रार्थना स्वीकार कर लें और आप से जो कुछ कहलवाने की आज्ञा ऊपर से मिली है, आप उसे कहने के लिये वैसे ही तैयार हो जायें। क्या ख्याल है?'

जेम्स बांड हंस पड़ा ।

'मुझे आपसे ऐसे ही उत्तर की आशा थी। आपको वाकई मेरी बात बड़ी हास्यास्पद लगी होगी, वह इसलिए कि मैं आप के साथ किस तरीके से दो चार होने वाला हूं, इसकी आपको जानकारी नहीं है।'

शारीरिक यातना के अतिरिक्त कोई और तरीका आजमाने वाले हैं आप?' जैम्स बांड बोला ।

'हां।' कमाण्डर शान्ति से बोला 'लेकिन अपनी क्रिया शुरू करने से पहले मैं आपको एक बात बताना चाहता हूं। इस जेल का कमांडर नियुक्त होने से पहले मैं बुडापेस्ट यूनिर्वासटी में नर्वसर्जरी का प्रोफेसर था। विभिन्न मनोवैज्ञानिक क्रियाओं द्वारा लोगों के मस्तिष्क पर काबू पाने का प्रयत्न आरम्भ से ही मेरी हावी रही है। कठोर से कठोर आदमी के मनोबल को तोड़ देने वाला एक विशेष मनोवैज्ञानिक टैकनीक मैंने ईजाद किया है जो मैं आप लोगों पर आजमाने वाला हूं।'

'और आपको अपने टैकनीक से हमारे मामले में कोई नतीजा हासिल होने की आशा है?'

'शत-प्रतिशत आशा है।'- कमांडर विश्वासपूर्ण स्वर से बोला ।

'अगर आप वाकई कोई ऐसी करामात कर सकते हैं तो आपने अपना वह टैकनीक मैक्स ओल्गर पर क्यों नहीं आज-माया? आपने उसे क्यों टार्चर से पागल हो जाने दिया?'

'क्योंकि किसी ने मुझे मौका नहीं दिया। ऐन्ड्र सी डट वालों को अपने पाशविक तरीकों पर इतना भरोसा था कि वे मेरा सभ्य तरीका ट्राई नहीं करना चाहते थे और सच पूछो तो मेरे दावे पर उन्हें कोई विशेष विश्वास भी नहीं था। लेकिन अब जब कि उनका अपना तरीका फेल हो चुका है तो उन्होंने मुझे एक मौका देने का फैसला कर लिया है। सज्जनो, आप लोगों का मुंह खुल-वाने के लिये मुझे अड़तालीस घण्टे का

समय मिला है लेकिन मुझे विश्वास है कि मैं अपने मिशन में अड़तालीस घण्टे से बहुत कम समय में सफल हो जाऊंगी। आप लोग मेरे मानव मस्तिष्क के ज्ञान के लिए चैलेंज हैं। यह मेरे लिए परीक्षा की घड़ी है।'

उसी क्षण कमरे में तीन आदमी प्रविष्ट हुए। उनमें एक आदमी के हाथ में एक फ्लास्क और दो कप थे। एक ने फ्लास्क में से काफी जैसा लगने वाला एक तरल पदार्थ दो कपों में डाल दिया।

'यह काफी है।' कमाण्डर बोला- 'आप लोगों के लिए।'

'मुझे काफी नहीं चाहिये ।'- जेम्स बांड बोला।

'आपके चाहने न चाहने का सवाल ही नहीं है। यह काफी आपको पीनी ही है।'

'मैं नहीं पियूंगा।'

बचपना मत दिखाइये, मिस्तुर बांड। अगर सीधे से आप यह काफी नहीं पियेंगे तो आपकी नाक बन्द कर के और आपके हलक के रास्ते आपके पेट में ट्यूब डाल कर यह काफी आपको पिलाई जाएगी। तब आपको ज्यादा तकलीफ होगी और मेरी बजह से किसी के शरीर को कष्ट पहुंचे यह मेरी नीति के खिलाफ है।'

जेम्स बांड ने फिर विरोध नहीं किया, एक आदमी ने उसके मुंह को काफी का कप लगा दिया। दूसरा आदमी जान्सी को काफी पिलाने लगा।

दोनों काफी पी गये।

काफी नार्मल से ज्यादा तेज और कडूवी थी।

'मुझे आपसे कुछ भी छुपाने की जरूरत नहीं सज्जनो ।'-कमान्डर बोला। यह काफी आपको इसलिए पिलाई गई है क्योंकि मेरे प्रयोग में आपको एक्टिडरोन (एक्टेडरों) नाम की एक खुराक देनी जरूरी थी। इस काफी में एक्टिडरोन मिली हुई थी। शीघ्र ही आप पर प्रभाव दिखाई देने लगेगा। पहले तो इसके प्रभाव से आप और दृढ़ निश्चय हो

जायेंगे फिर आपके सिर में दर्द होने लगेगा, फिर सुस्ती छाने लगेगी, फिर दिल आर दिमाग बेचैन हो जायेंगे, दिमाग में उलझनें पैदा होने लगेंगी वर्ग-रह। उसके बाद आपको मेस्कालीन (मेस्केलाइन) नाम की एक दूसरा दवा का इन्जेक्शन दिया जाएगा। यह डोज तीन बार दोहराया जायेगा। अन्त में मैं आपको एक अपनी आविष्कृत दवा का इन्जेक्शन दूंगा न दूंगा। उस दवा का मैंने अभी नाम नहीं रखा है। सोच रहा हूं कि इस मशहूर जेल के नाम पर मैं उस दवा का नाम जारहाजरीन रख दूंगा। क्या ख्याल है आपका कैसा रहेगा यह नाम?'

जेम्स बांड कमान्डर से तनिक भयभीत होने लगा था। कमान्डर उनसे यूं पेश आ रहा था जैसे वे इंसान न हों प्रयोग-शालाओं में इस्तेमाल किये जाने वाले चूहे हों।'

'इन तीनों दवाओं के सामूहिक प्रभाव से।' कमाण्डर कह रहा था- 'और कुछ अन्य क्रियाओं से आपका दिमाग इस काबिल नहीं रह जाएगा कि आप मेरी कही किसी बात का विरोध कर सकें। उसके बाद आप वही करेंगे जो आपको करने के लिये कहा जाएगा। वही कहेंगे जो आपको कहने के लिए कहा जायेगा, आप की अपनी इच्छा-अनिच्छा एकदम समाप्त हो जायेगी। आपकी स्थिति एक चाबी लगे खिलौने जैसी हो जायेगी। सज्जनो आपको यह सब इसलिये बताया जा रहा है क्योंकि भारी खतरे का पूर्वा-भास मिल जाने के बाद भी आप बच नहीं सकते ।'

फिर कमान्डर ने गार्ड बुलाए ।

उन्हें कुसियों से खोल दिया गया।

उनके हाथों में हथकड़ियां और पैरों में बेड़ियां पहना दी गई और उन्हें बाहर चलने को कहा गया। उनके दोनों ओर एक-एक सिपाही था और पीछे एक अन्य सिपाही हाथ में एक मशीनगन लेकर चल रहा था। आगे खुद कमाण्डर मार्ग निर्देशन कर रहा था । इस इन्तजाम में बच निकलने की कल्पना करना भी मूर्खता थी।

वे लोग बर्फ से अटे हुये कम्पाउन्ड को पार करके बैरकों की बगल में से गुजरे।
फिर वे एक अद्ध प्रकाशित कारीडोर में प्रवेश कर गये ।

हर जगह सशस्त्र सैनिकों का कड़ा पहरा था।

कारीडोर के सिरे पर नीचे तहखाने को जाती हुई सीढ़ियां थीं। वे सीढ़ियां तय करके नीचे तहखाने में पहुंच गये ।

एक गार्ड ने आगे बढ़कर एक कोठरी का दरवाजा खोल दिया और जेम्स बांड और जान्सी को उस कोठरी में धकेल दिया गया।

'सज्जनो' कमांडर बोला- 'अपने जीवन के बीत गये सुनहरे क्षणों को याद कर लीजिये क्योंकि कुछ ही घण्टों के बाद आप वह नहीं रहेंगे जो आप इस समय हैं। तब तक के लिए मैं आपसे आज्ञा लेता हूं।'

कोठरी का लोहे के सींखचों वाला द्वार बन्द हो गया और उस पर बाहर से ताला लगा दिया गया ।

कमाण्डर अपने आदमियों के साथ वहां से विदा हो गया।

कोठरी की छत के साथ एक रोशनदान था जिससे हल्का प्रकाश भीतर प्रविष्ट हो रहा था। उस प्रकाश में जेम्स बांड को कमरे के एक कोने में पड़ा एक लोहे का पलंग दिखाई दिया। उस पलंग पर जंजीरों से जकड़ा हुआ एक आदमी पड़ा था। उसकी आंखें खुली थीं और अन्धकार में शोलों की तरह चमक रही थीं। उसके बाल बिखरे हुये थे, दाढ़ी बढ़ी हुई थी, चेहरे परं खून की पपड़ियां जमी हुई थीं और वह बिना पलक झपकाये शून्य में देख रहा था।

जेम्स बांड उसके समीप पहुंचा।

'मैक्स ओल्गर!' वह आतंकित स्वर से फुसफुसाया। उस हालत में भी उसने मैक्स ओल्गर को पहचान लिया।

मैक्स ओल्गर ने अपना नाम सुना। एक क्षण के लिए उसके चेहरे पर कोई भाव नहीं आया, फिर उसने जोरदार चीत्कार किया और अपने हाथ पैरों को जोर-जोर से झटके देने लगा।
सारी कोठरी जंजीरों की भंकार से गूंज गई।

एकाएक वह विक्षिप्तों की तरह गगन भेदी अट्टहास करने लगा।

फिर धीरे-धीरे वह शांत हो गया। उसके नेत्र बन्द हो गये और उनमें से आंसुओं की धारा बह निकली। जेम्स बांड गहन आतंक की मुद्रा में उसके सामने खड़ा था ।

जेम्सबांड धीरे-धीरे अपने ऊपर से अपना कन्ट्रोल खोता जा रहा था। धीरे-धीरे उस पर विक्षिप्तता हावी होती जा रही थी। उसे अनुभव हो रहा था कि उस । अपने मस्तिष्क से कन्ट्रोल उठता जा रहा है।

पिछले इन्जेक्शन के बाद उसे लोहे की कुर्सी पर बिठा कर उसके हाथ-पांव जंजीरों द्वारा कुर्सी के साथ जकड़ दिए गए थे।

ऐसी ही स्थिति में उससे थोड़ी ही दूर जान्सी भी था।

जेम्सबांड के मस्तिष्क में बेचैनी के बादल उमड़ रहे थे। वह इतना बेचैन था कि अगर फर्श में गड़ी हुई कुर्सी से बंधा न होता तो अब तक उसने अपना सिर कोठरी की दीवार से टकरा दिया होता। एक्टिडरोन के प्रभाव से उसके शरीर की एक एक नस उत्तेजित हो उठी थी। उसको यूं अनुभव हो रहा था जैसे सैंकड़ों हजारों शहद की मक्खियां उसे शरीर के हर भाग पर काट रही हों, झंझोड़ रही हों। उसे अपना दम घुटता महसूस हो रहा था, उसे सांस लेने में तकलीफ हो रही थी और बार-बार उसका जी चाहता था कि वह गला फाड़कर चिल्ला पड़े। उसकी आंखों के सामने अन्धेरा छाता जा रहा था और हर क्षण उसे ऐसा लगता था जैसे उसका सिर शिकंजे में कसा हुआ हो और कोई धीरे-धीरे शिकंजा कसता जा रहा हो। फिर उसके कानों में विचित्र प्रकार की आवाजें पड़ने लगीं। पहले हल्का सा कोलाहल, फिर भारी चीख पुकार का शोर और फिर एक क्षण के लिए उसे यूं लगा जैसे उस शोर के बीच कोई उसे पुकार रहा हो, उसका नाम लेकर आवाज दे रहा हो।

फिर उसे लगा कि वह कई आवाजों का शोर नहीं था, एक केवल एक आवाज थी जो चिल्ला रही थी और भारी हथौड़ों की तरह उसकी चेतना से टकरा रही थी। जेम्सबांड को यूं लग रहा था जैसे वह बाज उसके मस्तिष्क के अन्धेरे से उसके पागलपन से जूझ रही थी। बार-बार वही आवाज बिजली के धक्के की तरह उसे कचोट रही थी। तेज और तेज और तेज।

फिर जैसे उसके मश्तिष्क के एक कोने से अन्धेरा छटने लगा-वह आवाज उसे पहचानी हुई लगने लगी। फिर एक बार उसने बड़ी मेहनत से अपनी तमाम मानसिक शक्तियों को एक-त्रित करके उस आवाज पर केन्द्रित कर दिया ।

वह आवाज जान्सी की थी।

जान्सी उसका नाम लेकर पुकार रहा था। बार-बार जोर-जोर से चिल्ला रहा था- 'अपना सिर मत झुकने दो। अपना सिर उठाये रखो। भगवान के लिए, होश में आओ। होश में आओ । अपना सिर उठाये रखो। अपना सिर मत झुकने दो ।'

फिर बड़ी मेहनत से एक-एक इन्च करके जेम्सबांड ने अपनी छाती पर झुक आये सिर को ऊंचा उठाना आरम्भ किया। उसके नेत्र अभी-भी बन्द थे। धीरे-धीरे उसके सिर का पृष्ठ भाग कुर्सी की पीठ से जा लगा। एक लम्बे अर्से तक उसका सिर उसी स्थिति में टिका रहा और वह यूं हांफता हुआ सांस लेने लगा जैसे वह हजारों मील से भागता हुआ चला आ रहा हो और अब एक भी कदम और भागने की हिम्मत उसमें न हो।

फिर उसका सिर दुबारा उसकी छाती की ओर झुकने लगा ।

'अपना सिर ऊंचा रखो- मैं कहता हूं अपना सिर उठाओ-' इस बार जान्सी के स्वर में आदेश था। जेम्स बांड को यूं लगा जैसे जान्सी एकाएक स्वयं उसके अपने व्यक्तित्व का एक अंग बन गया हो और अपनी इच्छा शक्ति से उसे बल दे रहा हो। उसे लगा जान्सी की वही इच्छा-शक्ति उसकी सहायता कर रही है जो उसे कोहिमा की पहाड़ियों में से वापिस ले आई थी, जो साइबेरिया के सब-जीरो टैम्प्रेचर से उसे जीवित लौटा लाई थी- 'अपना सिर ऊंचा रखो। अपना सिर ऊंचा रखो। ऊंचा! ऊंचा! और ऊंचा! और ऊंचा! हां, अब ठीक है। अब ठीक है। अब अपनी आंखें खोलने की कोशिश करो। कोशिश करो। जेम्सबांड अपनी आंखें खोलो! अपनी आंखें खोलो और मेरी ओर देखो ।'

जेम्स बांड ने अपनी आंखें खोली। उसे ऐसा अनुभव हो रहा था जैसे उसकी पलकों के साथ भन मन के पत्थर लटक रहे हों। बड़ी कठिनाई से उसने अपनी आंखें खोलीं और सामने देखा। उसके नेत्रों के सामने धुन्ध सी तैर गई। और फिर उस समय उसे पहली बार याद आया कि कोठरी का फर्श ठंडे पानी से भरा हुआ था और उसके पांव छः-छः इंच तक

उस पानी में डूबे हुये थे। कोठरी की दीवारों में पाइप लगे हुये थे- जिनमें से गर्म भाप निकल कर उसके शरीर से टकरा रही थी। शायद टैम्प्रेचर का यह अन्तर भी कमाण्डर के प्रयोग का ही एक हिस्सा था।

फिर धुन्ध के बादलों में उसे जान्सी का चेहरा दिखायी दिया। वैसी ही कुर्सी पर उससे थोड़ी ही दूर जान्सी बैठा था और अपने सिर को जोर जोर से दांये बांये झटक रहा था। उसके जबाड़े तेजी से चल रहे थे। कलाइयां घूम रही थीं। पांव हिल रहे थे।

'दुबारा अपना सिर मत झुकने देना, जेम्सबांड- जान्सी व्यन्न स्वर में कह रहा था- 'भगवान के लिए अपनी आंखें खुली रखो-अपनी आंखें खुली रखो जेम्स । होश मत खोना, जेम्स । चाहे कुछ हो जाये होश मत खोना। कमाण्डर की दवाइयों के प्रभाव की कोई तो चरम सीमा होगी और अगर तुम उस बीमा को पार कर गये तो यह तुम्हारी भारी जीत होगी।
होस में आओ, जेम्स जान्सी एकाएक फिर चिल्लाया।

और जेम्सबांड का नीचे की ओर झुकता हुआ सिर फिर सन कर सीधा हो गया। इस बार सिर उठाने में कम मेहनत करनी पड़ी थी।

'शाबाश! शाबाश!!' - इस बार उते जान्ची की आवाज पहले से ज्यादा स्पष्ट सुनाई दी। 'अब ठीक है। तुमने एक क्षण के लिये भी कमान्डर की दवाइयों को अपने पर हावी होने दिया तो सारा खेल खत्म हो जायेगा। हालात का डट कर मुकाबला करो, इन दवाइयों का प्रभाव हमेशा तो नहीं रह सकता। और मुझे तो अभी ही इनका प्रभाव घटता हुआ लग रहा है।'

'फिर एकाएक जेम्सबांड को भी अनुभव हुआ कि दवाइयों का प्रभाव घट रहा था। उसके सिर पर से शिकंजे की पकड़ ढीली होती जा रही थी। उसकी नसों में शक्ति का संचार हो रहा था-बेचैनी और घबराहट अंगर घटत्ती नहीं मालूम हो रही थी तो और बढ़ भी न रही थी। उसकी आंखों के आगे से भी अंधेरा हटता जा रहा था और उस सारे अरसे में जान्सी उससे लगातार बातें करता रहा था, उसकी हिम्मत बंधाता रहा था। फिर भाप की गर्मी के बावजूद भी उसे ठंड लगने लगी और वह सिर से पांव तक कांपने लगा।

फिर थोड़ी देर बाद कंपकपी बन्द हो गई और उसे गमीं लगने लगी। उसके शरीर में से पसीने की धारें बह निकलीं और वह फिर होश खोने की स्थिति में आने लगा।

उसी क्षण कोठरी का लोहे का दरवाजा खुला। कोठरी में भरे पानी में छप-छप चलते हुये कुछ लोग भीतर घुस आये । पलक झपकते ही उसे बंधनमुक्त करके कोठरी से बाहर ले आया गया। खुले वातावरण की ठंडी बर्फीली हवा उसके शरीर की चमड़ी को काटने लगी।

वह लड़खड़ाता हुआ सैनिकों के बीच दो सैनिकों का सहारा लेकर चलता रहा।

उससे आगे जान्सी चल रहा था। वह लड़खड़ा जरूर रहा था लेकिन उसने किसी का सहारा नहीं लिया था। उसकी गर्दन सीधी तनी हुई थी और सिर ऊंचा उठा हुआ था।

बर्फ भरे कम्पाउन्ड को पार करके वे फिर कमान्डर के कमरे में आ गये ।

कमांडर उनकी प्रतीक्षा कर रहा था। उन्हें देखते ही उसके नेत्र अविश्वास से फैल गये। कुछ क्षण वह केवल जेम्सबांड और जान्सी को देखता रहा। उसके मुंह से बोल नहीं फूटा। लेकिन शीघ्र उसने अपने भावों पर काबू कर लिया और फिर वह पहले जैसे शांत स्वर से बोला- 'सज्जनो, मुझे हैरानी है, सख्त हैरानी है कि आप अपने पैरों पर खड़े हैं। आपकी इस हालत की सूचना अगर मेरे किसी आदमी ने मुझे दी होती तो मैं समझता, वह झूठ बोल रहा है। लेकिन जो कुछ मैं भी अपनी आंखों से देख रहा हूं मैं उस पर अविश्वास प्रकट नहीं कर सकता। कैसी मुसीबत है, साहब?'

'सर्दी लग रही है।'- जेम्सबांड शांत स्वर में बोला । उसने हाथ बढ़ाकर दीवार का सहारा ले लिया। सहारा न लेता तो शायद जमीन पर ढेर हो जाता। लेकिन दीवार ने उसे उतना सहारा नहीं दिया जितना सहारा उसे जान्सी के नेत्रों के भाव ने दिमा ।

'दवाइयों के पहले दौर के प्रभाव से बच निकलने के लिये मैं आपको बधाई देता हूं, सज्जनो।'- कमांडर बोला- 'आप वाकई बड़े मजबूत आदमी हैं।'

फिर वह अपने एक सैनिक की ओर घूमकर बोला- 'अगला इन्जेक्शन इन्हें दो बजे देना और इनकी कोठरी में एक घड़ी टांग वो ताकि इनको भी मालूम होता रहे कि वे कितने अरसे तक मेरी दवाइयों के प्रभाव से बचे रह सकते हैं।'

दस मिनट बाद वे दोनों फिर उस कोठरी में पहुंचा दिये गये जो भाप की गर्मी से भट्टी बनी हुई थी। इस बार भाप के बादलों को चीर कर आती हुई घड़ी की टिक टिक की आवाज उनके काबों में पड़ रही थी।

गर्मी की वजह से पन्द्रह मिनट बाद जेम्सबांड को अपने शरीर की चमड़ी में से आग निकलते हुई महसूस होने लगी। उसके बेहरे पर पीड़ा के भाव गहन से गहनतर होते गये ।

लेकिन जान्सी शात था।

वह न केवल शांत था बल्कि अपने निरन्तर वार्तालाप से जेम्सबांड का ध्यान भी बटाये हुए था। वह निरन्तर उसकी हिम्मत बंधा रहा था, अपनी जिंदगी में आई उन भयंकर तक लौफों का जिक्र कर रहा था जिनके मुकाबले में उस कोठरी की गर्मी और एक्टिंडरान का प्रभाव मामूली बातें थीं।

'तुम इन्सान नहीं हो।' जेम्सबांड बड़बड़ा रहा था- 'कोई इन्सान जिंदगी की इतनी मार नहीं खा सकता। तुम्हारे में जरूर कोई अमानवीय शक्ति है।'

जान्सी मुस्करा रहा था।

उसी क्षण कोठरी का द्वार फिर खुला। सैनिक फिर कोठरी में घुस आये और उन्हें साथ लेकर फिर उसी रास्ते से कमांडर के कमरे की ओर चल दिए।

अपने कमरे में इस बार कमांडर अकेला नहीं था। कमरे में जो दूसरा आदमी था, जेम्स बांड उसे एक साल बाद देख रहा था। सैनिकों ने जेम्सबांड और जान्सी को कमरे में उनके सामने धकेल दिया ।

जेम्सबांड के दांत किटकिटा रहे थे और वह स्वयं को बड़ी मुश्किल से सम्भाल पा रहा था। तापमान में कम से कम नौ डिग्री के आकस्मिक अन्तर ने उस पर बड़ा बुरा प्रभाव डाला था।

'मुझे पहचाना मिस्टर बांड।' कर्नल हीदस जेम्सबर्बाड के सामने आकर बोला ।

जेम्सबांड ने उत्तर नहीं दिया।

'मैं बयान नहीं कर सकता कि मुझे तुमको दुबारा अपने अधिकार में देखकर कितनी खुशी हो रही है। पिछले साल जब से प्रोफेसर हैरोल्ड जेनिग्स को हंगरी से निकाल कर ले गए थे, मैं तभी से तुम्हारे साथ दुबारा मुलाकात की कामना कर रहा था। हमें खुशी है कि ब्रिटिश इन्टेलीजैस ने हमारे जाल में फंसने के लिए जेम्सबांड को ही भेजा।'

वह फिर कमांडर की ओर घूम कर बोला- 'इन्हें पूरा ट्रीट-मेंट दिया जा चुका है?'

'नहीं कर्नल'।' कमान्डर आदरपूर्ण स्वर से बोला- 'अभी दूसरा दौर ही शुरू हुआ है। लेकिन आधी रात से पहले ये लोग टूट चुके होंगे।'

"गुड।' कर्नल हीदस फिर जेम्सबांड की ओर घूमता हुआ बोला और फिर अगली सुबह मैक्स ओल्गर की जगह तुम्हें जनता की अदालत में प्रस्तुत किया जायेगा।'

जेम्सबांड चुप रहा ।

कर्नल हीदस फिर जान्सी के सामने आ खड़ा हुआ।

'विरोव और उसके साथियों का खातमा कर चुकने के बाद मैं समझा था।' कर्नल हीदस जान्सी से कह रहा था- 'कि मैंने क्रांतिकारी पार्टी का समूल नाश कर दिया है- लेकिन मुझे अब महसूस हुआ कि मैं कितनी भारी गलती पर था। सिरोव तो शायद एक छोटी सी मछली थी। कामरेड, तुम वह आदमी हो जिसकी वजह से मेरी रातों की नींद हराम हो गई है, जिसकी बजह से हैडक्वार्टर में अपने चीफ फरमिट के सामने मुझे सिर नीचा करना पड़ रहा है जिसने देश के हजारों गद्दारों और साम्य-बाद के शत्र ओं को हमारे पंजे से निकल जाने दिया है। मैं तुम्हारे सामने स्वीकार करता हूं कि उस समय तो मेरे होश ही गुम हो गये थे जब मुझे यह मालूम हुआ था कि हंगेरियन सीक्रेट पुलिस का वफादार अफसर होवार्थ भी तुम्हारा ही साथी है। लेकिन अब कहानी खत्म हो गई है। अब तुम लोगों की आखिरी मंजिल आ गई है तुम्हारा नाम, मेरे दोस्त?'

'जान्सी।' जान्सी शांत स्वर से बोला- 'मुझे जान्सी के नाम से पुकारते हैं।'

'मैंने यह नहीं पूछा कि लोग तुम्हें किस नाम से पुकारते हैं।' कर्नल हीदस बोला- 'मैंने तुम्हारा नाम पूछा।'

एकाएक कर्नल हीदस बोलता-बोलता रुक गया। उसके नेत्र फैल गये और चेहरे की रंगत बदलने लगी। वह लड़खड़ाया और फिर एकदम दो कदम पीछे हट गया ।

'क्या नाम बताया था तुमने अपना?' उसने दबे स्वर से पृष्ठा। आवाज उसके मुंह में से फंस फंसकर निकल रही थी।

जेम्सबांड हैरानी से कर्नल हीदस का मुंह देखने लगा ।

'जान्सी!'

कमरे में मौत का सन्नाटा छाया हुआ था। हर कोई हैरानी से कर्नल हीदस को देख रहा था। कर्नल हीट्स की हालत से ऐसा जागा रहा था जैसे उसने भूत देख लिया था।

किर उसने अपने सूखे होंठों पर जुबान फेरी और बोला-"घूम जाओ ।'

जान्सी घूम गया। उसके पीठ के पीछे बंधे हुए हाथ कर्नल हौदस के सामने आ गए। कर्नल हीदस की दृष्टि उन हाथों पर पड़ी और उसके मुंह से सिसकारी निकल गई।

फिर जान्सी वापस उसकी ओर घूम पड़ा।

'यह नहीं हो सकता।' कर्नल हीदस दहशत भरे स्वर से कह रहा था यह असम्भव है। तुम मर चुके हो। दो साल पहले जब हम तुम्हारी बीवी को ले गए थे, उसके बाद ही।'

'माई डियर हीदस।' जान्सी बोला- 'मैं नहीं मरा था। तुम धोखा खा गए थे। तुमने मेरी लाश नहीं देखी थी। तुमने मेरे ही कद के एक दूसरे आदमी की लाश देखी जिसके चेहरे और हाथों पर मेजर होवार्थ ने मेरा मेकअप कर दिया था। मेजर होवार्थ, तुम जानते

ही हो मेकअप में मास्टर है। उन दिनों इतने लोग मर रहे थे, आत्महत्या कर रहे थे कि तुम लोगों ने गौर से देखने की कोशिश ही नहीं की कि मैं हूं या मेरे मेकअप में कोई और। तुमने मेरे फ्लैट में से मेरी लाश उठवाई और समझ लिया जान्सी मर गया। हीदस प्यारे, उस समय मेरी बीवी तुम्हारे कब्जे में थी लेकिन जिदा थी। मेरा ख्याल था कि अगर तुम मुझे मुझे मरा समझ लोगे तो शायद उस निसहाय औरत को नहीं मारोगे।'

'तुम सच कह रहे हो।'- कर्नल हीदस उत्तेजित स्वर से बोला अब वह काफी सम्भल चुका था- 'मुझे अब समझ में आ रहा है अपने भरपूर प्रयत्नों के बावजूद भी पिछले सात सालों में एक बार भी हम रिजीस्टेंस मूवमेंट को एकदम क्यों नहीं दबा पाए, क्रांतिकारी पार्टी का समूल नाश क्यों नहीं कर पाए। तुम-तुम बजह थे। शुरू से ही क्रांतिकारी पार्टी के वास्तविक लीडर तुम थे। सिरोव तो शायद खिलौना था। खैर, मुझे खुशी है कि साम्य-बादी सरकार का सबसे बड़ा दुश्मन आज हमारे कब्जे में है।'

'कर्नल हीदस।' कमांडर दबी आवाज में पूछ रहा था-'कौन है यह आदमी?'

'यह वह आदमी है जिस पर मुझे दुख है, बुडापेस्ट में मुक-दमा नहीं चल पाएगा। यह शायद कीव या मास्को ले जामा जाएगा। कमांडर, तुम्हारे सामने जनरल ब्लासोव का दायां हाथ और जनरल ब्लासोव के बाद यूक्रेनियन नेशनल आर्मी का सबसे बड़ा लीडर मेजर जनरलं अलौक्सिस इल्यूरिने खड़ा है।'

'इल्यूरिन!' कमाण्डर बौखला कर बोला- 'मेजर जनरल बलौक्सिन इश्यू रिन! यहां! मेरे कमरे में! यह असम्भव है।

कमांडर यूं बोल रहा था जैसे परीकथाओं के किसी चरित्र का जिक्र कर रहा हो।

'यह हकीकत है।'- कर्नल हीदस बोला- 'ऐसे भयंकर हाथों वाला आदमी सारी दुनिया में एक ही है। कमांडर, पहरा बढ़ा दो। मेजर जनरल इल्यूरिन का पूरा ख्याल रखो। अगर यह यहां से निकल गया तो इस जेल के सारे कर्मचारियों का सिर उड़ा दिया जाएगा।'

'यह यहां से नहीं निकल सकता।'- कमांडर विश्वासपूर्ण स्वर से बोला ।

'मैं फरमिट को सूचना देने के लिए एन्ड्रेसी डट जा रहा हूं-दो या तीन घंटे बाद फिर वापिस लौटूंगा। मेरी कार फौरन मंगवाओ ।'

जेम्सबांड और जान्सी फिर कोठरी में पहुंचाये गये ।

'कहानी खत्म!'- कोठरी में आकर जेम्सबांड बड़बड़ाया। जान्सी ने कोई उत्तर नहीं दिया। वह भयभीत नहीं था। वह अब भी पूर्ववत् शान्त था।

मौत निश्चित थी ।

जेम्सवांड के सामने हेलेन का भोला-भाला चेहरा दौड़ गया।

जान्सी गया। मेजर होवार्थ गया। हेलेन अकेली रह जाएगी और उन तमाम लोगों को वर्तमान स्थिति में पहुंचाने के लिए अकेला जिम्मेदार वह था ।

जेम्सबांड को एक ही तसल्ली थी वह भी उनके साथ मर रहा था।

पाइपों में से फुफकारती हुई भाप निकल रही थी। कमरे का तापमान बढ़ता जा रहा था।

उनके शरीर पसीने में डूब गए। आंखें उबल पड़ीं। सांसों में से आगे निकलने लगी।
दो तीन बार जेम्सबांड होश खो बैठा और अगर उसकी कमर कुर्सी के साथ बंधी न होती तो वह अभी तक कोठरी के फर्श पर भरे पानी में लुढ़क गया होता।

धीरे धीरे स्थायी रूप से उसका अपने आप से कन्ट्रोल उठने लगा। उसका मस्तिष्क जड़ होने लगा ।

तभी एक बार फिर कुछ कठोर हाथ उसने अपने शरीर पर अनुभव किये । वह एक बार फिर बन्धन मुक्त कर दिया गया। किसी ने जेम्सबांड को अपने पैरों पर खड़ा किया लेकिन साहारा हटते ही वह धड़ाम से कोठरी के पानी भरे फर्श पर जा गिरा।

किसी ने उसे उठाकर फिर अपने पैरों पर खड़ा किया। दो आदमियों ने उसे दाएं-बाएं से सहारा दिया ओर उसे कोठरी से बाहर ले चले। रास्ते में बर्फीली हवा के थपेड़ों

से उसके नेत्र खुले, उसने देखा वे फिर कमांडर के कमरे में ले जाए जा रहे थे। इस बार जान्सी भी लड़खड़ा रहा था।

कमांडर अपने प्रयोग में सफल रहा था। उसके प्रयोग के दूसरे दौर के बाद ही वे किसी विरोध के काबिल नहीं रहे थे और अब फिर वही कडुवी काफी । वही मेस्कालीन ।
बहो एक्ड्रिोन ।

तीसरा और अन्तिम दौर ।

और फिर जेम्सबांड का अस्तित्व खत्म । वे फिर कमांडर के कमरे में लाए गए ।

पहले जेम्सबांड को सीक्रेट पुलिस की वर्दी में एक आदमी दिखाई दिया। फिर दो और फिर कोको का विशाल शरीर बौर उसका राक्षसों जैसा भयंकर चेहरा। अन्त में उसे एक आदमी की पीठ दिखाई दी, जो सीक्रेट पुलिस के अफसरों की वर्दी पहने हुए था। वह सिगरेट होल्डर में फंसा कर एक काला रूसी सिगरेट पी रहा था। और खिड़की से बाहर झांक रहा था।

जब वह उन लोगों की ओर घूमा तो जेम्सबांड ने देखा, वह काउन्ट था ।

नहीं। यह आदमी काउन्ट नहीं हो सकता ।

जेम्सबांड ने अपने सिर को एक जोर का झटका दिया।

काउन्ट तो कई मील दूर गोंडोलो में था और अब तक गिर-पतार भी हो चुका होगा।

जरूर यह कमांडर की भयंकर दवाइयों का असर था कि किसी अन्य आदमी की सूरत में काउन्ट की सूरत दिखाई दे रही थी।

वह आदमी भारी कदमों से चलता हुवा खिड़की के पास से हृष्टा और कमरे के बीच में आ खड़ा हुआ। उसके दाएं हाथ में सिगरेट होल्डर था और बाएं में चमड़े के दस्ताने थे।

नहीं। उसे धोखा नहीं हो रहा था। वह काउन्ट ही था ।

एक बार यह विश्वास हो जाने के बाद कि उसके सामने काउन्ट ही खड़ा था जेम्सबांड के नेत्र फैलने लगे। फिर उसके होंठ खुले और फिर उसके पीले चेहरे पर हल्की-सी मुस्कराहट दौड़ने लगी ।

'मेजर हो।'- उसने कहना चाहा । बाकी के शब्द उसके मुंह में ही रह गए।

काउन्ट का दस्तानों वाला हाथ घूमा और भारी चमड़े के दस्ताने पूरी शक्ति से जेम्सबांड के चेहरे से टकराए।

जेम्सबांड लड़खड़ाता हुआ पीछे हटा और पिछली दीवार से जा टकराया। उसकी आंखों के सामने अन्धेरा छा गया। । चोट से उसका ऊपर का होंठ कट गया था और खून की बूंदें उसके खुले हुए मुंह में टपकने लगी थीं ।

'भविष्य में।' काउन्ट दस्तानों पर लग आई खून की एक बूंद को झटकता हुआ सहज स्वर से बोला- 'तुम तभी बोलोगे जब तुम्हें बोलने के लिए कहा जाएगा।'- फिर वह कमांडर से सम्बोधित हुआ- 'क्या ये कैदी नदी में गिर पड़े थे कमांडर?'.

'नहीं, कैप्टन जोल्ट ।'- कमांडर बौखलाए स्वर से बोला-'ये लोग सीधे स्टीम रूम से यहां लाए गए हैं।'

'ओह!'

'स्टीम भी मेरे प्रयोग का एक अंग है। कैप्टन जोल्ट, मुझे दुःख है कि मेरा प्रयोग पूरा होने से पहले ही ये लोग यहां से ले जाए जा रहे हैं।'

'मैं क्या कर सकता हूं।' काउन्ट हाथ फैलाकर बोला-'मुझे तो फरमिट ने जो आदेश दिया है, मैं उसका पालन कर रहा हूं। मुझे आदेश दिया गया था कि मैं इन्हें और मैक्स ओल्गर नाम के तीसरे कैदी को एन्ड्र सी डट में ले आऊं और मैं लेने आ गया हूं। वैसे मेरा ख्याल है कि जल्दी ही ये लोग फिर यहां वापिस लाये जाएंगे। कमांडर, कामरेड फरमिंट की तुम्हारे प्रयोग में पूरी आस्था है।'

'अच्छा?'- कमांडर खुश होकर बोला- 'कामरेड फमिंट ने खुद कहा था यह?"

'हां। इसलिए विश्वास है कि वह तुम्हें अपना प्रयोग पूरा करने का अवसर जरूर देगा।'

'लेकिन ये लोग एंड्र सी डट में वापिस ले जाए क्यों जा रहे हैं?'

'मुझे नहीं मालूम। तीसरा कैदी कहां है?'

'आ रहा है।' कमांडर बोला- 'लेकिन कैप्टन, तीसरा कैदी बड़ा खतरनाक है। वह एकदम पागल हो चुका है। क्या आप उसे सम्भाल पाएंगे?'

उत्तर देने के स्थान पर काउन्ट ने कोको से प्रश्न किया-'काको, क्या तुम एक पागल आदमी को सम्भाल सकते हो?'

कोको के चेहरे पर एक कमीनी मुस्कराहट आ गई। वह दांत निकालकर बोला- 'मैं दस पागल आदमियों को सम्भाल सकता हूं।'

कमांडर फिर नहीं बोला ।

उसी क्षण मैक्स ओल्गर वहां लाया गया। उसके हाथ पांव जंजीरों से जकड़े हुए थे। उस समय वह शांत था लेकिन उसके नेत्र एक विचित्र प्रकार के वहशीपन से चमक रहे थे।

'चलो लारी में लादो इन्हें।' काउन्ट ने अपने आदमियों को आदेश किया ।

सीक्रेट पुलिस के तीनों आदमी जेम्स बांड और जान्सी को बड़ी बर्बरता से धकेलते हुए बाहर ले चले । कोको ने मैक्स ओल्गर की ओर हाथ बढ़ाया ।
मैक्स ओल्गर एक क्षण के लिए शान्त रहा फिर एकाएक उसने जोर का चीत्कार किया और अपने सिर की भरपूर टक्कर कोको के पेट में दे मारी।

कोको का पहाड़ जैसा शरीर पीछे को उलट गया ।

जेल के सैनिकों ने लपककर फिर मैक्स ओल्गर को पकड़ लिया ।

कोको के चेहरे पर पीड़ा, अपमान और क्रोध के मिले-जुले भाव परिलक्षित हुए। उसके नेत्रों में खून उबल पड़ा। वह एक झटके के साथ उठ खड़ा हुआ। उसके दाएं हाथ का एक भरपूर झापड़ मैक्स ओल्गर के चेहरे पर पड़ा।

मैक्स ओल्गर का अचेत शरीर तत्काल सैनिकों की पकड़ में भूल गया। कोको ने आगे बढ़कर बाएं हाथ से उसे थामा और फिर एक भारहीन वस्तु की तरह उसे अपने कंधे पर लाद लिया और बाहर की ओर चल दिया ।

काउन्ट ने कमाण्डर से हाथ मिलाया और उनके पीछे हो लिया ।

ठण्ड में बुरी तरह ठिठुरते जेम्स बांड और जान्सी बाहर कम्पाउण्ड में खड़ी सीक्रेट पुलिस की लारी में आ बैठे। कोको भी मैक्स ओल्पर को लादे लारी में घुस आया। एक गार्ड आगे ड्राइवर के साथ बैठ गया और काउन्ट और बाकी के दो गार्ड पीछे लारी में बाकी लोगों के साथ आ बैठे। दोनों गार्डों के पास मशीनगन थी और वह बड़ी सतर्कता से कैदियों को देख रहे थे।

ड्राइवर ने लारी स्टार्ट कर दी। फिर लारी किले के सिपा-हियों के बीच में से होती हुई मुख्य द्वार से बाहर निकल आई और बुडापेस्ट की ओर जाने वाली सड़क पर दौड़ने लगी ।

काउन्ट ने अपनी जेब से एक नक्शा निकाल लिया था और उसे घुटनों पर फैलाए बड़े गौर से देख रहा था।

फिर उसने ड्राइवर के केबिन की खिड़की के पास मुंह ले जाकर कहा- 'एक किलोमीटर आगे बाईं ओर एक पतली-सी सड़क आएगी। गाड़ी को सीधे ले जाने के स्थान पर उधर मोड़ लेना और तब तक ड्राइव करना जब तक मैं रुकने के लिए न कहूं।'

थोड़ी ही देर बाद लारी की गति धीमी हो गई। फिर वह बाईं ओर घूमी और फिर मुख्य सड़क को छोड़कर झटके खाती हुई काउन्ट की बताई सड़क पर आगे बढ़ने लगी। यह सड़क इतनी ऊबड़-खाबड़ थी कि ड्राइवर बड़ी मुश्किल से लारी को कन्ट्रोल में रख पा रहा था। हर झटके पर लारी उलटती हुई मासूम होती थी।

काउन्ट बड़ी गौर से लारी के बाहर झांक रहा था जैसे कि परिचित स्थान को पहचानने का प्रयत्न कर रहा हो।

दस मिनट बाद उसने ड्राइवर को लारी रोकने का आदेश दिया ।

लारी रुक गई। काउट लारी से बाहर कूद गया। कोको और बाकी आदमी भी लारी से बाहर कूद गए और फिर मशीनगन के निशाने पर जेम्स बांड और जान्सी को भी बाहर कूदने को कहा गया।

केवल मैक्स ओल्गर का अचेत शरीर सीटों के बीच लारी के फर्श पर पड़ा रहा।

जेम्स बांड ने देखा वे लोग घने जंगल में खड़े हैं।

'साथियो।' काउन्ट गम्भीर स्वर से बोला- 'फावड़े गंभाल लो ।'

'फावड़े?'- कोई हैरानी से बोला ।

'हां।'- काउन्ट बोला- 'ये लोग मरने के लिए एन्ड्रेसी डट नहीं ले जाए जाएंगे। इन कैदियों के मामले में बड़ी शोचनीय राजनैतिक स्थिति पैदा हो गई है जो आपकी समझ में नहीं आधगी। बहरहाल चीफ फरमिन्ट का आदेश है कि इन कैदियों को जारहाजा जेल से बाहर इस जंगल में लाकर शूट कर दिया जाए और फिर जमीन खोदकर इनकी लाशें यहीं दबा दी जाएं।'

'ओह!'- कोको बोला ।

काउन्ट के आदेशानुसार कोको के अतिरिक्त सबने फावड़े संभाल लिए ।

'कोको।'- काउन्ट बोला- 'तुम मशीनगन लेकर इनकी निगरानी करो। इनमें से कोई भी शरारत करे तो तुम उसे तत्काल गोली मार देना ।'

'ओ० के०।'- कोको दांत निकालकर बोला ।

काउन्ट फावडे संभाले आदमियों को लेकर घने जंगल के भीतरी भाग में प्रवेश कर गया ।

दस मिनट बाद वह वापिस लौटा ।

'किसी ने शरारत तो नहीं की कोको?' - काउन्ट ने पूछा ।

'नहीं।'- कोको मायूस स्वर से बोला ।

'कोको।'- काउन्ट ने पूछा- 'हंगेरियन सीक्रेट पुलिस की नौकरी में अभी तक कितने आदमियों की जान ले चुके हो?'

'मालूम नहीं।' कोको के चेहरे पर एक भयानक मुस्क आ गई- 'सालों पहले गिनती करनी छोड़ दी थी मैंने ।'

'च-च-च।'- काउन्ट बोला और फिर एकाएक उसका हाथ हवा में घूमा। काउन्ट के हाथ में नाल की ओर से धमी हुई रिवाल्वर का मूठ का नपा तुला प्रचंड प्रहार कोको की कन-पटी पर पड़ा। कोको के हाथ से मशीनगन निकल गई और फिर वह कटे वृक्ष की तरह मशीनगन की बगल में जमीन पर आ गिरा।

काउन्ट ने मशीनगन उठाकर लारी में फेंकी और बोला-'आओ दोस्तो ।'

जेम्स बांड ने हैरानी से जान्सी की ओर देखा और फिर मन्त्रमुग्ध सा काउन्ट के पीछे चल दिया।

काउन्ट ने लारी की एक सीट के नीचे से तीन चार कम्बल निकाले और मैक्स ओल्गर के ऊपर डाल दिए। फिर वह लारी की ड्राविंग सीट पर जा बैठा ।

जान्सी और जेम्स बांड उसकी बगल में बैठ गए ।

काउन्ट ने लारी का इंजन स्टार्ट कर दिया लेकिन उसने लारी को गियर में नहीं डाला।

'जरा इंजन गरम हो जाए।'- वह बोला। फिर उसने अपनी जेब से एक मैटल की फ्लास्क निकाली और उसे उनकी ओर बढ़ाता हुआ बोला- 'बाराक, दोस्तो। मेरा निजी ब्रांड । सरासर जहर है यह। साधारण स्थिति में मैं अपने दुश्मन को भी बाराक पीने की राय नहीं दूंगा लेकिन वर्तमान में यही अकेली चीज है जो आपकी कंपकंपी रोक सकती है और आपको निमोनिया से मरने से बचा सकती है।'

बिना एक शब्द भी मुंह से निकाले जेम्स बांड ने फ्लास्क काउण्ट के हाथ से ले ली और उसके कई घूंट हलक से नीचे उतार लिए। एक क्षण को उसे यूं लगा जैसे उसके गले से लेकर पेष्ठ तक आग लग गई हो लेकिन फिर फौरन बाराक का असर दिखाई देने लगा। उसके ठण्ड से नीले हो गए चेहरे पर लाती बौड़ने लगी ।

जेम्स बांड ने फ्लाएक जान्सी को थमा दी।

'लगता है जेल में आपकी अच्छी खासी सेवा की गई है।'

'बहुत अच्छी खासी ।' - जान्सी बोला और उसने फ्लास्क काउण्ट को लौटा दी।

काउन्टर ने बाराक के दो तीन घूंट पिये। फ्लास्क को जेब के हवाले किया और फिर लारी को गियर में डाल दिया।

लारी ऊबड़ खाबर सड़क पर झटके खाती हुई आगे बढ़ने लगी।

धीरे-धीरे जेम्स बांड को अहसास हो रहा है कि वह फिर स्वतन्त्र हो गया है। धीरे- धीरे बाराक अपना प्रभाव दिखाने लगी। उसे स्वयं में जीवन का संचार होता हुआ महसूस हुआ और फिर कई प्रश्न उसके मस्तिष्क में घूम गये जिनमें से सब से प्रमुख

था काउन्टर गोडोलो से कैसे बच आया था और वह मेजर होवार्थ से कैप्टन जोल्ट कैसे बन गया था।

'लेकिन लेकिन अन्त में जेम्स बांड बोल पड़ा- 'ये सब हो कैसे गया?'

'सब बताता हूं।'- काउन्ट शांत स्वर से बोला- 'अपसे पहले तो मैं जान्सी को यह सूचना देना चाहता हूं कि आज की तारीख से हंगेरियन सीक्रेट पुलिस से मेरा सम्पर्क खत्म हो गया है। आज के बाद मैं एन्ड्रेसी डट में कदम नहीं रख पाऊंगा और अब सीक्रेट पुलिस देश के शत्रुओं के साथ साथ मेरी भी तलाश आरम्भ कर देगी।'

'हमें मालूम हो चुका है।'- जान्सी बोला- 'हमें जेल के कर्माण्डर ने बताया था- तुम्हारे बारे में एण्ड्रेसी डट में सब को जानकारी हो चुकी है।'

'सबको नहीं।'- काउन्ट बोला- 'मैं उनके साथ गद्दारी करता रहा हूं, वह बात केवल फरमिंट को मालूम है कि मुझे मालूम हो गया है कि मेरा भेद खुल चुका है और अब मैं कभी लौटकर एन्ड्रेसी डट में नहीं आऊंगा।'

'फरमिट को कैसे मालूम हो गया है?'

'मेरे व्यवहार से । हैडक्वार्टर के उस कमरे में मैं उसे हाथ पांव बांधकर और मुंह में कपड़ा ठूंसकर छोड़ आया हूं। मेरी इस हरकत के बाद उसे मेरे इरादों के बारे में कतई संदेह नहीं रह गया होगा।'

'लेकिन किस्सा क्या था?' - जेम्स बांड ने पूछा ।

'शुरू से बताता हूं' काउन्ट मुस्कराता हुआ बोला-सुबह एन्ड्रेसी डट में मुझे आदेश मिला था कि मैं कैप्टेन काल-मान जोल्ट और आठ सैनिकों को लेकर गोडोलो चला आऊं। मैं गोडोलो की ओर चल पड़ा। चीफ फरमिट के व्यबहार से मैं संदिग्ध हो उठा था। चीफ अच्छा अफसर जरूर है लेकिन अच्छा एक्टर नहीं। मैंने फरमिंट के कमरे में लगे एक शीशे में फरमिट को बड़े ही विचित्र नेत्रों से अपनी ओर घूरते देखा था। मुझे लगने लगा कि स्थिति में जरूर कोई अन्तर आ गया है। अभी पिछले सप्ताह तो उसने मुझे सीक्रेट पुलिस का सबसे योग्य अफसर कह-कर मेरी तारीफ की थी और आज बह

मुझे यूं अजनबियों की तरह घूर रहा था। गोडोलो पहुंचने पर अनजाने में ही कैप्टेन जोल्ट ने जिक्र कर दिया था कि उसने कर्नल हीदस के शोफर से सुना था कि हीट्स जारहाजा जेल जाने वाला था। मैं सोच में पड़ गया। आाखिर कर्नल हीदस एकाएक जारहाजा क्यों जा रहा था।'

काउन्ट एक क्षण रुका और फिर बोला- 'फिर एकाएक युझे सब कुछ समझ में आ गया। मुझे रास्ते से हटाने के लिये खामखाह गोडोलो भेजा गया था। फिर मुझे एकाएक बात संदिग्ध लगने लगी। मुझे जरूरत से ज्यादा आसानी से मालूम हो गया या कि मैक्स ओल्गर जारहाजा जेल में था और उससे भी ज्यादा आसानी से मुझे फरमिट के कमरे में घुस कर नकली पेपर तैयार करने का मौका मिल गया था। फिर मुझे याद आया कि फर-मिट ने मुझे अपने कमरे में घुसने का बड़ा नपा तुला मौका दिया था। उसी ने मुझे बताया था कि फलां समय वह दूसरे बिंग में अफसरों की एक मीटिंग में शामिल होने जा रहा है ताकि मुझे मासूम हो जाये कि उस समय वह अपने कमरे में नहीं होगा और जल्दी लौटेगा भी नहीं।'

'उन्हें तुम पर सन्दह कैसे हो गया?'- जान्सी ने पूछा ।

'इसी बात से तो मैं हैरान हूं। अड़तालीस घंटे पहले तक मैं बुडापेस्ट में सीक्रेट पुलिस का सबसे अधिक विश्वसनीय अफसर था। उतने ही समय में भगवान जाने क्या हो गया?'

'फिर क्या हुआ ?'- जेम्स बांड ने उतावले स्त्रर से पूछा ।

'फिर मशीन की तरह मेरा दिमाग काम करने लगा। मुझे अनुभव हुआ कि मेरे गद्दार होने के बारे में अभी फमिट और हौदस के अतिरिक्त किसी को मालूम नहीं था। उन्होंने जानबूझ कर किसी को नहीं बताया था कि मेरे कानों में भनक न पड़ जाये - कैप्टेन जोल्ट तो गधा था और वह उस समय भी मुझे अपना सीनियर और सीक्रेट पुलिस का ईमानदार अफसर समझ रहा था। गोडोलो पहुंच कर मैंने अपने साथ के आठ सैनिकों को कहा कि सादी वदियों में नगर के होटलों और रेस्टारेंटों में घूमें और जनता में ऐसे लोगों को पहचानने का प्रयत्न करें जो साम्यवाद के विरुद्ध प्रचार करने का प्रयत्न करते हैं। सैनिकों को भेजने के बाद मैं जोल्ट को साथ लेकर नगर का चक्कर लगाने के लिए चल दिया। एक सुनसान स्थान पर पहुंच कर मैंने एकाएक जोल्ट की छाती पर पिस्तौल रख

दी। उसका सीक्रेट सर्विस का पहचान पत्र और आइडेन्टिटी कार्ड वगैरहा अपने कब्जे में कर लिया और फिर उसके हाथ पांव बांध कर उसे एक ऐसे स्थान पर बन्द कर दिया जहां से वह खुद हरगिज न निकल सके। फिर मैं उल्टे पांव बुडापेस्ट लौट आया और सीधा एन्ड्रेसी डट पहुंचा । वहां पहुंच कर मुझे और भी अच्छो तरह विश्वास हो गया कि

अभी फरमिट या हीदस ने मेरी गद्दारी की बात को आम नहीं किया है। फरमिंट के कमरे तक पहुंचने तक हर किसी ने मुझे उच्चाधिकारी होने के नाते सैल्यूट किया।'

'वाह!'- जान्सी बोला ।

'मुझे सामने देख कर फरमिट यूं हक्का बक्का रह गया जैसे उसने भूत देख लिया हो। हैरानी से खुले हुये उसके मुंह में मैंने अपने रिवाल्वर की नाल घुसेड़ दी। बेचारे को अपनी मेज के जास पास लगे उन बीसियों अलार्म बटनों में से किसी एक को भी दबाने का मौका नहीं मिला जो ऐसी एमरजेंसी में उसकीजान बचा सकते थे। मैंने उसके मुंह में कपड़ा ठूंस दिया और फिर उत्स्ने अपने हैंड राइटिंग में मेरे बताये ढंग से एक पत्र लिखने के लिए कहा। फरमिट बहादुर आदमी है लेकिन जब सिर पर साक्षात मौत खड़ी हो तो सारी बहादुरी निकल जाती है। मेरे बताये ढंग से उसने पत्र लिख दिया। पत्र जारहाजा जेल के कमांडर के नाम था और जेल का कमांडर फरमिट के हैंड राइटिंग को अपनी सूरत की तरह पहचानता था। पत्र में मैंने फरमिंट से लिखवामा कि तुम दोनों और मैक्स ओल्गर तीनों कैदी कैप्टेन जोल्ट के अर्थात मेरे हवाले कर दिये जायें। फिर मैंने उस पत्र पर उसके हस्ताक्षर करवाये, उस पर उसके दफ्तर की जरूरी मोहरें लग-वाथीं। पत्र को एक लिफाफे में बन्द करवाया और लिफाफे पर उसकी वह निजी विशेष सील लगवाई जिसकी जानकारी सारे हंगरी में दस बारह से ज्यादा आदमियों को नहीं है। सौभाग्यवश उस सील की जानकारी मुझे भी थी।'

काउन्ट एक क्षण के लिये रुका और फिर बोला- 'बीस मीटर लम्बी कपड़े की रस्सी मैं अपने साथ लेकर गया था। मैंने फमिंट को उसकी कुर्सी के साथ इस बुरी तरह बांध दिया कि उसके सारे शरीर में आंखें और भवें ही ऐसे अंग थे अंग थे जो हिल सक थे। फिर मैंने फरमिंट की मेज से वह टेलीफोन उठाया जिसका जारहाजा जेल के कमांडर से सीधा सम्पर्क था। फिर मैंने टेली-फोन पर फरमिंट की आवाज की शत प्रतिशत नकल करते हुये कमांडर को कहा कि मैं कैप्टेन जोल्ट को उसके पास भेज रहा हूं वह तीन

कैदियों को उसके सुपुर्द कर दें। कैप्टेन जोल्ट मेरे अपने हाथ का लिखा हुआ आदेश पत्र लेकर आ रहा है। पत्र के लिफाफे पर मेरी निजी सील लगी हुई है। कमांडर हर चीज को अच्छी तरह चैक कर के कैदियों को जोल्ट के हवाले कर दे। मैंने उसे चेतावनी दे दी कि कहीं कोइ गड़बड़ नहीं होनी चाहिये- और बात को फिनिशिंग टच देने के लिये उसे धमकी दे दी कि अगर कोई गड़बड़ हुई तो उसे साइबेरिया के लेबर कैम्प में भेज दिया जायेगा ।'

'लेकिन कर्नल हीदस भी तो जेल में आया था।'- जेम्स बांड उत्सुक्तापूर्ण स्वर से बोला- 'मान लो जिस समय तुमने टेलीफोन किया था उस समय अगर वह वहीं होता तो?'

'तब तो मामला और भी आसान हो जाता।'- काउन्ट हंसता हुआ बोला- 'मैं हीदस को ही आदेश दे देता कि वह कैदियों को अपने साथ वापिस ले आये और फिर कहीं रास्ते में उसे रोक कर तुम्हें रिहा कर लेता।'

'आई सी!'

'फिर मैंने फरमिंट की ही आवाज में बाहर के कमरे में बैठे उसके सैक्रेट्री से बात की। टेबल के माइक्रोफोन पर मैंने उसे कहा कि अगले तीन घंटे तक किसी भी सूरत में मुझे डिस्टर्ब न किया जाये जाहे कोई कैबिनेट मिनिस्टर ही मुझसे मिलने क्यों न आया हो। उसके बाद फरमिंट की ही आवाज में मैंने ट्रांसपोर्ट राँड को फोन किया और कहा कि फौरन एक लारी और चार आदमी मेजर होवार्य के लिये मुख्य द्वार पर भेज दिये जाएं। मुझे आद-मियों की जरूरत नहीं थी लेकिन जेल में कमांडर के सामने दिखाया करने के लिये आदमियों की मौजूदगी बहुत जरूरी थी। अगर मैं जेल में कैदियों को वापिस लाने के लिये अकेला जाता तो कमांडर को सन्देह हो जाता।' जेम्सबांड ने प्रशंसात्मक दृष्टि से काउन्ट की ओर देखा ।

'फिर मैंने फरमिट के शरीर का बंडल सा बना कर उसे उसके कमरे की एक अलमारी में डूंसा, अलमारी को बाहर से ताला लगाया, फमिट के कमरे से बाहर निकल कर कमरे को बाहर से ताला लगाया चाबी अपनी जेब के हवाले की। हैडक्वार्टर से बाहर निकला और फिर जारहाजा जेल की ओर रवाना हो' गया। बाद में जो कुछ हुआ वह आप लोगों ने देखा ही था। लेकिन जेल में मेरी सूरत देखते ही जेम्सबांड ने तो गड़बड़ कर ही दी थी। तुम

मुझे मेजर होवार्थ के नाम से पुकारने लगे थे । अगर तभी मैंने तुम पर आक्रमण कर के तुम्हारा मुंह न बन्द कर दिया होता तो वहीं खेल खत्म हो जाता ।'

जेम्सबांड ने हाथ उठा कर धीरे से उस स्थान पर अपने ऊपर के होंठ को छुआ जहां चमड़ी कट गई थी और जहां अब खून की पपड़ी जमी हुई थी।

'आई एम सॉरी-- जेम्सबांड लज्जापूर्ण स्वर से बोला ।

'नाट एट आल, मैन काउन्ट बोला- 'विशेष रूप से अब जब कि हम किला फतह कर चुके हैं।'

जेम्सबांड चुप रहा। उसे सूझ नहीं रहा था कि वह किन शब्दों में काउन्ट का और जान्सी का भी धन्यवाद करे।

मेन रोड पर आने से पहले ही काउन्ट ने गाड़ी को पेड़ों के एक झुरमुट में रोक दिया।

'क्यों?'- जेम्सबाण्ड ने पूछा।

'जेल के कमांडर ने मुझे बताया था कि कर्नल हीदस तीन घण्टे में वापिस लौटने के लिए कह गया है। समय हो गया है। वह लौटता होगा। वह गुजर जाये, तभी हम आगे बढ़ेंगे। अगर कर्नल हीट्स ने सड़क पर सीक्रेट पुलिस की लारी चलती देख ली तो सम्भव है वह इन्क्वायरी के लिए लारी रुकवा ले।'

'लेकिन क्या यह अच्छा नहीं होगा कि हम कर्नल हीदस को जेल वापिस पहुंचने ही न दें।'- जेम्सबांड बोला- 'ऐसे कैदियों के गायब हो जाने की उसे खबर होगी और फिर हमारी तलाश शुरू होगी।'

'कोई फायदा नहीं होगा।'- काउन्ट बोला-'कोको और बाकी जिन तीन आदमियों को हम जंगल में छोड़ आये हैं वे अधिक से अधिक एक घण्टे में जेल वापिस पहुंच जायेंगे और फिर वैसे ही कैदियों के भाग निकलने की खबर फैल जायेगी।'

'हमें उन आदमियों को शूट कर देना चाहिए था।'

काउन्ट एक क्षण चुप रहा और फिर धीरे से बोला 'हम खामखाह निर्दोष आदमियों का खून बहाने में विश्वास नहीं रखते मिस्टर बांड ।'

जेम्स बांड ने सिर झुका लिया ।

'और वैसे भी कर्नल हीदस को रास्ते में रोक पाना असम्भव है। कर्नल हीदस तीन टन वजन की ठोस स्टील की बुलैट-प्रूफ शीशों वाली कार में सफर करता है। ऐसी कार को रोकने के लिए तो डायनामाइट या टैंक की जरूरत पड़ेगी।'

'लेकिन शायद कर्नल हीदस की कार पहले ही यहां से गुजर चुकी हो।' जान्सी बोला ।

'कुछ देर प्रतीक्षा कर लेने में कोई हर्ज नहीं है।'- काउन्ट बोला ।

उसी क्षण एक बलशाली इंजन की आवाज उसके कानों में पड़ी और फिर एक ट्रक जैसी विशाल कार तेज रफ्तार से चलती हुई सड़क से गुजर गई। कार के दृष्टि से ओझल होते ही काउन्ट धारी को मुख्य सड़क पर ले आया और उसे बुडापेस्ट की ओर ड्राइव करने लगा।

एक स्थान पर उसने लारी रोकी और फिर पेड़ों की ओट में से निकल कर बर्फ से अटे हुये दो आदमी भूत की तरह लारी के समीप पहुंचे। वे सैण्डर और जिम थे। सैण्डर की बगल में एक बवसा दबा हुआ था। दोनों लारी के पृष्ठ भाग में प्रवेश कर गए। तत्काल ही लारी फिर सडक पर दौड़ गई।

'इस बक्से में क्या है?'- जेम्सबांड ने सैण्डर से पूछा ।

उत्तर काउन्ट ने दिया- 'यह टेलीफोन की लाइन टेप करने का सामान है। जेल' की ओर जाते समय मैं थोड़ी देर के लिए पटोली में रुका था। वहां मैंने सैण्डर को जेल के पास तक आने के लिए बेहा था। उसने जेल के समीप पहुंच कर एण्ड्रेसी डट और जेल में सीधा सम्पर्क बनाने वाली लाइन को इस बक्से की लहायता से टेप कर दिया था। मेरे पहुंचने के बाद अगर जेल के कमाण्डर को फिर भी सन्देह होता और वह फरमिन्ट से फोन पर बात करके दुवारा पुष्टि करना चाहता तो एण्ड्रेसी डट में फरभिन्ट के कमरे

में जाती हुई काल को सैण्डर रास्ते में ही रिसीव कर लेता और कमाण्डर को सन्तोषजनक उत्तर दे देता । कमाण्डर से टेलीफोन पर बात करते समय मैंने दो तीन बार हींका था और मैंने कमाण्डर को कहा था कि शायद मुझे ठण्ड लग गई है और जल्दी ही जुकाम होने वाला है। बाद में सैण्डर उसते बात करते समय घुटी हुई आवाज में और ज्यादा छींकता हुआ बात करता। टेलीफोन पर कमाण्डर सैण्डर की बिगड़ी हुई आवाज सुनकर यही समझता कि फरमिन्ट का जुकाम तेज हो गया है। लेकिन अच्छा हुआ इसकी जरूरत ही नहीं पड़ी।'

'ओ माई गाड' जेम्सबांड गहरे प्रशंसात्मक स्वर से होला- 'तुम्हें तो मामूली से मामूली वात नहीं भूलती ।'

काउन्ट मुस्कराया।

'एक बात बताओ।'- जेम्सबांड फिर बोला । पूछो।'

'कमाण्डर तुम्हें कैप्टन जोल्ट के नाम से पुकार रहा था।

जब कि कोका और उसके बाकी तीन साथी तुम्हें मेजर होवार्थ के नाम से जानते थे। फिर उन्हें सन्देह क्यों नहीं हुआ ?'

'क्योंकि मैंने रास्ते में ही उन लोगों को समझा दिया था कि किसी विशेष कारण वश, जेल में कमाण्डर मुझे कैप्टन जोल्ट के नाम से पुकारेगा। वह विशेष कारण क्या था वह उन्हें फर-मिन्ट खुद बतायेगा। फरमिन्ट का नाम बीच में आ जाने पर किसी को दुबारा कुछ पूछने का हौसला नहीं हुआ ।'

"आई सी!'

'सैण्डर ने दूसरा महत्वपूर्ण काम यह किया है कि वह जार-हाजा जेल को बाहर की दुनिया से कनैक्ट करने वाली टेलीफोन की तार काट आया है। अब हीदस जेल में काउण्ट के कमरे में बैठा अपने बाल नोंच रहा होगा क्योंकि अब वह हमें रोकने का निर्देश देने के लिए बुडापेस्ट टेलीफोन भी नहीं कर सकता।'

'□□□□ □□' □□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□ □ □□□ □□□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□ □

□□□ □□□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□ □□ □□□□ □□□□□□ □□□□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□□ □□□□ □□ □□□□□ □□ □□□ □□□, □□□□□□ □□ □□ □□□□□ □□ □□□ □□□□□□ □□□□□□ □□□□□□□□□□□□□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□□

□□□□□ □□□□□ □□□□ □□, □□□□□□ □□ □□□ □□□□□□□ □□□□ □□ □□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□□□□□ □□□ □□□□□ □□ □□□ □□ □□ □□ □□□□□□□ □□□ □□□□ □□ □□ □□□□□□□□□ □□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□□□□ □□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□ □□□ □□ □□ □□□□ □□ □

□□ □□□□ □□□□□□□□ □□ □□□ □□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□□□, □□□□□□, □□□□□□, □□□□□ □□ □□□ □□ □□□□ □□ □□□ □□□

□□□□□□□ □□□□□□□ □□ '□□' □□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□□ □□□□ □□□□□□□ □□ □□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□□□□□□□□ □□□□□ □□ □□□ □□□□ □□□□□ □□□

□□□□□□ □□ □□□□ □□□□□□□□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□ □

***** □□□□□□ *****

sjeet

□□□□□□□□□ □□□□ □□□□

□□ □□ □□

□□□□ □□□□□□□ :

□□□□□ □□□□ □□□

□□□□□□□□□ □□□

'तुम्हें फिर बुडापेस्ट जाना है।'- 'एम' गम्भीर स्वर में बोला ।

जेम्सबांड के चेहरे पर कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई। वह चुप-चाप बैठा रहा और 'एम' के दोबारा बोलने की प्रतीक्षा करने लगा ।

इलेक्ट्रानिक पल्सर के माध्यम से उसे यह संकेत दिया गया था कि उसकी ब्रिटिश इन्टैलीजेन्स के हैडक्वार्टर पर तुरन्त जरूरत थी।

इलैक्ट्रानिक पल्सर, जेम्सबांड की कलाई पर बंधी घड़ी में फिट था। जब अन्य किसी भी माध्यम से जेम्स बांड से सम्पर्क स्थापित कर पाना असम्भव हो जाता था तो उसे इलैक्ट्रानिक पल्सर पर संकेत दिया जाता था। ज्यों ही इलैक्ट्रानिक पल्सर से दिल की धड़कन जैसी आवाज निकलनी आरम्भ हुई जेम्स बांड ने हैडक्वार्टर का रुख कर लिया। रिकार्ड टाइम में वह ब्रिटिश इन्टेलीजेन्स के ००७ विभाग के चीफ 'एम' के सामने हाजिर हो गया ।

'आपरेशन क्या है? - 'एम' को काफी देर तक बोलता न पाकर जेम्सबांड ने प्रश्न किया ।

एक कम्यूनिस्ट वैज्ञानिक हमसे राजनैतिक शरण मांग रहा है।। बह हंगरी से डिफैक्ट करके इंगलैंड आना चाहता है।'

'वजह!'

'वही जो अक्सर होता है। वह कम्यूनिस्टों की विचारधारा से सन्तुष्ट नहीं। वह नहीं चाहना कि उसके वैज्ञानिक ज्ञान को विध्वंसक अस्त्र-शस्त्र बनाने के लिए इस्तेमाल किया जाये। यह तीसरे महायुद्ध की तैयारी करने वाली मशीनरी का पुर्जा, नहीं बनना चाहता। उसका कहना है कि उसकी अन्तरात्मा पुकार-पुकार कर कह रही है कि एक युद्ध प्रिय मित्र राष्ट्र के लिए काम करने से एक शांति प्रिय शत्रु राष्ट्र के लिए काम करना कहीं बेहतर है और यह कि थोथी राष्ट्रीयता की भाव-नाओं से प्रभावित होक सृष्टि के संहार के कार्यों में योगदान देना इतना भयंकर अपराध होगा जिसके लिए उसका खुदा उसे कभी माफ नहीं करेगा।'

'खुदा! वह कम्यूनिस्ट वैज्ञानिक खुदा में विश्वास करता है?'

'शायद करता हो। शायद अब करने लगा हो। बहरहाल हमें उसके निजी ख्यालों में नहीं उसके विज्ञान के ऊंचे ज्ञान में दिलचस्पी है। सुनने में आया है कि वह वैलास्टिक्स और बैला-स्टिक मिसाइल के हायर मैथिमैटिक्स का बहुत बड़ा एक्सपर्ट है और इस समय कम्यूनिस्टों के लिए काम करने वाले गिने चुने तीन चार महानतम वैज्ञानिकों में से एक है। वैसे भी हमें इस वक्त एक इस प्रकार के ऊंची वैज्ञानिक क्षमता वाले आदमी की बहुत जरूरत है। हमारे टाप साइन्टिस्ट प्रोफेसर हैरोल्ड जेनिम्स की मृत्यु हो चुकी है और उनकी वजह से हमारे कई बड़े-बड़े प्रोजेक्ट हमारे अन्य वैज्ञानिकों के काबू में नहीं आ रहे हैं। वर्त-मान स्थिति में वह कम्यूनिस्ट वैज्ञानिक अगर हमारे हाथ में आ जाये तो हमारे अपने वैज्ञानिकों को भारी राहत मिल सकती

'समस्या क्या है?'- जैम्सबांड तनिक व्यग्र स्वर से बोला - 'बह कम्यूनिस्ट वैज्ञानिक हमारे देश की शरण में आना ही चाहता है तो ।'

'समस्या एक नहीं, कई हैं'- 'एम' बोला- 'और सभी बहुत विकट हैं। पहली समस्या तो उस वैज्ञानिक को हंगरी से निका-सने की ही है। कहने की जरूरत नहीं कि इतने महत्वपूर्ण आदमी की कम्यूनिस्ट हर प्रकार से हिफाजत करते होंगे। हंगेरियन सीक्रेट पुलिस का देश के महत्वपूर्ण आदमियों की हिफाजत का अपना तरीका है। वह कम्यूनिस्ट वैज्ञानिक बुडा-पेस्ट में रहता है और उसकी हंगेरियन सीक्रेट पुलिस

के आद-मियों द्वारा पूरी निगरानी की जाती है। निगरानी का मतलब यह मत समझना कि उसकी हैसियत किसी कैदी जैसी है। और उसकी कहीं आबा-जाही पर रोक-टोक है। वह बड़ी स्वच्छन्दता से हंगरी में कहीं भी घूम फिर सकता है। अक्सर सीक्रेट पुलिस के आदमी उसे पता नहीं लगने देते कि वे उसकी निगरानी कर रहे हैं लेकिन वह बूढ़ा वैज्ञानिक जानत्म जरूर होगा कि उसकी हिफाजत के लिए सीक्रेट पुलिस हर वक्त उस पर निगाह रखती है। कहने का मतलब है कि यह सम्भव नहीं है कि वह कम्यूनिस्ट वैज्ञानिक बुडापेस्ट से हवाई जहाज पर सवार हो और सीधा लन्दन में आ उतरे। सीक्रेट पुलिस उसे कथित इम्पीरियलिस्ट देश में कदम क्यों रखने देगी?"

'यानि कि मुझे उस कम्यूनिस्ट वैज्ञानिक को हंगरी से निकालकर इंगलैंड लाना है?'

'करेक्ट ।'

'उस कम्यूनिस्ट वैज्ञानिक का नाम क्या है?'

मालूम नहीं।'

'जी!' जेम्स बांड चौंका।

'मालूम नहीं।'- 'एम' ने धीरे से दोहराया।

'तो फिर.. तो फिर---।'

'मैंने तुम्हें पहले ही बताया था कि समस्या एक नहीं कई हैं और यह कोई नया आपरेशन नहीं इस पर पहले भी काम हो चुका है।'

'क्या मतलब?'

'उस कम्यूनिस्ट वैज्ञानिक के इरादों के बारे में हमें पहली बार भनक तब मिली थी जब तुम आपरेशन चायनीज ड्रैगन के दौरान चीन में थे। एक बिचौलिए के द्वारा हम तक यह सूचना पहुंची थी कि बुडापेस्ट का कोई कैम्यूनिस्ट वैज्ञानिक इंगलैंड में शरण चाहता है। हमें यह सुझाया गया था कि हम तुरन्त अपना कोई एजेन्ट वियना भेज

दें। वहां गोलनर नाम का एक व्यक्ति हमारे एजेन्ट से सम्पर्क स्थापित करेगा। गोलनर हमारे एजेन्ट को बताएगा कि वह कम्यूनिस्ट वैज्ञानिक कौन है जो इंगलैंड डिफैक्ट करना चाहता है। मैंने जान किटसन को वियना भेजा । गोलनर किटसन को अपने साथ ही बुडापेस्ट ले गया और वहीं उसने किटसन को उस कम्यूनिस्ट वैज्ञानिक का नाम बताया। किटसन को चाहिए था वह उस वैज्ञानिक के बारे में मुझे सूचना भिजवाता। अब पता नहीं सूचना उसने भिजवाई नहीं या वह भिजवा पाया नहीं लेकिन वर्तमान स्थिति यह है कि गोलनर को वियना के होटल में कुछ अज्ञात व्यक्तियों द्वारा शूट कर दिया गया है। किटसन बुडापेस्ट में हंगेरियन सीक्रेट पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया है। हमारा विचौलिया गधे के सिर से सींग की तरह गायब हो गया-शायद वह भी मार डाला गया हो-और हमें अभी भी उस कम्यूनिस्ट वैज्ञानिक का नाम नहीं मालूम है जो इंगलैंड की शरण में आना चाहता है। फायदा कुछ भी नहीं हुआ। नुकसान यह हुआ कि हमारा एक आदमी कम्यूनिस्टों के जाल में फंस गया।'

'किटसन हमारा कुछ नुकसान कर सकता है?'

'नहीं कर सकता। हंगेरियन सीक्रेट पुलिस टार्चर करके हमारी आर्गेनाइजेशन के बारे में कुछ जानना चाहेगी तो काम-याब नहीं हो सकेगी, इसलिए नहीं क्योंकि वे किटसन की जुबान नहीं खुलवा पाएंगे बल्कि इसलिए कि किटसन कुछ जानता ही नहीं है। पिछली बार जब उन्होंने हमारे एजेन्ट मैक्स ओल्गर को भिरफ्तार किया था तब वे हमारा बहुत नुकसान कर सकते थे लेकिन पहले मैवस ओल्गर अधिक टार्चर किए जाने के कारण पागल हो गया था और फिर तुम उसे बुडापेस्ट से उनके चंगुल से निकाल भी लाये
थे लेकिन इस बार किटसन से उन्हें कुछ हासिल होने वाला नहीं है। किटसन को वे एस्पियानेज के इलजाम में पांच साल की सजा दे लेंगे, अपने अखबारों के माध्यम से हमें गालियां सुना लेंगे और छुट्टी। बदला उतारने के लिए हम यहां उनका कोई आदमी पकड़ लेंगे, उसे कम्यूनिस्ट स्पाई घोषित कर देंगे और उसे उतती सजा दिलवा देंगे
जितनी वे हंगरी में किटसन को देंगे।

'एम' एक क्षण रुका और फिर बोला- किटसन एक मामूली एजेन्ट था। ऐसे ऐजेन्ट को खो कर हमारी आर्गेनाईजेशन को कोई भारी क्षति नहीं पहुंचती लेकिन इस सिलसिले में
किटसन का महत्व इसलिए बढ़ गया है क्योंकि उसे मालूम है कि कौन सा कम्युनिस्ट

वैज्ञानिक हमारी शरण में आना चाहता है। उस वैज्ञानिक का नाम हमें केवल किटसन बता सकता है और किट-सन बुडापेस्ट में कैद है।'

'कहां?'

मालूम नहीं। सम्भव है वह हंगेरियन सीक्रेट पुलिस के हैड बवार्टर एन्ड्रेसी डट के किसी टार्चर चैम्बर में हो। सम्भव है बह सारे हंगरी में बदनाम जारहाजा जेल में हो। लेकिन सम्भा-वना उसके अभी बुडापेस्ट में ही होने की है। साधारणतया जब तक पर मुकद्दमा चलाकर उसे सजा नहीं सुनाई जाती तब तक उसे बुडापेस्ट में ही रखा जा सकता है, कैदियों के लेबर कैम्प कान्सटान्टा में भी भेजा जा सकता है, यहां तक कि साइबेरिया में भी भेजा जा सकता है। कहने का मतलब यह है कि मुकद्दमे के बाद में तो हमें किटसन की हवा भी नहीं मिलेगी।'

'यानि कि मुझे बुडापेस्ट जाकर किटसन को सजा होने से पहले उसको तलाश करना है, उससे कम्यूनिस्ट वैज्ञानिक का नाम जानना है और फिर उस वैज्ञानिक को हंगरी से से निकाल कर इंगलैंड लाना है?"

'हाँ'- 'एम' ने दृढ़ आवाज़ में कहा।

जेम्सबांड चुप रहा ।

'जो बात तुम्हारी जुबान से नहीं निकल रही, वह तुम्हारे चेहरे पर लिखी हुई है। यह काम तुम्हें असम्भव मालूम हो रहा है।'

'दिस इज ए वैरी टाल आर्डर'- जेम्सबांड सुसंयत स्वर से बोला ।

'मुझे मालूम है। साथ ही मुझे यह भी मालूम है कि तुम यह काम कर सकते हो। वर्तमान स्थिति में यह आपरेशन असम्भव मालूम होता है। लेकिन मुझे विश्वास है कि नौबत आने पर तुम कामयाबी की कोई न कोई सूरत जरूर निकाल लोगे । दुनिया में कोई काम असम्भव नहीं होता। कोशिश करने पर हर असम्भव काम सम्भव हो जाता है।'

'मेरी वजह से हंगेरियन सीक्रेट पुलिस पहले ही दो बार हार का मुंह देख चुकी है। (देखिए उपन्यास 'हंगरी में हंगामा' 'और 'आपरेशन बुडापेस्ट') तीसरी बार उनसे रंचमात्र भी असफलता की अपेक्षा करना, मूर्खता होगी और फिर वे लोग मुझे पहचानते हैं। मेरा हुलिया हंगेरियन सीक्रेट पुलिस के एक-एक आदमी में फिराया जा चुका होगा।'

. 'फिर भी इस आपरेशन के लिए मैंने तुम्हें ही चुना है। तुम मेरे विभाग में सबसे योग्य एजेन्ट हो। तुम बुडापेस्ट की और वहां के जनजीवन की, वहां की भाषा वगैरह की पूरी जानकारी रखते हो। तुम दो बार वहां से कामयाब होकर लौट चुके हो। और सबसे बड़ी बात यह है कि तुम बुडापेस्ट में जान्सी के सम्पर्क में आ चुके हो। जान्सी केवल तुम्हें पहचानता है।'

'जान्सी!'- जेम्सबांड के मुंह से अपने आप निकल गया। उसकी आंखों के सामने उस महान व्यक्तित्व का चेहरा घूम गया ।

करैक्ट । जान्सी वह अकेला इन्सान है जिसकी मदद से तुम्हें इस असम्भव मिशन में कामयाबी हासिल हो सकती है। बुडापेस्ट पहुंचते ही तुम्हारा पहला काम होगा जान्सी या उसकी रिजीस्टेंस मूवमेंट के किसी सदस्य से सम्पर्क स्थापित करना।'

जेम्स बांड की आंखों के सामने काउन्ट, हेलेन, सैंडर और जिम की सूरतें घूम गईं।

'आपका अपने मित्र जान्सी से कोई सम्पर्क है?'- जेम्स बांड ने पूछा।

'नहीं।'

'तो फिर जान्सी जब तक खुद न चाहे मेरा उसे बुडापेस्ट में तलाश कर पाना असम्भव है। जान्सी एक आदमी का नहीं एक चलते फिरते प्रेत का नाम है। सारी हंगेरियन सीक्रेट पुलिस लाख सिर पटकने के बावजूद भी जिस आदमी को तलाश नहीं कर पाई उसे मैं अकेला और फौरन कैसे तलाश कर लूंगा?'

'जान्सी को तुम तलाश नहीं कर पाओगे लेकिन जान्सी तुम्हें तलाश कर लेगा। तुम्हें बुडापेस्ट भेजने की सबसे बड़ी वजह यही है। जान्सी और उसके साथी

तुम्हें पहचानते हैं और जानते हैं कि तुम ब्रिटिश इन्टैलीजेन्स के एजेन्ट हो इसलिए तुम्हें कोई ऐसा सिलसिला बनाना होगा कि बुडापेस्ट में तुम्हारी मौजूदगी उसकी निगाहों में आ जाए। फिर मुझे उम्मीद है वै खुद ही तुम से सम्पर्क स्थापित करेंगे।'

'शायद न करें।'

'शायद करें। तुम तसवीर का आशावादी रुख देखो, मिस्टर बांड ।'

'मैंने केवल सम्भावना जाहिर की थी।'

'अच्छा किया था। याद करो, पहली बार जब तुम प्रोफेसर हैरोल्ड जेनिंग्स की रिहाई के सिलसिले में बुडापेस्ट गये थे तो तुम हंगरी में कदम रखने के फौरन बाद बार्डर पर ही गिरफ्तार कर लिए गए थे। मेजर होवार्थ ने कर्नल जेन्सी के रूप में तुम्हें पुलिस की गिरफ्त से निकाला था और तुम्हें सीधा रिसीस्टेंस भूवमेंट के जान्सी से पहले लीडर सिरोव के हैडक्वार्टर पर ले आया था और तुम्हारी मुश्किल आसान हो गई थी जबकि वास्तव में सम्पर्क का तरीका यह तय हुआ था कि तुम्हें बुडापेस्ट के एक फोटोग्राफर की दुकान का पता दिया गया था। तुमने उस फोटोग्राफर की दुकान पर एक निश्चित समय पर रोज जाना था और रोज एक आठ मिलीमीटर की फिल्म खरीदनी थी। वह काम तुम्हें तब तक जारी रखना था जब तक कि सम्पर्क स्था-पित न हो जाए (देखिए उपन्यास 'हंगरी में हंगामा') यही तरीका तुम इस बार दोहराओगे। मुझे उम्मीद है कि तुम जान्सी से सम्पर्क स्थापित करने में सफल हो जाओगे ।'

'यह तरीका सिरोव के साथ तय हुआ था लेकित सिरोव मर चुका है, मेजर होवार्थ मर चुका है, इमर मर चुका है जूलिया मर चुकी है।'

'मुझे मालूम है फिर भी पिछले ग्रुप का एक आदमी है जो जिन्दा है और आज जान्सी के साथ है।'

'सैंडर?'

'करैक्ट । मुझे उम्मीद है जान्सी की जानकारी में आने के लिए यह ट्रिक कामे कर जाएगी। तुम जान्सी तक पहुंच जा ओगे ।'

'फिर भी कोई फायदा नहीं होगा।'

'क्यों?'-'एम' के चेहरे पर बल पड़ गए।

'आपरेशन बुडापेस्ट के दौरान जान्सी ने मुझे स्पष्ट शब्दों में कहा था कि मैक्स ओल्गर के मामले में तो जो कुछ उनसे सम्भव होगा वे करेंगे लेकिन भविष्य में वे ऐसे किसी मामले में हरगिज भी हमारी सहायता नहीं करेंगे जो उन्हें नैतिक रूप में उचित नहीं लगता।'

'जान्सी मेरा दोस्त है।'

'उसने यह संदेश विशेष रूप से आपके लिये ही भिजवाया था कि उससे ऐसी किती सहायता की मांग न की जाये। उसने साफ कहा था कि जब कोई राष्ट्र किसी अन्य राष्ट्र में अपना स्पाई भेजता है तो बड़ी नीच हरकत करता है और ऐसे किसी राष्ट्र या उसके प्रतिनिधि की मदद करना उनके सिद्धान्तों के खिलाफ है।'

'तुम्हें जान्सी को मनाना होगा। तुम्हें उनको तैयार करना होगा कि वह अपने सिद्धान्तों के खिलाफ ही सही लेकिन कम से कम इस बार और हमारी मदद जरूर करें। उसने कहा था कि वह ऐसे मामलों में हरगिज हमारी सहायता नहीं करेगा जो उन्हें नैतिक रूप में उचित नहीं लगता। तुम्हें ऐसी कोशिश करनी है कि कम से कम इस बार उसे हमारी मदद करना नैतिक रूप से उचित लगने लगे ।'

जेम्स बांड चुप रहा ।

'जान्सी की मदद की हमें सख्त जरूरत है। जान्सी की मदद के बिना इस आपरेशन में कामयाब होना असम्भव है। तुम्हें किसी भी प्रकार जान्सी की मदद हासिल करनी है। तुम्हें किसी प्रकार वहां ऐसा वातावरण पैदा करना है कि जान्सी तुम्हारी मदद करने के लिए तैयार हो जाए।'

'मैं कोशिश करूंगा।'

'कोशिश नहीं।'- 'एम' मेज पर घूंसा जमाता हुआ बोला-'यह काम होना ही है और इसे तुम्हीं को करना है। मुझे पूरा विश्वास है कि वक्त आने पर तुम कोई न कोई ऐसी सूरत जरूर निकाल लोगे जिस से तुम्हें कामयाबी हासिल हो जाए। मैंने आज तक तुम्हें किसी मिशन में असफल होते नहीं देखा है। मेरा पूरा विश्वास है कि जो काम मेरा कोई ऐजेन्ट नहीं कर सकता उसे जेम्स बांड कर सकता है। जेम्स बांड, तुम्हें इस आपरेशन में कामयाब होना ही है।'

'मेरा बुडापेस्ट पहुंचने का क्या इन्तजाम है?' - जेम्स बांड ने विषय परिवर्तन करने की खातिर पूछा ।

'हां सुनो।' 'म' अपेक्षाकृत सुसंयत स्वर में बोला- 'संयोग की बात है कि तुम तीसरी बार बुडापेस्ट जा रहे हो और तीनों बार तुम्हें बेहद गंदे मौसम में जाना पड़ा। पिछली दो बार की तरह इस बार भी सारे हंगरी में बर्फ पड़ने लगी है और इस बार तो अस्थायी तौर से हवाई अड्डे भी बन्द कर दिये गए हैं। एयर ट्रैफिक बिल्कुल बन्द है इसलिए अपनी दूसरी यात्रा की तरह तुम हवाई जहाज से बुडापेस्ट नहीं जा सकते। पहली बार तुम गैर कानूनी ढंग से आस्ट्रिया और हंगरी का बार्डर क्रास करके हंगरी में दाखिल हुए थे और तुरन्त गिरफ्तार हो गए थे इसलिये वह तरीका भी खतरे से खाली नहीं है। इस बार अगर आपरेशन, शुरू होने से पहले ही तुम हंगरी में गिरफ्तार हो गए तो कोई कर्नल जेन्ड्रो तुम्हारी रिहाई के लिए बार्डर पर मौजूद न होगा और न ही कोई मेजर होवार्थ तुम्हें पुलिस के घेरे से निकालने के लिए आगे आएगा। अगर इस बार तुम पकड़े गए तो हंगेरियन सीक्रेट पुलिस तुम्हें गोली से उड़ाने में एक क्षण की भी देरी न लगाएगी। तुमने उनका बहुत नुकसान किया है कमांडर जेम्स बांड ।'

'और अभी और नुकसान करने जा रहा हूं।'

'करैक्ट ।। सफर के दौरान तुम्हारा नाम जोहान वुहल होगा। यह नाम तुम पहले भी इस्तेमाल कर चुके हो और इस नाम का आस्ट्रियन पासपोर्ट भी तुम्हारे पास है। वियना में तुम्हारी मुलाकात एक आस्ट्रियन परिवार के साथ करवा दी आदगी । वे लोग कार द्वारा रोमानिया की राजधानी बुडापेस्ट जा रहे हैं। रोमानिया वे हंगरी में

हंगरी में हो रही वर्फबारी की वजह से बार्डर पर सिक्योरिटी का इन्तजाम तगड़ा नहीं है। हमारा वह एजेन्ट किटसन को बड़ी सहूलियत से उस स्थान पर हंगरी- यूगोस्लाविया बार्डर क्रास करा देगा।'

'वैरी गुड ।'

'और कुछ?'

'बस ।'

'वियना तुम तुरन्त रवाना हो रहे हो। यहां से तुम सीधे हीथरो एयरपोर्ट पहुंच जाओ। एक आदमी तुम्हारे सामान और पासपोर्ट के साथ पहले से ही एयरपोर्ट पर इन्तजार कर रहा होगा। वियना एयरपोर्ट पर एक अन्य आदमी तुम्हें रिसीव करने के लिए मौजूद होगा। वह तुम्हें उस आस्ट्रियन परिवार के पास पहुंचा देगा जिसके साथ तुमने कार पर रोमानिया का सफर आरम्भ करना है।'

'ठीक है।' जेम्सबांड अपने स्थान से उठता हुआ बोला ।

'विश यू गुड लक ।'- 'एम' उसकी ओर हाथ बढ़ाता हुआ बोला ।

जेम्सबांड ने मजबूती से 'एम' का हाथ थाम लिया और होंठों पर मुस्कराहट लाता हुआ बोला- 'थैंक्यू ।'

उसने 'एम' का हाथ छोड़ दिया और लम्बे डग भरता हुआ 'एम' के आफिस से बाहर निकल गया ।

बाहरी आफिस में 'एम' की खूबसूरत सैक्रेट्री मिस मनीपेनी मौजूद नहीं थी और शायद इसलिए 'एम' ने बाहर तक जेम्स-बांड के साथ आना जरूरी नहीं समझा था।

जेम्सबांड बस द्वारा कोमारोम से बुडापेस्ट पहुंचा । पूर्व निर्धारित समय पर कार कोमा रोम के पास की पुलिया
पर रुकी थी। पुलिया और उसके आसपास का इलाका उजाड़ था। फिर एक आदमी जैसे जादू के जोर से कार के समीप प्रकट हुआ था। जेम्सबांड का ख्याल था कि वह पुलिया के नीचे

छुपा हुआ था। जेम्सबांड तुरन्त अपना सूटकेस सम्भाल कार में से निकल आया था। वह आदमी जेम्सबांड के स्थान पर कार में सवार हो गया था। पलक झपकते ही कार आगे बढ़ गई थी और दृष्टि से ओझल हो गई थी। सारे आपरेशन में मुश्किल से तीस सेकन्ड लगे थे।

जेम्सबांड ने जोहान बहल के नाम का अपना आस्ट्रियन पासपोर्ट अपने सूटकेस के तले में विशेष रूप से बनी एक गुप्त जेब में डाल दिया। आस्ट्रिया का नागरिक वह केवल बार्डर क्रास करने तक था। अब उसका नाम लाजोस राकोसी था। वह ईमा-नदार कम्यूनिस्ट था, पार्टी का मेम्बर था और हंगरी का नाग-रिक था जो अपने जीवन में कभी हंगरी से बाहर नहीं गया था। वह ग्योर का रहने वाला था और केवल सैर सपाटे के लिए बुडा-पेस्ट आया था। उसके पास कम्यूनिस्ट पार्टी का एकदम असली लगने वाला जाली मेम्बरशिप कार्ड था और तमाम अन्य काग-जात थे जो एक हंगरी के ईमानदार देशभक्त नागरिक के पास अपेक्षित होते हैं। स्टेट ट्रांसपोर्ट की बस द्वारा वह बुडापेस्ट पहुंचा।

बुडापेस्ट में वह एक बड़े ही मामूली होटल में ठहरा । होटल के रिसेप्शनिस्ट के कहे बिना ही उसने उसे अपने कागजात और पार्टी का मेम्बरशिप कार्ड दिखा दिया। रिसैप्शनिस्ट पर इसका उचित प्रभाव पड़ा। उसके नेत्रों में सम्मान के भाव झलक आए और उसने जेम्सबांड को अपने मामूली होटल के अपने विचार में सबसे बढ़िया कमरे में बुक कर दिया। जेम्सबांड ने बड़ी मासू-मियत से रिसेप्शनिस्ट से बुडापेस्ट के बारे में कुछ ऐसे सवाल पूछे जो नगर में नया आने वाला हर आदमी साधारणतया पूछता है और फिर अपने कमरे में आ गया।

उसने बड़ी सावधानी से कमरे का निरीक्षण किया। कमरा काफी सुरक्षित और सन्तोषजनक था। कमरा पहली मंजिल पर था और उसकी इकलौती खिड़की होटल के पिछवाड़े की गली में खुलती थी। खिड़की में छड़ें नहीं थीं और वह गली से इतनी ऊंची नहीं थी कि आवश्यकता पड़ने पर उसमें से नीचे गली में कूद कर भागा न जा सके। उसने सूटकेस में से अपना आस्ट्रियन प्रूफ लिफाफे में बन्द कर दिया। वह लिफाफा वह बाथरूम में पानी की टंकी के भीतर छुपा आया ।

अपने शोल्डर होलस्टर में उसने ६-३५ कैलिबर की अपनी बेल्जियन रिवाल्वर रखी और कोट के बटन बन्द कर लिए। उस रिवाल्वर को हैंडल करने की उसे महीनों ट्रेनिंग दी

गई थी। उस रिवाल्वर से वह एक इंच की गोलाई के टारगेट में बीस कदम की दूरी से दस बार में से दस बार निशाना लगा सकता था।

उसने अपनी घड़ी पर दृष्टिपात किया। सात बजे थे। बाहर बर्फ गिरनी आरम्भ हो गई थी।

जेम्सबांड ने अपना ट्रॅच कोट पहना, सिर पर वाटर प्रूफ फैल्ट हैट लगाई और कमरे से बाहर निकल आया। कमरे को ताला लगाकर वह नीचे उतरा। उसने रिसेप्शनिस्ट को चाबी सौंप दी और कमरे से बाहर निकल आया।

वह सीधा उस फोटोग्राफर की दुकान पर पहुंचा जिसका उसे पता बताया गया था। वह कई क्षण दुकान के शो केसों में मौजूद कैमरे और फ्लैश लाइटें वगैरह देखता रहा। फिर उसने दुकानदार से एक ८ मिलीमीटर की कैमरा फिल्म की मांग की और अर्थ-पूर्ण ढंग से उसकी ओर देखा। दुकानदार के चेहरे पर कोई भाव नहीं आया। उसने चुपचाप जेम्सबांड को फिल्म निकाल कर दे दी। जेम्सबांड फिल्म लेकर दुकान से बाहर निकल आया ।

अगले दो दिन यही सिलसिला दोहराया गया।

नतीजा कुछ भी नहीं निकला ।

तीसरे, दिन भी जब जान्सी के किसी आदमी ने उससे सम्पर्क स्थापित करने की कोशिश नहीं की तो जेम्सबांड बेहद चिन्तित हो उठा। सत्तरह तारीख हो गई थी। बीस तारीख तक जेम्सबांड को अपने मिशन में कामयाब होना था और अभी तक वह काम-याबी की दिशा में एक कदम भी नहीं बढ़ा पाया था।

अगले दिन वह अपनी जेबों में हाथ डाले और चेहरे पर गहन गम्भीरता के भाव लिए डेन्यूब नदी के किनारे टहल रहा था। होटल के रिसैप्शनिस्ट की निगाहों में वह टूरिस्ट था जो ग्योर से बुडापेस्ट की सैर करने के लिए आया था इसलिए वह दिन के समय होटल में नहीं ठहर सकता था क्योंकि इससे उस पर संदेह हो सकता था। वह अपना सारा दिन सिनेमा हाल, भीड़ से भरे रेस्टोरेंन्ट और बुडापेस्ट की सड़कों पर ही गुजारता था ।

एकाएक उसके कानों में एक शक्तिशाली मोटर साइकिल के इंजन की आवाज पड़ी।
जैम्सबांड ने देखा, एक मोटर साइ-किल बड़ी तेज रफ्तार से उस ओर आ रही थी। मोटर साइकिल में साइलेन्सर नहीं लगा हुआ था और उसी वजह से इन्जन इतनी -तेज आवाज कर रहा था ।

एकाएक जेम्सबांड के नेत्र फैल गए ।

जिम!

ओह माई गॉड!

जिम!

ओह गुड ग्रंशियस् गाड!

उसे जिम का ख्याल पहले क्यों नहीं आया ।

मोटर साइकिल पर सवार युवक निश्चय ही जिम था। जेम्स बांड उसे एक निगाह में पहचान गया। पिछली बार 'आप-रेशन बुडापेस्ट' के दौरान जेम्स बांड उससे मिला था तब उसकी अट्ठारह साल थी। अब वह उन्नीस साल का हो गया था लेकिन अब भी उसके खूबसूरत चेहरे पर बच्चों जैसी मासूमियत । उसके थी। वह अमेरिकन काउ ब्वाय जैसे कपड़े पहने। पहने हुए था । सिर पर टोकरी जितना बड़ा हैट था। उसके दोनों कानों पर दो सिगरेट टंगे हुए थे और एक जलता हुआ सिगरेट उसके होंठों में भूल रहा था। हमेशा की तरह सिगरेट का धुआं उसकी आंखों में घुसा जा रहा था लेकिन वह होंठों से सिगरेट हटाने का उप-क्रम नहीं कर रहा था।

जान्सी के क्रांतिकारी दल का वह इकलौता सदस्य था जो अपने आपको छुपाने का प्रयत्न नहीं करता था। उसका हर एक्शन ऐसा होता था जो लोगों का ध्यान उसकी ओर से हटाने के स्थान पर उसकी ओर आकर्षित करता था। इसलिए उसने अपनी मोटर साइकिल से साइलेन्सर निकाला हुआ था। इसलिए वह काउ व्याय जैसे कपड़े पहनता था। उसकी साइलेन्सर रहित मोटर साइकिल की आवाज सुनकर ही बुडापेस्ट के लोग जान जाते थे कि

जिम आ रहा था। सारे बुडापेस्ट में वह काउ ब्वाय जिम के नाम से मशहूर था। पुलिस के सिपाही तक उसे स्नेह भरी निगाहों से देखते थे। उसका किसी की निगाहों से न छुपने का प्रयत्न ही उसकी ईमानदारी की सबसे बड़ी गारन्टी थी । कोई स्वप्न में भी भी नहीं सोच सकता था कि बह सारे बुडापेस्ट का जाना पहचाना सरल चित्त नौजवान जान्सी के क्रान्तिकारी दल का एक सक्रिय सदस्य हो सकता था ।

बुडापेस्ट की कम्यूनिस्ट सरकार को अगर किसी अकेले आदमी ने सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया था तो वह मासूम सा लगने वाला युवक जिम था। सदियों के मौसम में सरकारी प्रति-निधि खेतों से जरूरत से ज्यादा अनाज और सब्जियां ले जाते थे। जिसकी वजह से हंगरी के कितने ही लोगों को भूखा रहना पड़ता था। सरकारी गल्ले के गोदामों में से गल्ला चुराने में और सरकारी मवेशाखाने में से मवेशी चुराने में जिम का मुकाबला नहीं था। जितने गल्ले के गोदाम अकेले जिम ने खाली कर दिए थे उतने कोई फौज नहीं कर सकती थी। चेकोस्लोवाकिया से वह मवेशियों के झुण्ड हांक लाता था और बार्डर पर किसी को कानों कान खबर नहीं होती थी। वह मवेशियों को या तो क्लोरो फार्म सुंघा देता था और या फिर उन्हें ब्रांडी की एक निश्चित मात्रा पिला देता था। मवेशी चुपचाप बार्डर से पारं उसके साथ चले आते थे। जिम की वजह से सदियों में न जाने कितने हंगरी निवासी भूखों मरने से बच जाते थे ।

इससे पहले कि जिम अपनी शक्तिशाली भोटर साइकिल पर सर्र से उसकी बगल से गुजर जाता जेम्स बांड कूद कर मोटर साइकिल के रास्ते में आ खड़ा हुआ। ब्रेकों की चरमराहट से वातावरण गूंज गया। मोटर साइकिल पहले उस पतली सड़क पर शराबी की तरह लहराई और जब रुकी तो उसका पहिया जेम्स बांड की टांग को लगभग छू रहा था लेकिन उसके साथ टकराया नहीं था।

जिम ने गुस्से से भुनभुनाते हुए होंठों में लगा सिगरेट सड़क पर थूक दिया और होंठ बिगाड़ कर चिल्लाया- 'वाट द हैल ।'

'जिम।' जेम्सबांड ने कहना चाहा।

'रास्ते से हटो।'- जिम चिल्लाया- 'अभी तुम्हारी मूर्खता से एक्सीडेंट हो गया होता।'

जेम्स बांड ने अपना फैल्ट हैट उतार कर हाथ में ले लिया। शायद हैट की वजह से जिम उसे पहचान नहीं पा रहा था।

'जिम ।'- वह बोला- 'मुझे भूल गए हो क्या?'

'पता नहीं कौन हो तुम?' - जिम होंठ सिकोड़ कर बोला । उसने मोटर साइकिल के हैंडल को एक झटका दिया। अगर पहिया जमीन से उठ गया। उसने पहिए को जेम्स बांड से अलग किया, जोर से मोटर साइकिल को किक मारी और फिर एक ही क्षण जिम यह जा वह जा।

जेम्स बांड हक्का-चक्का सा सड़क पर खड़ा था। जिम ने उसे पहचाना नहीं था या उसने उसे पहचानना चाहा नहीं था ।

चेहरे पर गहन उलझन के भाव लिए वह खाली सड़क को देखता रहा और फिर बगल के एक कैफे में घुस गया ।

जो बात जेम्स बांड नहीं देख पाया वह यह थी कि जिम ने मोड़ घूमते ही मोटर साइकिल रोक दी थी और उससे उतर कर मोड़ पर आ खड़ा हुआ था। उसने जेम्स बांड को कैफे में घुसते देखा था।

जिम बच्चा नहीं था। उसने पहली ही निगाह में जेम्स बांड को पहचान लिया था लेकिन वह जेम्म बांड की बुडापेस्ट में मौजूदगी की सूचना जान्सी को दिए बिना कोई कदम नहीं उठाना चाहता था । जिम ने अपने कान पर से एक सिगरेट उतारा और उसे सुलगा लिया। वह बड़े सब्र के साथ प्रतीक्षा करने लगा।

लगभग आधे घंटे बाद जब जेम्स बांड कैफे से बाहर निकला तो जिम ने उसके होटल तक उसका पीछा किया। जिम जब होटल से लौटा तो उसे यह मालूम था कि जेम्स बांड वहां लाजोस राकोसी के नाम से ठहरा हुआ था और पहली मंजिल पर स्थित उसके कमरे का नम्बर १६ था ।

उस शाम को जिम ने जेम्स बांड को फोटोग्राफर की दुकान से आठ मिलीमीटर की फिल्म खरीदते भी देखा। जिम ने वापिस हैडक्वार्टर आकर सारी दास्तान सुनाई। किसी को इस

बात में सन्देह नहीं था कि जेम्स बांड उन्हीं से सम्पर्क स्थापित करने की कोशिश कर रहा था।

उस रात जेम्स बांड जब सोने की तैयारी कर रहा था तो किसी ने उसके कमरे का दरवाजा खटखटाया। जेम्स बांड सतर्क गे उठा। रिवाल्वर उसके शोल्डर होलस्टर से निकलकर उसके हाथ में आ गई।

"कौन है?'- उसने सतर्क स्वर से पूछा ।

बाहर से किसी ने फिर दरवाजा खटखटाया ।

"कौन है?' इस बार जेम्स बांड ने कठोर स्वर से पूछा। घड़ी पर दृष्टिपात किया।
ग्यारह बजने को थे। बाहर जल बल्ब रहा था। इस वक्त कौन आ सकता था

'ओपन अप, मिस्टर जेम्स बांड।' - बाहर से एक धीमा किन्तु स्पष्ट स्वर सुनाई दिया ।

"जेम्स बांड!”

कोई उसे उसके वास्तविक नाम से पुकार रहा था।

क्या वह पहचान लिया गया था। क्या वह हंगेरियन सीक्रेट पुलिस की जानकारी में आ गया था।

जो पहला ख्याल जेम्स बांड के दिमाग में आया वह यह था कि वह खिड़की के रास्ते भाग निकले लेकिन जल्दी ही उसने वह ख्याल अपने दिमाग से निकाल दिया। अगर दरवाजा हंगेरियन सीक्रेट पुलिस खटखटा रही थी तो इस होटल को और सारे ब्लाक को कम से कम एक फौज घेरे हुए होगी। पिछली बार वह जोएल हाउस में से तब निकल भागने में कामयाब हो गया था जब कम से कम दो सौ सशस्त्र आदमी जोएल हाउस को घेरे हुए थे और उसी की वजह से उन दो सौ आदमियों के इन्चार्ज को सीक्रेट पुलिस के चीफ ने गोली से उड़वा दिया था। इस बार निश्चय ही वे ऐसी कोई स्थिति पैदा न होने देंगे ।

दरवाजा खोलने के अतिरिक्त कोई चारा नहीं था।

रिवाल्वर हाथ में थामे उसने एक झटके से दरवाजा खोला

और तुरन्त एक ओर कूद गया।

कुछ भी नहीं हुआ ।

उसने सावधानी से दरवाजे की ओर झांका ।

सामने हेलेन खड़ी थी। हेलेन जान्सी की खूबसूरत, जवान लड़की थी। पिछली बार होटल कीव में से वह उसी की वजह से जिन्दा बच निकलने में सफल हो सका था।

'तुम!'- जेम्स बांड के मुंह से अपने आप निकल गया। उसका रिवाल्वर वाला हाथ अपने आप नीचे झुक गया ।

हेलेन ने एक नफरत भरी निगाह रिवाल्वर पर डाली। हेलेन उसे एक बेहद निर्दयी और अमानवीय प्रवृत्तियों वाला व्यक्ति मानती थी ।

जेम्स बांड ने जल्दी से रिवाल्वर को शोल्डर होल्स्टर में खोंस लिया ।

'मेरे साथ आओ।'- हेलेन बोली ।

पूछने की जरूरत नहीं थी कि हेलेन उसे कहां ले जाना चाहती थी। उस समय उसकी होटल में मौजूदगी ही इस बात का सबूत थी कि उसकी जान्सी से मुलाकात होने वाली थी।

जेम्स बांड ने जल्दी से अपना ट्रैच कोट पहना, सिर पर फैल्ट हैट जमाया और हेलेन के साथ हो लिया।

नीचे लाबी खाली पड़ी थी। काउन्टर पर रिसेप्शनिस्ट भी नहीं था। दोनों दरवाजा खोल कर बाहर निकल आये। बर्फीली हवा का जोरदार थपेड़ा जेम्स बांड के चेहरे से टकराया। बाहर बर्फ का भीषण तूफान चल रहा था। रास्ते एकदम सुनसान पड़े थे।

हेलेन कार पर आई थी लेकिन उसने कार होटल के सामने नहीं खड़ी की थी। वे दोनों सिर नीचा किये ट्रैचकोट की जेबों में हाथ धंसाये आगे बढ़े ।

बेहद सर्द थी और रास्तों पर टखनों तक गहरी रुई जैसी नर्म बर्फ इकट्ठी हो चुकी थी। कार तक पहुंचते-पहुंचते उसका हैट, ट्रैच कोट और जूते वगैरह सब बर्फ की परत में ढक गए। यही हाल हेलेन का था। दोनों सफेद भूत बन चुके थे। जेम्स बांड को ऐसा मौसम नापसन्द नहीं था। ऐसे मौसम में खतरा बहुत कम होता था। सिर से पांव तक बर्फ में ढके होने के कारण उस के पहचाने जाने की सम्भावना कम थी। बर्फ से ढकी सड़कों पर चलते समय उनके कदमों की आहट बिल्कुल नहीं हो रही थी और सब से मुख्य बात यह थी कि ऐसे गन्दे मौसम में रास्ते में किसी पुलिस के आदमी से टकरा जाने की सम्भावना बहुत कम थी।

वे दोनों कार में सवार हो गये। कार पर भी बर्फ की चादर पड़ी हुई थी । केवल बोनेट वाले भाग से ही प्रकट हो रहा था कि कार का रंग काला था। वहां इन्जन की गर्मी के कारण बर्फ गिरते ही फौरन पिघल कर वह जाती थी।

हेलेन ने बिना एक शब्द बोले गाड़ी आगे बढ़ाई। बर्फ से भरी सड़कों पर वह बड़ी दक्षता से गाड़ी चला रही थी। कार की हैडलाइट्स नहीं जल रही थी और रास्ते अन्धेरे थे। जेम्स बांड को यह मालूम नहीं हो रहा था कि कार कहां जा रही थी।
'तुम्हें मेरी खबर कैसे हुई?' एकाएक जेम्स बांड ने पूछा।

'जिम ने आकर बताया था।' हेलेन ने बताया ।

'लेकिन उसने तो मुझे पहचानने से भी इन्कार कर दिया था।'- जेम्स बांड हैरानी से बोला ।

'ठीक किया था उसने। वास्तव में उसने तुम्हें तुरन्त पह-चान लिया था लेकिन वह पहले जान्सी को तुम्हारी सूचना देता चाहता था। उसी ने होटल तक तुम्हारा पीछा किया था ।'

'और मुझे खबर भी नहीं हुई।'

'जिम बहुत होशियार लड़का है। तुम उसे बच्चा मंत समझो ।'

'वह अभी भी तुम से मुहब्बत करता है?'

'हां!'- हेलेन पूर्ववत् भावहीन स्वर से बोली ।

जिम हेलेन से छः साल छोटा था लेकिन वह हेलेन से मुहब्बत करता था और उससे शादी करना चाहता था। एक बार उसे काउन्ट की एक शराब की बोतल पड़ी मिल गई थी। अपने में हौसला पैदा करने के लिए वह आधी बोतल शराब पी गया था और फिर उसने हेलेन को आकर बताया था कि वह उससे मुहब्बत करता है और उससे शादी करना चाहता है। पहले तो हेलेन ने उसे नशे में समझ कर टालना चाहा था लेकिन जब उसने देखा कि जिन एकदम गम्भीर था तो उसने जिम को कहा था कि वह अभी बच्चा है। वह बड़ा हो जाएगा तो हेलेन इस बारे में सोचेगी। हेलेन के जवाब से वह बेहद नाराज हुआ था। खास तौर पर हेलेन का उसे बच्चा कहना नागवार गुजरा था। उसके बाद यह साबित करने के लिए कि वह बच्चा नहीं है उसने ऐसे-ऐसे भयंकर काम किए थे कि एक बार तो सब घबरा गये थे । खुद जान्सी के रोकने पर भी वह रुकता नहीं था और स्वयं को मौत के मुंह में डालने के लिए वह हमेशा सब से आगे रहता था उसकी खतरनाक हरकतों में तूफानी रफ्तार से मोटर साईकिल चलाना तो एक मामूली काम था। उसका निशाना इतना सच्चा था कि हवा में सिक्का उछाल कर वह उसमें गोली मार देता था। वह पहले गोली चला कर लकड़ी के तख्ते में छेद कर देता था और फिर रिवाल्वर की तमाम गोलियां उस छेद में से गुजार देता था और छेद का व्यास तनिक भी बड़ा नहीं होता था।

अक्तूबर के विद्रोह में केवल हेलेन को प्रभावित करने के लिए उसने ऐसे ऐसे काम किये थे कि उनका जिक्र सुन कर ही दिल दहल जाता था। जान्सी के कथनानुसार गिलर्ट के उत्तर में बेसब हिल पर जितने रूसी टैंकों का सत्यानाश अकेले जिभ ने किया था उतने किसी पूरी फौज ने तबाह नहीं किये होंगे। गहरी ढाल वाली पहाड़ी सड़कों के मोड़ों पर वह साबुन का घोल फैला आता था। टैंक जब मोड़ पर घोल पर से गुजरता था तो एकाएक लुढ़क कर गहरी खाई में जा गिरता था। वह सड़क पर छोटे-छोटे खड्डे खोद कर उनमें पैट्रोल भर देता था और पैट्रोल से भीगे हुए एक पतले धागे को वहां से पेड़ों के पीछे ले जाकर इन्त-जार में बैठ जाता था। जब टैंक पैट्रोल भरे उन छोटे- छोटे खड्डों के ऊपर से गुजरता था तो वह माचिस दिखा देता था।

जिम को जेम्स बांड कतई पसन्द नहीं था। इस नापसन्दगी 'का कारण यह था कि उसे लगता था कि जेम्स बांड हेलेन पर डोरे डालने की कोशिश कर रहा है। वह जेम्स बांड को अपना प्रतिद्वन्द्वी मानता था। पिछली बार जेम्स बांड ने बुडापेस्ट से विदा ली थी तो जिम ने छुटकारे की सांस ली थी और अब जब-कि जेम्म बांड वापिस आ गया था, उसे विश्वास था कि जिम फिर हत्थे से उखड़ जायेगा । जिम और हेलेन के किस्से को जान्सी के सारे साथी जानते थे।

'जिम को मेरा बुडापेस्ट में लौट आना बिल्कुल पसन्द नहीं आया होगा।'- जेम्स बांड बोला ।

'बिल्कुल पसन्द नहीं आया है। जब उसने हेडक्वार्टर आकर जान्सी को तुम्हारी बुडापेस्ट में मौजूदगी की सूचना दी थी तो पहली बात उसने यही कही थी कि बुडापेस्ट में जेम्स बांड को पार्टी की जो सहायता दरकार होगी वह जिम-केवल जिम - करेगा। वह नहीं चाहता कि मेरा तुमसे कोई वास्ता पैदा हो।'

'फिर भी मेरे पास तुम आई?'

'जिप को यह पसन्द नहीं लेकिन यह जान्सी का फैसला था और जान्सी का फैसला अटल होता है।'

'हम कहां जा रहे हैं?'

'जहां तुम जाना चाहते हो।'

'जान्ली के पास?'

'हां।'

'तुम मुझसे यह नहीं पूछोगी कि मैं बुडापेस्ट क्या करने आया हूं?'

'हम सब लोग एक ही बार तुमसे यही सवाल पूछेंगे ताकि तुम्हें अपनी बात बार-बार न दोहरानी पड़े ।'

'और सब लोग ठीक-ठाक हैं?'

'सब लोग जिन्दा हैं।'

और यही बात सब से ज्यादा महत्व की थी। पिछले साल 'आपरेशन बुडापेस्ट' के दौरान जब यही सवाल पार्टी के लोगों के बारे में किया था तो उसे यह सुखद समाचार सुनने का नहा निला था। उस बार जान्सी ने उसे बताया था कि सैन्डर को डोड़ कर सिरोव की पार्टी का एक भी आदमी जीवित नहीं था । बिरोव का एक-एक साथी हंगरी की साम्यवादी सरकार का शिकार हो चुका था। सिरोव जान्सी से पहले रिजीस्टेंस मूवमेंट का लीडर था और हंगेरियन सीक्रेट पुलिस के हैडक्वार्टर ऐन्ड्रेसी डट में टार्चर का शिकार होकर एड़ियां रगड़-रगड़ कर मरा था। जूलिया ने दुश्मनों के हाथ पड़ने से पहले ही आत्म-हत्त्या कर ली थी। मेजर होवार्थ और इमर हंगेरियन सीक्रेट पुलिस से मोर्चा लेते हुए मारे गए थे और न जाने पार्टी के कितने आदमी हंगेरियन सीक्रेट पुलिस के दूसरे नम्बर पर सबसे बड़े अफसर कर्नल जोजेफ हीदस और उसके जल्लाद कोको के अत्या-चारों के शिकार होकर दूसरी दुनिया में पहुंच गए थे लेकिन मरने से पहले किसी ने भी अपनी जुबान नहीं खोली थी।

अतः यह निश्चय ही एक सुखद समाचार था कि जिन लोगों से वह पिछली बार मिला था वे सब के सब जिन्दा थे। हंगेरिमन सीक्रेट पुलिस के लम्बे हाथ उनमें से किसी तक नहीं पहुंचे थे ।

'तुम्हारी मां का कुछ पता लगा?' - जेम्स बांड ने पूछा । एकाएक हेलेन की आंखों में एक गहरी उदासी की छाया तैर गई।

'नहीं।'- वह नकारात्मक ढंग से सिर हिलाती हुई बोली-'अऔर पता लगेगा भी कैसे, मिस्टर बांड! मैंने तुम्हें पिछले साल भी बताया था कि मेरी मां मर चुकी है। मेरी मां अभी तक जिन्दा हो ही नहीं सकती। जब हंगेरियन सीक्रेट पुलिस जानवरों के रेवड़ की तरह उसे अपनी भूरी लारी में ठूंसकर ले गई थी, मेरी मां उस समय ही बीमार थी। उसे टी० बी० थी और उन्हीं दिनों वह अस्पताल से एक सीरियस आपरेशन करवाकर लौटी थी। घर लौटकर उसने चार दिन भी आराम नहीं किया था कि उसे पुलिस पकड़कर ले गई थी। मुझे तो लगता है कि मेरी मां ने सीक्रेट पुलिस की भूरी लारी

में ही दम तोड़ दिया होगा। उसमें इतनी हिम्मत नहीं थी कि वह खेतों में, कारखानों में, खदानों में रोज सोलह-सोलह घण्टे घोर श्रम कर पाती जैसाकि ऐसे कैदियों से करवाया जाता है। मेरी मां तो गिरफ्तारी के बाद

एक हफ्ता भी जिन्दा रह गई हो तो मैं उसे करिश्मा समझूँगी ।'

'जान्सी क्या कहता है?'

'मैं पहले ही कह चुकी हूं कि जान्सी के साथ तो जब तक सांस तब तक आस वाली बात है। उसे खुदा भी यह विश्वास नहीं दिला सकता कि उसकी पत्नी कैथरीन मेरी मां-मर चुकी है और मुझे उसकी हां में हां मिलानी पड़ती है। अगर आज मैं यह कह दूं कि मुझे विश्वास है कि मेरी मां मर चुकी है तो जान्सी मुझे अबरदस्ती बुडापेस्ट की खतरनाक जिन्दगी से बाहर निकाल देगा। बह मुझे यहां नहीं रखना चाहता लेकिन वह मेरी मां की वजह से ही मेरे साथ जबरदस्ती नहीं कर पाता। मैं उसे कहती हूं कि मैं अपनी मां से मिलना चाहती हूं। अगर मैं हंगरी से बाहर निकल गई तो मैं अपनी मां से कैसे मिल पाऊंगी?'

'हालांकि तुम्हें पूरा विश्वास है कि तुम्हारी मां मर चुकी है।'

'मेरी मां निश्चय ही मर चुकी है, मिस्टर बांड । लेकिन जान्सी के साथ रहने की खातिर मुझे झूठ बोलना पड़ता हैं कि मुझे अपनी मां के लौट आने की उम्मीद है। मैं जान्सी को अकेला नहीं छोड़ सकती। मैं जान्सी को किसी सूरत में अकेला नहीं छोड़ सकती। पिछले ढाई साल में जान्सी ने हंगरी के नौ कन्सन्ट्रेशन कैम्पों में से आठ का चप्पा-चप्पा छान मारा है। केवल जान्सी ऐसा करिश्मा कर सकता है कि वह भूत की तरह किसी कन्सेन्ट्रेशन कैम्प में घुसकर किसी व्यक्ति विशेष को तलाश करता रहे और सहीसलामत बाहर भी आ जाए और किसी को खबर भी न हो। पिछले ढाई साल में मेरी मां की तलाश में उसने हजारों खदानों, कारखानों, लेबर कैम्पों और खेतों के चवर लगाए हैं लेकिन वह मेरी मां को तलाश नहीं कर पाया और न ही कभी तलाश कर पाएगा। लेकिन जान्सी को कभी विश्वास नहीं हो सकता कि कैथरीन मर गई है। दुनिया की कोई शक्ति जान्सी को यह विश्वास नहीं दिला सकती कि मेरी मां अव इस दुनिया में नहीं है। जासी की तलाश जारी रहेगी। जान्सी की आस कभी नहीं टूटेगी।'

हेलेन का गला भर आया।

जेम्स बांड ने फिर कोई सवाल नहीं किया ।

उसके मानस पटल पर जान्सी का धीर गम्भीर चेहरा उभर आया। अपनी पूरी जिन्दगी में जेम्स बांड किसी इकलौते आदमी से इतना प्रभावित नही हुआ था जितना वह जान्सी से हुआ था। जान्सी के सामने जाकर वह स्वयं को बड़ा निरीह और महत्व-होन आदमी तमझने लगता था। उसका मस्तिष्क अपने-आप ही उस महान व्यक्ति के सामने नत हो जाया करता था। जान्सी वह आदमी था जिसने बेइन्तहा खून बहा चुकने के बाद शान्ति का महत्व समझा था। जिसने हंगरी को साम्यवादी सरकार के पंजे से मुक्ति दिलाने का बीड़ा उठाया था। जिसकी वजह से भूखों के मुंह तक रोटी का निवाला पहुंचता था। जो उन लोगों की मदद के लिए जिन्दा था जो खुद अपनी मदद नहीं कर सकते। जान्सी वह अकेला इन्सान था जो शान्ति के लिए वह काम कर रहा था जो हजारों-लाखों आदमी मिलकर नहीं कर सकते। जान्सी एक आदमी का नाम नहीं एक पूरी आर्गेनाइजेशन का नाम था । जान्सी वह आदमी था जिसके जीवित होने का समा-चार मात्र सुनकर हंगेरियन सीक्रेट पुलिस के बड़े-बड़े अफसरों के होश उड़ गए थे ।

कार एकाएक रुक गई।'

जेम्स बांड ने सिर उठाकर देखा, कार एक विशाल शटर लगे दरवाजे के सामने खड़ी थी ।

हेलेन ने एक विशेष ढंग से कार का हार्न बजाया। तुरन्त शटर ऊपर को उठ गया। हेलेन ने गाड़ी भीतर घुसा दी। पीछे शटर बन्द हो गया।

भीतर घुप्प अंधेरा था। अंधेरे में ही हेलेन और जेम्स बांड कार से बाहर निकल आए।
तभी किसी ने बत्ती जला दी।

जेम्स बांड ने देखा वे एक गैरेज में खड़े थे और गैरेज के द्वार के पास सैन्डर खड़ा था ।

सैन्डर पहाड़ जैसे शरीर वाला, बेहद शक्तिशाली आदमी था। उसकी नाक टूटी हुई थी और चेहरा भद्दा था लेकिन फिर भी क्रूरता के स्थान पर उसके चेहरे पर एक विचित्र

प्रकार की सरलता दिखाई देती थी। जेम्स बांड पूरे एक साल बाद उसे फिर देख रहा था लेकिन उसमें किसी प्रकार का परिवर्तन आया दिखाई नही दिया ।

जान्सी ने उसे सैन्डर के बारे में बताया था। अक्टूबर विद्रोह से पहले वह एक स्टील मिल में इलैक्ट्रिकल फोरमैन था । इन्कलाब में उसने अपने बिजली के ज्ञान का भारी लाभ उठाया था। यह सुनकर 'ही जेम्स बांड की धमनियों में रक्त जमने लगा था कि सैन्डर ग्यारह हजार वोल्ट लोड के हाई टेन्शन तारों को केवल लकड़ी के दो डण्डों की सहायता से जिधर चाहे तोड़-मरोड़ लेता था। अपने उसी अनोखे तरीके से उसने तीन रूसी टैंकों के सारे क्रियू को हाई वोल्टेज के धक्के से मार डाला था। वह पेट्रोल की बोतल भर लेता था, उसके मुंह में कपड़ा ठूंस देता था और कपड़े को आग लगा कर बोतल को सीधे टैंक के के हैच में फेंक देता था और फिर हैच का ढक्कन बन्द करके ढक्कन के ऊपर बैठ जाता था। बोत्तल भीतर एक भीषण बम की तरह फटती थी और टैंक के क्रियू के परखचे उड़ जाते थे।

और वैसे सैण्डर के भद्द चेहरे पर ऐसी दया और सरलता टपकती थी कि लगता था जैसे वह किसी चींटी को भी नुकसान पहुंचाने से डरता हो ।

'हल्लो, सैण्डर'- जेम्स बांड मुस्कराता हुआ बोला- 'हाउ आर यू?'

'फाइन'- सैण्डर ने भावहीन स्वर में उत्तर दिया ।

सैण्डर ने आगे बढ़कर गैरज की पिछली दीवार में बना एक दरवाजा खोला। हेलेन ने जेम्म बांड को आगे बढ़ने का संकेत किया। जेम्स बांड ने हेलेन के साथ उस दरवाजे में कदम रखा। सैण्डर ने पीछे गैरेज की बत्ती बुझा दी और उनके पीछे हो लिया। एक लम्जे से गलियारे से गुजर कर वे एक विशाल कमरे में आ गए। उस कमरे में तीन आदमी मौजूद थे।

दरवाजे की बगल में दीवार के साथ टेक लगाये जिम खड़ा था। उसके होंडों में एक जलता हुआ सिगरेट लगा हुआ था जिसका कडुवा धुआं उसकी आंखों में घुसा जा रहा था लेकिन वह आदतन होंठों से सिगरेट हटाने का उपक्रम नहीं कर रहा था।

जेम्स बांड को देखकर उसने बुरा-सा मुंह बनाया ।

दूसरा आदमी कमरे के बीचों-बीच पड़ी एक गोलमेज के समीप खड़ा था। वह एक बेहद आकर्षक और अधिकारपूर्ण व्यक्तित्व का स्वामी था। उसके चेहरे से ही बुद्धिमत्ता और शालीनता टपकती थी। उसके हाथ में एक सुनहरा सिगरेट होल्डर था जिसमें भूरे कागज बाला एक रूसी सिगरेट लगा हुआ था। उसके होंठों की कोरों पर एक स्वभाव सुलभ हल्की सी मुस्कराहट थी और वह सीधे जेम्स बांड को देख रहा था।

वह काउण्ट था ।

काउण्ट मेजर होवार्थ का सगा भाई था। मेजर होवार्थ हंगेरियन सीक्रेट पुलिस का अफसर था और रिजीस्टेंस मूवमेंट का सदस्य भी था इसलिए वह रिजीस्टेंस मूवमेंट के पहले लीडर विरोव के लिए बड़े काम का आदमी था। आस्ट्रियन फन्टियर पर हंगेरियन सीक्रेट पुलिस के कर्नल हीदस ने मेजर होवार्थ और उसके बेटे इमर के उस समय चिथड़े उड़ा दिए थे जब वह जेम्स बांड को प्रोफेसर हैरोल्ड जेनिग्स के साथ बार्डर क्रास कर जाने का मौका देने के लिए उनके साथ मोर्चा ले रेहा था (देखिये उपन्यास 'हंगरी में हंगामा')। काउन्ट में वे तमाम गुण थे जो मेजर होकार्थ में थे। उसका डील-डौल और शक्ल-सूरत थोड़ी-बहुत तो मेजर होवार्थ से मिलती ही थी, रही- सही कसर उसने स्वयं प्लास्टिक मेकअप से पूरी कर ली थी। मेकअप का और आवाज बदलने का वह उस्ताद था। वैसे भी वह मेजर होवार्थं की छोटी-से-छोटी आदत को पहचानता था और नकल कर सकता था। मेजर होवार्थ की मृत्यु के बाद वह मेजर होवार्थ बनकर एन्ड्रेसी डट में काम करता रहा था और किसी को रंचमात्र भी सन्देह नहीं हुआ था। कर्नल हीदस को यह मालूम नहीं था कि वास्तविक मेजर होवार्थ उसी के साथ मोर्चा लेता हुआ आस्ट्रियन फंन्टियर पर मारा गया था। काउन्ट के मेजर होवार्थ बनकर एन्ड्र सी डट में घुसे रहने से उन लोगों को बहुत फायदा था । उसकी सहायता से साम्यवादी सरकार के कई गुप्त भेद सहज ही उनके हाथ लग जाते थे। कई बार वे केवल काउन्ट की और उससे पहले मेजर होवार्थ को चेतावनी के दम पर ही हंगेरियन सीक्रेट पुलिस के हाथों में पड़ते-पड़ते बचे थे। 'आप-रेशन बुडापेस्ट' के दौरान हंगेरियन सीक्रेट पुलिस के चीफ फरमिन्ट को मेजर होवार्थ बने काउन्ट पर सन्देह हो गया था। परिणामस्वरूप काउन्ट को हमेशा के लिए एन्ड्रेसी डट को छोड़ देना पड़ा था। अब क्योंकि मेजर होवार्थ बने रहने में कोई लाभनहीं था। इसलिए उसने मेंजर होवार्थ वाला मेकअप भी त्याग दिया था। जेम्स बांड उसे उसके डील डौल और आंखों से ही पहवान पाया ।

तीसरा आदमी गोलमेज के इर्द-गिर्द बिछी कुसियों में से एक पर बैठा हुआ था। मेज के एकदम ऊपर छत से तार के सहारे एक शेड लटका हुआ था जिसमें एक तीव्र प्रकाश वाला बल्वं जल रहा था जिसका प्रकाश अधिकतर विशाल मेज के आसरास ही सीमित था। उस आदमी का सिर झुका हुआ था और उसके दोनों हाथ सामने मेज पर रखे हुए थे। उसका शरीर किसी हद तक अन्धकार में था लेकिन मेज पर रखे उसके हाथों पर बल्ब का सीधा प्रकाश पड़ रहा था।

जेम्स बांड उन हाथों को पहचानता था। पहली बार जब उसने उन हाथों को देखा था तो उसके शरीर में सिहरन दौड़ गई थी। आज वह उन हाथों के स्वामी को पहचानता था लेकिन, फिर भी उसकी जुबान अपने आप ही उसके होंठों पर फिर गई।

जेम्स बांड ने अपनी जिन्दगी में कभी ऐसे भयंकर हाथ नहीं देखे थे और न ही कभी ऐसी बुरी तरह नोचे हुए, खसोटे हुए, मरोड़े हुए, कुचले हुए, भारी हथौड़े से लोहे की तरह पीटे हुए हाथों की कल्पना की थी। हाथों की हालत देखकर यही करिश्मा मालूम होता था कि उन हाथों का स्वामी उन्हें हाथों की तरह इस्तेमाल कैसे कर रहा था। दोनों अंगूठे इतनी बुरी तरह कुचले हुये थे कि चपटे हो गए थे। सारी उंगलियां गीले कपड़े की तरह मरोड़ी गई मालूम होती थीं। दो उंगलियों के अगले पोर गायब थे। सारी उंगलियों के अगले सिरों को देखकर ऐसा मालूम होता था जैसे नाखून उन पर से बड़ी बेरहमी से जबरदस्ती नोंच कर उखाड़ दिए गए हों। हवेलियों के पिछले भाग के एक-एक इंच में हजार-हजार खरोंचों और जख्मों के निशान थे। दोनों हथेलियों के बीचों-बीच आधा इंच व्यास के खड्डे से मालूम हो रहे थे जैसे उन हाथों का स्वामी कभी ईसा मसीहा की तरह क्रास पर लटका दिया गया था। दाईं कलाई पर जख्मों और खरोंचों के निशानों के बीच '६२५८४२' की संख्या का यूं ठप्पा लगा हुआ था। जैसे कारपोरेशन के सांड के पुढे पर सरकारी नम्बर अंकित होता है।

फिर जेम्स बांड की निगाह अपने आप ही उन हाथों के स्वामी के अद्ध प्रकाशित चेहरे की ओर उठ गई।

अपनी जिन्दगी में जेम्स बांड ने हर तरह के लोग देखे थे लेकिन आज तक उसने कभी कोई ऐसा इन्सानी चेहरा नहीं देखा था जिस पर बेपनाह मुसीबतों की और भीषण से भीषण शारी-रिक यातनाओं की ऐसी भारी छाया हो।

[illegible]

[illegible]
[illegible]!

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

'[illegible]'- [illegible]

'[illegible]!'- [illegible]

काउन्ट और हेलेन दो अन्य कुसियों पर बैठ गये । जिम पूर्ववत दीवार के साथ टेक लगाये खड़ा रहा। सैन्डर ने कमरे में प्रविष्ट होने की कोशिश नहीं की थी। वह कमरे का दरवाजा बाहर से बन्द कर गया था और दृष्टि से ओझल हो गया था।

कमरे में फैला हुआ टेंशन का माहौल जेम्स बांड को कांटे की तरह चुभ रहा था। प्रत्यक्षतः उसके सामने बैठे हुए आद-मियों में से कोई उसके आगमन से खुश नहीं था। जान्सी के स्वर में भी आत्मीयता का सर्वदा अभाव था। वहां उसकी स्थिति निश्चय ही एक अवांछनीय व्यक्ति जैसी थी ।

जेम्स बांड ने बारी-बारी सब की ओर दृष्टि दौड़ाई। सब के चेहरों पर गम्भीरता की नकाब पड़ी हुई थी।

आप हमसे सम्पर्क स्थापित करने की कोशिश कर रहे थे?' - जान्सी फिर बोला ।

'जी हां।'- जेम्स बांड आदरपूर्ण स्वर से बोला ।

'वजह?'

'वजह' - 'जेम्सबांड ने खखार का गला साफ किया और नर्वस स्वर से बोला- 'वजह आप समझ ही सकते हैं।'

'यानि कि आपको फिर बुडापेस्ट में हमारी मदद की जरू-रत है।'

'जी हां।'

'क्या मदद चाहते हैं. आप हमसे?' 'एक हंगेरियन वैज्ञानिक डिफैक्ट करके इंगलैंड की शरण

आना चाहता है। वह वैज्ञानिक स्पेस रिसर्च प्रोग्राम के लिये बड़ा महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। हमें उसकी सख्त जरूरत है। मैं उसे हंगरी से निकालकर इंगलैंड ले जाना चाहता हूं।'

'जैसे आप अपने वैज्ञानिक प्रोफेसर हैरोल्ड जेनिग्न को निकालकर ले गये थे।'

'जी हां।'- जेम्स बांड अविचलित स्वर में बोला। उसे जान्सी के स्वर में व्यंग्य का आभास मिला था ।

'कौन है वह वैज्ञानिक?'

'उसका नाम हमें नहीं मालूम।'

'तो फिर बात कैसे बनेगी? क्या आप किसी भी हंगेरियन वैज्ञानिक को घसीट कर इंगलैंड ले जायेंगे?'

'मैं किसी हंगेरियन वैज्ञानिक को घसीट कर इंगलैंड ले जाने के लिये यहां नहीं आया हूं। मैं केवल उस हंगेरियन वैज्ञानिक की हंगरी से बाहर निकालने में मदद करने के लिये आया हूं जो स्वेच्छा से कम्यूनिस्टों का साथ छोड़कर इंगलैंड की शरण में आना चाहता है।'

'और अगर वह अपना इरादा बदल दे?'

'तो मैं वापिस चला जाऊंगा।'

'खाली हाथ?

'जी हां!'

'आप उसे जबरदस्ती अपने साथ घसीटने की कोशिश नहीं करेंगे?'

'सवाल ही नहीं पैदा होता। वह वैज्ञानिक तभी हमारे लिए फायदेमन्द सांबित हो सकता है जब वह स्वेच्छा से इंगलैंड में आये और स्वेच्छा से हमारे लिए काम करे। अगर हम उसे यहां से भगाकर इंगलैंड ले गए तो क्या वह हमारे लिए काम करना स्वीकार करेगा? और क्या इतना ऊंचे दर्जे का दिमागी काम करने वाले आदमी को जबरदस्ती कुछ करने के लिए मजबूर किया जा सकता है?'

'आई अण्डरस्टैंड यूअर प्वायन्ट ।' - जान्सी भावहीन स्वर से बोला- 'लेकिन आप उस वैज्ञानिक का नाम नहीं जानते हैं?'

'मैं नहीं जानता लेकिन हमारा जान किटसन नाम का एक एजेण्ट उसका नाम जानता है। जान किटसन इस वक्त बुडापेस्ट में सीक्रेट पुलिस की कैद में है।'

'यानि कि पहले आपको जान किटसन को रिहा कराना होगा ताकि वह आपको उस वैज्ञानिक का नाम बता सके। उसके बाद आपको उस वैज्ञानिक को बुडापेस्ट से निकालकर ले जाना है।

'जी हीं।'

'तो फिर कीजिये ऐसा ।'

'आप लोगों की मदद के बिना मेरा कुछ कर पाना असम्भवः है।'- जेम्स बांड स्पष्ट स्वर से बोला ।

'मिस्टर बांड, जब पिछली वार आप मैवस ओल्गर की रिहाई के सिलसिले में हमारे पास आए थे, तभी हमने बड़े स्पष्टः शब्दों में आपको यह बता दिया था कि किसी वैस्टर्न स्पाई की मदद करना हमारे सिद्धांतों के खिलाफ है। हम पिछली बार आपको स्पष्ट शब्दों में कह चुके हैं कि हम किसी ऐसे मामले में हरगिज भी आपकी सहायता नहीं करेंगे जो हमें नैतिक रूप से उचित नहीं लगता। फिर भी आप हमारे पास मदद मांगने आये हैं।'

'एम' ने कहा था'- जेम्स बांड होंठों में बुदबुदाया- 'कि एक दोस्त होने के नाते आप हमारी मदद जरूर करेंगे।'

'जो कुछ मैंने आपसे कहा था वह मैंने अपने दोस्त 'एम' के कामों के लिए ही कहा था। व्याप हमारे दोस्त 'एम' के प्रतिनिधि के रूप में यहां आये थे इसलिए हमने आपकी मदद की थी। केवल आपकी वजह से तो हम न पहले आपकी मदद करने वाले थे और न अब करने वाले हैं।'

जेम्स बांड को जवाब नहीं सूझा ।

'मिस्टर बांड ।' जान्सी गम्भीर स्वर में बोला- 'हम पहले भी आपको बता चुके हैं कि हम क्रांतिकारी हैं और हंगरी को कम्यूनिस्टों के पन्जे से छुड़ाने के लिए जी जान से प्रयत्नशील हैं लेकिन बुनियादी तौर पर हम लोग अन्तर्राष्ट्रीय भाईचारे में अटूट आस्था रखते हैं और अपनी हर सांस के साथ इस बात की कामना करते हैं कि सारे विश्व के राष्ट्र एक परिवार की तरह रहें, कोई किसी पर हमला नहीं करे, कोई अपने पड़ोसी देश की सीमाओं पर नजर न रखे, भगवान किसी के मन में इम्पीरिलिज्म की भावनायें न पनपने दे। अपने इन विचारों की वजह से हम लोग एस्पियानेज और काउन्टर एस्पियानेज की हरकतों को बड़ी गन्दी निगाहों से देखते हैं। हमारी निगाह में जब कोई राष्ट्र किसी अन्य राष्ट्र में अपने स्पाई भेजता है तो वह एक बड़ी ही नीच हरकत करता है। आप ब्रिटिश स्पाई हैं इसलिए हम आपको सम्मान की दृष्टि से नहीं देख सकते। भले ही आप हमारे दोस्त 'एम' के प्रतिनिधि के रूप में यहां आये हैं।'

'लेकिन इस बार मैं बुडापेस्ट में जासूसी करने नहीं आया हूं।'- जेम्स बांड जल्दी से बोला- 'मैं ऐसे कम्यूनिस्ट वैज्ञानिक को आजादी की सांस लेने का अवसर देने आया हूं जिसकी कम्यूनिज्म में आस्था नहीं रही है, जो कम्यूनिस्टों के लिए दुनिया को तबाह कर देने वाले संहारक अस्त्रों को बनाने के स्थान पर अपनी प्रतिभा ऐसे निर्माण कार्यों में लगाना चाहता है जिससे समाज का कोई हित हो। क्या आप अपने एक देशवासी को कम्यूनिस्टों के चंगुल से मुक्ति दिलाना नहीं चाहेंगे?'

'यह बात हम आप ही के मुंह से सुन रहे हैं कि वह कम्यू-निस्ट वैज्ञानिक अपनी मर्जी से इंगलैंड की शरण में जाना चाहता, है।'

'यह शत प्रतिशत सच है। यही बात आप समय आने पर उस वैज्ञानिक के मुंह से भी सुन सकते हैं।'

जान्सी चुप रहा। कई क्षण कोई कुछ नहीं बोला ।

'आपने खुद कहा है कि आपको ऐसे मामलों में हमारी मदद करने से एतराज नहीं है जो आपको नैतिक रूप से अनुचित न लगें। मुझे विश्वास है कि एक वृद्ध वैज्ञानिक को

अपने कन्धे से साम्यवाद का जुआ उतार कर एक स्वतन्त्र देश में सांस लेने का अवसर देता आपको नैतिक रूप से अनुचित नहीं लगेगा।'

कोई कुछ नहीं बोला ।

जेम्स बांड को हालात आशाजनक लगने लगे।

'और फिर 'एम' ने कहा था कि आप उसकी मदद की इस आखरी प्रार्थना को नहीं ठुकरायेंगे। 'एम' ने बड़ी उम्मीदों के. साथ मुझे यहां भेजा है।'

जान्सी और काउन्ट की निगाहें मिलीं।

'मिस्टन बांड!'- अन्त में काउन्ट बोला- 'हम इस विषय में पूछताछ करेंगे ।'

'जरूर कीजिये। लेकिन एक बात का ध्यान रखिएगा। मुझे विश्वस्त सूत्रों से मालूम हुआ है कि यह बात अब हंगरी की साम्यवादी सरकार से अधिक देर छुपी रहने वाली नहीं है कि कोई टाप कम्यूनिस्ट वैज्ञानिक डिफैक्ट करके इंगलैंड भाग जाना कहता है।'- जेम्स बांड साफ झूठ बोलता हुआ बोला- अगर उस वैज्ञानिक के लिए जल्दी ही कुछ न किया गया तो उसकी बहुत दुर्गति होगी। शायद उसे मास्को भेज दिया जाये। अगर एक बार वह मास्को पहुंच गया तो उसका किसी स्वतन्त्र देश में सांस लेने का सपना कभी पूरा नहीं होगा।'

'हम सोचेंगे।'- काउन्ट बोला ।

'हेलेन आपको वापिस आपके होटल में छोड़ आएगी।'-जान्सी मीटिंग की समाप्ति का संकेत देता हुआ बोला ।

मैं खुद चला जाऊंगा।'- जेम्स बांड अपने स्थान से उठता हुआ बोला । 'आप खुद नहीं जा पायेंगे।'- जान्सी निश्चयात्मक स्वर में बोला।

'मिस्टर बांड को मैं छोड़ आता हूं।'- जिम जो इतनी देर से चुप था एकाएक बोल पड़ा।

जान्सी के होंठों पर एक मुस्कराहट दौड़ गई।

'घबराओ नहीं जिम ।' जान्सी बोला- 'मिस्टर बांड रास्ते में हेलेन को खा नहीं जायेंगे। मिस्टर बांडे हेलेन से पहले भी मिल चुके हैं और वे हेलेन से मेल-जोल बढ़ाने पर तुम्हारी ओर उत्पन्न हो जाने वाले खतरे की पूरी जानकारी रखते हैं।'

जिम का चेहरा कानों तक लाल हो गया।

'ओह, जान्सी ।'- हेलेन नाराजगी भरे स्वर से बोली ।

जेम्स बांड चलने के लिए मुड़ा। तभी उसकी निगाह बगल की दीवार पर पड़ी। वहां एक तस्वीर लगी हुई थी। वह तस्वीर जेम्स बांड पहले भी देख चुका था। तस्वीर हू-ब-हू हेलेन की मालूम होती थी लेकिन वास्तव में वह हेलेन की मां कैथरीन की बीस साल पुरानी तस्वीर थी।

जान्सी की निगाहों ने जेम्स बांड की निगाहों का अनुसरण किया। फिर दोनों की निगाहें मिलीं। फिर जान्सी ने सिर झुका लिया। उसके चेहरे से अपूर्व शान्ति टपक रही थी। कोई अनजाना आदमी जान्सी को देखकर यह नहीं कह सकता था कि उस आदमी ने कैथरीन की तलाश में आकाश पाताल एक कर दिया था। उसकी सूरत से तो ऐसा लगता था जैसे वह अपनी बीवी के खुद बखुद अपने पास चले आने की प्रतीक्षा में हाथ पर हाथ रखकर बैठा हुआ था।

'गुड नाइट सर ।'- जेम्सबांड बोला ।

जान्सी ने उत्तर नहीं दिया। उसका सिर उसकी, छाती पर झुका हुआ था और ऐसा लगता था जैसे वह सो गया हो।

जेम्सबांड ने काउन्ट से हाथ मिलाया और हेलेन के साथ हो लिया। द्वार पर पहुंच कर वह ठिठका। उसके होंठों पर एक मुस्कराहट उभर आई। उसने जिम की ओर अपना हाथ बढ़ा दिया। जिम ने बड़े ही अनिच्छापूर्ण ढंग से जेम्सबांडं से हाथ मिलाया लेकिन उसके चेहरे के रूखेपन में कोई अन्तर नहीं आया। जेम्सबांड कमरे से बाहर निकल गया ।

जेम्सबांड कर अगला पूरा दिन होटल के कमरे में निरन्तर इन्तजार में गुजरा। जान्सी के हैडक्वार्टर से उसे बुलावा नहीं आया। होटल के वेटर ने उत्सुकतावश उससे पूछा था कि आज वह कहीं घूमने क्यों नहीं जा रहा था। जेम्सबांड ने तबियत खराब होने का बहाना बना दिया ।

पूरा दिन गुजर गया। अगला दिन आ गया। उस दिन बीस तारीख थी। योजना के अनुसार आज शाम को पांच बजे जेम्स-बांड ने कम्यूनिस्ट वैज्ञानिक के साथ कोमारोम के समीप की उस पुलिया पर पहुंचना था जहां से उस ऑस्ट्रियन परिवार की कार गुजरनी थी जो रोमानिया से वापिस आस्ट्रिया लौट रहे थे, जो कि असम्भव था। अभी तक तो उसने अभियान की सफलता की ओर एक कदम भी नहीं उठाया था। वर्तमान स्थिति में अब उसका एक काम और बढ़ गया था। अब सफलता की स्थिति में उसे हंगरी से निकासी का इन्तजाम भी खुद करना था और वह काम भी जान्सी की सहायता के बिना असम्भव था और वर्तमान स्थिति में उसे जान्सी से इस बारे में बात करने की भी हिम्मत अपने में दिखाई नहीं दे रही थी।

पहले वैज्ञानिक तो हाथ आए फिर बाद में देखा जाएगा-जेम्सबांड मन ही मन बुदबुदाया।

बीस तारीख का सारा दिन गुजर गया।

जेम्बबांड का दिल डूबने लगा ।

कहीं जान्सी ने उसकी मदद करने का इरादा बदल तो नहीं दिया था।

जान्सी की मदद के बिना सफलता के दर्शन होने का ल्याल भौ करना मूर्खता थी। अकेला जेम्सबांड तो यह तक नहीं जान सकता था कि जान किटसन कहां कैद था, उसे छुड़ाना, उससे वैज्ञानिक का नाम जानकर वैज्ञानिक को अपने अधिकार में करना और उसे सुरक्षित इंग्लैंड तक ले जाना तो ऐसे काम थे जिनमें सफलता की वह कल्पना भी नहीं कर सकता था।

रात को नौ बजे किसी ने उसके कमरे का दरवाजा खट-खटाया। जेम्सर्वाड ने बड़ी आतुरता से दरवाजा खोला ।

जेम्सबांड को यह देखकर बहुत निराशा हुई कि सामने होटल का एक बैयरा खड़ा था ।

'क्या है?'- निराशा के आधिक्य से जेम्सबांड के स्वर में अपने आप ही कर्कशता उत्पन्न हो गई।

'आपकी चिट्ठी ।' - वेटर उसकी ओर एक लिफाफा बढ़ाता हुआ बोला ।

'मेरी चिट्ठी!'- जेम्सबांड उलझनपूर्ण स्वर में बोला । 'जी हां। अभी-अभी कोई लड़की काउन्टर पर देकर गई
है।'

'लड़की!'

'जी हां।'

जेम्सबांड ने वेटर से चिट्ठी ले ली और फिर उसने वेटर के मुंह पर दरवाजा बन्द कर दिया ।

बड़ी आतुरता से उसने चिट्ठी खोली। लिखा था-

होटल से बोरिया बिस्तर लपेट लो। ठीक साढ़े नौ बजे कारोनेशन चर्च के सामने पहुंचो । - 'एच'

हस्ताक्षर के स्थान पर केवल 'एच' लिखा था।

'एच' ! हेलेन!

जेम्सबांड को स्थिति बड़ी आशाजनक लगने लगी। उसने चिट्ठी का लिफाफे समेत पुर्जा पुर्जा कर दिया और पुर्जी को फ्लश में बहा दिया। तेजी से उसने अपना सामान पैक किया और सूट-केस हाथ में लटकाए नीचे काउंटर पर आ गया ।

'मेरा बिल बना दो।'- वह बोला- 'मुझे फौरन जाना है।

मुझे पता लगा है ग्योर में मेरी मां बहुत बीमार है।'

रिसँप्यानिस्ट ने तुरन्त आज्ञा का पालन किया लेकिन उसकी सूरत से साफ जाहिर होता था कि जेम्सबांड की बात पर बिल्कुल विश्वास नहीं हुआ था।

जेम्सबांड ने बिल अदा किया और होटल से बाहर निकल आया। बाहर जोरों से बर्फ गिर रही थी।

बड़ी कठिनाई से वह एक टैक्सी तलाश कर पाया ।

कारोनेशन चर्च के सामने पहुंचकर उसने घड़ी पर दृष्टिपात किया। साढ़े नौ बजने में केवल एक मिनट बाकी था।

ठीक साढ़े नौ बजे एक स्टेशन वैगन उसके सामने आकर रुकी। स्टेशन वैगन की ड्राइविंग सीट पर हेलेन बैठी हुई थी ।

उसके संकेत पर जेम्सबांड तुरन्त उसकी बगल में आ बैठा ।

अन्धेरी रात में बर्फ से अटी सड़कों पर होती हुई स्टेशन वैगन आगे बढ़ी। हेलेन निश्चय ही बहुत दक्ष ड्राइवर थी ।

'क्या फैसला हुआ ?'- जेम्सबांड ने पूछा ।

'सिल्ली क्वेश्चन' - हेलेन बोली- 'वैरी अनविमिंग आफ कमांडर जेम्सब्रांड, सीक्रेट एजेन्ट जीरो जीरो सेवन आफ ब्रिटिश.इन्टैलीजेन्स ।'

जेम्सबांड ने कुछ कहने के लिए मुंह खोला और फिर कुछ सोचकर चुप हो गया।

'आपके ख्याल से आपको होटल से बोरिया बिस्तर उठाने के लिए क्यों कहा गया है और मैं आपको जान्सी के हैड क्वार्टर पर क्यों ले जा रही हूं?'

'शुक्रिया।'- जेम्सबांड शान्ति की सांस लेता हुआ बोला ।

'शुक्रगुजार जान्सी का होना।' - हेलेन बोली- 'सारी पार्टी में से कोई भी तुम्हारी मदद करने के हक में नहीं था। केवल विशाल हृदय जान्सी ही यह चाहता था कि अब जबकि तुम बुडा-पेस्ट में उस तक पहुंच ही गए हो तो तुम्हें निर। श न किया जाए। उसी ने बाकी लोगों को भी तुम्हारी मदद करने के लिए तैयार किया है।'

'मैं सबका शुक्रगुजार हूं।'

'लेकिन इतना याद रखो मिस्टर बांड! भविष्य में कभी जान्सी की मदद मांगने के लिए बुडापेस्ट का रुख न करना। जिम को तो तुम इतने नापसन्द हो कि अगर भविष्य में कभी उसने तुम्हें बुडापेस्ट में देख लिया तो वह खुद एन्ड्रेसी डट में करंनल हीदस को फोन कर आएगा कि हंगेरियन सीक्रेट पुलिस का दुश्मन नम्बर वन फिर बुडापेस्ट में मौजूद है।'

मैं ध्यान रखूंगा।'- जेम्स बांड बड़ी संजीदगी से बोला ।

हेलेन ने अपना सारा ध्यान कार चलाने में लगा दिया। वह बात करने के मूड में नहीं मालूम होती थी।

जेम्स बांड ने चुप्पी साध ली ।

वे जान्सी के हैडक्वार्टर पहुंचे। सैन्डर उन्हें बड़े कमरे में ले आया। वहां जान्सी, काउन्ट और जिम पहले ही मौजूद थे।

जेम्स बांड ने सबका अभिवादन किया और काउन्ट की बगल में एक कुर्सी पर बैठ गया।
हेलेन भी कुर्सी पर आ बैठी।

सैन्डर जो ऐसे अवसरों पर सदा ही वहां से गायब हो जाता था, जान्सी के आदेश पर एक अन्य कुर्सी पर बैठ गया।

वातावरण में ब्लेड की धार जैसा पैनापन था ।

'हम सब लोगों ने एक बार फिर आपकी मदद करने का फैसला किया है, मिस्टर बांड।'- जान्सी अपने धीर गम्भीर स्वर में बोला- 'और कृतज्ञता ज्ञापन करने की जरूरत नहीं। हमने यह फैसला आप पर कोई अहसान करने के लिए, आपके या आपके बास 'एम' से कोई वाहवाही हासिल करने के लिए नहीं किया है। मैं यह बात भी आपसे नहीं छुपाना चाहता कि मेरे साथियों का रुख आपके प्रति उत्तन। सोह्रद्धातापूर्ण नहीं है जितना कि मेरा। मेरे साथियों का अब भी यही ख्याल है कि मैं आपकी फिर मदद करने के लिए तैयार होकर कोई समझ दारी का काम नहीं कर रहा हूं। ये लोग मेरे दुःख-सुख के साथी हैं। इसलिए इन्होंने आपकी मदद करने की मेरी इच्छा को नत-मस्तक होकर स्वीकार कर लिया है।'

'मैं आपका शुक्रगुजार हूं।' जेम्सबांड कहे बिना न रह सका।

'शुक्रगुजार होने से पहले पूरी बात सुन लीजिए। आपके बुडापेस्ट आगमन का श्रेय अपने एजेन्ट जान किटसन को आजाद कराना नहीं बल्कि हमारे हंगेरियन वैज्ञानिक को इंगलैंड ले जाना है। लेकिन वैज्ञानिक का नाम जानने के लिए हमारे लिए जान किटसन को स्वतन्त्र कराना आवश्यक हो गया है। हम यह जानने में सफल हो गए हैं कि जान किटसन इस बक्त हंगेरियन सीक्रेट पुलिस के हैडक्वार्टर एन्ड्रेसी डट. में है और कल रात को दो बजे उसे एक विशेष रूप से इन्हीं कामों के लिए निर्मित एक बख्तर बन्द गाड़ी में जारहाजा जेल ले जाया जाने वाला है। जारहाजा जेल का आपको अच्छा तजुर्बा है। आप खुद उसमें कैद रह चुके हैं इसलिए आप जानते हैं कि वह एक अभेद्य किला है। 'आपरेशन बुडापेस्ट' के दौरान अगर काउन्ट ने कैप्टन जोल्ट बनकर मुझे और आपको रिहा न करवाया होता तो निश्चय ही हम वहीं एड़ियां रगड़-रगड़कर मर जाते। कहने का मतलब यह है कि एक बार जान किटसन जारहाजा जेल में पहुंच गया तो वह हमारी पहुंच से बाहर हो जाएगा। इसी प्रकार एन्ड्रसी डट में भी वह हमारी पहुंच से बाहर है। कल वह एन्ड्रेसी डट से जारहाजा जेल ले जाया जाने वाला है और वही एक मौका है जब हम उसे अपने अधिकार में कर सकते हैं। जान किटसम हमें हंगेरियन वैज्ञानिक का

नाम बताएगा। हम उस वैज्ञानिक से सम्पर्क स्थापित करेंगे और अगर हमें ऐसा लगा कि वह वैज्ञानिक इंगलैंड जाने का इतना इच्छुक नहीं है जितना कि आप उसे इंगलैंड ले जाने के इच्छुक हैं तो हम सारा आप-रेशन वहीं ड्राप कर देंगे और आपसे हाथ जोड़ लेंगे। आपकी मदद हम आपकी इस बात पर विश्वास करके कर रहे हैं कि वह हंगेरियन वैज्ञानिक खुद अपनी मर्जी से आपके देश की राज-नैतिक शरण में जाना चाहता है। अगर वास्तविकता इसके विपरीत निकली तो हम समझेंगे कि एक बेईमान और स्वार्थी आदमी ने ईमानदारी का जामा ओढ़कर हमें धोखा दिया है और मिस्टर बांड उस धोखे का परिणाम आपको भुगतना पड़ेगा।'

जान्सी के स्वर में रंचमात्र भी धमकी का पुट नहीं था लेकिन फिर भी जेम्स बांड के शरीर में झुरझुरी दौड़ गई।

'मैं आप लोगों को धोखा देने की कल्पना भी नहीं कर सफता ।' - वह बोला ।

'आप न केवल हमें धोखा देने की कल्पना कर सकते हैं।'-जान्सी बर्फ से ठंडे स्वर से बोला- 'बल्कि बाकायदा धोखा दे सकते हैं। अपने स्वार्थ की सिद्धि के लिए आप कुछ भी उचित अनुचित करने के लिए तैयार हो सकते हैं। पिछली बार आपने खुद हमें बताया था कि ब्रिटिश इन्टेलीजेंस के जीरो-जीरो सेवन विभाग में ऐसे ही हृदयहीन आदमियों की जरूरत होती है जो अपनी स्वार्थ सिद्धि के लिए अपने बाप को भी धोखा देने में या जरूरत पड़ने पर उसे गोली तक से उड़ा देने में एक क्षण के लाखवें भाग के लिए भी न हिवकें। आपने खुद कहा था कि अनुचित क्या है और अमानवीय क्या है और गलत हरकत कौन सी है इसका फैसला आप नहीं आपके अफसर करते हैं, आपके सोचने समझने के लिए तो एक ही बात है कि आपको एक काम करने के लिए दिया गया है और उसे हर उचित अनुचित ढंग से आपको करना है। कहने का मतलब यह है कि हमें आपसे किसी प्रकार की शराफत या ईमानदारी की अपेक्षा तभी कर सकते हैं जबकि उस शराफत और ईमानदारी का प्रदर्शन आपकी स्वार्थ सिद्धि में बाधक न हो। मैं गलत तो नहीं कह रहा हूं?'

'आप एक दम ठीक कह रहे हैं।'- जेम्सबांड के मुंह से अपने आप निकल गया- 'और मैं आपका फिर एक बार अहसानमन्द हूं कि मेरी फितरत को इस हद तक समझते बूझते हुए भी आपने मेरी मदद करने से इन्कार नहीं किया है।'

'शायद मेरे ऐसे ही फैसले मेरे दोस्तों को यह नतीजा निका-लने पर बाध्य करते हैं कि जान्सी को अब अपनी मानसिक शक्ति पर वह कन्ट्रोल नहीं रहा जो कि कभी था। क्यों काउन्ट?'

'हमने ऐसा कभी नहीं सोचा, जान्सी।'- काउन्ट बोला ।

'थैंक्यू! मुझे अपने दोस्तों पर पूरा भरोसा है।'

कई क्षण कोई कुछ नहीं बोला। पता नहीं क्यों एकाएक जेम्स बांड अपने आप को उन लोगों के सामने एक बेहद छोटा और हल्का आदमी महसूस करने लगा था। उसे लगने लगा कि वह सचमुच ही उस महान लोगों को धोखा देकर अपना मतलब हल करने की कोशिश कर रहा था। लेकिन जल्दी उसने यह सोचकर ये विचार अपने मस्तिष्क से झटक दिये कि ००७ विभाग के किसी एजेन्ट के लिए ऐसी बातें सोचना अशोभनीय था।

'मिस्टर बांड ।' - अंत में जान्सी अपने पूर्ववत् शांत और सुसंयत स्वर से बोला- 'अब मैं आपकी उस स्कीम के बारे में बताता हूं जो हमने जान किटसन को अपने अधिकार में करने के लिए तैयार की है।'

जेम्स बांड थोड़ा आगे को झुक गया। उस समय वह सज-गता और सावधानी की प्रतिमूर्ति मालूम हो रहा था।

'पहले काउन्ट से उस बख्तर बंद गाड़ी के बारे में सुन लीजिए जो सीक्रेट पुलिस द्वारा कैदियों को एन्ड्रेसी डट से जारहाजा जेल ले जाने के लिए इस्तेमाम की जाती है।'

काउन्ट ने अपने मुंह में से अपना सुनहरी सिगरेट होल्डर निकाल लिया और खंखार कर बोला- 'जैसा कि जान्सी ने बताया है कि वह बेहद मजबूत स्टील की बनी हुई बख्तर बन्द गाड़ी है। गाड़ी की साइडों में दो छोटे-छोटे रोशनदोनों पर आधी आधी इंच मोटी लोहे की छड़ें लगी हुई हैं। गाड़ी के दरवाजे पर एक टाइम लाक लगा हुआ है। उसकी सहायता से ताला खुलने का जो समय निर्धारित कर दिया जाता है, उससे पहले खुद बह गाड़ी बनाने वाला गाड़ी का ताला नहीं खोल सकता। एन्ड्रेसी डट में मेजर होवार्थ के रूप में अपनी नौकरी के दौरान मैने देखा है कि एन्ड्र सी डट से गाड़ी

के चलने के समय के चार घन्टे बाद के समय पर गाड़ी के टाइम लाक को सैट कर दिया, जाता है। एन्ड्रेसी डट से जारहाजा जेल सौ किलोमीटर दूर है, साधारणतया बख्तर बन्द गाड़ी यह फासला तीन घण्टे में तय करती है, लेकिन टाइम लाक चार घण्टे बाद पर इसलिये सैट किया जाता है ताकि अगर रास्ते में ट्रैफिक जाम या किसी और वजह से गाड़ी कहीं अटक जाये तो उतना समय कवर हो जाए। जारहाजा जेल में ट्रक पहुंच जाने के बाद निर्धारित समय पर अर्थात् चार घण्टे बाद दरवाजा अपने आप खुल जाता है और कैदी को गाड़ी में से निकाल कर जेल की काल कोठरी में ट्रांस-फर कर दिया जाता है।'

'अगर कोई गाड़ी को ताला खुलने के समय तक ररास्ते में ही रोक ले?'- जेम्स बांड ने प्रश्न किया ।

'तो गाड़ी के ड्राइवर को गाड़ी के डैशबोर्ड पर लगा एक छोटा सा सफेद बटन भर दबाना पड़ेगा और टाइम लाक का समय अपने आप कैन्सिल हो जाएगा। ड्राइवर को निर्देश है कि अगर वह कोई मामूली सी भी गड़बड़ देखे तो वह बटन दबा दे । फिर निर्धारित समय पर गाड़ी का दरवाजा नहीं खुलेगा।'

'फिर दरवाजा खुलेगा कैसे?'

'संसार के केवल दो ही आदमी वह कोड जानते हैं जिसे दरवाजे के ताले पर लगे डायल पर घुमाने से बह दरवाजा खुलता है। एक हंगेरियन सीक्रेट पुलिस का चीफ फरमिन्ट और दूसरा सीक्रेट पुलिस में सीनियारिटी पर दूसरे नम्बर का अफसर कर्नल हीदस। जिस आदमी ने वह वख्तर बन्द गाड़ी बनाई थी, वह भी कोड नम्बर जानता था लेकिन वह मर चुका है। एक बार टाइम लाक कैन्सिल हो जाने के बाद वह दरवाजा तब तक नहीं खुल सकता जब तक कि चीफ फरमिंट या कर्नल हीदस खुद आकर उसे न खोलें।

"आई सी'- जेम्स बांड हत्प्रभ स्वर से बोला ।

इसके अलावा बस्तर बन्द गाड़ी में ड्राइवर के केबिन में एक शार्ट वेव का ट्रांसमीटर लगा हुआ है जिसके माध्यम से वह एन्ड्रेसी डट से निकलने के बाद से हर समय एन्ड्रेसी डट के कन्ट्रोल रूम से सम्पर्क बनाये रखता है। अगर कोई आदमी रास्ते में ट्रक को रोकने की कोशिश करता है तो उसे केवल डैशबोर्ड पर लगा एक

अन्य लाल बटन दबाना पड़ता है और ट्रांसमीटर से एक खतरे का सिग्नल प्रसारित होने लगता है। वह सिग्नल मिलते ही दर्जनों सिविल और सीक्रेट पुनिस की गाड़ियां घटना स्थल की ओर दौड़ पड़ती हैं। इसके अतिरिक्त डैशबोर्ड पर एक तीसरा नीला बटन और होता है जिसके दबते ही गाड़ी के दांये-बांये की खिड़कियों और विंड शील्ड पर और गाड़ी के रोशन-दानों पर लोहे के मजबूत शटर आ गिरते हैं और बख्तरबन्द गाड़ी एक सौ फीसदी बन्द लोहे का बक्सा बन जाता है जिसे बाहर से खोलना असम्भव है।'

'ड्राइवर ट्रक में अकेला होता है?'

'नहीं। उसके साथ एक सशस्त्र गार्ड और होता है हालांकि जरूरत उसकी भी नहीं होती। आखिर एक बटन दबाने में समय ही कितना लगता है? दो सैकिण्ड! और तीन बटन दबाने में छः सैकिंड । छः सैकिंड के समय में वह ट्रक स्टील का ऐसा बक्सा बन जाता है जिसे बाहर से हरगिज भी नहीं खोला जा सकता और फिर पलक झपते ही वहां सिविल और सीक्रेट पुलिस के सशस्त्र जवानों की गाड़ियां पहुंच जाती हैं।'

'जरा मुझे स्थिति को ढंग से समझने दीजिये'- जेम्स बांड बोला- 'आप यह कहना चाहते हैं कि छः सैकेण्ड से भी कम समय में आपने उस बख्तर बन्द गाड़ी को रोकना है, उसका दर-वाजा खोलना है और ड्राइवर को कोई भी बटन दबाने से रोकना है। छः सैकेण्ड तो गाड़ी के पास पहुंचने के लिए भी काफी नहीं हैं। आप ने गाड़ी की ओर एक कदम भी नहीं बढ़ाया होगा कि टाइम लाक कैन्सिल हो जायेगा, गाड़ी की खिड़कियों पर लोहे के शटर आ गिरेंगे और ट्रांसमीटर चेतावनी के सिग्नल प्रसारित करने आरम्भ कर देगा।'

'करक्ट'- उत्तर जान्सी ने दिया।

'फिर भी आप इस असम्भव कृत्य को सम्भव बना सकते हैं?"

'करैक्ट अगेन ।'
'कैसे सम्भव होगा यह?'

जान्सी ने काउन्ट की ओर देखा ।

'पहले एन्ड्रेसी डट और जारहाजा जेल के बीच के रास्ते के बारे में सुनिये'- काउन्ट बोला- 'पहले बीस किलोमीटर का रास्ता बुडापेस्ट और आसपास की आबादी में से ही गुजरता है इसलिए वहां गाड़ी रोकने का इरादा करना भी मूर्खता है। आगे के पचास किलोमीटर में गाड़ी हाइवे नम्बर दस से गुजरती है, उस पर दिन रात भारी ट्रैफिक रहता है इसलिए गाड़ी वहां भी नहीं रोकी जा सकती। आखिरी पांच किलोमीटर की जारहाजा जेल की प्राइवेट सड़क है इसलिये गाड़ी वहां रोकने का भी सवाल पैदा नहीं होता। बीच के पच्चीस किलोमीटर के रास्ते में दो सड़कें हैं। एक जरा घूम कर जाती है। इसलिये लम्बी है, दूसरा रास्ता छोटा है लेकिन जरा ऊबड़ खाबड़ है लेकिन फिर भी जार-हाजा जेल जाने वाली या जेल की दिशा में जाने वाली अधिकतर गाड़ियां उस ऊबड़ खाबड़ लेकिन छोटे रास्ते से ही गुजरना पसंद कस्ती हैं। मैंने हमेशा देखा है कि वह बख्तर बन्द गाड़ी हमेशा उस छोटे रास्ते से ही गुजरती है। उस रास्ते पर सड़क एक स्थान पर एक गहरा मोड़ काटती है और फिर एकदम संकरी होकर दो ऊंची-ऊंची चट्टानों के बीच में से गुजरती है। चट्टानों की उस स्थिति की वजह से वहां कई मोटर एक्सीडेंट हो चुके हैं। आदमी तेजी से कार चलाता हुअन आता है, मोड़ घूमता है और सामने चट्टानों के बीच में से गुजरती हुई संकरी सड़क पर या तो वह अपनी कार नहीं सम्भाल पाता इसीलिए एक्सीडेंट हो जाता है और या फिर दूसरी ओर से कोई और गाड़ी आ रही होती है जोकि उसे दिखाई नहीं देती और दोनों गाड़ियां सड़क के उस चट्टानों के बीच के हिस्से में भिड़ जाती हैं।'

'सरकार उस सड़क को चौड़ा नहीं करवाती?'- जेम्स बांड ने पूछा ।

'जरूरी नहीं समझती। क्योंकि बगल में अच्छी, बड़ी सड़क है। अधिकारियों की निगाह में लोगों को बड़ी सड़क इस्तेमाल करनी चाहिये लेकिन वह रास्ता लम्बा होने के कारण बहुत कम लोग उसे इस्तेमाल करते हैं। हां उन चट्टानों के पास सरकार ने लोगों को सावधानी से गाड़ी चलाने का एक निदेश देने वाला बोर्ड जरूर लगा दिया है।'

'उस सड़क का कोई खास फायदा है?'

'है। वही मैं बताने जा रहा हूं। कल्पना कीजिये कि वह बस्तर बन्द गाड़ी उस सड़क पर आ रही है। ज्यों ही वह चट्टानों के बीच में से आगे निकलती है, ड्राइवर और गार्ड को सड़क के किनारे एक खड्डे में एक कार उलटी हुई दिखाई देती है। और सड़क

के बीचों-बीच एक लड़की पड़ी दिखाई देती है जो खून से लथपथ है और जिसका यह भी पता नहीं कि वह जिन्दा है कि मर गई। जाहिर है कि एक एक्सीडेन्ट हो गया है। मिस्टर बांड आप बताइये बख्तर बन्द गाड़ी का ड्राइवर क्या करेगा? गाड़ी को लड़की के ऊपर से गुजारता हुआ ले जायेगा या रुक कर यह देखने की कोशिश करेगा कि लड़की मर गई है या जिन्दा है?'

'मेरे ख्याल से तो वे गाड़ी रोक देंगे'- जेम्स बांड कुर्सी पर पहलू बदलता हुआ बोला ।

'फिर?'

'फिर शायद गार्ड और ड्राइवर में से एक गाड़ी से बाहर निकल कर यह देखने के लिये आगे बढ़ेगा कि लड़की मर गई है या जिन्दा है और दूसरा ट्रांसमीटर पर एक्सीडेन्ट की सूचना अधिकारियों को दे देगा। फिर जो गाड़ी से बाहर निकलेगा वह लड़की के जिन्दा या मुर्दा शरीर को सड़क के किनारे पर कर देगा और वे लोग बख्तरबन्द गाड़ी आगे निकाल ले जायेंगे। उनकी रिपोर्ट के आधार पर बाद में वहां मदद पहुंच जायेगी और लड़की के लिये जो सम्भव होगा कर दिया जायेगा।'

'करैक्ट'- काउन्ट सन्तुष्टिपूर्ण स्वर से बोला- 'मेरा भी यही ख्याल है। अब स्थिति यह है कि गाड़ी रुक गई है। गाड़ी में मौजूद दो आदमियों में से एक गाड़ी के बाहर है और दूसरा भीतर। अब आप बताइये क्या भीतर वाला आदमी वह सफेद और नीला दोनों बटन दबा देगा जिनसे टाइम लाक कैंसिल हो जाता है और गाड़ी की खिड़कियों पर शटर आ गिरते हैं।'

'नहीं ।'- जेम्स बांड अविचलित स्वर से बोला ।

'क्यों?'

'क्योंकि एक बार टाइम लाक कैंसिल हो जासे पर गाड़ी का दरवाजा खोलकर कैदी को बाहर निकालना असम्भव हो जाता है। फिर दरवाजा खोलने के लिये जारहाजा जेल में चीफ फर-मिन्ट या कर्नल हीदस में से किसी को आना पड़ेगा और ड्राइवर या गार्ड ऐसा नहीं चाहेंगे क्योंकि प्रत्यक्षतः उन्हें ट्रक को कोई खतरा नहीं दिखाई दे रहा

होगा। खामखाह बटन दबाने की वजह से फरमिन्ट या हीदस को जो असुविधा होगी उसकी वजह से वे उनकी ऐसी तैसी कर देंगे।'

'राइट ।'

'और नीला बटन वे इसलिए नहीं दबायेंगे क्योंकि फिर गाड़ी से बाहर गया हुआ आदमी भीतर नहीं आ पायेगा।'

'राइट अगेन । बटन दबाने की कोई वजह ही नहीं है। वह जगह ही ऐसी है जहां हर कोई जानता है कि एक्सीडेन्ट हो जाने की सम्भावना हमेशा ही होती है। एक और एक्सीडेन्ट देख कर किसी के कान खड़े नहीं होंगे। अब पोजीशन यह है, मिस्टर बांड, की गाड़ी रुक चुकी है कोई बटन नहीं दबाया गया है, एक आदमी - शायद सशस्त्र गार्ड-गाड़ी से बाहर है और दूसरा आदमी-शायद ड्राइवर-गाड़ी के भीतर है। उन चट्टानों की अगल-बगल सड़क के किनारे झड़ियां उगी हुई हैं जिसके पीछे दो तीन आदमी बड़ी आसानी से ग्रुप सकते हैं। गार्ड सड़क पर पड़ी लड़की की ओर बढ़ रहा है। गाड़ी में बैठा ड्राइवर अपने साथी को आगे बढ़ता देख रहा है। उसी क्षण झाड़ियों के के पीछे से चुप-चाप एक आदमी निकलता है और ड्राइवर की साइड में पहुंचता है। वह ड्राइवर की कनपटी के साथ रिवाल्वर लगा देता हैं। दूसरी ओर तब तक गार्ड लड़की के समीप पहुंच चुका है। लड़की फुर्ती से अपने स्थान से उठती है और गार्ड की छाती पर रिवाल्वर रख देती है। अब बताइये क्या होगा? सीक्रेट पुलिस के वे दो आदमी हीरो बनने की कोशिश करेंगे और अपनी जान दे देंगे या हथियार डाल देंगे?'

'निश्चय ही हथियार डाल देंगे।'- जेम्स बांड बेहिचक बोला - 'वरना जान से हाथ धो बैठेंगे।'

'करैक्ट । यानि कि अब वह बख्तरबन्द गाड़ी जिसमें कैद कर के जान किटसन को जारहाजा जेल ले जाया जा रहा है, अधिकार में है। उस गाड़ी को हम एक बड़े से हर ओर से बन्द दूक में लाद कर यहां ले आयेंगे और अपने, निर्धारित समय पर ताले के अपने आप खुलने का इन्तजार करेंगे। गाड़ी दो बजे एन्ड्रेसी डट से रवाना होगी। टाइम लाक के अपने आप खुलने का निर्धारित समय छः बजे होगा। लगभग चार बजे गाड़ी हमारे अधिकार में होगी। उसे वहां से तुरन्त हटाना इसलिए आवश्यक होगा क्योंकि ज्यों ही गाड़ी का ट्रांसमीटरद्वारा एन्ड्रेसी डट से सम्पर्क टूटेगा, वे लोग भांप

जायेंगे कि कोई गड़बड़ हो गई। फिर पुलिस की गश्ती गाड़ियां जेल के रास्ते को छानने लगेंगी, शार्यंद वे हेलीकाप्टर भी भेजें। अधिक से अधिक बीस मिनट में वे लोग उन चट्टानों तक पहुंच जायेंगे। उतने समय में हमने गाड़ी को ट्रक में छुपाकर वहां से ही कूच कर देना है।'

'उसकी जरूरत क्या है?' - जेम्स बांड बोला- 'हम गाड़ी के रोशनदान में से जान किटसन को आवाज दे सकते हैं और उससे कम्यूनिस्ट वैज्ञानिक का नाम पूछ सकते हैं। आखिर यह सारा हंगामा उस कम्यूनिस्ट वैज्ञानिक का नाम जानने के लिए ही तो किया जा रहा है जो इंगलैंड की शरण में आना चाहता है और जिसका नाम केवल किटसन जानता है।'

'ओफ्फोह!'- एकाएक हेलेन बोल पड़ी- 'कैसे निर्दयी आदमी हो तुम! तुम्हें अपने काम से मतलब है, अपने साथी एजेंट की जान से मतलब नहीं जो तुम्हीं लोगों की वजह से मुसीबत में फंस गया है। तुम चाहते हो कि वह रोशनदान के रास्ते ही तुम्हें उन कम्यूनिस्ट वैज्ञानिक का नाम बता दे और तुम गाड़ी को उसके समेत वहीं छोड़ कर खिसक जाओ। तुम्हें अपने साथी को उस असहाय हालत में छोड़ते हुए शर्म नहीं आएगी ?'

'नहीं आएगी।'- जेम्स बांड भावहीन स्वर से बोला- 'मेरा काम मिशन में जल्दी से जल्दी कामयाब होना है अपने संगी साथियों की हालत देखकर शर्म करना नहीं। खासतौर पर इस-लिए क्योंकि मैं जानता हूं कि अगर किटसन की जगह मैं होता और मेरी जगह किटसन होता तो वह भी वही करता। वह भी मुझे गिरफ्तारी से निजात दिलाने की कोशिश किए बिना ही कम्यूनिस्ट वैज्ञानिक का नाम जानने की कोशिश करता और नाम मालूम हो जाने पर मुझे मुक्त कराने में वक्त बरबाद करने के स्थान पर अभियान की सफलता के बिए ज्यादा जरूरी कामों में लग जाता।'

'हमें जान कर खुशी हुई, मिस्टर बांड' - जान्सी अपने स्व-भाव सुलभ शान्त स्वर से बोला- 'कि आप बेरहम और हृदय-हीन जरूर हैं लेकिन झूठे नहीं। हेलेन, यह मिस्टर बांड का नहीं मिस्टर बांड की ट्रेनिंग का कसूर है। इन्हें बेरहम, हृदयहीन और क्रूर होने की विशेष ट्रेनिंग दी जाती है। और उनकी हत्यारी प्रवृत्तियों को बढ़ावा दिया जाता है।'

जेम्स बांड चुप रहा। जान्सी जो कुछ कह रहा था, कम से कम उसकी तारीफ करने के लिए नहीं कह रहा था।

'दोस्तो ।'- काउन्ट बोला- 'फिलहाल स्थिति यह है कि किटसन को रोशनदान के रास्ते आवाज देकर उससे हंगेरियन वैज्ञानिक का नाम जान लेना सम्भव नहीं है। कल जिस वक्त उसे बख्तरबन्द गाड़ी में लाद कर जारहार्जा जेल में भेजा जायेगा, उस वक्त वह होश में नहीं होगा। एन्ड्र सी डट के जल्लाद कोको ने उसे इस हद तक ढार्चर किया है कि मुझे उम्मीद नहीं कि उसे दो तीन दिन तक होश आये। आपके विभाग के चीफ 'एम' की इस बात में हमें तारीफ करनी पड़ेगी, मिस्टर बांड कि इंटेली-जेन्स एजेंट बनाने के लिए उसकी पारखी निगाह ऐसे व्यक्तियों पर ही पड़ती है जो बेपनाह टार्चर बर्दाश्त कर चुकने के बाद भी अपनी जुबान नहीं खोलते । मिस्टर बांड आप खुद कोको नाम के उस विशालकाय राक्षस से मिल चुके हैं जिसे कर्नल हीदस ने लोगों को टार्चर करने के लिए एन्ड्रेसी डट में रखा हुआ है। कोको का दावा है कि केवल दो घंटे में वह संसार के सख्त से सख्त आदमी की जुबान खुलवा सकता है लेकिन लगता है आप की इंटेलीजेन्स के एजेन्टों के मामले में उसका दावा सरासर झूठा सिद्ध हुआ है। न वह मैक्स ओल्गर की जुबान खुलवा सका था और न वह अब जान किटसन की जुबान खुलवा सका है।'

'जान किटसन के बारे में आप यह कैसे कह सकते हैं कि उसने अपनी जुबान नहीं खोली है ?'

'उसने अपनी जुबान नहीं खोली है इसका सबसे बड़ा सबूत यही है कि उसे एन्ड्रेसी डट से जारहाजा जेल भेजा जा रहा है। केवल वही कैदी जारहाजा जेल के कमान्डर को सौंपे जाते हैं जिन पर एन्ड्रेसी डट में जुबान खुलवाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले तरीके कामयाब नहीं होते।'

'जबकि हकीकत यह है कि जान किटसन को तोड़ने में कोको ही कामयाब हो गया होगा।'

'क्या मतलब?'

'जान किटसन हमारा महत्वपूर्ण एजेन्ट नहीं है। वह कुछ जानता ही नहीं है। टार्चर किए जाने पर वह हकीकत ब्यान कर रहा होगा कि वह कुछ नहीं जानता और एन्ड्रेसी डट में किसी को उसकी बात पर विश्वास नहीं हो रहा होगा।'

'बेचारा!'- हेलेन के मुंह से निकला।

'अगर छः बजे बख्तरबन्द गाड़ी का दरवाजा अपने आप न खुला तो?'- जेम्स बांड ने हेलेन की व्यंग्योक्ति को अनसुना करते हुए पूछा ।

'अव्वल तो ऐसा होगा नहीं।' उत्तर जान्सी ने दिया- 'यदि ऐसा हो भी गया तो मुझे विश्वास है कि सैन्डर उस टाइम लाक को जरूर खोल लेगा। क्यों सैन्डर!'

'अगर मुझे काफी वक्त दिया जाए तो ।' - सैंडर भावहीन स्वर से बोला ।

'सैंडर ऐसे ताले खोलने में माहिर है। उसका दावा है कि अगर इसे पर्याप्त समय दिया जाए तो यह दुनिया का पेचीदा से पेचीदा ताला खोल सकता है।'

'प्रत्यक्षतः योजना अच्छी है लेकिन इसे कार्यरूप में परिणत करते समय अप्रत्याशित अड़चनें सामने आ सकती हैं।'

'जैसे!'

'जैसे हम यह मान कर चल रहे हैं कि जिस वक्त बख्तर बन्द गाड़ी को काबू किया जा रहा होगा उस वक्त सड़क खाली होगी और गाड़ी को ट्रक पर लाद लेने तक खाली रहेगी जबकि काउन्ट ते खुद बताया है कि वह चलती सड़क है, ऐन मौके पर वहां कई गाड़ियां आ सकती हैं हैं।'

'ईजी।'- जान्सी बोला- 'बख्तर बन्द गाड़ी के गुजरते ही छोटी सड़क के दहाने पर एक बोर्ड ठोक दिया जायेगा जिस पर लिखा होगा- 'सड़क की मरम्त हो रही है। दूसरी सड़क से जाइये। इस समस्या का समाधान तो बड़ा मामूली है। और?'

'और कोई अड़चन फिलहाल मेरे दिमाग में नहीं आ रही है लेकिन किसी अप्रत्याशित घटना के घटित होने की सम्भावना हमेशा ही होती है।'

'होती है और उनका ऐन मौके पर कोई न कोई अप्रत्याशित हल भी निकल आता है।'

'आप ठीक कह रहे हैं।'

'गुड! योजना का खाका काउन्ट आपके सामने खींच चुके हैं। अब मैं बताता हूं कि इसमें किसने क्या रोल अदा करना है जिम तुम चीजें नोट करते जाओ जिनकी हमें जरूरत पड़ेगी।'

'यस सर!'- जिम तत्पर स्वर से बोला ।

'हेलेन वह लड़की होगी जिसे बख्तर बन्द गाड़ी के गार्ड और ड्राइवर खून से लथपथ सड़क के बीचों-बीच पड़ी देखेंगे।'

जेम्स बांड ने देखा, हेलेन के चेहरे पर शिकन नहीं आई। 'हमें एक स्पोर्टस कार की जरूरत पड़ेगी जिसको तूफानी
रफ्तार से चलाती हुई वह बख्तर बन्द गाड़ी की बगल से गुजरेगी। उस स्पोर्टस कार को खड्डु में उलटाने के लिए दो लोहे की मजबूत और कम से कम दस-दस फुट लम्बी छड़ों की जरूरत पड़ेगी। स्पोर्टस कार ज्यादा बजनी नहीं होती। दो आदमी लोहे की छड़ों की सहायता से बड़ी आसानी से उलटा कर खड्डु में फेंक सकते हैं। जिम, नोट करो, एक स्पोर्टस कार और दो दस-दस फुट लम्बी लोहे की छड़ ।'

'यस सर ।'- जिम बोला ।

'अब मैं सारी योजना आपके सामने डिटेल से रख रहा हूं।' जान्सी बोला- 'किसी को कोई शंका हो तो तुरन्त मुझे टोक दें। ओ० के०?'

सबने सहमति सूचक ढंग से सिर हिलाया।

'हेलेन स्पोर्टस कार लेकर दो बजे से पहले ही एन्ड्रेसी डट के समीप पहुंच जाएगी और बखतर बन्द गाड़ी के वहां से रवाना होने की प्रतीक्षा करेगी। जेम्स बांड और काउन्ट स्टेशन वैगन पर सवार होकर उन चट्टानों तक पहुंचेंगे। जेम्स बांड के पास अपनी रिवाल्वर होगी। काउन्ट के पास एक रायफल होगी।

जिम, नोट करो एक रायफल ।'

'यस सर!'- जिम बोला ।

'सैन्डर वह ट्रक चलायेगा जिस पर बाद में उस बख्तर बन्द गाड़ी को लादा जायेगा। ट्रक में फिसल कर जमीन पर आलगने वाली दो पटड़ियां विशेष रूप से फिट की जायेंगी जिन पर चढ़-कर गाड़ी ट्रक में दाखिल होगी। यह काम सैन्डर खुद कर लेगा। सैन्डर के साथ ट्रक में जिम होगा। उसके पास दो बोर्ड होंगे, जिन पर लिखा होगा- 'सड़क मरम्मत हो रही है। दूसरी सड़क से जाइये। जिम, नोट करो दो साइन बोर्ड और उन्हें जमीन में गाड़ने के लिए दो भारी हथौड़े।'

'नोटिड सर।'- जिम बोला ।

'छोटी सड़क के दहाने पर जिम एक साइन बोर्ड और एक हथौड़े के साथ ट्रक से उतर जाएगा और आसपास कहीं झाड़ियों में छुपकर प्रतीक्षा करेगा। बख्तर बन्द गाड़ी के छोटी सड़क पर प्रविष्ट होते ही वह उस सड़क पर एक बोर्ड गाड़ देगा और फिर कहीं ओट में जाकर छुप जायेगा। वह बोर्ड लग जाने के बाद कोई गाड़ी छोटी सड़क पर नहीं आयेगी। समझ गए, जिम?'

'समझ गया ।'

'गुड! जेम्स बांड और काउन्ट स्टेशन वैगन पर उस स्थान पर पहुंचेंगे जहां सड़क चट्टानों के बीच में से गुजरती है। वे स्टेशन वैगन को आसपास कहीं छुपा देंगे और स्वयं लोहे की छड़ें लेकर झाड़ियों के पास कहीं छुप जायेंगे। ओ० के०?'

'ओ० के०'- जेम्स जांड और काउन्ट एक साथ बोले ।

'सैन्डर ट्रक को तेजी से चलाता हुआ सड़क के दूसरे सिरे पर ले जायेगा जहां दोनों सड़कें फिर मिलती हैं। दूसरा साइन बोर्ड वह वहां छोटी सड़क के दहाने के पास गाड़ आयेगा और ट्रक को वापिस चट्टानों के पास ले आयेगा। वह ट्रक को चट्टानों से बहुत दूर रखेगा क्योंकि सड़क के आसपास की झाड़ियां इतनी ऊंची नहीं हैं कि उनके पीछे वह विशाल ट्रक छुप सके । सिग्नल मिलते ही सैन्डर को ट्रक को तूफानी रफ्तार से चट्टानों के पास लाना होगा क्योंकि समय बहुत कम होगा और अगर हम एक क्षण भी फालतू बचा सकेंगे वह हमारे लिये फायदेमन्द होगा।'

'सिग्नल क्या होगा?' सैन्डर ने पूछा।

'सीटी। एक लम्बी सीटी की आवाज सुनते ही तुम ट्रक को चट्टानों के पास ले जाओगे। जिम, नोट करो, एक सीटी जैसी मैचों में रैफरी इस्तेमाल करते हैं।'

'नोटेड, सर।'

'हेलेन, तुम' - जान्सी हेलेन की ओर घूमा- 'अपनी स्पोर्ट स बख्तर बन्द गाड़ी से काफी पीछे रखोगी, इतनी पीछे कि गाड़ी का ड्राइवर तुम्हारी कार को या तुम्हें देख न पाये । ज्यों ही गाड़ी छोटी सड़क में दाखिल होगी तुम अपनी कार की रफ्तार बढ़ा दोगी और एकदम बस्तर बन्द गाड़ी के पीछे पहुंच जाओगी । तुम जोर जोर से कार का हार्न बजाना प्रारम्भ कर दोगी। गाड़ी का ड्राइवर गाड़ी एक ओर कर लेगा और तुम्हें आगे निकल जाने देगा। लेकिन जब तुम्हें ऐसी कोशिश करनी होगी कि ड्राइवर का घ्यान तुम्हारी स्पोर्ट स कार की ओर और उसकी तूफानी रफ्तार की ओर आकर्षित हो जाये ताकि बाद में उसे तुम्हारी याद रहे। मैं चाहता हूं वह यह समझे कि तुम बहुत जल्दी में हो और उस ऊबड़-खाबड़ सड़क पर उस खतर-नाक रफ्तार से कार चलाकर मरने का काम कर रही हो। गाड़ी को पार कर जाने के बाद तुम जल्दी से जल्दी चट्टानों के पास पहुंचने की कोशिश करोगी। तुम दक्ष ड्राइवर हो और अपनी स्पोर्ट स स कार को सौ किलोमीटर प्रति घण्टा की रफ्तार में बड़ी सहूलियत से चला सकती हो जबकि बस्तर बन्द गाड़ी के ड्राइवर को निर्देश है कि वह किसी भी सूरत में गाड़ी की रफ्तार चालीस किलोमीटर प्रति घण्टा से ज्यादा न बढ़ाये । मोड़ काटते ही तुम गाड़ी के ड्राइवर की दृष्टि से ओझल हो जाओगी और अपनी उनसे ढाई गुना तेज रफ्तार के कारण उनसे बहुत पहले चट्टानों के पास उस स्थान पर पहुंच जाओगी जहां झाड़ियों के पीछे जेम्स बांड और काउन्ट छुपे हुए होंगे। फौरन तुम कार से निकल जाओगी। जेम्स

बांड और काउन्ट लोहे की छड़ों की सहायता से तुम्हारी कार को खड्डे में उलट देंगे और एक्सीडेन्ट को ज्यादा से ज्यादा प्रमाणिकता का पुट देने के लिए कार को आग लगा देंगे। कार की टंकी को दूर से ही आग लगा देने के लिए एक पेट्रोल से भीगी हुई लम्बी रस्सी की जरूरत पड़ेगी। जिम, नोट कर लो।'

'नोटिड, सर ।'

'और हमें ढेर सारे ताजे खून की जरूरत पड़ेगी। बिम, कल तुम कम से कम दो बोतल बकरे या सूअर के खून का इन्तजाम कर सकते हो?'

'ईजी। मैं खून ले आऊंगा।'

'तो फिर इसे भी नोट करो।'

'नोटिड आलरेडी, सर।'

'गुड । कार उलटने के बाद हेलेन अपने कपड़ों पर और शरीर पर खून उंडेल लेगी और सड़क के बीचों-बीच लेट जायेगी । जेम्स बांड और काउन्ट ढेर सारा खून उसके आसपास सड़क पर उंडेल देंगे और कार को आग लगा देंगे। उस हालत में हेलेन को पड़ा देखकर देखने बाला यही समझेगा कि एक भयंकर एक्सीडेन्ट हो गया है। हेलेन कार में से उछल कर सड़क पर आ गिरी है और अब दम तोड़ रही है या दम तोड़ चुकी है। हेलेन तुम अपने साथ एक नई ड्रेस ले जाना मत भूलना। बाद में तुम्हें अपने खून से रंगे कपड़े बदलने पड़ेंगे।'

'नहीं भूलूंगी' हेलेन बोली ।

'बख्तर बन्द गाड़ी के वहां पहुंचने से पहले जेम्स बांड और काउन्ट झाडियों के पीछे जा छुपे होंगें। हेलेन के एक हाथ में रिवाल्वर होगी और उसका रिवाल्वर वाला हाथ उसके शरीर के नीचे छुपा हुआ होगा। काउन्ट झाड़ियों के पीछे अपनी आटो- मेटिक रायफल लिये तैयार होगा। जेम्स बांड अपनी रिवाल्वर के साथ तैयार होंगे। उसी क्षण चट्टानों के बीच में से बस्तर बन्द गाड़ी निकलेगी और जाहिर है कि सड़क पर पड़ी हेलेन से थोड़ी दूर आकर खड़ी हो जायेगी। यहां थोड़ा सा सिलसिला हमारी

योजना की हद से बाहर का है। ह्म शतप्रतिशत निश्चित रूप से यह नहीं कह सकते कि हेलेन को सड़क के बीच में पड़ा देख-कर गार्ड और ड्राइवर क्या करेंगे लेकिन एक बात निश्चित है कि वे कम से कम गाड़ी से हेलेन को रौंदते हुए नहीं गुजर जायेंगे । वे रुकेंगे जरूर । उसके बाद शायद ड्राइवर और गार्ड दोनों ही गाड़ी से बाहर निकल आयें लेकिन इस बात की सम्भावना कम है। मेरा ख्याल यही है कि ड्राइवर गाड़ी में ही बैठा रहेगा और गार्ड बाहर निकलकर हेलेन की ओर बढ़ेगा। जेब गार्ड हेलेन की ओर बढ़ रहा होगा उसी दौरान जेम्स बांड गाड़ी के पिछले भाग से होते हुये ड्राइवर के समीप पहुंचने की कोशिश करेंगे । झाड़ियों में छुपा काउन्ट अपनी रायफल से हेलेन की ओर बढ़ते हुये गार्ड को कवर किये होगा। ज्यों ही गार्ड हेलेन के समीप पहुंचेगा, जेम्स बांड आगे बढ़कर अपनी रिवाल्वर ड्राइवर की खोपड़ी से सटा देंगे। हेलेन अपनी रिवाल्वर से गार्ड को कबर कर लेगी। यहां तक किसी को कोई शिकायत? कोई एतराज? कोई शंका?'

कोई कुछ नहीं बोला ।

'वाट डू यू से, मिस्टर बांड?'

'अभी तक सिलसिला सन्तोषजनक है'- जेम्स बांड बोला । 'गुड, गुड'- जान्सी सन्तोषपूर्ण ढंग से सिर हिलाता हुआ बोला- 'उस क्षण के बाद क्या होगा, इसकी हम कल्पना ही कर सकते हैं। ड्राइवर और गार्ड हथियार भी डाल सकते हैं और बखेड़ा भी खड़ा कर सकते हैं। अगर गार्ड कोई बखेड़ा करेगा तो काउन्ट अपनी रायफल द्वारा उसे कवर किये होगा ही, वह उसे सम्भाल लेगा। अगर ड्राइवर कोई बखेड़ा करने की कोशिश करेगा तो उसे जेम्स बांड सम्भाल लेंगे लेकिन जेम्स बांड को हर हालल में ड्राइवर को डैश बोर्ड में लगे तीन बटनों में से कोई भी बटन दबाने से रोकना है। इसीलिये जेम्स बांड का काम सबसे ज्यादा सतर्कता और सजगता का है। मेरी भगवान से यही प्रार्थना है कि ड्राइवर और गार्ड हीरो बनने की कोशिश न करें बर्ना वे खामखाह मारे जायेंगे ।'

'मुझे उम्मीद है वे वे समर्पण कर देंगे।'- काउन्ट बोला ।

'भगवान करे ऐसा ही हो।'

लेकिन जेम्स बांड को पहले तो ऐसी उम्मीद ही नहीं थी और फिर उसकी निगाह में उन दोनों की हत्या कर देना ही श्रेयस्कर था क्योंकि बाद में जब तफ्तीश शुरू होती है तो ऐसे आदमी जरूर कोई समस्या खड़ी कर देते हैं। और कुछ नहीं तो वे कम से कम उन लोगों के हुलिये तो पुलिस को बयान कर ही सकले थे। उस सूरत में सीक्रेट पुलिस को जेम्स बांड की बुडापेस्ट में मौजूदगी की खबर लग जाती जो कि जेम्स बांड हरगिज नहीं चाहता था ।

लेकिन प्रत्यक्षतः जेम्स बांड ने अपने विचार अपनी जुबान पर नहीं आने दिये ।

'ड्राइवर और गार्ड के अधिकार में आते ही काउन्ट 'सीटी बजा देगा'- जान्सी फिर बोला- 'सैन्डर ट्रक के साथ उस स्थान से सांच छः सौ मीटर से ज्यादा दूर नहीं होगा। इतने फासले तक उस तेज सीटी की आवाज जरूर पहुंच जाएगी। वह तुरन्त ट्रक को वहां ले आएगा। सैन्डर आते ही पहला पह काम यह करेगा कि वह ड्राइवर और गार्ड के हाथ-पांव बांधकर और उनके मुंह में कपड़ा ठूंसकर उन्हें झाड़ियों के पीछे डाल देगा। फिर वह ट्रक का पिछला भाग खोल देगा और लोहे की पटड़ियां जमीन के साथ लगा देगा। मिस्टर बांड बख्तर बन्द गाड़ी में जा चढ़ेंगे। वे गाड़ी को उन पटड़ियों पूर चढ़ाते हुए ट्रक के भीतर ले जाएंगे। इस काम में बड़ी दक्षता की जरूरत है और मुझे

उम्मीद है कि मिस्टर बांड इसे बड़ी सहूलियत से कर लेंगे।'

'मुझ पर भरोसा रखिए।'- जेम्स बांड बोला ।

'वैरी गुड।'- जान्सी बोला- 'काउन्ट भी रायफल और लोहे की छड़ें लेकर ट्रक में सवार हो जाएगा। सैन्डर ट्रक का दरवाजा बाहर से बन्द कर देगा और ट्रक को ड्राइव करता हुआ वापिस लौट पड़ेगा । सड़क के दहाने पर उसे जिम मिलेगा। वह सड़क के साइन बोर्ड उखाड़े लेगा और ट्रक में आ बैठेगा। तब तक हेलेन अपनी खून से लिथड़ी ड्रेस बदल चुकी होगी। वह स्टेशन बैंगन पर सवार होगी और सड़क पर जारहाजा जेल की ओर आगे बढ़ जाएगी। सड़क के उस ओर के सिरे पर पहुंचकर वह दूसरा साइनबोर्ड सड़क के किनारे से उखाड़ेगी और फिर लम्बी सड़क के रास्ते वापिस बुडापेस्ट लौट पड़ेगी। जबन्तक ट्रक की तलाश में पुलिस की सरगर्मी आरम्भ होगी तब तक

आप लोग घटना-स्थल से बहुत दूर निकल चुके होंगे। किसी के मन में कोई शंका हो तो बताएं ।' - जान्सी ने पूछा ।

सब चुप रहे ।

'हालांकि योजना एकदम-फूल प्रूफ है लेकिन फिर भी आप लोगों से प्रार्थना है कि आखिरी क्षण तक आप योजना के हर चरण को अपने-अपने दिमाग में उलटते पलटते रहिए और कोशिश कीजिए कि आप इसमें कोई नुक्स निकालने में कामयाब हो जाएं क्योंकि समय रहते अगर योजना में नुक्स निकल आएगा तो समय रहते ही हम उसे दूर भी कर लेंगे। या शायद समय रहते आपको आपरेशन की बेहतरी के लिए कोई सुझाव सूझ जाए। कोई फायदे की बात जो मुझे न सूझी हो आपको सूझ जाए। ठीक है?'

सबने सहमति सूचक ढंग से सिर हिलाया।

'गुड।'- जान्सी बोला- 'हेलेन, मुझे विश्वास है कि तुम यह नहीं कहोगी कि विलान्यी का स्टाक खत्म हो चुका है।'

'एक बोतल बाकी है।'- हेलेन बोली ।

'उसे फौरन ले आओ। कमाण्डर जेम्स बांड जैसे सम्मानित अतिथि की मौजूदगी में उसे खोलने से बेहतर मौका शायद हमें कभी न मिले ।'

हेलेन फौरन उठकर कमरे से बाहर चली गई।

'मिस्टर बांड ।'- जान्सी बोला- 'विलान्यी हमारी राष्ट्रीय शराब है। हमें उम्मीद है वह आपको पसन्द आएगी ।'

'जरूर पसन्द आएगी।'- जेम्स बांड बोला- 'मुझे उसका आनन्द लेने का अवसर पहले मिल चुका है।'

###

ट्रक और स्टेशन वैगन लगभग एक ही समय पर छोटी सड़क के दहाने पर पहुंचे। जिम एक भारी हथौड़ा और एक साइन बोर्ड संभाले ट्रक से कूद गया और तत्काल झाड़ियों में जा छुपा । ट्रक आगे बढ़ गया ।

स्टेशन वैगन काउन्ट चला रहा था। जेम्स बांड उसकी बगल में चुपचाप बैठा था। शीघ्र ही वे उस स्थान पर पहुंच गए जहां सड़क संकरी होकर दो ऊंची चट्टानों में से गुजरती थी। चट्टानों को पार करने के बाद सैन्डर ट्रक आगे भगाता ले गया लेकिन काउन्ट ने स्टेशन वैगन को सड़क से नीचे उतार दिया । सड़क से थोड़ी दूर झाड़ियों के एक झुंड के पीछे उसने स्टेशन वैगन छुपा दी। दोनों स्टेशन वैगन से उतरे। उन्होंने सड़क पर पहुंचकर स्टेशन वैगन की दिशा में देखा ।

स्टेशन वैगन सड़क से कतई दिखाई नहीं देती थी।

उन्होंने संतुष्टिपूर्ण ढंग से एक-दूसरे की ओर देखा और फिर वापिस स्टेशम वैगने के पास पहुंचे। स्टेशन वैगन से रायफल, लोहे की छड़ें, पेट्रोल से भीगी रस्सी वगैरह निकालकर वे सड़क के समीप आ गए।

'मैं यहां कहीं झाड़ियों में छुपता हूं।'- काउन्ट बोला- 'तुम सड़क पर खड़े होकर देखो कि मैं या मेरी रायफल सड़क से दिखाई तो नहीं देती ।'

'ओ० के०!'

जेम्स बांड घूमा और सड़क पर पहुंचा। वहां से उसने वापिस झाड़ियों की ओर देखा। काउन्ट का कहीं नामोनिशान भी दिखाई नहीं दे रहा था। वह यह तक अनुमान नहीं लगा पा रहा था कि काउन्ट किन झाड़ियों में छुपा हुआ था ।

'कहां हो?' - जेम्स बांड उलझनपूर्ण स्वर से बोला । काउन्ट अनपेक्षित स्थान से झाड़ियों में से उठ खड़ा हुआ । 'वन्डरफुल!'- जेम्स बांड बोला और सड़क से उतर कर झाड़ियों की ओर बढ़ चला। वह भी काउन्ट के समीप ही झाड़ियों में आकर छाती के बल लेट गया।

हल्की सी धूप निकली हुई थी लेकिन फिर भी वातावरण बेहद ठण्डा था। पिछली रात को गिरी बर्फ से सड़क अटी पड़ी थी। जहां जेम्स बांड लेटा हुआ था वहां जमीन इतनी ठण्ठी थी कि शीघ्र ही जेम्स बांड के शरीर में कंपकंपी दौड़ने लगी ।

काउन्ट ने अपने कोट की जेब से एक मेटल फ्लास्क निकाल कर उसकी ओर बढ़ाई और बोला- 'एक दो घूंट हलक से उतार लो।'

'क्या है यह?' जेम्स बांड फ्लास्क लेता हुआ बोला ।

'बाराक। देशी शराब। सरासर जहर है। साधारणतया मैं अपने दुश्मन को भी इसे पीने की राय नहीं दूंगा लेकिन मौजूदा हालात में यही तुम्हारा कल्याण कर सकती है।'

जेम्स बांड ने बाराक का एक घूंट हलक से नीचे उतारा । एकाएक उसे यूं लगा जैसे उसके गले से लेकर पेट तक आग की लकीर खिच गई हो। वह तुरन्त खांसने लगा।

'कम आन!'- काउन्ट बोला- 'वन गल्प मोर ।'

जेन्स बांड ने बड़ी कठिनाई से एक घूंट और पिया और फिर तौबा करते हुए फ्लास्क काउन्ट को लौटा दी।

काउन्ट बड़े सहज भाव से बाराक के कई घूंट पी गया।

बाराक ने तुरन्त अपना प्रभाव दिखाया। जेम्स बांड की कंपकंपी फौरन बन्द हो गई।
उसके कान लाल हो गए और गर्मी से जलने लगे।

काउन्ट ने अपनी कलाई पर बंधी सोने की घड़ी पर दृष्टि-पात किया और बोला- 'अभी बहुत वक्त है।'

दोनों ने एक-एक सिगरेट सुलगा लिया।

चौथा सिगरेट समाप्त होने तक दोनों के चेहरों पर स्पष्ट चिन्ता के भाव उभर आये थे। वक्त हो गया था और हेलेन की स्पोर्ट स कार के अभी तक सड़क पर दर्शन नहीं हुये थे। दोनों की निगाहें मिलीं। काउन्ट ने असहाय भाव से कन्धे झटकाये ।

'कहीं उसका सचमुच ही तो एक्सीडेट नहीं हो गया?' जेम्स बांड सशंक स्वर से बोला ।

'हेलेन बहुत दक्ष ड्राइवर है।' काउन्ट बोला। 'तो फिर देर की क्या वजह हो सकती है ?'

'खुदा लाने ।'

'कहीं ऐसा तो नहीं कि बस्तर बन्द गाड़ी का ड्राइबर उसे आगे निकलने ही न दे रहा हो?'

'हो सकता है।'

'अगर ऐसा हो गया तो?'

'तो छुट्टी।'

जेम्स बांड चुप हो गया। यह सोच कर ही उसका मूड खराब हो गया कि इतनी मास्टर पीस योजना इतने भारी इन्तजाम के बावजूद भी इतनी मामूली सी वजह से फेल हुई जा रही थी।

'कोई गाड़ी आ रही है।' एकाएक काउन्ट बोला । जेम्स बांड ने सिर उठा कर ढलान की ओर झांका । हेलेन की स्पोर्टस कार तूफानी रफ्तार से आ रही थी।

'ओह माई गाड!'- जेम्स बांड बोला- 'यह तो सचमुच एक्सीडेंट कर बैठेगी।'

'शायद बख्तर बन्द गाड़ी उससे ज्यादा पीछे नहीं है।'-काउन्ट तेज स्वर से बोला- 'इसलिये ज्यादा वक्त हासिल करने के लिए वह इतनी तेज कार चला रही है। जल्दी से लोहे की छड़ सम्भालो ।'

लोहे की दोनों छड़ें और पैट्रोल से भीगी रस्सी लिए हुए वे सड़क पर आ गये ।

हेलेन की कार बन्दूक से छूटी गोली की तरह चट्टानों के बीच में से निकली।
ब्रेकों की चरचराहट से बातावरण गूंज उठा। कार एकदम जेम्स बांड और काउन्ट के सामने आ खड़ी हुई। हेलेन लपक कर कार से बाहर निकल आई।

'जल्दी! जल्दी!' हेलेन हड़बड़ाये स्वर से बोली- 'बे लोग ज्यादा दूर नहीं हैं।
कम्बख्त मुझे पास करने ही नहीं दे रहे थे।'

हेलेन ने फुर्ती से कार में से अपनी रिवाल्वर और वह छोटा सा कनस्तर निकाल लिया जिसमें बकरे का खून था ।

'कहां?' हेलेन ने पूछा ।

काउन्ट ने थोड़ा आगे सड़क के बीचों-बीच एक स्थान की ओर संकेत कर दिया। हेलेन लपक कर उस स्थान पर पहुंची । उसने अपने कपड़ों और शरीर को खून से रंगना शुरू कर दिया ।

काउन्ट और जेम्स बांड ने एक एक लोहे की छड़ सम्भाली । उन्होंने छड़ों के सिरों को कार के नीचे धकेल दिया और छड़ों को एक साथ पूरी शक्ति से ऊपर को उमेठा ।

कार का उनकी ओर का भाग आसानी से जमीन से ऊपर उठता चला गया। एक क्षण के लिए कार हवा में लहराई और फिर एक भड़ाक की आवाज के साथ उलट कर खड्डु में जा गिरी।

जेम्स बांड ने अपनी छड़ भी काउन्ट के हाथ में दे दी। काउन्ट दोनों छड़ें सम्भाले झाड़ियों की ओर दौड़ गया ।

जेम्स बांड ने खड्ड में उलटी पड़ी कार की पैट्रोल की टंकी का ढक्कन खोला । उसने टंकी में पैट्रोल से भीगी रस्सी घुसा दी और उसका दूसरा सिरा सड़क के उस किनारे के समीप ले आया जहां से थोड़ी दूर काउन्ट झाड़ियों में छुपा हुआ था।

'□□□□□□ □'- □□□□□□□ □□□□□□□□□ □□□ □□ □□□ □□□ □□ □□□□□-'□□□□□ □□□□□□ □□□□□ □□□□□□ □□□ □□□□□□ □□ □□□ □□□'

□□□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□□ □□□□□ □

□□□□□□ □□□ □□ □□□□□ □□□ □□ □□□□□□ □□□ □□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□ □□□□□ □□□□□□□□□ □□□□□ □□□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□ □□□ □□ □□□□□□□ □□□□□□□□□ □□□□□□ □□□□□ □□ □□□ □□□

□□□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□ □□ □ □□□□□□ □□□□□□□ □□□□□ □□□□□ □□ □□ □□□□ □□□□□□ □□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□ □□ □□ □□□□□□ □□□□ □

□□□□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□ □□ □□□□□ □□□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□□□□ □□ □□ □□□□□ □

□□□□ □□□□□ □□ □□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□-□□ □□ □□ □□ □□□□□ □□□□ □

□□□□□□□□□ □□□□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□□ □□□□□ □□ □□ □□ □□ □□□□□ □□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□ □

'□□□□□□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□'- □□□□□□ □□□□□ □□□□□□□ □□□□ □□□□□- '□□ □□□□□ □□□□□□□ □'

'□□ □□□□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□'- □□□□□□□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□□- '□□□□□ □□□□□□□□ □□□□□ □□□□ □□□□□□ □□ □□ □□ □□ □□□□□□ □□□□ □□□□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□ □□□□□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□□□ □□□□□□□□'

□□□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□□□□ □□□□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□□□□□ □□□□□ □□ □□ □□□□□ □□□□□□□□□ □□□□□□□ □□ □

□□□□ □□□□□□□□□ □□ □□□□ □□ □

□□□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□ □

वातावरण देख कर शतप्रतिशत ऐसा लगता था जैसे भयंकर दुर्घटना हो गई थी ।

लपटों की गर्मी झाड़ियों में छिपे हुए जेम्स बांड को अपने चेहरे पर भी महसूस हो रही थी और हेलेन उनके मुकाबले में जलती हुई कार के बहुत पास थी। वह जरूर आग से झुलसी जा रही थी। लेकिन वह अपनी हालत जाहिर नहीं होने दे रही थी। उसके शरीर में कतई कोई हरकत नहीं थी।

चट्टानों के बीच में बख्तर बन्द गाड़ी प्रकट हुई।

जेम्स बांड की उंगलियां रिवाल्वर पर कस गईं। उसके जबड़े भिच गये। अब क्या होगा ?

एकाएक बख्तर बन्द गाड़ी के ड्राइवर ने ब्रेक लगाये ।

गाड़ी हेलेन से लगभग पन्द्रह फुट दूर आकर रुक गई।

जेम्स बांड को गाड़ी के स्टिरिंग व्हील के पीछे बैठा ड्राइ-वर और उसकी बगल में बैठा गार्ड साफ दिखाई दे रहे थे। अब क्या होगा?

आपरेशन की सारी कामयाबी गाड़ी के ड्राइवर और गार्ड के अगले एक्शन पर निर्भर करती थी।

गार्ड ने अपनी ओर की खिड़की खोली और उसमें से सिर निकाल कर बाहर झांका।

ड्राइवर ने इग्नीशन आफ कर दिया। उसने भी अपनी ओर का शीशा नीचे गिराया और बाहर झांका।

दोनों में से किसी ने गाड़ी से बाहर निकलने का उपक्रम नहीं किया। जेम्स बांड का मुंह सूखने लगा। उसने काउन्ट की ओर देखा । काउन्ट एकदम शांत था और सामने की ओर देख रहा था । जेम्सबांड की व्याकुल निगाहें फिर गाड़ी की ओर उठ गईं।

गार्ड ड्राइवर से कुछ कह रहा था। ड्राइवर ने सहमतिसूचक ढंग से सिर हिलाया। फिर जेम्सबांड ने देखा, गार्ड के हाथ में एक माइक्रोफोन प्रकट हो गया था।

बेड़ा गर्क!

वह तो शायद एन्ड्रेसी डट को स्थिति की सूचना दे रहा था और उनसे निर्देश मांग रहा था। गार्ड और ड्राइवर में से कोई ट्रक में से बाहर निकलने का उपक्रम नहीं कर रहा था। उधर सड़क पर पड़ी हेलेन आग की लपटों से झुलसी जा रही थी।

और वर्तमान स्थिति में गार्ड और ड्राइवर को बिना किसी नुकसान के अपने अधिकार में करना असम्भव था। झाड़ियों से निकलकर ट्रक की ओर कदम बढ़ाना भी मूर्खता थी।

गार्ड माइक्रोफोन में कुछ कह रहा था।

जेम्सबांड कलेजा हाथ में लिए प्रतीक्षा करता रहा।

गार्ड ने माइक्रोफोन रख दिया। उसने ड्राइवर को कुछ कहा और फिर अपनी ओर का दरवाजा खोलकर गाड़ी से बाहर निकल आया। जेम्सबांड की जान में जान आई।

ड्राइवर अपनी जगह पर बैठा रहा। शायद गार्ड को एन्ड्रेसी डट से यही आदेश मिला था कि वह नीचे उतरकर देखे कि लड़की मर गई थी या जिन्दा थी। गार्ड हेलेन की ओर बढ़ा ।

काउन्ट सतर्कता की प्रतिभूति बना राइफल कन्धे से लगाए झाड़ियों में लेटा हुआ था। राइफल की नाल गार्ड को कवर किए हुए थी और उसके साथ-साथ फिर रही थी।

काउन्ट एकदम शान्त था ।

जेम्सबांड अपनी ६. ३५ कैलिबर की बेल्जियन रिवाल्वर हाथ में थामे निःशब्द झाड़ियों में से निकला और सिर नीचा किए गाड़ी के ड्राइवर की ओर वाली खिड़की की ओर बढ़ा।

गार्ड हेलेन के समीप पहुंच चुका था और अब झुककर हेलेन को देख रहा था। उसने हेलेन को छूकर देखने का उपक्रम नहीं किया था। अगले ही क्षण गड़बड़ हो गई।

पता नहीं गार्ड को किसी बात से संदेह हो गया था या वैसे ही किसी अज्ञात भावना ने उसे प्रेरित किया था, उसने एकाएक गरदन घुमाकर बख्तरबन्द गाड़ी की दिशा में देखा।

जेम्सबांड तब तक गाड़ी की खिड़की पर पहुंच चुका था और उसने अपनी रिवाल्वर से ड्राइवर को कवर कर लिया था। ड्राइ वर को जैसे सांप सूंघ गया ।

उसी क्षण हेलेन अपने स्थान से उठ खड़ी हुई। गार्ड को अपने पीछे हरकत सुनाई दी। उसने तुरन्त घूमकर देखा । हेलेन का रिवाल्वर वाला हाथ अभी गार्ड की ओर उठ ही रहा था कि उसने बिजली की फुर्ती से अपने दाएं हाथ का प्रहार हेलेन के रिवाल्वर वाले हाथ पर किया। तुरन्त उसके बाएं हाथ का झापड़ इतनी शक्ति से हेलेन के चेहरे से टकराया कि वह लड़खड़ा कर सड़क पर गिर पड़ी।

गार्ड ने अपने होलस्टर में से रिवाल्वर खींच ली।

सब कुछ पलक झपकते ही हो गया था। गार्ड ने बला की फुर्ती दिखाई थी। उसी क्षण काउन्ट ने गार्ड को निशाना बनाकर राइफल का घोड़ा दबाया। दूसरी गड़बड़ हो गई।

बीसियों बार चैक की हुई राइफल का घोड़ा ऐन मौके पर जाम हो गया। राइफल से गोली नहीं निकली ।

काउन्ट ने जोर से घोड़े को झटका दिया। घोड़ा तो दब गया लेकिन झटके की वजह से निशाना चूक गया। रायफल के फायर की आवाज से वातावरण गूंज उठा। गोली गार्ड के सिर के ऊपर से गुजर गई।

फायर की आवाज की वजह से केवल एक क्षण के लिए जेम्स बांड का ध्यान ड्राइवर की ओर से हट गया। ड्राइवर ने अपनी ओर तनी हुई रिवाल्वर की परवाह किए बिना तेजी से अपने शरीर को डैश बोर्ड पर लगे बटनों की ओर गिरा दिया। बिजली की फुर्ती से उसका हाथ बटनों की ओर बढ़ा ।

जेम्सबांड ने फायर किया। गोली ड्राइवर के चेहरे से टकराई। तुरन्त ड्राइवर का चेहरा खून से सराबोर लोथड़ा दिखाई देने लगा। गार्ड ने घूमकर बांड पर फायर किया। उसी क्षण हेलेन ने अपने पांव की ठोकर पूरी शक्ति से गार्ड के घुटने के पृष्ठ भाग पर जमाई ।

गार्ड गिरा तो नहीं लेकिन लड़खड़ाने और सम्भलने के दौर में उसका निशाना चूक गया और जेम्सबांड उसकी गोली का शिकार होने से बच गया।

जेम्सबांड घूमा । उसके सधे हुए हाथों ने रिवाल्वर का घोड़ा दबाया। गोली गार्ड की आंखों के एकदम बीच में से गुजर गई। उसकी तत्काल मृत्यु हो गई।

जेम्सबांड को गार्ड को शूट करके वापिस घूमने में मुश्किल से दस सैकेन्ड लगे थे लेकिन उतने समय में ही ड्राइवर का हाथ डैश बोर्ड पर लगे बटनों तक रंग आया था। जेम्सबांड ने उसकी उंगली डैश बोर्ड पर देखी। आशंका से उसके नेत्र फैल गए लेकिन इससे पहले कि वह उसे रोकने के लिए कुछ कर पाता, ड्राइवर नीला बटन दबाने में कामयाब हो गया।

तुरन्त गाड़ी की साइड की खिड़कियों पर, सामने विंडशील्ड पर और पीछे साइडों के सलाखें लगे रोशनदानों पर लोहे के शटर आ गिरे । बस्तर बन्द गाड़ी मजबूत लोहे के बक्से में बदल गई।

पराजय की गहन भावना से जलते हुए जेम्सबांड ने खिड़की पर फायर किया लेकिन लोहे के शटर का बाल भी बांका नहीं हुआ। भीतर से कुछ क्षण ड्राइवर के पीड़ा से कराहने की आवाजें आती रहीं। फिर एक जोर की धम्म की आवाज आई जैसे वह सीट से लुढ़ककर नौचे आ गिरा हो।

कराहने की आवाज आनी बन्द हो गई।

ड्राइवर या मर गया था और या बेहोश हो गया था। अगर वह केवल बेहोश ही हुआ था तो होश में आने पर वह बाकी के दो बटन भी दबा सकता था। वे लोग उसे रोक सकने में पूर्णतया असमर्थ थे ।

तब तक काउन्ट दौड़ता हुआ वहां पहुंच गया ।

'रायफल का घोड़ा जाम हो गया था।'- वह हांफता हुआ बोला ।

'नैवर माइंड'- जेम्सबांड बोला- 'सीटी बजाओ।' हेलेन भी लड़खड़ाती हुई वहां पहुंच गई।

'क्या फायदा होगा?' - वह बोली- 'गाड़ी तो बक्सा बन गई है। अब इसे ट्रक में चढ़ाना नामुमकिन है। और वक्त भी बहुत कम है। एन्ड्रेसी डट में अधिकारी इन लोगों की रिपोर्ट का इन्त-जार कर रहे होंगे। रिपोर्ट में देर होने पर वे लोग तुरन्त कोई न कोई पैट्रोल कार इधर भेज देंगे।'

'ट्रक आने दो ।'- जेम्सबांड झुंझलाए स्वर से बोला- 'सैंडर बलवान आदमी है। हम सब लोग मिलकर शायद गाड़ी को ट्रक में धकेलने में कामयाब हो जाएंगे।'

काउन्ट ने सीटी निकालकर जोर से बजाई ।

एक मिनट से कम समय में सैन्डर ने ट्रक को वहां ला खड़ा किया। वह तुरन्त ट्रक से बाहर कूद आया। एक ही निगाह में वह सारी स्थिति भांप गया। उसने प्रश्नसूचक नेत्रों से काउन्ट की ओर देखा ।

'घायल ड्राइवर गाड़ी के भीतर है।'- काउन्ट बोला- 'वह एक बटन दबाने में कामयाब हो गया था। गाड़ी बक्सा बन गई है। अब इसे ड्राइव करके ट्रक के भीतर नहीं चढ़ाया जा सकता । इसे ट्रक के भीतर धकेलना होगा।'

सैन्डर ने विशाल ट्रक का पिछला भाग खोला। उसने लोहे की पटड़ियां सड़क के साथ लगा दीं।

सब लोग गाड़ी के पृष्ठ भाग में पहुंचे। सबने एक साथ मिल कर जोर लगाया। गाड़ी अपने स्थान से हिली भी नहीं ।

'नामुमकिन ।' - सैन्डर बोला ।

अगर सैन्डर नामुमकिन कह रहा था तो यह नामुमकिन ही था। जेम्सबांड असहाय भावसे सिर हिलाता हुआ अलग हट गया।

'वक्त बरबाद करने से कोई फायदा नहीं है।' - हेलेन बोली - गाड़ी का ख्याल छोड़िए और भागिए यहां से ।'

जेम्सबांड ने सहमति सूचक ढंग से सिर हिलाया। उस और कदम बढ़ाया जिधर स्टेशन वैगन छुपाकर खड़ी की थी।

एकाएक वह थमककर खड़ा हो गया। एक नई आशा से उसके नेत्र चमक उठे ।

'स्टेशन वैगन!' - वह बोला- 'अभी उम्मीद बाकी है। मैं स्टेशन वैगन लाता हूं।'

बिजली की फुर्ती से जेम्सबांड स्टेशन वैगन की दिशा में भागा। आधे मिनट में उसने स्टेशन वैगन को बख्तर बन्द गाड़ी के पीछे ला खड़ा किया ।

ट्रक एकदम गाड़ी के पीछे था और उसकी पटड़ियां गाड़ी के पहियों की सीध में थीं।

'मैं स्टेशन वैगन को गाड़ी के पीछे लगाकर गाड़ी को आगे धकेलूंगा।'- 'जेम्सबांड जोर से बोला- 'लेकिन गाड़ी वजनी है। ट्रक आगे सरक जाएगा। इसलिए ट्रक के अगले बहियों के आगे पत्थर लगा दो ।'

सैन्डर और काउन्ट ने न केवल ट्रक के अगले पहियों के आगे पत्थर लगा दिए बल्कि लोहे की छड़ें भी ट्रक के सहारे के साथ सड़क पर इस प्रकार गाड़ दीं कि अब ट्रक एक इंच भी आगे नहीं हिल सकता था ।

काउन्ट ने जेम्सबांड को इशारा किया।

जेम्सबांड ने स्टेशन वैगन का इन्जन स्टार्ट कर दिया। उसने स्टेशन वैगन का अग्रभाग गाड़ी के साथ ला सटाया और फिर उसके पांव का दबाव एक्सीलेटर पर पड़ा।

गाड़ी आगे को सरकी। सब सांस रोके खड़े थे ।

गाड़ी पटड़ियों पर चढ़ने लगी ।

सबकी निगाहें रह-रहकर सड़क पर दोनों और दौड़ जाती थीं। किसी भी क्षण पुलिस पैट्रोल की गाड़ी वहां पहुंच सकती थी। किसी भी क्षण सीक्रेट पुलिस के सशस्त्र सिपाही वहां पहुंच सकते थे। धीरे से गाड़ी का अगला भाग ट्रक में प्रविष्ट हो गया ।

सबके चेहरे पर आशा की झलक दिखाई देने लगी ।

पूरी बस्तर बन्द गाड़ी ट्रक में पहुंच गई। स्टेशन वैगन के पहिये भी पटड़ियों के सिरे तक पहुंचे हुए थे। सैंडर ने गाड़ी के पहियों के नीचे पत्थर लगा दिए ।

'बैक करो।'- काउन्ट बोला ।

जेम्स बांड ने स्टेशन वैगन पटड़ियों से नीचे उतार ली।

सैंडर ने पटड़ियों को घुमा कर वापिस ट्रक में पहुंचा दिया । उसने आगे से लोहे की छड़ें उखाड़ों और उन्हें भी ट्रक के पृष्ठ भाग में गाड़ी की बगल में रख दिया। पलक झपकते ही काउन्ट और सैन्डर ने मिल कर ट्रक के अगले पहियों के सामने से पत्थर हटा दिये । काउन्ट भी अपनी राइफल सम्भाले ट्रक के पृष्ठ भाग में प्रविष्ट हो गया। जेम्स बांड भी स्टेशन वैगन में से निकला और काउन्ट के साथ ट्रक में घुस गया। सैन्डर ने उनके पीछे ट्रक का पिछला भाग बन्द कर दिया। वह आगे ट्रक की ड्राइविंग सीट पर जा बैठा ।

उस दौर में हेलेन अपनी खून से लिथड़ी ड्रेस बदल चुकी थी। वह स्टेशन वैगन की ड्राइविंग सीट पर पहुंच गई।

ट्रक बुडापेस्ट की ओर बढ़ चला।

हेलेन ने स्टेशन वैगन को यू टर्न दिया और जारहाजा जेल की दिशा में बढ़ गई। छोटी सड़क के बुडापेस्ट वाले सिरे तक पहुंचने तक वहां किसी पुलिस पैट्रोल कार के या सीक्रेट पुलिस के दर्शन नहीं हुए ।

सड़क के दहाने पर सैन्डर ने ट्रक रोका। झाड़ियों के पीछे से जिम प्रकट हुआ।
जल्दी से उसने सड़क के किनारे से साइन बोर्ड उखाड़ा और साइन बोर्ड व अपना भारी हथौड़ा लिए ट्रक के पृष्ठ भाग में जेम्स बांड और काउन्ट की बगल में पहुंच गया ।

ट्रक फिर आगे बढ़ गया।

ट्रक के पिछवाड़े में बख्तर बन्द गाड़ी ने इतनी जगह घेर ली थी कि दोनों ओर अधिक से अधिक डेढ़-डेढ़ फुट जगह बाकी थी। ट्रक की एक दीवार और गाड़ी के बीच की डेढ़ पुट जगह में जेम्स बांड काउन्ट और जिम एक दूसरे से सटकर खड़े थे। भारी बख्तर बन्द गाड़ी अपने स्थान पर धीरे-धीरे हिल रही थी। जब भी ट्रक मोड़ काटता था, ऐसा लगता था, जैसे ट्रक उन पर उलट कर आ गिरेगा और वे सब उसके नीचे पिस कर मर जायेंगे। लेकिन शायद सैन्डर भी उस स्थिति को समझता था। वह बेहद साव-धानी से ट्रक चला रहा था। ट्रक मन्थर गति से बुडापेस्ट की ओर बढ़ रहा था।

'मुझे गाड़ी के भीतर मौजूद घायल ड्राइवर की चिन्ता हो रही है।'- एकाएक जेम्स बांड बोला- 'अगर वह अभी जिन्दा है तो वह हमारे लिए भारी मुसीबत खड़ी कर सकता है।'

'वह मर चुका होगा।'- काउन्ट बोला- 'तुम्हारी ६०. ५ कैलिबर की रिवाल्वर की गोली एकदम चेहरे पर लगने के बाद उसका जिन्दा रह पाना असम्भव है।'

'लेकिन अगर वह जिन्दा हुआ ?'

'तो सर्वनाश हो जाएगा। होश में आते ही वह सबसे पहले बचे हुए दो बटन दबाएगा ताकि टाइम लाक कैन्सिल हो जाये और छः बजे दरवाजा अपने आप न खुल सके और माइक्रो फोन अपने आप एन्ड्रेसी डट को वार्निंग सिग्नल प्रसारित करने लगे। बख्तर बन्द गाड़ी कहीं भी क्यों न छुपी हुई हो, वार्निंग सिग्नल की सहायता से वे लोग बड़ी आसानी से इसकी स्थिति जान लेंगे।'

'करैक्ट! लेकिन किया क्या जाये? वर्तमान स्थिति में हम उसे बढन दबाने से रोकने से एकदम अससर्थ हैं।'

काउन्ट चुप रहा । स्पष्ट था कि फिलहाल इस समस्या का उसके पास कोई जवाब नहीं था।

'सिग्नल तो बैटरी की मदद से ही प्रसारित होता होगा?'-

जिम जो इतनी देर से चुप था एकाएक बोला- 'और टाइम लाक वाले बटन का भी बैटरी से कोई न कोई सम्बन्ध जरूर होगा।'

'क्या मतलब?'- काउन्ट तीव्र स्वर से बोला ।

'मतलब यह कि अगर बैटरी की तार काट दी जाये तो बटन काम नहीं करेंगे।'

'बाई गाड, दि किड इज राइट (बच्चा ठीक कह रहा है)' - जेम्स बांड उत्तेजित स्वर से बोला ।

उसी क्षण वातावरण फलाईंग स्क्वायड के सायरन की आवाज से गूंज उठा। जेम्स बांड ने ट्रक की दीवार में बनी एक झिरी में आंख लगाकर बाहर झांका ।

फ्लाईंग स्क्वायड की कई गाड़ियां तूफानी रफ्तार से चलती हुई उनके ट्रक की बगल से गुजर गईं ।

'बाल-बाल बचे' काउन्ट बुदबुदाया ।

ऊपर आसमान से एक हैलीकाप्टर की गड़ड़-गड़ड़ की आवाज आई।

'अगर एक प्लायर मिल जाता तो'- जेम्स बांड बोला ।

'कोने में टूल बाक्स है'- काउन्ट बोला।

जेम्स बांड ने टूल बाक्स में से एक फ्लायर निकाल लिया और फिर पीठ के बल ट्रक के फर्श पर लेट गया। वह सरकता हुआ बख्तरबन्द गाड़ी के नीचे घुस गया। नीचे एकदम अंधेरा था। गाड़ी के निचले भाग में कुछ दिखाई नहीं दे रहा था। निचले भाग और जेम्सबांड की नाक के बीच में मुश्किल से चार इंच का फासला था। अगर गाड़ी जरा भी शिफ्ट कर जाती तो जेम्सबांड निश्चय ही उसके नीचे कुचला जाता। उसने आंखें फाड़- फाड़ कर गाड़ी के तले में देखना प्रारम्भ किया ।

बैटरी की तारें उसे कहीं दिखाई नहीं दीं।

'रोशनी' बांड ने आवाज लगाई, 'रोशनी की जरूरत है।'

उसी क्षण कोई गीली सी चीज टप्प से उसके माथे पर आकर गिरी। जेम्स बांड ने अपने माथे पर उंगली फिराई। कोई चिप-चिपी सी चीज उसके हाथ को लगी।

जिम हाथ में टार्च लिए उसके समीप आ लेटा। उसने टार्च की रोशनी गाड़ी के तले पर डाली। रोशनी में जेम्स बांड ने अपनी उंगलियों में लगी उस चिपचिपी चौज को देखा ।

वह खून था। बख्तर बन्द गाड़ी के पेन्दे के अग्रभाग में मौजूद एक झिरी में से खून रिस रहा था।

उसी क्षण जेम्स बांड के कान में एक हल्की सी कराह की आबाज पड़ी। जेम्स बांड के कान खड़े हो गए। गाड़ी के के फर्श पर पड़ा गार्ड निश्चय ही जिन्दा था और होश में था। वह किसी भी क्षण बाकी के दो बटन दबा सकता था। या शायद वह बटन पहले ही दबा चुका था ।

टार्च की रोशनी में जेम्स बांड की व्याकुल निगाहें गाड़ी के तले में बैटरी की तारों की तलाश में फिरने लगीं ।

ट्रक बड़े खतरनाक ढंग से हिल रहा था।

उसी क्षण जेम्बबांड को तारें दिखाई दे गईं।

प्लायर की सहायता से उसने तारें काट दीं।

गाढ़े खून की एक और बूंद टप्प से उसकी नाक पर आकर गिरी साथ ही गार्ड के फिर कराहने की आवाज आई। जेम्सबांड ने जिम को संकेत किया। जिम सरकता हुआ गाड़ी के नीचे से निकल गया। जेम्सबांड भी बाहर आ गया ।

'वह जिन्दा है'- जेम्स बांड तनिक हांफता हुआ बोला।

फिर तो यह भी सम्भव है कि उसने बटन पहले ही दबा दिया हो'- काउन्ट बोला- 'और वानिंग सिग्नल पहले से ही प्रसारित हो रहे हों।'

'सम्भव है'- जेम्स बांड ने स्वीकार किया।

'ऐसी हालत में हम ट्रक को जान्सी के हैडक्वार्टर में कैसे ले जा सकते हैं? इससे तो हमारी पूरी पार्टी को खतरा है। जान्सी समेत हम सभी सीक्रेट पुलिस की गिरफ्त में आ सकते हैं।' (

जेम्स बांड चुप रहा।

'हम सीधे हैडक्वार्टर नहीं जा सकते' काउन्ट निर्णयात्मक स्वर से बोला- 'हमें पहले यह देखना ही होगा कि बैटरी की तारें काटी जाने से पहले ही तो गार्ड वार्निंग सिग्नल का बटन नहीं दबा चुका था।'

'यह कैसे संभव है? गाड़ी तो स्टील का बक्सा बनी हुई है।'

'हमें आगे का एकआध शटर किसी न किसी तरह खोलना ही है।'

'कैसे?'

'इधर की खिड़की का शटर नीचे के फ्रेम से एक साथ नहीं मिल पाया है' जिम बोला, 'शायद इसे उमेठकर खोला जा सके ।"

जेम्स बांड ने देखा, जिम ठीक कह रहा था।

'सैन्डर को कहो'- काउन्ठ बोला- 'ट्रक को किसी एकान्त स्थान पर रोके।'

जिम ने ट्रक के पृष्ठ भाग और ड्राइविंग सीट की बीच की पार्टीशन में बनी एक छोटी सी खिड़की का ढक्कन हटाया और काउन्ट का आदेश सैन्डर को पहुंचा दिया ।

जेम्स बांड ने गाड़ी की खिड़की के साथ कान लगा दिया। अब कराहटों के साथ-साथ भीतर से हरकत की आवाज भी आ रही थी। शायद गार्ड फर्श से उठकर बटनों तक पहुंचने की कोशिश कर रहा था। गार्ड निश्चय ही सख्तजान आदमी था जो ६.३५ कैलिबर की गोली सीधी चेहरे से टकराने के बावजूद भी अभी तक मरा नहीं था।

सैन्डर ने एक स्थान पर ट्रक रोक दिया।

'सैन्डर'- काउन्ट बोला- 'ट्रक का बोनट खोलो और यह जाहिर करो कि इंजन में कोई नुक्स पैदा हो गया है और तुम उसे ठीक करने की कोशिश कर रहे हो।'

सैन्डर ने सहमति सूचक ढंग से सिर हिला दिया ।

ट्रक के भीतर एक टायर लिवर पड़ा था। काउन्ट ने टायर लिवर उठा लिया। उसके संकेत पर जेम्स बांड ने हथौड़ा सम्भाल लिया। काउन्ट ने टायर लिवर को खिड़की के फ्रेम और शटर के निचले भाग में उत्पन्न किरी पर रखा।

जेम्स बांड ने टायर लिवर पर जोर से चोट की। दस-बारह चोटों के बाद टायर लिवर शटर के नीचे घुस गया। उसी क्षण बाहर से सैन्डर ने चेतावनी के ढंग से ट्रक का बोनट खटखटाया । ट्रक के भीतर तुरन्त चुप्पी छा गई।

'ये ट्रक यहां क्यों खड़ा कर रखा है?'- किसी का अधिकार पूर्ण स्वर सुनाई दिया ।

'इंजन खराब हो गया है, सर'- सैन्डर आदरपूर्ण स्वर से बोला ।

जेम्स बांड ने एक झिरी में से बाहर झांका। बाहर एक जीप खड़ी थी। जीप में चार फौजी और एक सीक्रेट पुलिस का कैप्टन बैठा था। कैप्टन संदिग्ध नेत्रों से सैन्डर के विशाल शरीर को घूर रहा था।

जेम्स बांड सोच रहा था। क्या घायल ड्राइवर तक सीक्रेट पुलिस के कैप्टन की आवाज पहुंच रही थी। अगर ड्राइवर आवाज सुनकर चिल्लाने लगे या भीतर से फायर ही करने लगे तो बहुत बड़ी समस्या खड़ी हो सकती थी ।

'कहां से आ रहे हो?'- कैप्टन ने पूछा।

'जारहाजा से साहब' सैन्डर बोला ।

'रास्ते में तुमने कोई बस्तर गाड़ी देखी थी?'

'नहीं, साहब ।'

'ट्रक में क्या है?'

जेम्स बांड को जैसे सांप सूंघ गया। उसने रिवाल्वर निकालकर हाथ में ले ली। उसकी निगाहें काउन्ट से मिलीं। काउन्ट का चेहरा भावहीन था लेकिन रिवाल्वर उसके हाथ में भी प्रकट हो गई थी। जिम भी तैयार था ।

'खाली पेटियां हैं साहब' सैन्डर बोला । एक क्षण शान्ति रही।

'गाड़ी बढ़ाओ'- फिर कैप्टन का स्वर सुनाई दिया। सबने शांति की सांस ली। जीप तत्काल आगे बढ़ गई । टायर लिवर शटर के नीचे घुसा हुआ था। जेम्स बांड, काउन्ट और जिम तीनों ने उसे थाम लिया। सबने एक साथ मिलकर टायर लिवर को झटका दिया।

शटर अपने स्थान से हिला तक नहीं। जोर लगाते-लगाते उस ठण्ड के वातावरण में भी वे पसीने से नहा गये लेकिन शटर था कि टस से मस नहीं हुआ ।

'अभी कितनी देर है?' बाहरसे सैम्डर की आवाज आई ।

' शटर नहीं खुल रहा।'- काउन्ट बोला । ट्रक का पिछला भाग खुला और सैन्डर भीतर आ गया। सैन्डर ने शटर में फंसे टायर लिवर की स्थिति देखी और फिर बोला- 'अलग हटो ।'

तीनों ने सैन्डर के लिये स्थान खाली कर दिया।

सैन्डर के हाथ मजबूती से टायर लिवर के इर्द-गिर्द लिपट गये । एक क्षण के लिये उसके शरीर में कोई हरकत नहीं हुई फिर उसके जबड़े भिच गये। उसकी गर्दन की नसें तन गईं। उसके शक्तिशाली हाथों ने टायर लिवर को एक जोर का झटका दिया ।

एक कड़ाक की आवाज हुई। शटर खिड़की के ऊपर से उठता चला गया। सैण्डर एक ओर हट गया। जेम्स बांड रिवा-ल्वर सम्भाले खिड़की के सामने पहुंचा। उसने शीशे में से भीतर झांका ।

ड्राइवर औंधे मुंह गाड़ी के फर्श पर पड़ा हुआ था। उसके शरीर में किसी प्रकार की हरकत नहीं थी। गाड़ी के फर्श पर उसके सिर के आसपास गहरे लाल रंग के खून का तालाब बना हुआ था ।

'मर गया मालूम होता है।' जेम्स बांड बोला ।

उसने सावधानी से ट्रक का दरवाजा खोला। ड्राइवर चाबी लगे खिलौने की तरह ट्रक के फर्श से उठ खड़ा हुआ। जैसे जादू के जोर से उसके हाथ में रिवाल्वर प्रकट हो गई।
उसके खून से लथपथ घायल चेहरे के बीच उसकी आंखें अंगारों की तरह दहक रही थीं।

उसने फायर किया। साथ ही एक फायर और हुआ । उस दौरान जेम्स बांड अभी अपनी रिवाल्वर भी सीधी नहीं कर पाया था।

ड्राइवर के मुंह से एक चीख निकली। उसके माथे में एक सुराख दिखाई देने लगा। वह फिर गाड़ी के फर्श पर लुढ़क गया। इस बार वह निश्चय ही मर चुका था। उसका भेजा उड़ गया था। उसकी रिवाल्वर से निकली गोली गाड़ी की छत के समीप कहीं जा टकराई थी।

जेम्स बांड ने घूमकर देखा। जिम के हाथ में रिवाल्वर थी और वह बड़ी लापरवाही से फूंक मारकर रिवाल्वर की नाल में से निकलता हुआ धुआं उड़ा रहा था। कई क्षण जेम्स बांड उसके भोले-भाले चेहरे को देखता रहा। जेम्स बांड की रिवाल्वर उसके हाथ में थी, वह फिर भी ड्राइवर को शूट नहीं कर पाया था जबकि जिम की रिवाल्वर उसके होल्स्टर में थी, फिर भी वह ड्राइवर को शूट करने में सफल हो गया था ।

'तुम बच्चे कहां हो?'- बांड बोला, 'तुम तो मेरे बाप हो।'

जिम ने जैसे सुना ही नहीं उसने लापरवाही से अपनी रिवाल्वर अपनी कमर में बंधे होल्स्टर में डाल ली। काउन्ट गाड़ी में घुस गया- 'वह सफेद बटन दबा चुका है।' काउन्ट निराशापूर्ण स्वर में बोला ।

'यानि कि!'- जेम्स बांड का गला सूख गया- 'अब गाड़ी का दरवाजा छः बजे अपने-आप नहीं खुलेगा?'

'हां! टाइम लाक कैन्सिल हो चुका है।'

'और वार्निंग सिग्नल का लाल बटन?'

'वह नहीं दबा है। शायद उसके लाल बटन दबा पाने से पहने हो तुम तार काटने में कामयाब हो गए थे।'

अब दरवाजा कैसे खुलेगा?'

हैडक्वार्टर चलकर कोई तरकीब सोचेंगे ।'

काउन्ट गाड़ी से बाहर निकल आया। उसके निर्देशं पर सैन्डर ने बोनट गिराया और और ट्रक की ड्राइविंग सीट पर आ बैठा। ट्रक फिर सड़क पर बढ़ चला ।

###

बख्तर बन्द गाड़ी को ट्रक से निकाला जा चुका था और ड्राइवर की लाश ठिकाने लगाई जा चुकी थी।

'सैन्डर तुम गाड़ी का टाइम लाक खोल सकते हो?' -जान्सी ने पूछा ।

सैन्डर ने तुरन्त उत्तर नहीं दिया। कितनी ही देर वह बख्तरबन्द गाड़ी के दरवाजों और उस पर लगे टाइम लाक का मुआयना करता रहा। फिर वह डाक्टरों द्वारा इस्तेमाल होने वाला एक स्टेथस्कोप ले आया। स्टेथस्कोप को उसने कानों से लगाया और उसकी सहायता से वह डायल को धीरे से हिलाने से उत्पन्न होने वाली धीमी-धीमी आवाजों को बड़ी तन्मयता से सुनने लगा ।

'ताला खोला जा सकता है।' सैन्डस् बोला- 'लेकिन मैं ताला जल्दी खोलने की गारन्टी नहीं कर सकता। इसे खोलने में एक दिन भी लग सकता है और एक महीना भी ।'

'एक महीना?' - जेम्स बांड के मुंह से निकला ।

'इसका कोड नम्बर तलाश करना बड़े सब्र और मेहनत का काम है।'- सैन्डर बोला ।

'लेकिन एक महीना! गाड़ी के भीतर कैद जान किटसन आखिर कब तक भूखा रह सकता है? अधिक से अधिक दो दिन। और अगर उसे उसे वाकई बेहद टार्चर किया गया है तो वह शायद दो दिन भी न काटे। शायद वह भीतर के घुटनभरे वाता-बरण में कल ही मर जाए।'

'या शायद वह अभी ही भीतर मरा पड़ा हो।'- काउन्ट बोला ।

'जैसे हमने टायर लिवर से उमेठकर खिड़की के आगे का द्वार खोला था।' ज़िम बोला- 'क्या वैसे ही रोशनदानों के शटर नहीं खोले जा सकते?'

'वे शटर नहीं हैं।' काउन्ट बोला- 'वे स्टील की दो इन्च मोटी चादर है । उन्हें उमेठकर खोल पाने का सवाल ही नहीं पैदा होता।'

'अगर हम जिन्दगी रहते जान किटसन को इसमें से नहीं निकाल पाए तो सारे किए-धरै पर पानी फिर जाएगा।' जेम्स बांड बड़बड़ाया ।

'क्या ये दरवाजा काटा नहीं जा सकता?' - जिम ने पूछा। 'गाड़ी की बाहरी दीवारें आधा फुट मोटे स्टील की हैं।' काउन्ट बोला- 'आरी लेकर एक हफ्ता रगड़ते रहने के बाद तो हम बड़ी मुश्किल से इसमें एक छेद कर पाएंगे।'

'अगर वैल्डिग में काम आने वाली एसिटोलीन फ्लेम इस्ते-माल की जाए तो?'- हेलेन बोली ।

'नामुमकिन ।' काउन्ट बोला- 'दरवाजा तो पता नहीं पिघलेगा या नहीं लेकिन आग की गर्मी से गाड़ी इतनी गर्म जरूर हो जायेगी कि भीतर मौजूद जान किटसन का कबाब बन जायेगा।'

'ओह माई गाड!'- जेम्स बांड असहाय स्वर में बोला ।

'दोस्तो।'- जान्सी निर्णयात्मक स्वर से बोला- 'वर्तमान स्थिति में यही हो सकता है कि हम ताला खोलने के मामले में सैन्डर को अपने हाथ आजमाने दें। शायद वह ताला खोलने में जल्दी कामयाब हो जाये। शायद कोई तुक्का भिड़ जाए और वह ताला और भी जल्दी खोलने में कामयाव हो जाये।'

'अगर सैन्डर कामयाब न हुआ तो?'- बांड बोला । 'तो आपकी किस्मत। जान किटसन की किस्मत ।'

जेम्स बांड चुप रहा। सैन्डर अपने काम में जुट गया। जेम्स बांड के अलावा सब लोग वहां से विदा हो गये । बांड एक स्टूल पर बैठ गया और सिगरेट पर सिगरेट फूंकने लगा।

सैन्डर के अनुसार बख्तरबन्द गाड़ी का दरवाजा खोलने का कोड छः अंकों का था। दो घण्टे के परिश्रम के बाद ही वह एक अंक जानने में सफल हो गया।

जेम्स बांड को स्थिति आशाजनक लगने लगी। लेकिन उसकी यह आशा अधिक देर टिक न सकी।
दूसरा अंक तलाश करने में सैन्डर ने अगले दिन की दोपहर कर दी। और उनका कहना था कि

आरम्भ के तीन अंक तलाश करने आसान थे। असली पेचीदगी का काम अगले तीन अंक तलाश करना था।

जेम्स बांड का धीरज छूटने लगा। जान किटसन का मति के साथ ही आपरेशन में कामयाबी की आखिरी उम्मीद भी समाप्त हो जानी थी 1

'मैं और ज्यादा इन्तजार नहीं कर सकता।' - जेम्स बांड बोला । उसके स्वर में तेज उत्कंठा का पुट था।

सैन्डर ने प्रश्न सूचक नेत्रों से उसकी ओर देखा ।

'गाड़ी में कहीं न कहीं भीतर हवा जाने का रास्ता जरूर होगा ।'- जेम्स बांड बोला ।

'उससे क्या होगा?'- सैन्डर बोला ।

जेम्स बांड ने उत्तर नहीं दिया। उसने बड़ी बारीकी से गाड़ी का निरीक्षण आरम्भ कर दिया। अन्त में उसने एक टार्च सम्भाली और लेट कर गाड़ी के नीचे घुस गया।

शीघ्र ही उसे गाड़ी के निचले भाग में छः-छः इंच के फासले पर बने छोटे-छोटे छेदों की कतार दिखाई दी ।

'बिजली की ड्रिल है?'- जेम्स बांड ने आवाज लगाई ।

'है!'- सैन्डर बोला ।

'चालू कर के मुझे दो।'

'सैन्डर ने ड्रिल जेम्स बांड तक पहुंचा दी। जेम्स बांड ने ड्रिल को एक छेद के साथ लगा दिया। बहुत धीरे-धीरे ड्रिल की नोक छेद के भीतर प्रविष्ट होने लगी ।

तीन घण्टे के अथक परिश्रम के बाद जेम्स बांड एक छेद का व्यास एक इन्च तक बढ़ाने में कामयाब हो गया।

उसने ड्रिल बन्द कर दी। उसने उस छेद के माध्यम से टार्च का प्रकाश भीतर डाला और साथ ही उच्च स्वर में बोला-'जान किटसन। मैं कमाण्डर जेम्स बोल रहा हूं। तुम मेरी आवाज सुन रहे हो?' भीतर से कोई आवाज नहीं आई।

'जान!' - बांड गला फाड़कर चिल्लाया, दिस. इज कमान्डर जेम्स बांड कालिंग। कैन यू हियर मी? जान स्पीक अप, जान !'

भीतर फर्श पर किसी के घिसटने की हल्की सी आहट हुई ।

'जान!'- जेम्स बांड तनिक आशान्वित हो उठा- 'जान! बोलो! बोलो, बोलो! क्या तुम मेरी आवाज सुन रहे हो?'

जेम्स बांड चुप हो गया और कान लगा कर भीतर की आवाजें सुनने लगा ।

भीतर से हल्की सी सरसराहट की आवाज आ रही थी जैसे कोई बड़े यत्न ने अपने शरीर को फर्श पर घसीट रहा था।

फिर छेद में से जेम्स बांड को एक आंख दिखाई दी। आंख की पुतली स्थिर थी लेकिन रह रहकर पलक झपक जाती थी।

'जान किटसन ।' जेम्स बांड हर्षित स्वर से बोला- 'तुम मेरी आवाज सुन रहे हो?'

'क-कौन?' - भीतर से फुसफुसाहट से जरा हल्की आवाज सुनाई दी ।

'मेरा नाम कमान्डर जेम्स बांड है। मुझे 'एम' ने भेजा है।'

'कोड़?'

जेम्स बांड ने कोड बता दिया ।

'जान!'- बांड व्यंग्र स्वर से बोला- उस हंगेरियन वैज्ञा-निक का नाम क्या है जो इंगलैंड की शरण में आना चाहता है?'

'म-मुझे निकालो।' जान किटसन का टूटता हुआ स्वर सुनाई दिया ।

'जरूर निकालेंगे। जान, इस वक्त तुम हंगेरियन सीक्रेट पुलिस की कैद में नहीं हो। इस वक्त तुम हमारे अधिकार में हो। गाड़ी का ताला खोलने की कोशिश की जा रही है। कुछ ही घंटों की बात है। फिर तुम आजाद हो जाओगे और मैं तुम्हें अपने साथ इंगलैंड ले जाऊंगा। लेकिन पहले तुम हंगेरियन वैज्ञानिक का नाम बताओ। यह बहुत जरूरी है।'

'म-मैं-आ-आजाद हो जाऊंगा?'

'मुझ पर भरोसा रखो, जान।'- बांड साफ झूठ बोला-'कुछ ही क्षणों में तुम इस कालकोठरी से बाहर हो जाओगे ।'

चुप्पी ।

'जान किटसन!'-- जेम्स बांड अपनी झुंझलाहट को भर-सक छुपाता हुआ बोला- 'हंगेरियन वैज्ञानिक का नाम बोलो। जान, देर मत करो। यह बहुत जरूरी है।'

'प्रो प्रोफ फोफेसर फैरेंस जो जो जोल्तान ।'

जेम्स बांड ने शान्ति की गहरी सांस ली।

प्रोफेसर फैरेंस जोल्तान। तो यह था उस हंगेरियन वैज्ञा-निक का नाम जो डिफेक्ट करके इंगलैंड की शरण में आना चाहत। था जेम्स बांड गाड़ी के नीचे से निकल आया।
उसके नेत्र चमक रहे थे।

'मुझे जान्सी से मिलवाओ।' - वह सैन्डर से बोला । 'जान किटसन कैसी हालत में है?' सैन्डर ने पूछन ।

'जिन्दा है। ड्रिल मशीन से मैंने गाड़ी के तले मैं इतना बड़ा छेद कर दिया है कि उस रास्ते से उसे खाने-पीने का सामान भी पहुंचाया जा सकता है। तुम ताला खोलने की कोशिश जारी रखो। अब कोई जल्दी नहीं है।'

'आई सी'- सैंडर भावहीन स्वर से बोला- 'अब कोई जल्दी नहीं है। क्योंकि तुम्हारा मतलब हल हो गया है।'

जेम्स बांड ने तीव्र नेत्रों से सैन्डर की ओर देखा ।

सैन्डर उसे जान्सी के पास उसी बड़े कमरे में छोड़ गया जिसमें जेम्स बांड की पहले जान्सी से मुलाकात हुई थी।

जान्सी ने प्रश्न सूचक नेत्रों में जेम्स बांड की ओर देखा ।

'हंगेरियन वैज्ञानिक का नाम प्रोफेसर फैरेंस जोल्तान है।' जेन्स बांड बोला ।

'कैसे जाना?' जान्सी ने पूछा ।

जेम्स बांड ने सारी घटना कह सुनाई।

'वैरी गुड ।'- जान्सी बोला- 'हैरानी है वह तरीका आपको पहले नहीं सूझा ।'

'मुझे उम्मीद नहीं थी कि जान किटसन होश में होगा।'

'ठीक है। बहरहाल सैन्डर अपनी कोशिश जारी रखेगा ताकि हम उस असहाय आदमी को उस लोहे की कोठरी में आजाद कर सकें। मिस्टर बांड इनसानी जिन्दगी में जो बात मुझे सबसे ज्यादा नापसन्द है वह यही है कि कोई आदमी विदेशी धरती पर, अपने हित चिन्तकों से दूर, अपने प्रति एकदम लापर-वाह अजनबियों के बीच ऐसी दर्दनाक मौत मरे जैसी कि आज जान किटसन की तुरन्त सहायता न की गई तो वह मर सकता है। इसलिए अब जान किटसन की कामयाबी से ज्यादा महत्वपूर्ण काम हमारे सामने यह है कि उस असहाय आदमी को उस लोहे के बक्से में से निकाल सकें। हम प्रोफेसर फैरेंस जोल्तान को चैक करवायेंगे। कहने की जरूरत नहीं कि अगर वह हमें इंगलैंड की शरण में जाने के

लिए उतना इच्छुक न दिखाई दिया जितना कि आप दावा कर रहे हैं तो आपको या तो खाली हाथ इंगलैंड वापिस लौटना होगा और फिर या उसे खुद हंगरी से भगाकर ले जाना होगा ।'

'भगाकर ले जाने का सवाल ही नहीं पैदा होता'- बांड बोला 'उसने खुद इंगलैंड की शरण में आने की इच्छा प्रकट की है।'

'वी विल सी (देखेंगे)'- जान्सी बोला ।

'क्या मैं यह समझूँ कि जब तक जान किट्सन बस्तर बन्द गाड़ी में से बाहर नहीं निकल आयेगा आप मेरी सहायता करने की दिशा में कोई कदम नहीं उठायेंगे?'

'हम पहले प्रोफेसर फैरेंस जोल्तान को चैक करवायेंगे और उसके बाद आपको स्थिति की सूचना देंगे।'

'आल राइट'- जेम्स बांड उत्साह हीन स्वर से बोला । जान्सी चुप रहा ।

'मुझे एक शीशे की लम्बी नलकी और दो दूध या जूस की बोतलें चाहिये ।'

'जान किटसन के लिये?'

'जी हां।'

'आप गाड़ी के पास पहुंचिये । मैं भिजवाता हूं।'

जेम्स बांड वापिस गैरेज में आ गया।

सैन्डर तन्मयता की प्रतिमूर्ति बना गाड़ी का ताला खोलने के प्रयत्नों में लगा हुआ था। उसे सिर उठाकर जेम्स बांड की ओर देखने तक की फुरसत नहीं थी ।

पांच मिनट बाद हेलेन वहां प्रकट हुई। उसके हाथों में दो दूध की बोतलें और एक शीशे की नलकी थी। जेम्स बांड ने दूध की एक बोतल में नलकी डाली और फिर गाड़ी के नीचे घुस गया ।

'जान!' बांड ने आवाज लगाई 'तुम्हारे लिए दूध लाया हूं।" भीतर से कोई उत्तर नहीं मिला।

जेम्स बांड ने शीशे की नलकी उस अपेक्षाकृत बड़े छेद में डाली जो उसने ड्रिल मशीनं से बनाया था। उसने नलकी को भीतर की ओर धकेला। नलकी भीतर कहीं जाकर अटक गई। बांड ने नलकी वापस खींच ली और टार्च का प्रकाश छेद में डाल।। छेद पर उसे जान किटसन का गाल टिका दिखाई दिया।

'जान!' - जेम्स बांड ने उच्च स्वर में आवाज दी।

जान किटसन के शरीर में कोई हरकत नहीं हुई ।

जेम्स बांड ने शीशे की नलकी से उसके गाल को जोर से टहोका। उसके शरीर में कोई हरकत नहीं हुई।

क्या वह फिर बेहोश हो गया था?

एकाएक बांड को एक ख्याल आया। वह एक क्षण हिच-किचाया और फिर उसने शीशे की नलकी छेद में से वापिस खींच ली। उसने नलकी के एक सिरेपर दूध की बोतल का पेन्दा मारा।

नलकी का आगे से टूटा हुआ सिरा वापिस छेद में डाला। नलकी का टूटा हुआ भाग फिर जान किटसन के गाल से जा टिका। जेम्स बांड ने जोर से नलकी को भीतर की ओर धकेला ।

नलकी का टूटा हुआ सिरा जान किटसन के गाल में घुसता चला गया। जेम्स बांड ने नलकी वापिस खींच ली। टार्च के प्रकाश में उसने नलकी के टूटे सिरे पर निगाह डाली।

नलकी के सिरे पर खून का नामो निशान भी नहीं था। जेम्स बांड ने नलकी वहीं फेंक दी। वह गाड़ी के नीचे से निकल आया ।

'सैन्डर'- वह सैन्डर से सम्बोधित हुआ- 'क्या प्रोग्र स है?' 'कुछ नहीं'- सैन्डर ने उत्तर दिया- 'गाड़ी वहीं की वहीं अटकी हुई है।'

'छोड़ो। अब गाड़ी का ताला खोलने से कुछ हासिल होने वाला नहीं है।'

'क्यों?'- सैन्डर विस्मित स्वर से बोला ।

'जान किटसन मर चुका है।'

सैन्डर का हाथ अपने आप डायल से अलग हो गया ।

'तुम्हें कैसे मालूम?'- हेलेन बोली ।

'उसका गाल एकदम छेद के ऊपर रखा हुआ था। उत्तर न मिलने पर मैंने शीशे की नलकी का सिरा तोड़ कर उसके गाल में चुभो दिया था। शीशा गाल में घुस गया था लेकिन उस पर खून का नामो निशान भी नहीं था।'

हेलेन विस्फारित नेत्रों से उसका मुंह देखने लगी ।

'मैं अभी आई'- वह तेजी से कमरे से बाहेर निकल गई।

लगभग उल्टे पांव वह गैरेज में वापिस आ गई। इस बार उसके साथ जान्सी भी था।
जान्सी की आंखों पर सदा की तरह काला चश्मा चढ़ा हुआ था लेकिन फिर भी जेम्सवांड को ऐसा अनुभव हुआ जैसे जान्सी उसे संदिग्ध निगाहों से घूर रहा हो।

'मैंने सुना है जान किटसन मर चुका है'- जान्सी बोला ।

'जी हां'- जेम्स बांड बोला ।

'आपके लिए बड़ी सहूलियत का मौका तलाश करके प्राण त्यागे उसने!'

'शायद आप यह कहना चाहते हैं कि अपनी सहूलियत की खातिर मैंने जान किटसन की हत्या कर दी है?'- जेम्स बांड शुष्क स्वर से बोला ।

'आपने ऐसा नहीं किया है?' - जान्सी अपने स्वभाव सुलभ शान्त स्वर से बोला ।

'मैंने ऐसा नहीं किया है।'- जेम्स बांड दृढ़ स्वर से बोला ।

'मुझे जान किटसन की मौत का अफसोस है'- जाम्सी बोला- 'आप एक जिम्मेदार आदमी हैं।
अगर आप कहते हैं कि वह अपनी आई मौत मर गया है तो ऐसा ही हुआ होगा।'

जेम्सबांड चुप रहा ।

'सैन्डर, गाड़ी को ठिकाने लगा दो और फिर मेरे पास आओ ।' - जान्सी एकदम घूमा और गैरेज से बाहर निकल गया ।

बड़े कमरे में जान्सी के अलावा काउन्ट, हेलेन और जेम्स बांड मौजूद थे ।

'मिस्टर बांड'- जान्सी बोला- 'काउन्ट ने प्रोफेसर फैरेंस जोल्तान को चैक किया है।'

जेम्स ने प्रश्नसूचक नेत्रों से काउन्ट की ओर देखा । 'आपने जो हमसे कहा था, ठीक कहा था'- काउन्ट बोला

- 'प्रोफेसर फैरेन्स जोल्तान वाकई कम्यूनिस्ट हंगरी से बाहर निकलने के लिए हैरानी की हद तक उतावला है। उस जैसा बुद्धिमान आदमी भी यह भूल रहा है कि उसका यह उतावलापन अधिकारियों के लिए सन्देह का विषय बन सकता है। एक बार सीक्रेट पुलिस को उसके इरादों की भनक पड़ गई तो इंगलैंड की शरण में जा पाना तो दूर वह अगर कान्सटान्टा के लेबर कैम्प में पहुंचने से बच गया तो अपने आपको खुशकिस्मत समझेगा । सीक्रेट पुलिस को अगर उस पर कोई आधारहीन सन्देह भी हो गया तो भी वह कम से कम मास्को तो जरूर भेज दिया जायेगा। मास्को से उसको निकाल लाना कोई करिश्मे से कम नहीं होगा।'

'क्या सीक्रेट पुलिस को उस पर सन्देह है?'- जेम्स बांड ने व्यग्र स्वर से पूछा ।

'मैं दावे से नहीं कह सकता। सन्देह हो भी सकता है और नहीं भी हो सकता। लेकिन इतना मैंने जरूर देखा है कि सीक्रेट पुलिस का कम से कम एक आदमी हर वक्त साये की तरह उसके पीछे लगा रहता है।'

'प्रोफेसर को यह बात मालूम है?'

'मेरे ख्याल से नहीं।'

उस पर किसी प्रकार का कोई प्रतिबन्ध है?'

'प्रत्यक्षतः नहीं । बुडापेस्ट में वह कहीं भी बेरोक-टोक आता जाता है।'

'लेकिन निगरानी उसकी हर जगह होती है।'

'जी हां।'

जेम्सबांड चुप रहा ।

'मिस्टर बांड'- जान्सी बोला- 'कहने की जरूरत नहीं कि हम प्रोफेसर को आपके साथ बुडापेस्ट भेजने का इन्तजाम कर रहे हैं।'

'थैंक्यू वेरी मच ।'

'प्रोफेसर को इंगलैंड पहुंचाने की दिशा में जो पहला जरूरी कदम है'- जान्सी यूं बोला जैसे उसने जेम्स बांड की बात सुनी ही न हो- 'वह यह है कि हम प्रोफेसर को सीक्रेट पुलिस की जानकारी में आए बिना अपने यहां ला सकें। भविष्य की काम-याबी इसी बुनियादी बात पर निर्भर करती है। प्रोफेसर के सीक्रेट पुलिस के आदमी की दृष्टि से ओझल होते ही उसकी ऐसी जबरदस्त तलाश आरम्भ हो जाएगी कि प्रोफेसर को आपके साथ बुडापेस्ट से बाहर निकलना असम्भव हो जाएगा। इसलिए वक्त की जरूरत यह है कि प्रोफेसर ऐसे रहस्यपूर्ण ढंग से अपनी निगरानी करने वालों की दृष्टि से

ओझल हो जाए कि एक दो दिन तो सीक्रेट पुलिस के अधिकारियों की समझ में यही न आ सके कि प्रोफेसर गुम कहां हो गया। उसे जमीन निगल गई या आसमान खा गया ।'

'ऐसा कैसे हो सकता है?' - जेम्स बांड हैरानी से बोला ।

'काउन्ट ने एक तरकीब सोची है।'

जेम्स बांड आशापूर्ण नेत्रों से काउन्ट की ओर देखने लगा ।

'पहले मैं आपको प्रोफेसर का हुलिया बताता हूं'- काउन्ट बोला- 'क्योंकि इसका मेरी तरकीब से बहुत बड़ा वास्ता है। प्रोफेसर एक मेरे ही कद काठ का लगभग पैंसठ साल का वृद्ध है। उसके सिर पर सन जैसे सफेद घने बाल हैं, चेहरे पर वैसी ही सफेद लेनिन कट दाढ़ी-मूंछ हैं और वह नजर का चश्मा लगाता है। मैं मेकअप की मदद से बड़ी आसानी से प्रोफेसर जैसी सूरत बना सकता हूं। मैंने एक रेस्टोरेन्ट में उसकी आवाज भी सुनी है और मैं उतनी ही आसानी से उसकी आवाज की भी नकल कर सकता हूं।'

'उससे फायदा क्या होगा?'- जेम्सबांड ने पूछा ।

'सुनते जाइये'- काउन्ट बोला- 'प्रोफेसर स्थायी रूप से थ्रो क्राउन्स होटल की तीसरी मंजिल पर स्थित एक सूट में रहता है लेकिन रात का खाना वह वहां नहीं खाता। रात का खाना वह हमेशा अपने किसी न किसी मित्र के साथ वहां से लगभग दो मील दूर स्थित बोल्गा रेस्टोरेन्ट में खाता है। मैं प्रोफेसर को यह संकेत दे चुका हूं कि उसके सहयोग के बिना उसे बुडापेस्ट से निकाल कर लन्दन पहुंचाना असम्भव है। कहने की जरूरत नहीं कि प्रोफेसर यहां से निकलने के लिए इतना इच्छुक है कि बह किसी प्रकार का भी सहयोग देने के लिए तैयार है।'

'आप क्या सहयोग चाहते हैं उससे?'

'मैंने उसे कहा है कि कल रात को वोल्गा रेस्टोरेन्ट में खाना खा चुकने के बाद वह क्लाक रूम जरूर जाए। मैं प्रोफेसर के मेकअप में क्लाक रूम में पहले ही छुपा होऊंगा। प्रोफेसर क्लॉक रूम में ही रह जाएगा और मैं उसके स्थान पर वापस रेस्टोरेन्ट में प्रोफेसर के दोस्त के पास पहुंच जाऊंगा। बाद में जब थी

क्राउन्स होटल के लिए रवाना होऊंगा तो प्रोफेसर की निगरानी के लिए तैनात सीक्रेट पुलिस का आदमी मेरा पीछा करेगा और श्री क्राउन्स होटल पहुंच जाएगा। पीछे मैदान साफ होगा । हेलेन और सैन्डर प्रोफेसर को रेस्टोरेन्ट से यहां ले आयेंगे।'

और आपका क्या होगा?'

'श्री क्राउन्स होटल में प्रोफेसर के सूट में पहुंचकर मैं प्रोफे-सर का मेकअप उतार दूंगा और किसी उचित मौके पर होटल के कमरे से निकलूंगा। और सीधा यहां आजाऊंगा। इजी ।'

'होटल में प्रोफेसर के सूट की निगरानी के लिए तैनात सीक्रेट पुलिस को आदमी जब आपको एक अजनबी को-प्रोफे सर के सूट से निकलते देखेगा तो वह हैरान नहीं होगा कि आप कहां से टपक पड़े जबकि उसने आपकी सूरत के किसी आदमी को जाते नहीं देखा था।'

'वह कोई समस्या नहीं है। उस आदमी को मैं सम्भाल लूंगा। मैंने उसे देखा है। वह उस गलियारे के सिरे पर एक कुर्सी पर बैठा रहता है। भयानक ठण्ड के इन दिनों में प्रोफेसर के कमरे की बत्ती बुझते ही बह भी ऊंघने लगता है। अव्वल तो बह मुझे बाहर निकलते देखेगा ही नहीं। अगर देख भी लेगा तो भी मैं उसे हैंडल कर लूंगा। तुम उसकी चिन्ता मत करो। वह मेरा सिर दर्द है।'

'यह भी जरूरी होगा कि कल रात जैसे कपड़े प्रोफेसर पहने हुए हो, वैसे ही आप पहनकर जायें?'

'उसका इन्तजाम हो गया है। प्रोफेसर को यह संदेश पहुं-चाया जा चुका है। कि कल रात वह वोल्गा रेस्टोरेन्ट में काले रंग का सूट और लाल रंग की टाई बहन कर जाए। वैसे हो कपड़े मैं पहने होऊंगा।'

'क्लाक रूम में शायद आपको दो तीन घन्टे छुपकर बैठना पड़े। आप अटैंडेन्ट की निगाह में आए बिना रह सकेंगे?'

'क्लाक रूम के अटैण्डेंट के सहयोग की तो हमें वैसे भी जरूरत है। वह हमारा आदमी है। वह हमारी रिजीस्टेंस मूव-मेंट का मेम्बर है।'

'प्रोफेसर का जो मित्र उसके साथ डिनर ले रहा होगा, उसे सन्देह हो सकता है?'

'अव्वल तो मैं उसे संदेह होने नहीं दूंगा। । अगर उसे संदेह हो भी गया तो भी उसे समझ नहीं आएगा कि फर्क क्या पड़ गया है।' 'मिस्टर बांड ।'- जान्सी बोला- 'काउन्ट की काबलियत पर संदेह करना मूर्खता है। मेकअप और आवाज बदलने की कला में काउन्ट जितनी दक्षता तो किसी विरले को ही होती है।'

'आल राइट । प्रोफेसर के हमारे अधिकार में आ जाने के बाद का क्या प्रोग्राम है?' जेम्स बांड ने पूछा ।

'उसी रात आप को और प्रोफेसर को आस्ट्रियन बार्डर से फन्टियर क्रास करवा दिया जाएगा।'- जान्सी बोला ।

'शायद वह काम इतना आसान न हो ।'

'उस की जिम्मेदारी आप मुझ पर छोड़ दीजिए। अव्वल तो आपको बार्डर पार कराना कोई समस्या ही नहीं है। अगर वह समस्या बन भी गई तो वक्त आने दीजिए। वक्त आने पर अपने आप कोई न कोई रास्ता निकल आता है।'

काउन्ट ने अपनी कलाई पर बन्धी सोने की घड़ी में समय देखा। नौ बजे थे।

उसने बिजली का स्त्रीच आफ कर दिया और अपने सुनहरी सिगरेट-होल्डर में एक नया सिगरेट फंसा कर उसे सुलगा लिया। उस समय वह थ्री काउन्स होटल की तीसरी मंजिल पर स्थित प्रोफेसर फौरेंस जोल्तान के सूट में था।

वोल्गा रेस्टोरेन्ट में योजनानुसार बड़ी सहूलियत से सब कुछ हो गया था। प्रोफेसर फैरेंस जोल्तान क्लाक रूम में रह गया था और उस के स्थान पर काउन्ट प्रोफेसर के मेकअप में रेस्टो-रेन्ट में जा बैठा था। प्रोफेसर के मित्र को जो कि प्रोफेसर के साथ डिनर ले रहा था, उस पर कतई संदेह नहीं हुआ था। यह काउन्ट का

सौभाग्य था कि डिनर से पहले प्रोफेसर के मित्र ने काफी शराब पी ली थी जिसकी वजह से डिनर के बाद वह अपने पूरे होश में नहीं था। वह काउन्ट में और प्रोफेसर में कोई अन्तर पहचानने की स्थिति में नहीं था। वार्तालाप का सिलसिला भी एक तरफा था। प्रोफेसर का मित्र नशे में चहके जा रहा था। उसे इस बात की परवाह नहीं थी कि काउन्ट वार्तालाप में हां, हूं, जितना ही भाग ले रहा था।

डिनर के बाद प्रोफेसर का मित्र उसे अपनी कार पर श्री काउन्स होटल के सामने उतार गया था।

काउन्ट ने देखा, सीक्रेट पुलिस का जो आदमी रेस्टोरेन्ट में प्रोफेसर की निगरानी कर रहा था वह श्री क्राउन्स होटल के मुख्य द्वार तक ही उनके पीछे आया था, उसने होटल के भीतर कदम रखने की कोशिश नहीं की थी। होटल की तीसरी मंजिल पर प्रोफेसर के सूट वाले गलियारे में एक अन्य आदमी निगरानी के लिए मौजूद था।

काउन्ट बाथरूम में घुस गया। बाथरूम की खिड़की और दरवाजा सावधानी से बन्द कर चुकने के बाद उसने बाथरूम की बत्ती जलाई। कृत्रिम प्रकाश में उसने अपने चेहरे से नकली बालों का विग और दाढ़ी-मूछ वगैरह उतार कर अपने ट्रैच कोट की जेब में डाल ली। उसने काला सूट और लाल टाई भी उतार दी। नीचे उसने अपनी सीक्रेट पुलिस की तब की यूनीकार्म पहन रखी थी जब वह एन्ड्रेसी डट में मेजर होवार्थ की हैसियत से जाना जाता था। उसने अपना ट्रौंच कोट फिर पहन लिया। और सिर बर वाटर प्रूफ फैल्ट हैट लगा ली। ट्रैच कोट के बटन उसने जान बूझकर बन्द नहीं किए ताकि ट्रैच कोट के नीचे पहनी यूनीफार्म दिखाई देती रहे। उसने अपने सुनहरी सिगरेट होल्डर में नया सिगरेट लगाया और टायलेट की सीट गिराकर उस पर बैठगया।

बड़े धैर्य से उसने सिगरेट के कश लगाने प्रारम्भ कर दिए ।

साढ़े ग्यारह बज गए।

काउन्ट में सिगरेट होल्डर अपने विशिष्ट कोण पर दांतों में दबा लिया और बाथरूम की बत्ती बुझा कर बाहर निकल आया। बड़ी सावधानी से उसने सूट का मुख्य द्वार खोला। उसने गरदन निकाल कर गलियारे में झांका।

सीक्रेट पुलिस का आदमी गलियारे के सिरे पर रखी एक कुर्सी पर अधलेटा-सा बैठा ऊंघ रहा था।

काउन्ट ने हौले से गलियारे में कदम रख दिया। बड़ी सावधानी से उसने अपने पीछे दरवाजा बन्द कर दिया।

वह घूमकर गलियारे में कदम बढ़ाने ही वाला था कि एका-एक वह ठिठककर रुक गया।

सीक्रेट पुलिस का आदमी आंखें फाड़-फाड़कर उसकी ओर देख रहा था।

केवल एक क्षण के लिए ही काउन्ट सकपकाया। फिर वह उसकी ओर मुंह करके गलियारे के बीचोंबीच तनकर खड़ा हो गया। उसके होंठ भिच गए और आंखें क्रोध से जलने लगीं।

'इधर आओ। --वह गुर्रा कर बोला। उसके स्वर में चाबुक जैसी फटकार थी और स्वर उतना ही ऊंचा था कि वह उस आदमी के कानों तक पहुंच जाए।

उस आदमी के चेहरे से सन्देह के भाव फौरन उड़ गए और उसका स्थान भय और घबराहट ने ले लिया। उसको काउन्ट के ट्रैच कोट के नीचे से हंगेरियन सीक्रेट पुलिस के अफसरों की यूनीफार्म दिखाई दे गई थी। रही-सही कभी काउन्ट के आकर्षक और अधिकारपूर्ण व्यक्तित्व ने पूरी कर दी थी।

वह आदमी लगभग दौड़ता हुआ जब तक काउन्ट के सामने पहुंचा, तब तक उसका चेहरा आतंक से विकृत हो उठा था।

काऊन्ट उसे खा जाने वाली निगाहों से घूरने लगा। उसने अपने दांतों से सिगरेट होल्डर निकालकर अपने हाथ में ले लिया। वह आदमी हिस्टीरिया के रोगी की तरह कांपने लगा।

'तुम्हारी ड्यूटी यहां सोने के लिए लगाई गई है?'--काउन्ट कहर भरे स्वर से बोला ।

'म मैं माफी चाहता हूं।' - वह हकलाता हुआ बोला- 'में तो बड़ी मुस्तैदी से पहरा देता हूं लेकिन।'

'तुम सो रहे थे।'

'नहीं, सर, पता नहीं कैसे केवल कुछ क्षण के लिए पलक्र झपक गई थी। मैं।

'कुछ क्षणों के लिए पलक झपक गई थी! मैं प्रोफेसर के सूट के दरवाजे तक पहुंच गया और तुम्हारे कान पर जूं भी नहीं रंगी और तुम कहते हो कि तुम्हारी कुछ क्षण के लिए पलक झपक गई थी!'

'सर, मैं भगवान की कसम खाकर कहता हूं कि मैं।'

'भगवान!'-काउन्ट के चेहरे पर बल पड़ गए- 'कौन-सा अगवान? किसका भगवान?'

उसका शरीर पत्ते की तरह कांपने लगा। अच्छे कम्यूनिस्ट अमवान जैसी चीज में आस्था प्रकट करने की भयानक गलती नाहीं करते।

'म मेरे से मेरे से गलती हो गई, सर।'- वह दह-बातभरे स्वर से बोला- 'म मेरी जुबान फिसल गई, सर। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि।'

'नहीं, नहीं, विश्वास दिलाने का काम मुझे करने दो, कामरेड।' काउन्ट शान्त स्वर से बोला- 'मैं तुम्हें विश्वास दिलाता हूं कि अगर दुवारा तुम एक बार भी ड्यूटी पर सोते हुए या पलक झपक गई, जैसी लापरवाही दिखाते हुए पकड़े गए तो तुम्हें साइबेरिया में सड़ने के लिए भेज दिया जाएगा। जानते हो कर्नल हीदस ने मुझे विशेष रूप से तुम्हें चैक करने के लिए यहां भेजा था।' उसने काउन्ट के पांव पकड़ लिए।

'इस बार माफ कर दीजिए सर।'- वह गिड़गिड़ाता हुआ बोला- 'मैं वादा करता हूं, में दुबारा कभी अपने काम में कोताही नहीं दिखाऊंगा। मैं पूरी मुस्तैदी से ड्यूटी दूंगा। मैं...।'

'उठकर खड़े हो जाओ।' - काउन्ट अपेक्षाकृत नम्र स्वर से बोला- 'प्रोफेसर अपने सूट में है?'

'जी श्रीमान।'

कोई उससे मिलने तो नहीं आया?'

"नो, सर!'

ठीक है। मैं इस बार माफ कर देता हूं तुम्हें। आगे से ध्यान रखना ।'

'थैंक्यू वैरी मच सर।'

काउन्ट ने अपना सिगरेट होल्डर फिर अपने दांतों में दबा व्हिया । उसने आगे कदम बढ़ाया। वह आदमी भांगकर लिफ्ट के पास पहुंचा। उसने लिफ्ट का काल बटन दबा दिया। जब तक काउन्ट लिफ्ट के समीप पहुंचा लिफ्ट वहां तक पहुंच चुकी यो। काउन्ट लिफ्ट में प्रविष्ट हो गया।

नीचे होटल की लाबी में कदम रखने ले पहले वह अपने दूँचकोट के सारे बटन बन्द कर चुका था। उसने अपनी फैल्ट-हैट अपने माथे पर थोड़ी और झुका ली और होटल के मुख्य द्वार की ओर बढ़ा ।

उसके मुख्य द्वार के समीप पहुंचते ही डोरमैन ने बड़ी मुस्तैदी से द्वार खोल दिया। काउन्ट के बाहर कदम रखने से पहले ही एक अन्य आदमी ने भीतर कदम रखा। वह आदमी हंगेरियन सीक्रेट पुलिस की कर्नल की यूनीफार्म में था।

वह कर्नल हीदस था ।

एक क्षण के लिए दोनों की निगाहें मिलीं। काउन्ट ने होंठों से सिगरेट होल्डर निकालकर हाथ में ले लिया ।

'एक्सक्यूज मी!' काउन्ट बदले स्वर से बोला और कर्नल हीदस की बगल से होता हुआ आगे बढ़ा।

कर्नल हीदस ने उसकी बांह थाम ली ।

'सुनो।' कर्नल हीदस बोला ।

काउन्ट रुक गया। बड़े धैर्य से उसने अपनी बांह से कर्नल डीदस का हाथ हटाया और फिर एकदम शांत स्वर में बोला-'सीक्रेट पुलिस के अफसरों से मुझे ऐसे ही बदतमीजी भरे व्यव-हार की उम्मीद थी ।'

'तुम्हारी सूरत मुझे जानी-पहचानी लगती है।' कर्नल हीदस उसके व्यंग की ओर तनिक भी ध्यान दिए बिना बोला ।

'देखा होगा कहीं ।'

'कौन हो तुम?'

'मेरा नाम जान रिष्का है। मैं आडिनेंस फैक्ट्री में फोरमैन हूँ ।

'आई सी!'

कर्नल हीदस एक ओर हट गया। काउन्ट आगे बढ़ गया ।

कर्नल हीदस उसे जाता देखता रहा। उसके चेहरे से संदेह और अनिश्चय के भाव तनिक भी नहीं मिटे थे।

काउन्ट तेजी से सड़क पर आ गया। यह उसका सौभाग्य या कि रास्ते में उसने ट्रैव कोट के बटन बन्द कर लिए थे और इसलिए कर्नल हीदस की निगाह उसके शरीर पर पहनी यूनी-फार्म पर नहीं पड़ी थी अन्यथा वह यूनीफार्म उसे फंसाने के लिए काफी थी। कर्नल हीदस सीक्रेट पुलिस के एक-एक अफसर को सूरत से पहचानता था। मेजर की यूनीफार्म में एक अजनबी सूरत उनका सन्देह जगाने के लिए काफी होती ।

उसी क्षण एक जीप मेजर की बगल में आकर रुकी। काउन्ट ने देखा जीप की ड्राइविंग सीट पर जिम बैठा हुआ था। उसने देखा यह बही जीप थी जो वह खुद शाम को होटल से लगभग दो फर्लांग दूर एक गुप्त स्थान पर खड़ी कर गया था।

'तुम कहां से टपक पड़े?'- काउन्ट बोला ।

'जान्सी का कहना था कि काम हो जाने के बाद होटल से फौरन निकल भागने के लिये शायद आपको मेरी मदद की जरू रत पड़े!' जिम बोला- 'इसलिये मैं आपकी जीप होटल के पास ही ले आया था।'

'किसी ने तुम्हें देखा तो नहीं?'

'स्वाल ही नहीं पैदा होता ।'

काउन्ट चुप हो गया। उसने अपनी जेब से बाराक से भरी फ्लास्क निकाली और उसके कई घूंट हलक से नीचे उतार लिये।

काउन्ट के वापस हैडक्वार्टर पहुंचने के लगभग फौरन बाद ही वे लोग वहां से कूच कर गये। जिम एक टैक्सी द्वारा अपनी मीटर साइकिल लेने थ्री क्राउन्स होटल चला गया। जान्सी, काउन्ट, सैन्डर, जेम्स बांड और प्रोफेसर फैरेंस जोल्तान स्टेशन वैगन में सवार होकर अस्ट्रियन बार्डर की ओर रवाना हो गये। जान्सी का ख्याल था कि जेम्स बांड और प्रोफेसर को जितनी जल्दी हंगरी से निकाल दिया जाये उतना ही अच्छा है।

सुबह साढ़े छः बजे वे जान्सी के बार्डर के समीप स्थित एरिया हैडार्टर पर पहुंचे। हैडक्वार्टर की वह इमारत आस्ट्रि यन फन्टिनर से केवल पन्द्रह किलो मीटर दूर थी।

सारी रात लगातार स्टेशन वैगन चलाते रहने के बाद वे लोग उन स्थान तक पहुंच पाये थे। बर्फ की भयानक बौछार से रास्ते इतने दुर्गम और खतरनाक हो गये थे कि ज्यादा रफ्तार से गाड़ी चलाना सीधे मौत के मुंह में छलांग लगाने जैसा था। फिर भी वे

उसे अपना सौभाग्य मानते थे कि वे लगभग चार सौ किलोमीटर का सफर आठ घन्टे में तय करने में कामयाब रहे थे।

सारी रात केवल एक ही आदमी गाडी चलाता रहा था और वह काउन्ट था। रात में कितनी ही बार जेम्स बांड ने सोचा था कि काउन्ट को अर।म करने के लिये कहे और गाड़ी खुद ड्राइव करने लगे लेकिन हर बार उसने अपना यह विचार त्याग दिया था। वह एक अच्छा ड्राइवर जरूर था लेकिन वह काउन्ट से अच्छा ड्राइवर हरगिज भी नहीं था और उसे विश्वास था कि दुनिया में शायद ही कोई दूसरा ड्राइवर काउन्ट से अच्छा ड्राइ-बर था।

हैडक्वार्टर पहुंचते ही सब लोग निढाल होकर जहां सींग समाया ढेर हो गये। उस इमारत में जरूरत की हर चीज मौजूद थी। सैन्डर ने सबसे पहले लोहे के एक कुण्ड में लकड़ियां रखकर जाग जलाई और फिर ब्रेक फास्ट बनाने में जुट गया। काउन्ट इमारत में से ही कहीं से एक बाराक की बोतल ले आया।

काउन्ट की बाराक शराब और ब्रेक फास्ट गले से उतरने के बाद उन लोगों की जान में जान आई और उन्हें जमा देने बाली सर्दी से निजात मिलती महसूस हुई। सब लोग सारी रात के जगे हुए थे लेकिन फिर भी किसी को सोने की जल्दी दिलाई नहीं देती थी। आधी रात से पहले बार्डर क्रास करना सम्भव नहीं था इसलिए सबको मालूम था कि सारा दिन सोना ही सोना था ।

आठ बजे उन्होंने न्यूज ब्राडकास्ट सुनने के लिए रेडियो लगाया। खबरों में विशेष कुछ नहीं था लेकिन मौसम की रिपोर्ट के अनुसार अगली रात को सारे हंगरी में और भी भयंकर बर्फ-बारी होने वाली थी। इसका मतलब था कि रात को और भी सहूलियत से बार्डर क्रास किया जा सकता था ।

नौ बजे के करीब जबकि बाराक की दूसरी बोतल भी समाप्त होने वाली थी, वातावरण में दिन का उजाला फैलना आरम्भ हुआ। बांड ने बाराक का आखिरी घूंट भरा और फिर दोनों हाथ सिर से ऊपर उठाकर जोर से अंगड़ाई ली ।

'चाहो तो बगल के कमरे में जाकर सो जाओ।' - जान्ती बोला ।

जेम्स बांड ने सहमति सूचक ढंग से सिर हिलाया और बपने स्वान से उठ खड़ा हुआ। उसी क्षण एकाएक मेज पर रखे टेलीफोन की घन्टी बज उठी। जान्सी की प्रश्नसूचक दृष्टि अपने साथियों की तरेफ उठ गई।

किसी ने जिम या हेलेन को यहां फोन करने के लिए कहा -उसने पूछा।

'नहीं तो!'- उत्तर काउन्ट ने दिया ।

जान्सी कुछ क्षण उलझनपूर्ण नेत्रों से टेलीफोन को घूरता रहा और फिर उसने हाथ बढ़ाकर रिसीवर उठा लिया। रिसी-बर के क्रेडिल से हटते ही घन्टी बजनी बन्द हो गई और फिर एक दर्दनाक चीख सारे कमरे में गूंज गई। आवाज इतनी ऊंची श्री कि वह रिसीवर से निकलकर हर किसी के कानों तक पहुंच गई। वह चीख किसी भीषण यातना सहते प्राणी के आर्तनाद की थी।

कमरे में एकदम सन्नाटा छा गया। जेम्स बांड ने मुंह बाये जान्सी की ओर देखा। जान्सी ने धीरे से रिसीवर को कान से लगा लिया। दूसरी ओर से किसी भारी स्वर के जल्दी-जल्दी बोलने की. आवाज आई लेकिन किसी की समझ में कुछ नहीं आया। सब आतंकित से जान्सी को देख रहे थे।

एकाएक जान्सी के मुंह से एक गहरी सांस निकली। उसका चेहरा उसके सर के बालों की तरह ही सफेद हो गया। उसकी उंगलियां एक हाथ में थमे रिसीवर पर और दूसरे हाथ में थमे बाराक के गिलास पर कस गईं।

जान्सी केवल सुन रहा था। टैलीफोन पर उसने एक शब्द भी नहीं बोला था। फिर एकाएक कड़ाक की आवाज हुई और जान्सी के हाथ में थमा गिलास कई टुकड़ों में विभक्त होकर फर्श पर विज़र गया। जो टुकड़े जान्सी के हाथ में रह गये वह हाथ की पहले से ही नुची हुई खाल में घुस गये। जमीन पर टप टप खून गिरने लगा।

जान्सी का चेहरा एकदम भावहीन था। उसकी सूरत को देखकर ऐसा नहीं लगता था जैसे उसे मालूम हो कि उसकी उंगलियों के दबाव के नीचे गिलास टूट गया है और अब घायल हाथ में से खून बह रहा है।

'मैं तुम्हें अभी फोन करता हूं।'- एकाएक जान्सी टेलीफोन में बोला। उसकी आवाज में हल्का सा कम्पन जेम्स बांड से छुपा न रह सका । दूसरी ओर से फिर कोई कुछ बोला ।

'नहीं नहीं नहीं! जान्सी लगभग फुसफुसाता हुआ बोला। फिर जान्सी ने जल्दी से रिसीवर को क्रडिल पर रख दिया लेकिन सम्बन्ध विच्छेद होने से पहले वही दर्दनाक चीख फिर सारे कमरे में गूंज गई जो टेलीफोन उठाने पर उन लोगों को सुनाई दी थी।

फिर जान्सी की निगाह जैसे पहली बार अपने खून से लथ-पथ हाथ पर पड़ी। उसने अपनी जेब से रूमाल निकाला और अपना खून से लथपथ हाथ पोंछना आरम्भ कर दिया।

'मैं भी कैसा लापरवाह आदमी हूं'- वह एकदम भावहीन स्वर से बोला- 'खामखाह इतनी अच्छी शराब बिखर जाने दी। सारी, काउन्ट ।'

'जान्सी'- काउन्ट ने व्यग्र स्वर से पूछा- 'क्या बात थी?

'खुदा बहुत करिश्मासाज है, काउन्ट' जान्सी बोला- वह हमेशा आदमी को सुख या दुख का व झटका देता है जब वह उसके लिए कतई तैयार नहीं होता। काउन्ट, मैं नहीं कहता था कि कैथरीन जिन्दा है जबकि तुम सब कहते थे कि मेरी बीची मर चुकी है। उसका जिन्दा निकल आना एक करिश्मा होगा। दोस्तो, करिश्मा हो गया है।'

जिन्दगी में पहली बार जेम्स बांड ने सैन्डर के चेहरे पर कोई भाव आता देखा ।

'कैथरीन!' - वह व्यग्र स्वर से बोला- 'वह जिन्दा है?"

'जान्सी' काउन्ट तीव्र स्वर से बोला 'फोन किसका था?

'कैथरीन का नहीं था'- जांन्सी बोला- 'और बेचारा जिम ! आखिर था तो बच्चा ही न!'

'जान्सी!' काउन्ट लगभग चिल्ला पड़ा- 'भगवान के लिये पहेलियां मत बुझाओ ।'

'जिम एण्ड्रेसी डट के टार्चर चेम्बर में दम तोड़ चुका है।' जान्सी पूर्ववत् भावहीन स्वर से बोला- और अभी जो चीख आप लोगों ने टेलीफोन पर सुनी थी, वह हेलेन की थी।

काउन्ट के मुंह से सिसकारी निकल गई।

'वे लोग हेलेन को टार्चर कर रहे हैं?'- काउन्ट विक्षिप्त स्वर से बोला ।

हेलेन को नहीं। हेलेन की मां को। हेलेन के सामने । आठ साल तक हेलेन का यह विश्वास नहीं हिला कि कैथरीन मर चुकी है। आठ साल बाद एक करिश्मे की तरह अपनी मां की सूरत देखने के बाद वह उसे टार्चर किया जाता कैसे देख सकती थी? काउण्ट तुम्हारा भूतपूर्व बास कर्नल हीदस बहुत जालिम आदमी है। वह आदमी की दुखती रग पकड़ना बखूबी जानता है। वह जानता है कि हेलेन को टार्चर करके वह नतीजा हासिल. नहीं किया जा सकता जो हेलेन के सामने उसकी मां को टार्चर करके किया जा सकता है।'

'ओ माई गाड।' सैन्डर के मुंह से निकला ।

'कर्नल हीदस उम्मीद से ज्यादा होशियार आदमी निकंला, काउन्ट । वह देर से सही लेकिन तुम्हें पहचान गया था। तुम्हारे श्री क्राउन्स होटल से बाहर आते ही उसकी समझ में आ गया था कि उसे तुम्हारी सूरत क्यों जानी पहचानी लग रही थी। लेकिन जब तक वह तुम्हारे पास पहुंच पाता तुम जिम के साथ गाड़ी में सवार होकर वहां से विदा हो चुके थे लेकिन दुर्भाग्यवश उसने जिम को पहचान लिया था। उसने तुम दोनों का पीछा करने की भी कोशिश की लेकिन वह कामयाब नहीं हो सका। होटल में वापिस आकर जब उसे प्रोफेसर गायब मिला तो उसके पैरों के नीचे से जमीन निकल गई। पहरे पर तैनात अपने आदमी की बात सुनने के बाद उसे यह समझते देर न लगी कि प्रोफेसर के गायव हो जाने में किसी न किसी रूप में तुम्हारा हाथ जरूर है। दुर्भाग्यवश अभी कर्नल होदस वहीं था कि जिम अपनी मोटर साइकिल लेने दुबारा वहां पहुंच गया और कर्नल हीदस की गिरफ्त में आ गया। एन्ड्रेसी डट में कोको ने जिम पर वो जुल्म ढाये कि उसके प्राण निकल गए लेकिन उसके मरने से पहले वे लोग उससे हमारे बुडापेस्ट के हैडक्वार्टर का पता उगलवाने में कामयाब हो गए। उन्होंने तुरन्त हेलेन को गिरफ्तार कर लिया। हेलेन से उन्होंने इस स्थान का पता कुबुलवा लिया। नतीजा यह हुआ कि यहां कर्नल हीदस का फोन आ गया।'

जन्सी चुप हो गया।

कमरे में जैसे सुबको सांप सूंघ गया था।

मुझे मालूम था कैथरीन मरी नहीं है।' जान्सी यूं बोलने लगा जैसे नींद में बड़बड़ा रहा हो- पिछले आठ सालों में मुझे एक बार संदेह तक नहीं हुआ था कि शायद कैथरीन जिन्दा न हो। मुझे पता था कैथरीन जिन्दा है। काउन्ट तुम गवाह हो, मैंने कभी आस नहीं छोड़ी थी। मुझे मालूम था, कैथरीन मरी नहीं है। ओह मेरे परमात्मा, तुमने उसे मर क्यों नहीं जाने दिया? तुमने उसे मार क्यों नहीं डाला?"

जेम्स' बांड के मानस पटल पर हेलेन की भोली-भाली, हर क्षण किसी शरारत के लिए तैयार सदा मुस्कराती हुई सूरत उभरी। उसके कानों में हेलेन की आवाज गूंजने लगी-

'मेरी मां मर चुकी है मिस्टर बांड। वह जिन्दा हो ही नहीं सकती। जब हंगेरियन सीक्रेट पुलिस जानवरों की तरह उसे अपनी भूरी लारियों में ठूंसकर ले गई थी, मेरी मां उस समय ही बीमार थी। उसे टी० बी० थी और उन्हीं दिनों वह हस्पताल से एक सीरियस आपरेशन करवाकर लौटी थी। घर लौट कर उसने चार दिन भी आराम नहीं किया था कि उसे सीक्रेट पुलिस पकड़ कर ले गई थी। मुझे तो लगता है मेरी मां ने सीक्रेट पुलिस की भूरी लारी में ही दम तोड़ दिया होगा। उस में इतनी हिम्मत नहीं थी कि वह बेतों में, कारखानों में, खदानों में रोज सोलह-सोलह घण्टे घोर श्रम कर पाती जैसा कि ऐसे कैदियों से करवाया जाता है। मेरी माँ तो गिरफ्तारी के बाद एक हफ्ता भी जिन्दा रह गई हो तो मैं इसे करिश्मा सममूंगी। लेकिन दुनिया की कोई शक्ति जान्तीं को यह विश्वास नहीं दिला सकती कि मेरी मां मर चुकी है। जान्सी का खुदा विश्वास नहीं दिला सकता हि मेरी मां मर चुकी है। उसके साथ तो जब तक सांस तब तक आस वाली बात है। जान्सी की आस कभी नहीं टूटेगी। जान्सी की तलाश जारी रहेगी।

'कैथरीन!' वृद्ध प्रोफेसर धीरे से बोला- 'कैसा इत्तफाक हैं। मेरी बीवी का नाम भी कैथरीन है।'

'अब कहां है वह?"- जान्सी ने पूछा ।

'इंगलैंड में। उसकी आवाजाही पर रोक-टोक नहीं है। न ही सीक्रेट पुलिस उसकी निगरानी करती है। वह भ्रमण के लिए इंगलैंड गई थी और फिर मेरे निर्देश पर वहां से वापिस ही नहीं लौटी थी।'-'समझदारी का काम किया आपने।'

' फोन कहां से आया था?- काउन्ट ने गम्भीरता से पूछा ।

'एन्ड्रेसी डट से ।' जान्सी ने बताया ।

'कर्नल हीदस क्या चाहता है??

'वह हमसे सीधा सौदा करना चाहता है। वह कहता है कि अगर हम प्रोफेसर को वापिस कर दें तो वह कैथरीन और हेलेन को सुरक्षित जहां हम कहेंगे वहां पहुंचा देगा।'

मैं वापिस्, चला जाऊंगा।'- प्रोफेसर बोला ।

'यह नहीं हो सकता।'- जान्सी बोला- 'अब यह राज उन पर खुल चुका है कि आप डिफैक्ट करके इंगलैंड चले जाना चाहते हैं। अब आप उनके हाथों में पड़ गए तो वो आपकी बहुत बुरी गत बनायेंगे।'

'वे मुझे कोई नुकसान नहीं पहुंचायेंगे।'- प्रोफेसर निश्चय-पूर्ण स्वर से बोला- 'मैं कम्यूनिस्टों का टाप साइन्टिस्ट हूं। मैं उनके लिए बहुत काम का आदमी हूं। वे मुझे कोई नुकसान पहुं-चाने की मूर्खता नहीं करेंगे। लेकिन अगर मैं वापिस न गया तो वे तुम्हारी बीवी और बेटी को मार डालेंगे। मैं अपनी आजादी की खातिर तुम्हारे परिवार की जान-जोखम में नहीं डालना चाहता। मैं जा रहा हूं दोस्त ।' और प्रोफेसर अपने स्थान से उठकर खड़ा हो गया ।

'प्रोफेसर अगर तुम वापिस उन लोगों के पास चले गए तो सारी जिन्दगी तुम्हें अपनी बीवी से मिलना नसीब नहीं होगा।'

'न सही। लेकिन मेरी बीवी सलामत तो होगी लेकिन अगर मैं वापिस न गया तो तुम्हारे परिवार का क्या अन्जाम होगा, दोस्त! मेरा वापिस जाना जरूरी है इसी में तुम्हारे परिवार की सलामती है।'

जान्सी ने धीरे से सहमति सूचक ढंग से सिर हिलाया ।

'मुझे वापिस भेजने का इन्तजाम करवाओ।'- प्रोफेसर बोला ।

'बैठ जाओ प्रोफेसर ।' - जान्सो दृढ़ स्वर में बोला ।.

'लेकिन ।'

'मैं तुम्हारी बहादुरी और ईमानदारी की कद्र करता हूं.. प्रोफेसर लेकिन कर्नल हीदस के हाथों पड़ जाने के बाद तुम्हारे भविष्य के बारे में मैं इतना निश्चित नहीं जितने कि तुम हो। वे बेरहम लोग हैं। वे तुम्हारी दुर्गति करेंगे। शायद तुम्हें अपनी जान से भी हाथ धोने पड़ें।'

'ऐसा नहीं होगा।'

'शायद न हो। लेकिन में अपने या अपने परिवार के लिए आपकी जान खतरे में नहीं डालूंगा। मैं कर्नल हीदस से बात करता हूं।'

'कर्नल हीदस से मैं बात करता हूं।'- काउन्ट बोला और उसने जान्सी को हाथ टेलीफोन तक पहुंचने से पहले ही रिसी-वर उठा लिया- 'कर्नल अपने मातहत अफसरों से रिपोर्ट हासिल करना पसन्द करता है। आखिर मैं उसका असिस्टेंट रह चुका हूं।' और काउन्ट ने टैलीफोन आपरेटर को एक नम्बर बताया।

'लेकिन ।'- जान्सी ने कहना चाहा।

'जान्सी, प्लीज-आज तक तुमने हमेशा मुझ पर पूरा भरोसा जाहिर किया है। इसलिए आज भी मुझ पर भरोसा रखो और जो मैं कर रहा हूं मुझे करने दो।'

जान्सी फिर नहीं बोला। उसी क्षण काउन्ट का कर्नल हीदस से सम्पर्क स्थापित हो गया ।

'कर्नल हीदस ।' काउन्ट टेलीफोन में बोला- 'भूतपूर्व मेजर होवार्थ आपकी सेवा में हाजिर है। कर्नल, तुम इस बात से इनकार नहीं कर सकते कि यह राज जाहिर हो जाने के बाद कि मैं रिजीस्टेंस मूवमेंट का मेंबर हूं, तुम्हारे और तुम्हारी सीक्रेट पुलिस के चीफ फरमिन्ट के छक्के छूट गए थे. हां, हां मैं मतलब की बात पर ही आ रहा हूं। मैं यह कहना चाहता हूं कि अगर हम यह गारण्टी करें कि प्रोफेसर फैरेंस जोल्तान के इंगलैंड डिफैक्ट कर जाने को ब्रिटिश सरकार कम्यूनिस्टों के खिलाफ प्रचार का माध्यम नहीं बनाएगी तो क्या तुम मेजर जनरल अलैक्सिन इल्यूरिन की बीवी और बेटी के बदले मुझे लेने के लिए तैयार हो?-----हां, हां, ----मैं लाइन होल्ड करता हूं। तुम अपने चीफ फरमिन्ट से पूछ आओ। लेकिन मैं ज्यादा देर इन्तजार नहीं करूंगा। मुझे फौरन जवाब मिलना चाहिए।'

'यह-यह कैसे हो सकता है?'- प्रोफेसर बोला और वह जबरदस्ती काउन्ट के हाथ से टैलीफोन छीनने की कोशिश करने लगा। जान्सी ने भी विरोध करना चाहा।

'दोस्त, प्लीज।'- काउन्ट हाथ उठाकर उन्हें चुप कराता हुआ बोला- 'मुझ पर भरोसा रखो। मैं जो कर रहा हूं ठीक कर रहा हूं। विश्वास कीजिए मेरा शहीद होने का कोई इरादा नहीं है। अपने बचाव की तरकीब मेरे दिमाग में है।'

उसी क्षण कर्नल हीदस फिर लाइन पर लौट आया ।

'बोलिए कर्नल साहब ।' काउन्ट टैलीफोन में बोला-'क्या फैसला हुआ ? अच्छा! फरमिन्ट जनरल इल्यूरिन की बीवी और बेटी के बदले में मुझे लेने को तैयार नहीं। बड़ी नाकद्री की फरमिन्टं ने मेरी। खैर ठीक है, प्रोफेसर ही सही। लेकिन अदला- बदला बुडापेस्ट में नहीं होगी। हम प्रोफेसर को वापिस बुडापेस्ट लेकर नहीं आएंगे। तुम क्या मुझे पागल सम-झते हो कर्नल जो मैं तुम्हारे जैसे सांप का विश्वास कर लूंगा । अगर हम बुडापेस्ट वापिस आ गए तो तुम हम सबको ही अपने शिकंजे में कस लोगे और जनरल के परिवार को भी नहीं छोड़ोगे । अगर तुम हमारे बुडापेस्ट लौटने के लिए जिद करोगे तो आज ही रात हम सब लोग बार्डर क्रास कर जाएंगे। मैं तुम्हें विश्वास दिलाता हूं कि हंगरी की सारी सीक्रेट पुलिस भी हमें बार्डर क्रास करने से रोक नहीं सकती।------ थैंक्यू, मुझे तुमसे यही उम्मीद थी।'

काउन्ट एक क्षण रुका और फिर बोला- 'अब सुनो, तुमने क्या करना है। हमारे, इस हैडक्वार्टर के तीन किलोमीटर उत्तर में एक छोटी सी सड़क है जो आगे चलकर बाएं घूम जाती है रास्ता अगर तुम्हें नहीं मिलेगा तो जनरल की बेटी तुम्हें रास्ता दिखा देगी। उस छोटी-सी सड़क पर लगभग आठ किलोमीटर आगे एक नहर आएगी। उस नहर के किनारे-किनारे उत्तर की ओर जब तुम लगभग तीन किलो मीटर चलोगे जो तुम्हें नहर पर एक पुल दिखाई देगा। तुम्हारे आने से पहले ही हम उस पुल को पार करके नहर की दूसरी ओर पहुंच चुके होंगे और पुल तोड़ चुके होंगे ताकि तुम नहर पार करके हमारे पीछे न आ सकी। हम उस नहर के पार मौजूद एक नाव वाले की झोंपड़ी में तुम्हारी प्रतीक्षा करेंगे। वहीं हम तुमसे जनरल के परिवार और प्रोफेसर की अदला बदली करेंगे। क्या? ठहरो मैं अपने साथियों से पूछता हूं।'

'वह एक घन्टे की मोहलत मांग रहा है'- काउन्ट माउथ पीस को हाथ से ढंककर बोला- 'कहता है उसे मिनिस्ट्री से इजा-जत लेनी पड़ेगी।'

'वह झूठ बोल रहा है' जेम्स बांड बोला- एक घन्टे में शायद वह हमें फौज से घिरवा देना चाहता है।'

'असम्भव'- जान्सी बोला- यहां से सबसे नजदीक फौजी छावनी कापीस्वर में है। इस गन्दे मौसम में वहां से फौज किसी भी हालत में तीन घन्टे से पहले यहां नहीं पहुंच सकती।'

'एयरफोर्स!' - जेम्स बांड से संशय व्यक्त किया ।

" पास का एयरबेस चैकोस्लोवाकिया के बार्डर के पास हैं। उस इलाके में बर्फ के तूफान की वजह से उड़ान एकदम असम्भव है। अगर कोई हवाई जहाज उड़ान भरने में कामयाब हो भी गया तो वह बर्फ की सफेद चादर के नीचे हमें तलाश नहीं कर पायेगा। मुझे उम्मीद नहीं एक घन्टे में वह हपारा कुछ बिगाड़ सके ।'

'ठीक है'- क्राउन्ट बोला और उसने साउथ पीस से मुंह हटा लिया- 'आल राइट, कर्नल, हम एक घन्टा यहां तुम्हारा फोन आने का इन्तजार करेंगे। एक घन्टे से एक सैकेन्ड भी ज्यादा हम यहां नहीं ठहरेंगे। एक घन्टे में तुम्हारा फोन नहीं आया तो हम बार्डर क्रास कर जायेंगे। एक बात याद रखो। अगर तुमने किसी तरह की कोई होशियारी

दिखाने की कोशिश की, या हमें तुम्हारे इरादों पर रत्ती-भर भी संन्देह हो गया तो हम बिना तुम्हें सूचना दिये, या तुम्हारी सफाई सुने फौरन यहां से निकल जायेंगे। ओके? थैंक्यू ।'

काउन्ट ने रिसीवर क्रडिल पर रख दिया और वापस घूमा। 'दोस्तों' वह बोला- ' हीदस के आने तक मक्खियां मारने के अलावा कोई चारा नहीं है।'

कमरे में एकदम निस्तब्धता थी। हर कोई सारी रात का जागा हुआ था और थकावट से चूर था लेकिन किसी की आंखों में नींद नहीं थी ।

जान्सी इतने सालों बाद कैथरीन से मिलने की आशा में उतना खुश नहीं था जितना वह प्रोफेसर की वजह से चिन्तितः था। वह प्रोफेसर को हीदस को सौंपने के कतई हक में नहीं था लेकिन इसके बिना कैथरीन और हेलेन की जिन्दगी की भी कोई गारन्टी नहीं थी। उसका मानसिक अन्तद्व न्द्व उसकी आंखों में नींद नहीं आने दे रहा था। 1

प्रोफेसर जाग रहा था क्योंकि वे उसके स्वतन्त्र जीवन के आखिरी चन्द घन्टे थे जिन्हें वह सोकर बरबाद नहीं करना चाहता था। सैन्डर जाग रहा था। क्योंकि जब जान्सी जाग रहा था तो वह कैसे सो सकता था?

जेम्स बांड जाग रहा था वयोंकि उसका खुराफाती दिमाग निरन्तर ऐसी कोई तरकीब सोच रहा था जिससे प्रोफेसर को वापस भी न जाना पड़े और कैथरीन और हेलेन की जिन्दगी बच जाये। ऐसी कोई तरकीब उसे सूझ नहीं रही थी इसलिये वह अपने आप पर बुरी तरह झुंभला रहा था।

काउन्ट जाग रहा था क्योंकि वह निरन्तर अपनी प्रिय बाराक पी रहा था। बाराक की चौथी बोतल खुल चुकी थी ।

जब काउन्ट ने फिर अपना गिलास बाराक से भर लिया तो जेम्स बांड की आशंकित निगाहें अपने आप ही काउन्ट की ओर उठ गईं।

'मुझे मालूम है तुम्हारे मन में क्या है!' काउन्ट के होंठों पर एक मीठी मुस्कराहट आ गई 'तुम सोच रहे हो कि मैं शराब बहुत पी रहा हूं। खास तौर पर वह कातिल शराब जो मैं अपने दुश्मन को भी पीने की राय नहीं दे सकता। है न?'

'नहीं'- जेम्स बांड हड़बड़ाकर बोला- 'अगर तुम इसे बर्दाश्त कर सकते हो तो पीने में क्या हर्ज है?'

'कोई हर्ज नहीं। और फिर बाराक मुझे पसन्द है।'

'क्या मैं यह मान लूं कि इस वक्त बाराक तुम अपनी पसंद की वजह से ही पी रहे हो।'

'क्या मतलब?'

'काउन्ट, तुम्हारे मन में कुछ है, जो तुम हम पर जाहिर नहीं होने देना चाहते। तुम हमें गुमराह करने के लिए और अपने मन की बात छुपाने के लिए अपने आपको शराब में डुबो रहे हो।'

'नानसेंस । जान्सी से पूछ लो। बाराक मैं हमेशा ही ऐसे पीता हूं।'

जेम्स् बांड कुछ क्षण चुप रहा और फिर बोला- 'तुम्हें विश्वास है कि हीदस प्रोफेसर को लेकर कैथरीन और हेलेन को लौटा देगा?'

'हां'- काउन्ट बोला- 'यह बात हीदस की बातों से साफ जाहिर हो चुकी है कि वे लोग प्रोफेसर को अपने अधिकार में करने के लिए मरे जा रहे हैं।'

'क्यों?

'क्यों क्या मतलब?'

'क्यों मरे जा रहे हैं। उन पर यह बात जाहिर हो चुकी है कि प्रोफेसर की कम्यूनिज्म में कोई आस्था नहीं रही है और बह इस कम्यूनिस्ट देश से निकल भागना

चाहता था। क्या उन्हें जब भी उम्मीद है प्रोफेसर वापिस जाकर उनके लिए लगन से काम करेगा?'

'वे प्रोफेसर को इसलिए वापिस नहीं चाहते क्योंकि वे प्रोफेसर से अब काम करवाना चाहते हैं। वे प्रोफेसर को इसलिए बापित चाहते हैं क्योंकि प्रोफेसर किसी समाजवादी देश में पहुंच कर उनके खिलाफ प्रचार का बहुत बड़ा साधन बन सकता है। प्रोफेसर जैसा विद्वान आदमी जिस खूबी से कम्यूनिज्म के धिबौने चेहरे से नकाब उतार सकता है वैसा शायद दूसरा कोई आदमी न कर सके। वे प्रोफेसर को इसलिये वापिस चाहते हैं ताकि उसकी जुबान बन्द रहने की गारन्टी रहे।'

"ऐसी गारन्टी तो एक ही तरीके से हो सकती है।'

काउन्ट ने एक उड़ती निगाह प्रोफेसर पर डाली और फिर सिर झुकाकर धीरे से बोला- 'करैक्ट ।'

प्रोफेसर के वृद्ध चेहरे पर शिकन नहीं आई।

'मुझे अपना अन्जाम मालूम है'- प्रोफेसर शान्त स्वर में बोला ।

'वे लोग आपका गला काट देंगे।'

'मुझे मालूम है।'

'आप मौत के मुंह में जा रहे हैं।'

'अगर मैं मौत के मुंह में नहीं जाऊंगा वो मेरी जगह दो और प्राणी मौत के मुंह में चले जायेंगे ।'

'एक घण्टा समाप्त होने में सिर्फ एक मिनट बाकी है'-काउन्ट बोला ।

उसी क्षण टेलीफोन की घण्टी बजे उठी।

काउन्ट ने हाथ बढ़ाकर रिसीवर उठा लिया।

"कर्नल हिडस?" काउंट ने कहा।

दूसरी ओर से किसी के जल्दी-जल्दी बोलने की आवाज आने लगी। काउन्ट के माथे पर बल पड़ गये ।

'असम्भव'- काउन्ट दृढ़ स्वर से बोला- 'हम तुम्हें और समय नहीं दे सकते। मैं पहले ही कह चुका हूं कि हम एक घन्टे से एक सैकेण्ड भी ज्यादा इन्तजार नहीं करेंगे। तुम क्या हमें पागल समझते हो कि हम यहीं बैठे रहेंगे ताकि तुम जब मर्जी आकर हमें दबोच लो!'

दूसरी ओर से फिर कोई तेजी से बोलने लगा। अन्त में दूसरी ओर से सम्बन्ध विच्छेद होने की क्लिक की आवाज आई। काउन्ट ने भी रिसीवर क्रडिल पर रख दिया।

'जरूर कोई गड़बड है'- काउण्ट विचलित स्वर से बोला-'हीदस कहता है जिस मिनिस्टर से इजाजत लेनी है वह बुडापेस्ट में नहीं है। टेलीफोन पर उससे सम्पर्क स्थापित करने की कोशिश् की जा रही है लेकिन तूफान की वजह से टेलीफोन की तारें टूट गई हैं इसलिए सम्बन्ध स्थापित नहीं हो पा रहा। हीदस कह रहा है कि मिनिस्टर को लिवाने के लिए कार भेंज दी गई है। उसके लौटने में अभी आधा घण्टा और लगेगा या शायद कुछ मिनट ज्यादा भी ओह माई गाड!?

एकाएक काउन्ट ने अपना सिर पीट लिया।

'क्या हुआ ?'- जान्सी हड़बड़ाकर बोला ।

'बोला!' काउन्ट इतनी तेजी से उठा कि उसकी कुर्सी उलट गयी- 'धोखा हो गया। सैन्डर! इमारत में जो गोलाबारूद मौजूद हो स्टेशन वैगन में लोड कर लो, मिस्टर बांड। स्टेशन वैगन का इन्जन ठण्डा हो गया होगा। फौरन जाकर जल्दी से जल्दी गाडी चालू करने की कोशिश करो। प्रोफेसर गाड़ी में जाकर बैंठो!'

किसीने कोई सवाल नहीं पूछा। सव फौरन बाहर निकल गए। काउन्ट ने शराव की बोतल उठाई और गटागट बोतल में मौजूद सा से शराब पी गया। उसने बोतल को एक कोने में उछाल दिया, जान्सी की बांह थामी और बाहर की ओर भाषा.।

तीन सिनट से भी कम समय में वे स्टेशन वैगन पर लदे-फदे बार्डर की ओर जाने वाली सड़क तर भागे आ रहे थे।

'मूर्ख ।। सरासर मुझ से हुई है'- काउन्ट उखड़े हुए स्वर से बोला- कर्मल हीदंस के साथ इतना अरसा काम कर चुकने के बाद भी यह भूल गया कि उसने ईमानदारी और शराफत की उम्मीद करना रेत में से पानी निकालने जैसा है। वह लगातार हमारी ओर बढ़ा रहा था और हम पर यह जाहिर कर रहा था कि वह अभी एन्ड्रेसी डट में ही बैठा है अभी जो काल आई थी, वह पब्लिक टेलीफोन से आई थी। सम्पर्क स्थापित होने में इतना ही समय लगा था जितना वाक्स में सिक्के डालने में लगता है। मुझे पूरा विश्वास है कि उसने पहली बार भी बुडापेस्ट से ग्यारे के क्विीन्न हैडक्वाटर से किया था। फोन वह हमें सिर्फ उलझाव रखने के लिए कर रहा था ताकि उसके यहां पहुं- चने से पहले हम यहां से कूच न कर जायें। एक घण्टे की मोह-लत वह मिनिस्टर से सम्पर्क स्थापित करने के लिये नहीं यहां पर चढ़ दौड़ने के लिये समय हासिल करने के लिये चाहता था। मिनिस्ट्री ने इजाजत चाहिये। मिनिस्टर बुड पेस्ट में नहीं हैं। टेलीफोन की लाइनें टूटी हुई हैं। मिनिस्टर को लेने कार भेजी हुई है। आधा घण्टा और चाहिये। झूठ । सब भूठ। मेरी अक्ल पर पत्थर पड़ गये ये जो मैं उसका धोखा इतनी देर में समझा । जान्सी, होदस पता नहीं कब का बुडापेस्ट छोड़ चुका है और मेरा दावा है कि इस समय वह हमसे पांच मील से ज्यादा दूर नहीं होगा। अगर हम सिर्फ पन्द्रह मिनट और उस इमारत में ठहर जाते तो उसने हम सब को मच्छर की तरह मसल डालना था। सैन्डर! रफ्तार बढ़ाओ ।'

इस बार स्टेशन वैगन सैन्डर चला रहा था ।

एक छोटे से टीले पर बने एक लकड़ी के केबिन के बाहर वे लोग प्रतीक्षा कर रहे थे। उस स्थान से हैडक्वार्टर की इमारत साफ दिखाई दे रही थी।

उस स्थान और हैडक्वार्टर के बीच में एक छोटा सा नाला था जिसके ऊपर बने पुल के नीचे सैन्डर बारूद लगा आया था। बारूद से सम्बन्धित तार को उसने एक हैंडल से

कनेक्ट कर दिया था। अब स्थिति यह थी कि पुल को उड़ाने के लिये केवल उस हैंडल को दबाना ही काफी था। सैन्डर पुल के पास उस हैंडल के पास छुपा हुआ था।

वे लोग बड़ी व्यग्रता से कर्नल हीदस के आगमन की प्रतीक्षा करने लगे। जान्सी आंखों पर दूरबीन लगाए इमारत की ओर देख रहा था। ठीक बीस मिनट बाद उन्हें कर्नल हीदस के दल-बल के दर्शन हुए । कर्नल हीदस अपने साथ न केवल ढेर सारे सशस्त्र फौजी लाया था बल्कि फौजियों के ट्रकों के पीछे एक टैंक भी था। टैंक के पीछे मौजूद एक रूसी जीप कार में से कर्नल हीदस बाहर निकला। उसने तुरन्त फौजियों को आदेश देने आरम्भ कर दिए। फौजी बड़ी फुर्ती से इमारत के चारों ओर बिखर गए ।

सब कुछ निशब्द हो रहा था।

टैंक आगे बढ़ा और इमारत से लगभग पचास गज दूर आकर रुक गया । तुरन्त टैंक की तोप का मुंह इमारत की और घूम गया । कर्नल हीदस ने संकेत किया।

टैंक की तोप से निकले पहले गोले ने वातावरण की निस्त-ब्धता भंग कर दी। गोला इमारत की दीवार से टकराया।

टैंक अन्धाधुन्ध इमारत पर गोले बरसाने लगा।

कुछ ही क्षणों में इमारत के निचले भाग में एक दस फुट व्यास का छेद दिखाई देने लगा ।

तीन मिनट से कम समय में इमारत धराशायी हो गयी ।

'हरामजादा!'- काउन्ट के मुंह से निकला- 'उसकी निगाह में हम इमारत में ही हैं।
धोखेबाज, कुत्ता! वह यहां हमसे कोई सौदा करने नहीं, हम सबकी सामूहिक हत्या करने आया था। हीदस एक ही हल्ले में कम्यूनिस्ट हंगरी के इतने भयंकर शत्रुओं की एक साथ हत्या करके अपने अफसरों से कोई मैडल हासिल करने की उम्मीद कर रहा होगा ।'

'कैथरीन और हेलेन दिखाई नहीं दीं।'- जान्सी धीरे से बोला ।

'शायद वे किसी ट्रक में हों।'- काउन्ट बोला- 'या हीदस की कार में हों।'

'इमारत का गेट सुरक्षित है।' - जान्सी बुदबुदाया- 'टेली-फोन गेट कीपर के केबिन में भी है।'

'मैं अभी टेलीफोन करता हूं।'- काउन्ट बोला ।

सैंडर केबिन के भीतर से टेलीफोन और स्टूल उठा लाया ।

उसने टेलीफोन काउन्ट के सामने स्टूल पर रख दिया।

काउन्ट ने टेलीफोन किया।

लेकिन वातावरण तोप के गोलों से गूंज रहा था इसलिए टेलीफोन की आवाज किसी के कांनों में नहीं पड़ी।

एक क्षण के लिए तोप ने गोले बरसाने बन्द किए। फिर सुनी। वह शायद किसी फौजी ने टेलीफोन की घन्टी की आवाज भागकर ट्रक के पास खड़े कर्नल हीदस के पास पहुंचा।

कर्नल हीदस चिल्ला कर कुछ बोला ।

तोप फौरन शांत हो गई और उसका मुंह झुक गया ।

कर्नल हीदस ने किसी को संकेत किया ।

और फिर पहली बार उन्हें शक्तिशाली गोरिल्ले जैसे कोको के दर्शन हुए। कोको झपटकर इमारत की चारदीवारी में बने गेट के पास पहुंचा। उसने जल्दी से रिसीवर कान से लगा लिया।

'होल्ड दि लाइन, प्लीज।' - काउन्ट को कोको का खड़-खड़ाता स्वर सुनाई दिया।

कर्नल हीदस जल्दी से कोको के पास पहुंचा। बड़ी व्यग्रता से उसने कोको के हाथ से रिसीवर ले लिया।

'हल्लो।'- काउन्ट के कानों में कर्नल हीदस का प्रत्यक्षतः शांत और सन्तुलित स्वर पड़ा- 'कोन?'

'तुम्हारा पुराना दोस्त, कर्नल, जिसे तुम मेजर होवार्थ के नाम से जानते हो।'- काउन्ट बोला- 'कर्नल, क्या हमने तुमसे यही वादा किया था कि तुम आते ही इमारत को नेस्तानाबूद कर दोगे ताकि हम उसके नीचे दब कर मर जाएं।'

'मेरे पास बचकानी बातों के लिए वक्त नहीं है।'- इस बार कर्नल के स्वर में झुंझलाहट का पुट था- 'कहां से बोल रहे हो?"

अगर मैं तुम्हें यह बता दूंगा तो तुम यहां भी पहुंच जाओगे ।'

'लेकिन..।'

'मेरी बात सुनो। मेजर जनरल अलैक्सिस इल्यूरिन की पत्नी और बेटी को साथ लाए हो?'

कई क्षण कर्नल हीदस ने उत्तर नहीं दिया ।

'लाया हूं।'- अन्त में वह बोला ।

'उनको सामने करो।'

'तुम्हें मुझ पर शक है?'

'जो तुम पर विश्वास करे उससे बड़ा अहमक सारी दुनिया में चिराग लेकर ढूंढे नहीं मिल सकता। जनरल की बीवी और बेटी को सामने करो।'

'मैं अभी इन्तजाम करता हूं।'

कर्नल हीदस ने रिसीवर रख दिया। वह अपने आदमियों की ओर घूमा ।

'यह हरामजादा जरूर कोई शरारत करेगा।' काउन्ट जान्सी की ओर घूमकर बोला- 'मैंने उसे कैथरीन और हेलेन को सामने करने के लिए कहा है। इससे वह इतना तो समझ ही गया होगा कि हम ज्यादा दूर नहीं हैं। वह समझ गया होगा कि हम उसके आस पास किसी जगह पर हैं जहां से हम उसे देख सकते हैं। उसे जल्दी ही पता लग जाएगा कि हम कहां हैं।'

'मेरा ख्याल है उन्हें पता लग ही गया है।' जान्सी शन्ति से बोला ।

कर्नल हीदस के आदेश पर टैंक घूमा और उस दिशा में बढ़ा जिधर वे छुपे हुए थे ।

जान्सी ने दूरबीन रख दी और अपने स्थान पर उठ खड़ा हुआ। वह कुछ कदम आगे बढ़ा।
उसने दोनों हाथ उठाकर नीचे पुल के पास छुपे सैन्डर को पूर्व निर्धारित संकेत किया ।

उसी क्षण एक अप्रत्याशित घटना घटी ।

टेलीफन अभी तक कटा नहीं था। उसमें से कर्नल हीदस की गला फाड़कर चिल्लाने की आवाज आई-फायर!

काउन्ट ने जान्सी को चेतावनी देनी चाही लेकिन उसके पहले ही जैसे उनके आस पास गोलियों की बारिश होने लगी।

अधिकतर गोलियां पेड़ों से टकरा रही थीं लेकिन जहां जान्सी खड़ा था दुर्भाग्यवश उस स्थान के सामने पेड़ों की ओट घनी नहीं थी। इसलिए जान्सी को सम्भलने या ओट लेने का अवसर नहीं मिला।

काउन्ट वगैरह ने जान्सी को कटे वृक्ष की तरह जमीन पर गिरते देखा। बांड तुरन्त उसकी ओर भागा लेकिन काउन्ट ने उसके कोट का कालर पकड़ कर उसे वापिस खींच लिया ।

'तुम भी जान्सी की तरह गोली खाना चाहते हो क्या?'-काउन्ट फुफकार कर बोला ।

'लेकिन जान्सी'..।'

'जान्सी मरा नहीं है। मैंने अभी उसका पैर हिलता देखा था।'

'जान्सी को फिर गोली लग सकती है।'

'मुझे मालूम है लेकिन हम कुछ नहीं कर सकते। जो जान्सी की ओर बढ़ेगा, मारा जाएगा।'

'और सैन्डर का क्या होगा? वह जान्सी का सिग्नल नहीं देख पाया होगा।'

'सैन्डर मूर्ख नहीं है। उसे सिग्नल की जरूरत नहीं। वह समझ जाएगा उसे क्या करना है और कब करना है।'

'वह हैंडल दबा क्यों नहीं रहा? - टैंक तो पुल पर पहुंच गया है।'

'देखते जाओ ।'

टैंक पुल पर चढ़ आया। टैंक पुल के मध्य में पहुंच गया । जेम्स बांड का मुंह सूखने लगा।

शायद सैन्डर ने सिग्नल भी नहीं देखा था और उसे वास्त-विक स्थिति का अनुमान भी नहीं था।

टैंक तीन चौथाई पुल पार कर गया।

उसी क्षण एक भीषण विस्फोट हुआ ।

जेम्स बांड को अपने पैरों के नीचे जमीन हिलती महसूस हुई। पुल के परखचे उड़ गए।
पुल के भग्नावशेष आसमान तक उछल गए। टैंक पहले आगे को झुका और फिर नाले में जा गिरा। उसकी तोप की नाल नाले की साइड से टकराकर दोहरी हो गई।

जेम्स बांड का दिल सैंडर के लिए प्रशंसा से भर उठा। अगर वह जेम्स बांड के सोचे अनुसार पहले पुल उड़ा देता तो शायद टैंक को इतना नुकसान न पहुंचता और वह नहर में होकर उन तक पहुंच जाता।

काउन्ट फिर टेलीफोन की ओर झपटा। उसने जल्दी से रिसीवर उठा लिया और जोर-जोर से टेलीफोन का डायल हिलाने लगा। दूसरी ओर किसी ने रिसीवर से निकलती ठकठक की आवाज की ओर कर्नल हीदस का ध्यान आकर्षित किया ।

कर्नल हीदस ने झपट कर रिसीवर उठा लिया।

'हीदस!' काउन्ट कहर भरे स्वर से बोला- 'हरामजादे! अहमक! जानते हो तुमने किसे गोली मारी है?'

'मुझे क्या मालूम!' - कर्नल हीदस लड़खड़ाए स्वर में बोला। टैंक के नाश ने उसे हिलाकर रख दिया था। 'मेरी बला से कोई मर जाए ।'

'गधे!'- काउन्ट बोला- 'तुमने खुद अपनी मौत का सामान कर लिया है। गोली जान्सी को लगी है। अगर जान्सी मर गया तो तुम्हारी भलाई इसी में होगी कि तुम भी हंगरी से कहीं कूच कर जाओ ।'

क्या बक रहे हो? तुम्हारा दिमाग खराब हो गया है।'

'दिमाग तुम्हारा खराब हो गया है कर्नल हीदस । जरा अक्ल से काम लो और सोचो। अगर जान्सी ही मर गया तो उसके परिवार में हमारी क्या दिलचस्पी रह जाएगी। अपनी बीवी और बेटी में जान्सी की दिलचस्पी है, हमारी नहीं। अगर जान्सी मर गया है तो हमारी ओर से उसकी बीवी और बेटी को तुम गोली मार दो। अगर जान्सी मर गया है तो हम तुमसे कोई सौदा नहीं करेंगे और आज रात को बार्डर क्रास कर जाएंगे । कल प्रोफेसर लन्दन में होगा और परसों सारे योरोप के अखबार प्रोफेसर द्वारा ब्यान किए कम्यूनिस्टों के काले कार-नामों से भरे होंगे। और कर्नल हीदस, मैं खुद इस बात का ध्यान रखूंगा कि यह खबर छपने से न रह पाए कि अगर तुमने जान्सी को शूट करवाने की हिमाकत न की होती तो प्रोफेसर इंगलैंड की शरण में न पहुंच पाता। तुम्हारे अफसरों को यह समझते देर नहीं लगेगी कि तुम्हारी गलती से ही उन्हें हार का मुंह

देखना पड़ा है। इसे लिख लो, कर्नल हीदस कि एक बार अखबार में आज की घटना का विवरण छपते ही तुम्हें एन्ड्रेसी डट में एक दीवार के साथ खड़ा करके गोली मार दी जाएगी। कर्नल हीदस, अगर जान्सी मर गया है तो तुम अपनी मौत निश्चित समझो।'

कई क्षण शान्ति रही। अन्त में जब कर्नल हीदस बोला तो उसका स्वर बुरी तरह कांप रहा था- 'शायद शायद वह मरा न हो।'

'अगर खुदा को मानते हो तो उससे दुआ करो कि जान्सी मरा न हो। मैं जान्सी को देखने जा रहा हूं। अगर अपनी जिन्दगी चाहते हो तो अपने फौजियों से कह दो कि वे मुझ पर गोली चलाने की गलती न करें।'

'मैं अभी कह देता हूं।'

काउन्ट ने टेलीफोन रख दिया । जेम्स बांड उसे हैरानी से घूर रहा था ।

'काउन्ट!' जेम्स बांड तीव्र स्वर से बोला- 'अगर जान्सी मर गया होगा तो तुम कैथरीन और हेलेन को उस जल्लाद के चंगुल में छोड़कर यहां से भाग जाओगे? मैं..।'

'हौसला रखो दोस्त । मैं तो सपने में भी ऐसा कोई काम नहीं कर सकता ।'

'लेकिन हीदस को तो तुम विश्वास दिला रहे थे कि...।'

'क्या इसी से जाहिर नहीं होता कि मैं कितना शानदार अभिनेता हूं। मैं हीदस को ही नहीं बल्कि तुम्हें भी विश्वास दिलाने में कामयाब हो गया हूं कि अगर जान्सी मर गया होगा तो हम कैथरीन और हेलेन की परवाह किए बिना ही यहां से खिसक जाएंगे। वह एक कोरा ब्लफ था, मिस्टर जेम्स बांड और मुझे खुशी है कि मेरा ब्लफ चल गया है। आओ जान्सी को देखें।' वे दोनों भागते हुए जान्सी के पास पहुंचे ।

किसी ने उन पर गोली नहीं चलाई। काउन्ट जान्सी षर झुक गया ।

जान्सी पीठ के बल जमीन पर पड़ा था। उसकी सांस चल रही थी। गोली जान्सी की कनपटी पर लगी थी। खून से जान्सी के सफेद बाल रंग गए थे। काउन्ट कुछ क्षण व्यग्रता से जान्सी की हालत का मुआयना करता रहा और फिर उठकर खड़ा हो गया ।

'जान्सी इतनी आसानी से मर जाने वाला इंसान नहीं।' काउन्ट गर्वपूर्ण स्वर से बोला- 'जो आदमी ईसा मसीह की तरह क्रास पर लटका दिए जाने के बाद भी जिन्दा बच गया हो, जो आदमी छः महीने साइबेरिया की एक बर्फ में दबी अण्डर ग्राउण्ड कोठरी के सब जीरो टैप्रेचर में अपनी काल कोठरी की लोहे की छड़ों पर जम आने वाली ओस चाट कर जिन्दा रह सका हो, जिसके नग्न शरीर पर भूखे भेड़िये छोड़ दिए गए हों; जो कोलिमा की पहाड़ियों से जिन्दा वापिस आ गया हो जहां से कि कोई आज तक जिन्दा नहीं लौटा, वह एक मामूली गोली से कैसे मर सकता है। जान्सी ज्यादा घायल नहीं है। कोई हड्डी नहीं चटकी है। वह ज्यादा से ज्यादा दो घण्टे में ठीक हो जाएगा ।'

जेम्स बांड ने शान्ति की सांस ली।

'जरा इसे उठाने में मेरी मदद करो।'- काउन्ट बोला ।

'मुझे उठाने दीजिए ।'

आवाज सैन्डर की थी। पता नहीं कब वह वहां पहुंच गया था। उसने काउन्ट और जेम्स बांड को एक ओर धकेल दिया। उसके मजबूत हाथ आगे बढ़े और उसने एक बच्चे की तरह जान्सी को गोद में समेट लिया ।

'ज्यादा चोट लगी है?' - उसने आद्र स्वर से पूछा ।

'नहीं!'- काउन्ट बोला- 'जान्सी जल्दी ठीक हो जाएगा। जान्सी को ले जाकर आराम से स्टेशन वैगम में लिटा दो। मि० बांड तुम भी जाओ और प्रोफेसर को ले जाकर गाड़ी में बैठो । हम फौरन रवाना हो रहे हैं।'

काउन्ट फौरन टेलीफोन के पास पहुंचा। उसने फिर हीदस को टेलीफोन किया ।

'तुम्हारी मौत टल गई है कर्नल हीदस।'- काउन्ट टेलीफोन में बोला- 'जान्सी के सिर में गोली लगी है और वह बुरी तरह घायल है लेकिन वह बच जाएगा। मेरा इरादा तो यहीं अदला-बदली करने का था लेकिन अब मेरा सौ फीसदी तुम पर से विश्वास उठ चुका है। हम यहां से रवाना हो रहे हैं। हम उस नहर के पुल पर तुम्हारा इन्तजार करेंगे जिसका जिक्र मैं तुमसे पहले ही कर चुका हूं। समझ गए।'

'समझ गया।'- कर्नल हीदस शांति की सांस लेता हुआ बोला- 'मैं वहां पहुंच जाऊंगा।'

'अब से ठीक एक घण्टे बाद तुम्हें वहां होना चाहिए।'

'एक घण्टा कम है।'

'वहां पहुंचने के लिए एक घण्टा काफी है, अगर तुम और फौजी बुलवा कर हमें बार्डर क्रास करने से रोकने का इन्तजाम कर रहे हो तो एक घण्टा कम है।'

'लेकिन अगर किसी वजह से मैं एक घण्टे में वहां न पहुंच पाया तो?'

'तो हम जा चुके होंगे।'

काउन्ट ने रिसीवर रख दिया । वे लोग फौरन वहां से रवाना हो गए ।
वे लोग नहर का पुल पार कर गए।

पुल के पार पहुंचते ही उन्होंने पुल तोड़ दिया ।

नहर लगभग पन्द्रह मीटर चौड़ी थी। उसके पार थोड़ी ऊंचाई पर नाव वाले का झोंपड़ा था। झोंपड़े के प्रवेश द्वार का मुंह नहर की ओर था। काउन्ट ने नाव वाले को एक सौ फोरिन्त का नोट दिया और उसे कहा कि वह एक रात के लिए अपना कहीं और इन्तजाम कर ले।

नाव वाला खुशी-खुशी वहां से विदा हो गया।

झोंपड़ा एक तरह से एक-दूसरे से मिले हुए दो झोंपड़े थे । उन दोनों को मिलाने वाला दरवाजा बन्द था। झोंपड़ा आराम देय था और उसमें प्रकाश का भी प्रबन्ध था ।

सैन्डर जान्सी को अपनी गोद में उठाकर झोंपड़े में ले आया। अंधेरा होने लगा था।
सैन्डर ने जान्सी को बाहरी झोंपड़े में बिछे एक बिस्तर पर बिठा कर सावधानी से लिटा दिया ।

'वे लोग नहर के दूसरे किनारे पर पहुंच रहे हैं।'- जेम्स बांड बोला ।

काउन्ट ने बाहर झांका। ढलते हुए दिन के धुंधले प्रकाश में उसे नहर के पार सीक्रेट पुलिस के दो ट्रक रुकते दिखाई दिए।

काउन्ट झोंपड़े से बाहर की ओर चल पड़ा।

प्रोफेसर उसके साथ आगे बढ़ा ।

'आप भीतर ही रहिए प्रोफेसर ।'- काउन्ट बोला ।

'मैं भीतर रहूं?'- प्रोफेसर हैरानी से बोला 'लेकिन इस बक्त मेरी तो बाहर जरूरत है।'

'अभी नहीं। वे लोग बड़ी आसानी से आपको सड़क के दूसरे किनारे से शूट कर सकते हैं। अगर तुम खुदा को प्यारे हो गए तो फिर वे जान्सी की पत्नी और बेटी को वापिस नहीं करेंगे।'

प्रोफेसर चुप रहा ।

'सैन्डर प्रोफेसर को पिछले झोंपड़े में ले जाओ ।'

काउन्ट और जेम्स बांड नहर के किनारे पहुंचे ।

नहर के पास वे लोग खड़े थे। अब इतना अंधेरा हो चुका था कि बर्फ की सफेद पृष्ठभूमि में केवल उनके साए ही दिखाई दे रहे थे। केवल कोको अपने विशाल आकार की वजह से उस स्थिति में भी पहचाना जा सकता था ।

एक आदमी अन्य आदमियों से अलग एकदम नहर के दूसरे किनारे पर खंड़ा था।

'कर्नल हीदस ।'- काउन्ट ने आवाज लगाई।

'यस मेजर होवार्थ ।' - वह आदमी बोला ।

'कर्नल हीदस, अंधेरा हो गया है और तुम्हारा विश्वास तो रोशनी में भी नहीं किया जा सकता। क्या मैं विश्वास करूं कि जान्सी के परिवार को नहर के इस पार भेजने में तुम कोई हेराफेरी नहीं करोगे।'

'कोई हेराफेरी नहीं होगी, मेजर। मैं वादा करता हूं।'

'तुम्हारे वादे की कीमत मैं समझता हूं कर्नल हीदस । तुम केवल वादा करते हो। उसे कभी निभाते नहीं हो।'

'लेकिन..!'

'वक्त मत बरबाद करो, कर्नल। अपने आदमियों से कहो कि वे नहर के किनारे से कम से कम दो सौ मीटर पीछे हट जायें और फिर तुम भी उनके साथ जाकर खड़े हो जाओ।'

'क्यों?'

'वजह तुम जानते हो। उतने फासले से तुम हम में से किसी को पहचान नहीं पाओगे इसलिए तुम लोग प्रोफेसर को रास्ते में ही गोली से उड़ा देने में कामयाब नहीं हो सकोगे ।'

'ऐसा नहीं होगा। मैं बादा...!'

'जो मैं कहता हूं करो कर्नल, वरना..'

'ठीक है, ठीक है।'

हीदस ने घूम कर अपने आदमियों को आदेश दिया ।

दोनों ट्रक और सारे सीक्रेट पुलिस के आदमी नहर से विप-रीत दिशा में चलने लगे ।

अब क्या करना है मेजर होवार्थ?' कर्नल हीदस ने आवाज लगाई।

'योजना यह है कर्नल हीदस।'- काउन्ट बोला- 'तुम जान्सी की पत्नी और बेटी को स्वतन्त्र कर दो और उन्हें नहर के किनारे की ओर बढ़ने के लिए कहो। हम इधर से अकेले प्रोफेसर को नाव पर सवार कर देंगे। प्रोफेसर नाव पर नहर के दूसरे किनारे पर पहुंचेगा। उसी नाव पर जान्ती की पत्नी और बेटी इस किनारे की ओर रवाना हो जायेंगे। जब तक प्रोफेसर नहर से दो सौ गज दूर आपके पास पहुंचेंगे, तब तक नाव इधर पहुंच चुकी होगी ।'

'वेरी गुड ।'

'एक बात याद रखना, कर्नल अगर तुम्हारी ओर से कोई शरारत हुई या हमें किसी सम्भावित शरारत का आभास भी मिला तो प्रोफेसर रास्ते से नाव लौटा लायेगा ।'

'कोई शरारत नहीं होगी।'

'और नाव में मौजूद आकृति पर गोली चलाने की कोशिश मत करना। अंधेरे में तुम लोग प्रोफेसर को पहचान नहीं सकते, शायद नाव में प्रोफेसर न हो। शायद तुम्हारी ईमानदारी को चैक करने के लिये पहले मैं ही नाव में आगे बढ़।'

'कोई शरारत नहीं होगी। जैसे तुमने कहा है, सब कुछ वैसे ही होगा। मेरा विश्वास करो, मेजर होवार्थ ।'

'थैंक्यू कर्नल, हीदस ।'

कर्नल हीदस भी वापिस चला गया।

थोड़ी देर बाद कर्नल हीदस समेत सीक्रेट पुलिस के सारे आदमी नहर से दो सौ मीटर परे खड़े थे। अब इधर से उनके साये तक स्पष्ट नहीं दिखाई दे रहे थे।

'मुझे इस आदमी पर भरोसा नहीं'- काउन्ट चिन्तापूर्ण स्वर में बोला- 'यह इतनी शराफत से मेरी हर बात माने जा रहा है कि मुझे शक हो रहा है।'

'वह क्या शरारत कर सकता है?' - जेम्स बांड बोला ।

'भगवान जाने। यही तो नहीं सूझ रहा कि वह क्या शरारत कर सकता है लेकिन मेरा मन कह रहा है कि वह कोई न कोई शरारत करेगा जरूर । आओ चलें ।'

वे दोनों वापिस झोंपड़े के समीप पहुंच गये ।

झोंपड़े के द्वार पर सैण्डर खड़ा हुआ था।

'जान्सी की कैसी हालत है?' - काउन्ट ने पूछा।

'ठीक हैं। होश में हैं। बिस्तर पर बैठे हैं लेकिन अभी खड़े नहीं हो पा रहे हैं। कहते हैं सिर चक्कर खा जाता है।'

'प्रोफेसर कहां है?'

'पिछले झोंपड़े में ।'

'मिस्टर बांड, तुम जाकर नाव तैयार करो। मैं प्रोफेसर को भेजता हूं।'

जेम्स बांड फिर किनारे की ओर बढ़ गया ।

काउन्ट झोंपड़े में प्रविष्ट हो गया।

□□□□□□ □□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□□

□□□□□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□□□□□□ □□ □□ □□□□□ □□□□□ □□□□□□□ □□□ □□□□□□□□ □□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□ □□ □□□□□

□□□□□ □□□□ □□□ □□ □□□□□□ □□□□□□□ □□□ □□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□, □□□□□ □□□□ □□ □□□ □□□□ □□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□□□□□□ □□□□ □□□□

□□□□□□□ □□ □□□ □□□□ □□□ □□ □□□ □□□□□□□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□ □□□

□□□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□□□□ □□ □□ □□□□ □

□□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□ □□ □□ □□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□□ □□□ □□□ □□□

□□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□ □□□ □□ □□ □□□□□□ □□□ □□□□ □□ □□□□ □□□ □□ □□□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□□□□□ □□□ □□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□□□□□□□ □□□□ □□□□□□□□□□ □□□ □□□ □□□□ □ □□□□□□□ □□ □□□□ □□□ □□ □□□□ □□□ □□ □□□ □□ □□□□□□ □□□□□ □□□ □ □□□□□ □□□□ □□ □□□□□□□□ □□ □□ □□□□□□ □□□ □□ □

'□□□□□□ □□□□ □□ ?'- □□□□□ □□□□ □□□□ □

'□□□□□□ □□ □□□□'- □□□□□□□□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□ □□ □□□□ □□ □□□□- '□□□□□ ?'

□□□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□ □

'□□ □□□ □□ □□□□ □□□ □□ □□□ □□□

'मेरी मंजिल आ गई है, दोस्त'- प्रोफेसर शांत स्वर से बोला- 'मुझे अफसोस है कि मैं तुम्हें मायूस कर रहा हूं। तुम बहुत दूर से मुझे लेने आये थे। लेकिन तकदीर ने मेरा यह अंजाम पहले ही तय किया हुआ था।'

जेम्सबांड चुप रहा। प्रोफेसर नाव के समीप आ खड़ा हुआ । 'एक बात मैं जान्सी से कहना भूल गया था।'- प्रोफेसर एकाएक बांड की ओर घूमा और होंठों में बुदबुदाया- 'जान्सी को केवल एक शब्द मेरी ओर से कह देना; वह समझ जायेगा ।'

'क्या?'

'दस्वीदानिया ।'

'प्रोफेसर ।'- जेम्स बांड एकाएक दृढ़ स्वर से बोला । उसने प्रोफेसर की बांह थाम मी 'आपने जान्सी को भी कहना है, खुद कहिएगा।'

'क्या मतलब?'

'आप उस पार 'नहीं जा रहे हैं।'

'पागल हो गए हो क्या?'

'जो मर्जी, कहिए लेकिन मैं आपको मौत के मुंह में नहीं जाने दूंगा।'

'बरखुरदार तुमने यह सोचा है कि अगर मैं उस पार नहीं गया तो कैथरीन और हेलेन का क्या होगा।'

'जो उनकी तकदीरे में लिखा होगा, वह होगा लेकिन आप-को मैं जानलूझ कर मरने के लिए नहीं जाने दूंगा। आप मेरे साथ वापिस झोंपड़े में चल रहे हैं।'

'यह तुम्हारा आखिरी फैसला है?'

'हां।'

'तो चलो।'- प्रोफेसर बोला। उसने जेम्स बांड की पकड़ से अपनी बांह छुड़ा ली और वापिस जाने के लिए घूमा । जेम्स बांड ने शांति की सांस ली और प्रोफेसर के साथ वापिस जाने के लिए कदम बढ़ाया। उसी क्षण वृद्ध प्रोफेसर बला की फुर्ती से जेम्स बांड की ओर घूमा। अपने जेम्स बांड को जोर का धक्का दिया। असावधान जेम्स बांड भरभरा कर जमीन पर आ गिरा। प्रोफेसर एक ही छलांग में नाव में कूद गया। अभी जेम्स बांड जमीन से उठ भी नहीं पाया कि प्रोफेसर तेजी से चप्पू चलाता हुआ नाव को दूसरे किनारे की ओर लिए जा रहा था।

'प्रोफेसर ।'- जेम्स बांड चिल्लाया- 'प्रोफेसर, वापिस आओ भगवान के लिए वापिस आ जाओ, प्रोफेसर ।'

लेकिन नाव तब तक नहर के बीच पहुंच चुकी थी। प्रोफेसर ने एक बार घूमकर भी नहीं देखा था।

'क्या बात है मिस्टर बांड?' उसके कानों में जान्सी का धीमा स्वर पड़ा ।

बांड ने घूम कर देखा, जान्सी झोंपड़े के दरवाजे पर खड़ा था। सहारे के लिए उसने दरवाजे की चौखट थामी हुई थी ।

बांड लम्बे डग भरता हुआ जान्सी के पास पहुंच गया ।

'क्या हुआ ?'- जान्सी ने फिर पूछा ।

'कुछ नहीं।' बांड गहरी सांस लेकर बोला- 'प्रोफेसर अपनी आखिरी मंजिल की ओर रवाना हो चुका है। और मुझे आपकी पत्नी और हेलेन भी मैदान पार करके नहर के किनारे की ओर बढ़ती दिखाई दे रही हैं। वे यहां पहुंचती ही होंगी।'

'ओह!'- जान्सी के मंह से इतना ही निकला ।

'प्रोफेसर ने आपके लिए एक संदेश छोड़ा है।'

'क्या?'

'उसने कहा था कि मैं आपको 'दस्वीदानिया' कह दूं।'

'दस्वीदानिया!'- जान्सी हक्का-बक्का सा जेम्स बांड का मुंह देखने लगा- 'यह प्रोफेसर ने कहा था?'

'हां। उसने कहा था आप समझ जायेंगे। क्या मतलब होता है इसका?'

'अलविदा । रूसी भाषा में दस्वीदानिया का मतलब होता है अलविदा । दस्वीदानिया! दस्वीदानिया!! ओह मेरे परमात्मा ।'

जान्सी ने दरवाजे का सहारा छोड़ दिया। उसका शरीर यूं हवा में लहराया जैसे वह जमीन पर गिरने वाला हो। वह सम्भला और फिर डगमगाते कदमों से पिछले झोंपड़े की ओर लपका। जेम्स बांड पीछे भागा ।

जान्सी ने भड़ाक से दरवाजा खोला ।

जेम्स बांड उसके पीछे पहुंच गया ।

झोंपड़े के फर्श पर प्रोफेसर फैरेंस जोल्तान पड़ा था। उसके हाथ-पांव बंधे हुये थे और मुंह में कपड़ा ठूंसा हुआ था। उसके शरीर से उसके कपड़े गायब थे और उसके पैरों पर वह ट्रैचकोट पड़ा था जो कुछ क्षण पहले काउन्ट पहने हुये था। एक कोने में काउन्ट के कपड़े पड़े थे ।

जेम्स बांड जल्दी से कमरे में प्रविष्ट हुआ। उसने जल्दी से प्रोफेसर को बंधन मुक्त किया और उसे बांह पकड़कर झिझोड़ा।

'प्रोफेसर! प्रोफेसर! होश में आओ।'

प्रोफेसर ने कराहते हुये आंखें खोलीं। उसने व्याकुल नेत्रों से झोंपड़े में चारों ओर देखा ।

'क्या हुआ था प्रोफेसर!' जेम्सबांड व्यग्र स्वर से बोला । 'वह-वह यहां आया था।'- प्रोफेसर हांफता हुआ बोला।

'कौन? काउन्ट?"

'हां। आते ही उसने मुझे अपने अधिकार में कर लिया। उसने मेरे मुंह में कपड़ा ठूंस दिया और मेरे हाथ-पांव बांध दिये। उसने मेरे कपड़े उतार लिये। उसने ट्रैचकोट की जेब में वही नकली दाढ़ी-मूंछ, बालों वाला विग और चश्मा था जो उसने पहले मेरा रूप धारण करने के लिये इस्तेमाल किया था। तीन मिनट में वह मेरे कपड़े पहने और मेरा रूप धारण किये मेरे सामने खड़ा था। उसने अपने व्यवहार के लिए मुझसे माफी मांगी, मुझे अलविदा कहा और बगल के दरवाजे से झोंपड़े से बाहर निकल गया। हां, जाती बार वह थैले में से दो हथगोले निकालकर ले गया था। कहता था कि सीक्रेट पुलिस के ट्रक वापिस बुडापेस्ट तक नहीं पहुंच पायेंगे।

'काउन्ट'- जान्सी की आवाज ऐसी थी जैसे टेप-रिकार्डर में से निकल रही हो- 'उस आदमी ने कभी अपने बारे में नहीं सोचा। सारी जिन्दगी उसने यही सोचते गुजार दी कि उसके कौन से काम से किसको क्या फायदा पहुंचेगा। मौत को गले लगाने के लिए जाते समय भी वह सोचना नहीं भूला कि अगर सीक्रेट पुलिस के ट्रक नष्ट हो जायें तो वे लोग बिल्कुल भी हमारे पीछे बार्डर की ओर नहीं बढ़ सकेंगे। लम्बा रास्ता काटकर दूसरे पुल से भी नहीं ।'

'अच्छे दोस्त हैं आप!' - जेम्स बांड वितृष्णापूर्ण स्वर से बोला- 'इस घड़ी में भी आप अपना ही फायदा सोच रहे हैं। काउन्ट आपका दोस्त था या..।'

'काउन्ट मेरा दोस्त था। काउन्ट सबका दोस्त था। उससे बेहतर दोस्त शायद ही दुनिया में कभी किसी को मिला हो। जिस ढंग से वह अपनी जान देने गया है वैसे कोई काउन्ट जैसा ही आदमी अपनी जान दे सकता है और विश्वास मानो दोस्त, काउन्ट मेरे रोके रुकता नहीं। उसे रोकना मूर्खता होता काउन्ट इस जिन्दगी से किनारा करना चाहता था। जब से मैं काउन्ट को जानता हूं, काउन्ट तभी से अपने सीने से मौत को

गले लगाने की इच्छा दबाये हुये था। वह तभी मर जाना चाहता था जब कम्यूनिस्टों ने उसके सारे परिवार को मौत के घाट उतार दिया था। मेरे कैथरीन और हेलेन तो हैं। काउन्ट का कोई भी नहीं है। ऐसा तनहा आदमी किसके लिए जिन्दा रहे, किस उम्मीद पर जिन्दा रहे लेकिन फिर भी जिन्दा रहा और पता नहीं कितने लोगों को उसने जिन्दगी बख्शी। काउन्ट जो अपनी जान देने के लिये न जाने कब से किसी मुनासिब मौके की तलाश में था, क्या आज हमारे रोकने से रुक जाता?'

जान्सी ने अपना खून से सना सिर उठाया। उसकी बूढ़ी उदास आंखों में आंसू तैर रहे थे।

'तुम नौजवान आदमी हो, मिस्टर जेम्स बांड'- जान्सी उदास स्वर से बोला- 'तुम नहीं समझ सकते कि जब मन में जीवित रहने की इच्छा बाकी न रही हो तो पहाड़ जैसे लम्बे, अर्थहीन और खाली दिन गुजारने कठिन हो जाते हैं और फिर तुम्हारी ट्रेनिंग ने तुम्हें सिर्फ जिन्दगी लेना सिखाया है किसी को जिन्दगी देना नहीं। काउन्ट मेरा दोस्त था मिस्टर बांड । मुझे काउन्ट से मोहब्बत थी, शायद हेलेन और कैथरीन से भी ज्यादा मुहब्बत थी। मेरा भगवान जानता है कि उसको खोकर मेरे दिल पर क्या गुजर रही है और ज्यों ज्यों अहसास की तपिश बढ़ेगी, आगे-आगे क्या गुजरेगी लेकिन मैं भी काउन्ट को जो मौत उसने अपने लिए चुनी थी उसे गले लगाने से रोक नहीं सकता था। यह उसके साथ अन्याय होता। यह खुदगर्जी की इन्तहा होती । '

मैं माफी चाहता हूं, जान्सी ।' जेम्स बांड के स्वर में गहरी शर्मिन्दगी का पुट था। जान्सी चुप रहा।

जेम्स बांड बाहरी दरवाजे के समीप पहुंचा ।

कैथरीन और हेलेन नहर के किनारे की ओर बढ़ रही थीं। काउन्ट भी किनारे पर पहुंच चुका था और आगे बढ़ रहा था लेकिन कैथरीन और हेलेन अभी भी किनारे से बहुत दूर थीं।

'जान्सी!'- जेम्स बांड व्यग्र स्वर से बोला- 'यह क्या हो रहा है। काउन्ट तो इतना आगे पहुंच गया है और कैथरीन और हेलेन कभी भी किनारे से इतनी दूर हैं। ऐसे तो ये तीनों ही पकड़े जायेंगे या मारे जायेंगे। इससे तो..'

उसी क्षण वातावरण एक जोर के धमाके की आवाज से गूंजा । नहर का पानी एक स्थान से कई फुट ऊंचा उठ गया। शायद किसी ने हथगोला फेंका था जो निशाने से चूक गया था और नहर में आकर गिरा था।

सैण्डर झोंपड़े की बगल में खड़ा था, तोप से छूटे गोले की तरह नहर की ओर भागा। रास्ते में उसने अपना ट्रैच कोट और जैकेट अपने शरीर से अलग कर दी। उसने किनारे से थोड़ी दूर से ही नहर में छलांग लगा दी और फिर तीर की तरह पानी को चीरता हुआ दूसरी ओर बढ़ा ।

'मिस्टर बांड'- जान्सी बोला- 'मुझे लग रहा है कि कैथरीन चल नहीं पा रही है और इसलिए शायद हेलैन को भी अपनी गति धीमी रखनी पड़ रही है। मुझे कैथरीन लड़खड़ाकर चलती हुई दिखाई दे रही है।'

सैन्डर तब तक नहर के पार पहुंच चुका था। पानी में से निकल कर अभी उसने सूखी जमीन पर कदम ही रखा था कि वातावरण मशीनगन की रेट-रेट की आवाज से गूंज उठा ।

जान्सी धीरे-धीरे होंठों में कुछ बुदबुदा रहा था जिसका एक भी शब्द जेम्स बांड की समझ में नहीं आ रहा था। फिर जेम्स बांड को अनुभव हुआ कि जान्सौ रूसी बोल रहा था।

सैन्डर गोले की तरह कैथरीन और हेलेन के पास पहुंचा। उसने दोनों महिलाओं को उठाकर यूं अपने कंधों पर लाद लिया जैसे उनमें कोई वजन ही न हो। किनारे पर पहुंचकर वह दोनों महिलाओं को अपने पहाड़ जैसे विशाल कंधों पर लादे-लादे पानी में कूद गया ।

काउन्ट कहीं दिखाई नहीं दे रहा था। शायद वह गोलियों की पहली बौछार का शिकार हो गया था और अब कहीं बर्फ में दफन हो रहा था। गहन अन्धकार में कुछ दिखाई नहीं दे रहा था ।

गोलियों की बौछार तेज हो गई। एक गोली सनसनाती हुई आई और जेम्स बांड के सिर से केवल दो इंच ऊपर से निकल गई। जेम्स बांड ने तुरन्त स्वयं को जमीन पर गिरा दिया।
जान्सी ने भी उसका अनुकरण किया ।

पानी में उतरते ही सैन्डर ने कैथरीन और हेलेन को किनारे के पास डगमग डोलती हुई उस नाव पर चढ़ा दिया जिस पर काउन्ट उस पार पहुंचा था। फिर वह स्वयं भी नाव में सवार हुआ और शक्तिशाली हाथों से नाव को पानी में खेने लगा ।

जेम्स बांड सिर नीचा किए किनारे की ओर भागा। वहां पहुंचकर वह नाव के किनारे पर पहुंचने की प्रतीक्षा करने लगा।

सीक्रेट पुलिस के फौजी घने अंधेरे में अंधाधुंध गोलियां चला रहे थे। वातावरण में कहीं प्रकाश था तो नाव वाले के झोंपड़े में। झोंपड़े में जलते मिट्टी के तेल के लैम्प का प्रकाश सामने के खुले दरवाजे से बाहर फूट रहा था।

नाव किनारे पर आ लगी ।

जेम्स बांड घुटनों तक पानी में उतर गया। उसने और सैंडर ने मिलकर नाव को धकेला और खुश्की पर चढ़ा दिया।

सैंडर ने कैथरीन को उठाकर किनारे पर खड़ा कर दिया और हेलेन की ओर घूमा ।

उसी क्षण जान्सी जो झोंपड़े के सामने बैठा था; उठकर खड़ा हो गया। वह झोंपड़े के खुले दरवाजे के एकदम सामने था और झोंपड़े से निकलता प्रकाश उसके पीछे चमक रहा था। कैथरीन की निगाह जान्सी पर पड़ी।

'अलैक्स!'- उसके मुंह से निकला ।

फिर पता नहीं कहां से उसके वृद्ध, यातनाओं से जर्जर शरीर में इतनी फुर्ती आ गई कि वह तीर की तरह जान्सी की ओर भागी ।

'जाम्सी!'- जेम्स बांड उच्च स्वर से बोला- 'रोशनी के सामने से हट जाओ ।'

□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□□□□□□□□-□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□□□ □□ □□□ □□□ □□ □

□□□□□ □□□□□ □□ □□□ □□□ □□ □□□□ □□□ □□□

'□□□□□□ ! □□□□□□ ! □□□□□□!'- □□□□□□ □□□□□□ □□□ □□□□□□□ □□□ □□□ □□ □□-□□ □□□ □□□□□□□□ □□□□□ □□□□ □□□ □□□□□ □□□ □□□□□□□□ □□ □□□□□ □ □□□□ □□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□□ □□□ □□□

□□□□□□□ □□□ □□ □□ □□□ □□□□

□□□□□ □□□□ □□□□□□□ □□ □□ □□□□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□ □□□ □□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□ □□□ □□□□□ □□ □□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□ □□□ □□□□□□ □□ □ □□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□ □□□ □□□□□ □□ □□□□□, □□□□□ □□ □□□□ □□□□□□□□ □□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□□□ □□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□□□□□□ □□□ □

□□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□ □□□ □□□ □□□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□ □□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□ □□ □

□□□□□□ □□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□□ □□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□□□ □□ □□□ □□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□ □□ □□□□ □□□□; □□□□ □□□□□ □□□ □□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□ □□ □□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□ □□□ □□ □□□ □□□ □□□ □□-□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□ □□□ □□ □□□□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□ □□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□□ □□□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□□□□□□□ □□ □□ □□□□ □

'□-□□□□ □□□ ?'- □□□□□ □□□□ □□□□□□ □

'□□□□ □□□□□□ □□□□ □'- □□□□□□ □□□□□□ □□□□ □□ □□□□- '□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□ □□□ □□ □□□□ □□ □□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□

खुदा से प्रार्थना कर रहा था कि उसने कैथरीन को मर क्यों नहीं जाने दिया। उसने कैथरीन को मार क्यों नहीं डाला। देख लो बारह घण्टे भी नहीं गुजरे हैं और खुदा ने मेरी प्रार्थना स्वीकार कर ली है।'

'कैथरीन म-मर चुकी है?'

जान्सी ने स्वीकृतिसूचक ढंग से सिर हिलाया। उसका सिर फिर झुक गया ।

'सैंडर, देखो।'- जान्सी धीरे से बोला- 'मौत भी कैथरीन के होंठों से आशा की मुस्कान नहीं पोंछ सकी है।'

सैंडर दरवाजे के साथ लगा खड़ा था। उसके हाथ उसकी बगलों में दबे हुए थे। उसका मुंह खुला हुआ था और वह एक टक झोंपड़े की छत की ओर देख रहा था। हेलेन के नेत्र अभी भी बन्द थे लेकिन उसकी आंखों से आंसुओं की अविरल धारा बह रही थी। वृद्ध प्रोफेसर की आंखें भी भीगी हुई थीं ।

जेम्स बांड हक्का-बक्का-सा कभी कैथरीन और कभी जान्सी का मुंह देख रहा था। इतनी बड़ी ट्रेजेडी उसने अपने जीवन में नहीं देखी थी। एक औरत जिसे हर कोई आठ साल तक मरा समझता रहा वह जिन्दा निकल आई और मरी तब जब उसके मरने की कोई वजह ही नहीं थी। भाग्य का यह कैसा मजाक था कि इन्सान को आशा की एक झलक दिखाकर उसे हमेशा-हमेशा के लिए निराशा के अंधेरे गर्त में धकेल दिया जाए। इससे तो यही अच्छा था कि कैथरीन पहले ही मर चुकी होती या जान्सी को पता ही न लगता कि वह जिन्दा थी। इससे कम से कम जान्सी की आस तो बनी रहती। दुर्भाग्य के एक ही थपेड़े ने जान्सी की सारी दुनिया बदल कर रख दी थी।

दुःख और बेचैनी के उस आलम में जो पहली सूरत बांड के मानस पटल पर उभरी वह कर्नल हीदस की थी। कर्नल हीदस वह आदमी था जिसकी वजह से इतनी बड़ी ट्रेजेडी हो गई थी ।

जेम्स बांड के जबड़े कस गए। उसकी मुट्ठियां भिच गई।

उसकी आंखों में खून उतर आया। उसका हाथ अपने-आप शोल्डर होल्स्टर में रखी रिवाल्वर की ओर सरक गया। एकाएक उसे कर्नल हीदस को मौत के घाट उतार देना संसार

का सबसे महत्त्व-पूर्ण काम लगने लगा। एक क्षण के लिए वह अपना मिशन भूल यया। एक क्षण के लिए वह इस हकीकत को भूल गया कि वर्त-मान स्थिति में कर्नल हीदस के मरने- जीने से कोई फर्क पड़ने वाला नहीं था। उसने एक आखिरी निगाह जान्सी और उसकी बांहों में दम तोड़ चुकी कैथरीन पर डाली और फिर दृढ़ कदमों से बाहर की ओर बढ़ा ।

'हम यहां से रवाना होने वाले हैं।'- उसके पीछे सैंडर धीरे से बोला ।

'मैं जल्दी आऊंगा।'- जेम्स बांड बोला। वह झोंपड़े से बाहर निकल आया। फार्यारंग बन्द हो चुकी थी।

रात के अन्धकार में लम्बे डग भरता हुआ जेम्स बांड नहर के किनारे-किनारे लगभग दो सौ मीटर आगे बढ़ गया। आगे नहर के दोनों किनारों पर पेड़ उने हुए थे। उस स्थान पर बह पानी में उतर गया और तैरता हुआ नहर के पार पहुंच गया । पार पहुंचकर उसने शोल्डर होल्स्टर में से साइलेन्सर निकाला और उसे रिवाल्वर की नाल पर चढ़ा दिया। उसके कपड़ों में से पानी चू रहा था और वह बुरी तरह ठिठुर रहा था। बर्फबारी बढ़ गई थी लेकिन उस समय जेम्स बांड के पास इन बातों की परवाह करने का समय नहीं था। वह कर्नल की हत्या करने के लिए दृढ़ प्रतिज्ञ था।

उसकी आंखों के सामने जिम का नौजवान मासूम चेहरा घूम गया। उसकी आंखों के सामने परसुखजीवी काउन्ट की सूरत घूम गई। उसकी आंखों के सामने साम्यवादी अत्याचारों से जर्जर हो चुकी कैथरीन की सूरत घूम गई।

उसकी चाल तेज हो गई। शीघ्र ही वह उस स्थान पर पहुंच गया जहां सीक्रेट पुलिस के दो ट्रक खड़े थे।

बांड सावधान हो गया। एक ट्रक के भीतर से प्रकाश की किरणें फूट रही थीं। उसके बाहर एक सशस्त्र फौजी खड़ा था।

सीक्रेट पुलिस का कोई अन्य आदमी जेम्सबांड को आस-पास दिखाई नहीं दिया ।

बाकी आदमी कहां गये? शायद वे आस-पास ही कहीं थे

[illegible]

[illegible]

[illegible]

कर्नल हीदस हड़बड़ा कर घूमा ।

'खबरदार!' जेम्सबांड धीमे स्वर से बोला ।

कर्नल हीदस निःशब्द अपने स्थान पर बैठी रहा। जेम्स बांड ने ट्रक के भीतर कदम रखा और उसने लात मारकर अपने पीछे ट्रक का दरवाजा बन्द कर लिया। ट्रक का प्रकाश जेम्स बांड के चेहरे पर पड़ा ।

जेम्स बांड पर निगाह पड़ते ही कर्नल हीदेस के नेत्र फैल गए। हैरानी से उसका मुंह खुल गया। उसकी सूरत से ऐसा लगा जैसे वह जेम्स बांड पर झपटने वाला था।

'खबरदार!'- जेम्स बांड क्रूर स्वर से बोला और उसने अपना रिवाल्वर वाला हाथ कर्नल हीदस की ओर तान दिया ।

'तुम!'- कर्नल हीदस अविश्वासपूर्ण स्वर से बोला । जेम्स बांड के होंठों पर एक विषैली मुस्कराहट आ गई।

'तो यह सारा फसाद बुडापेस्ट में तुम्हारी मौजूदगी की वजह से हो रहा है।' कर्नल हीदस बोला- 'मुझे पहले ही समझ जाना चाहिए था, कमांडर जेम्स बांड ।

'चलो देर में ही सही। समझे तो सही।'

'अगर मुझे पता होता कि सारे फसाद की जड़ तुम हो तो मैं कोको को अपने पास ही रखता। उसने तुमसे बहुत पुराना बदला चुकाना है। कोको तुम्हें एक क्षण के लिए भी भूला नहीं है। तुम दुनिया के पहले आदमी हो जिससे कोको ने मार खाई है। तुम्हारी याद आते ही अभी भी उसका हाथ अपनी गरदन की ओर रंग जाता है जहां तुमने कैरेट चाप का प्रहार किया था।'

'उसे अब यहां बुला लो।'

'मुझे अफसोस है, वह फौरन यहां नहीं आ सकता। तुम यहां क्या करने आये हो?'

'क्या यह भी तुम्हें बताने की जरूरत है कर्नल हीदस!'

'तुम मेरी हत्या करने आये हो।'- कर्नल हीदस ने प्रश्न नहीं किया था। उसके बोलने का ढंग ऐसा था जैसे वह हकीकत बयान कर रहा था। उसकी सूरत से बिल्कुल भी नहीं लगता था कि वह भयभीत था ।

'गलत!'- जेम्सबांड बोला- 'मैं तुम्हारी हत्या करने नहीं, तुम्हें मौत की सजा देने आया हूं। हत्या तो तुमने की है मेजर होवार्थ की।'

'वह देश का दुश्मन था। वह हंगरी की जनता का दुश्मन था। उसको मारना मेरा कर्तव्य था।'

'अपने कुकर्मों की सफाई क्यों दे रहे हो? अपनी जान बक्शी के लिए ।

'सवाल ही नहीं पैदा होता।'

'जिम की हत्या भी तुमने अपने कर्तव्य की खातिर की?'

'वह देश के दुश्मनों के बारे में बहुत महत्वपूर्ण जानकारी रखता था। लेकिन अपनी जुबान नहीं खोल रहा था। उसकी जुबान फौरन खुलवाना बहुत जरूरी था।'

'और मेजर जनरल इल्यूरिन की पत्नी। उसकी हत्या क्यों की तुमने?'

'मुझे जनरल की बीवी की मौत की खबर नहीं। अगर वह मर गई है तो मुझे उसकी मौत का अफसोस है हालांकि वैसे भी वह मरी जैसी ही थी। मेरे किसी आदमी ने अनजाने में उसे गोली मार दी होगी।'

'अपने आदमियों के कृत्यों के लिए भी तुम्हीं जिम्मेदार हो।'

'मैंने कभी इस बात से इन्कार नहीं किया।'

'जनरल की बीवी की मौत के सरासर जिम्मेदार तुम हो ।

'बिल्कुल हूं।'

'तुम्हारी वजह से तीन बेगुनाह आदमियों को जान से हाथ धोना पड़ा है।'

'दो को। जनरल की बीवी की मौत एक दुर्घटना थी।'

'अगर तुम जिन्दा रहे तो पता नहीं ऐसी कितनी दुर्घटनायें अभी और होंगी। पता नहीं कितने और बेगुनाह आदमी अभी तुम्हारे हाथों मरेंगे ।'

'मेरे हाथों मरने वाला कोई आदमी बेगुनाह नहीं होता। आदमी मेरी नजरों में गुनहगार है तो उसे मरना ही होगा। मुझे इस बात की परवाह नहीं कि दुनिया उसे गुनहगार समझती है या नहीं।'

अगर तुम मेरी निगाहों में गुनहगार हो तो मुझे तुम्हें शूट करने का पूरा हक है।'

'तुम्हें मुझको शूट करने का पूरा हक तो हर हालत में है क्योंकि इस वक्त रिवाल्वर तुम्हारे हाथ में है। लेकिन कमांडर जेम्स बांड आखिरी विजय फिर भी मेरी होगी।'

'क्या मतलब?'

'मेजर होवार्थ से वक्ती धोखा खा चुकने के बाद तुम क्या समझते हो कि मैं चुप बैठा रहूंगा? मैंने कोको के साथ अपने चुने हुए आठ आदमी नहर के पार भेजे हैं। वह यहां से तीन चार सौ मीटर परे से नहर पार करके अभी तक झोंपड़े पर पहुंच चुके होंगे और जनरल और प्रोफेसर को गिरफ्तार कर चुके होंगे।'

जेम्स बांड को सांप संघ गया ।

तो यह वजह थी कि उसे आस-पास कोई सीक्रेट पुलिस का आदमी नहीं दिखाई दे रहा था। जैसे वह चुपचाप नहर पार करके इधर आ गया था वैसे ही कोको अपने आठ आदमियों के साथ

चुपचाप नहर पार करके उधर पहुंच गया था। जिसं वक्त जान्सी को उसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी उस वक्त वह यहां कर्नल हीदस के साथ वक्त बरबाद कर रहा था।

'और विश्वास रखो, कमांडर जेम्स बांड, मैं तुम से जिन्दगी की भीख नहीं मांगूंगा।'- कर्नल हीदस शांत स्वर से बोला-'मेरे बहुत से शिकारों ने मुझ से जिन्दगी की भीख मांगी है लेकिन मैंने आज तक किसी पर रहम नहीं खाया। इसलिये मैं तुमसे भी रहम की अपेक्षा नहीं कर सकता।'

'सो लांग, कर्नल हीदस ।' जेम्स बांड बोला ।

उसने रिवाल्वर का ट्रगर दबाया ।

कर्तल हीदस के माथे के एक दम बीचों-बीच एक सुराख दिखाई देने लगा। वह कटे वृक्ष की तरह उलट कर ट्रक के फर्श पर आ गिरा। जेम्स बांड ट्रक से बाहर निकला और फिर बिना इस बात की परवाह किये कि कोई उसे देख लेगा, सीधा नदी के किनारे की ओर भागा।
उसी क्षण उसे झोंपड़े की ओर से आती हुई गोलियां चलने की आवाज सुनाई दी ।

जेम्स बांड जान छोड़कर भागा। पलक झपकते ही उसने दो सौ मीटर का फासला तय कर लिया। बिजली की फुर्ती से उसने नहर में छलांग लगा दी। तीर की तरह पानी को चीरता हुआ वह नहर के पार पहुंच गया।

गोलयिां चलनी बन्द हो गयी थीं। जेम्स बांड ने अपनी रिवाल्वर का चैम्बर फिर से भरा और फिर रिवाल्वर हाथ में लिये दबे पांव झोंपड़े की ओर को बढ़ गया ।

झोंपड़े का दरवाजा बन्द था। जेम्स बांड ने धीरे से दरवाजा खोला। एक निगाह में वह झोंपड़े के भीतर की सारी स्थिति समझ गया। सीक्रेट पुलिस के आदमियों में से चार की झोंपड़े में लाशें पड़ी थीं। एक आदमी जान्सी की कनपटी में रिवाल्वर सटाये खड़ा था और दूसरा जान्सी के हाथ पैर बांध रहा था। तीसरे आदमी ने प्रोफेसर को दबोचा हुआ था और चौथा आदमी प्रोफेसर के हाथ में थमी कारबाइन छीनने की कोशिश कर रहा था। हेलेन कोको के अधिकार में थी। एक क्षण भी नष्ट किये बिना जेम्स बांड ने फायर करने आरम्भ कर दिये। पहली गोली उस आदमी को लगी जो जान्सी के हाथ पर बांधने की कोशिश कर रहा था। दूसरी ने उस कारबाइन धारी फौजी का काम तमाम कर दिया

जो जान्सी को कवर किये हुये था। तीसरी और चौथी गोली के शिकार प्रोफेसर को अधिकार में करने के लिए प्रयत्नशील फौजी हुए।

केवल कोको को अपनी गोली का शिकार बनाने का अवसर जेम्सबांड को नहीं मिला। वह कोको पर गोली चलाने ही वाला था कि कोको ने बिजली की फुर्ती से हेलेन को अपने सामने कर लिया । हेलेन उसके मजबूत हाथों की पकड़ में छटपटा रही थी लेकिन कोको को उसे अपने सामने रखने में कोई कठिनाई नहीं हो रही थी। जेम्सबांड रिवाल्वर लिए कोको की ओर बढ़ा।

उसी क्षण लाठी की तरह एक रायफल का प्रहार उसके रिवाल्वर वाले हाथ पर हुआ।
रिवाल्वर उसके हाथ से छिटक कर दूर जा गिरी। उसने हड़बड़ा कर दाईं ओर देखा ।

सीक्रेट पुलिस का एक आदमी एकदम दरवाजे के पास खड़ा था। दरवाजा खुलने पर बह दरवाजे के पीछे छुप गया था और जेम्सबांड को उसकी खबर नहीं हुई थी।

कोको आठ नहीं नौ आदमी लाया था।

बड़ी फुर्ती से उस आदमी ने अपने हाथों में रायफल सीधी की और उसकी नाल जेम्सबांड की ओर उठा दी।

'गोली मत चलाना ।' - कोको तीव्र स्वर से बोला ।

फौजी ने रायफल की नाल झुका दी और उलझनपूर्ण नेत्रों से कोको की ओर देखा। कोको ने हेलेन को जोर का धक्का दिया । हेलेन भरभराती हुई बिस्तर पर आ गिरी।

'इसकी तलाशी लो।'- कोको ने आदेश दिया । उस आदमी ने जेम्सबांड की तलाशी ली।

'क्लीन!' - वह बोला ।

'वैरी गुड!' कोको सन्तुष्ट स्वर से बोला। उसने अपनी रिवाल्वर अपनी जेब में रख ली। वह दृढ़ कदमों से चलता हुआ जेम्सबांड के सामने आ खड़ा हुआ। उसके होंठों पर एक विषैली मुस्कान उभरी ।

'कमांडर जेम्सबांड, सीक्रेट एजेन्ट ००७।'- वह व्यंग्यपूर्ण स्वर से बोला- 'फिल्दी फासिस्ट स्पाई। कमांडर जेम्स बांड, मैं बयान नहीं कर सकता कि तुम्हें यहां देखकर मुझे कितनी खुशी हो रही है। मुझे उम्मीद है कि तुम मुझे भूले नहीं होगे। मैं तो खैर तुम्हें भूल सकता ही नहीं। मेरी गरदन आज भी उस स्थान से दुख रही है वहां दो साल पहले तुमने कैरेट चाप का प्रहार किया था। मैं उसी दिन से तुम से दुबारा मुलाकात होने की राह देख रहा था। कितनी खुशी की बात है कि आज वह मौका आ गया है। कमांडर जेम्सबांड मैं तुम्हें शूट करके तुम्हारी मौत आसान नहीं करूंगा। जैसी मौत मैं तुम्हें मारने वाला हूं, उससे हर देखने वाला सबक लेगा।'

जेम्स बांड की बाई बांह रायफल की चोट की वजह से बुरी तरह दुख रही थी। उसे ऐसा लग रहा था जैसे हड्डी टूट गई हो। वह जानता था कि वह कोको जैसे राक्षस का मुकाबला नहीं कर सकता था और कोको उसे निहत्था ही मार डालना चाहता था। ज्यादा से ज्यादा वह कोको के आवश्यकता से अधिक आत्म-विश्वास का लाभ उठाकर अपनी मौत थोड़ी देर के लिए टाल सकता था।

जेम्स बांड ने ऐसा ही किया। वह एकाएक हवा में उछला और उसकी दोलत्ती भड़ाक से कोको की ड्रम जैसी चौड़ी छाती से टकराई। कोको जैसा पहाड़ भी उस प्रहार से लड़खड़ा गया। उसे जेम्स बांड से ऐसे अप्रत्याशित आक्रमण की अपेक्षा नहीं थी। लेकिन वह केवल लड़खड़ाया ही, जमीन पर नहीं गिरा। वह तत्काल संभल गया और उसका दायां हाथ हवा में घूमा ।

जेम्सबांड को ऐसा लगा जैसे उसकी गरदन से हजार मन का पत्थर आ टकराया हो। उसके पांव उखड़ गये और वह गेंद की तरह लुड़कनियां खाता हुआ झोंपड़े दाईं दीवार से जा टकराया। उसके मुंह में यूं सिसकारी निकली जैसे टायर में से हवा निकल रही हो।

जेम्स बांड अपने शरीर की सारी शक्ति संचित करके अपने पैरों पर खड़ा हो गया। कोको फिर उसकी ओर बढ़ रहा था। जेम्स बांड जानता था कि अगर उसके जमीन पर गिरे- गिरे कोको उस तक पहुंच गया तो उसके पैरों के नीचे यूं रौंदा जायेगा जैसे उस पर हाथी का पांव पड़ गया हो। जेम्स बांड ने पूरी शक्ति से अपने दायें हाथ का घूंसा कोको के जबड़े पर जमाया। कोको अपने स्थान से हिला तक नहीं। उल्टे जेम्स बांड को

ऐसा लगा जैसे उसकी उंगलियां चटक गई हों। कोको ने जोर का अट्टहास किया और फिर उसने अपने दांबे हाथ का घूंसा जेम्स बांड की छाती में जड़ दिया।

बांड दोहरा हो गया। उसे ऐसा लगा जैसे रोड़ी कूटने वाला इन्जन उसकी छाती से आ टकराया हो। अपने जीवन में इतना भीषण प्रह्मर उसने अपने शरीर पर नहीं झेला था।

जेम्स बांड बड़ी मुश्किल से सीधा खड़ा हो पाया। कोको का हाथ फिर घूमा। इस बार उसका वज्ज्र प्रहार जेम्स बांड की कनपटी पर पड़ा ।

जेम्स बांड की आँखों के सामने अन्धेरा छा गया। उसको अपनी चेतना लुप्त होती हुई महसूस होने लगी। उसे लगा जैसे वह एकाएक बहरा हो गया हो। उसे केवल अनुभव हुआ कि जैसे हेलेन उसका नाम लेकर उसे पुकार रही थी। उसकी धुंध-लाई आंखों ने जान्सी और प्रोफेसर को बन्धन मुक्त होने के प्रयत्नों में छटपटाता देखा। उसके हाथ सहारे के लिए हवा में फैले लेकिन सहारा कहीं नहीं था। वह धड़ाम से जमीन पर आ गिरा। कोको उसके सिर पर आ खड़ा हुआ। 'कम आन कमांडर जेम्स बांड'- वह बोला- 'उठकर खड़े हो जाओ।'

जेम्स बांड उठा । अपनी बची-खुची सारी शक्ति संचित करके उसने कोको पर छलांग लगा दी। कोको बड़ी आसानी से एक ओर हट गया। जेम्स बांड फिर जमीन चाट रहा था। कोको ने एक गगन भेदी अट्टहास किया और अपने दायें दायें पैर की भरपूर ठोकर जेम्स बांड की पसलियों में जमा दी।

जेम्स बांड गेंद की तरह उछलकर दूर जा गिरा । जेम्सबांड का सिर हवा में उड़ने लगा। बड़ी मुश्किल से उसने स्वयं को सम्भाला और लड़खड़ाया हुआ उठ कर खड़ा हो गया। कोको झोंपड़े के बीचों बीच खड़ा था। उसके होंठों पर एक शैतानी मुस्कराहट थी और आंखों में निश्चित विजय की चमक थी। जेम्सबांड जानता था कोको क्या चाहता था। वह यूं ही उसे खिला-खिलाकर निहत्था ही मार देना चाहता था।

जेम्सबांड को अपने सामने कमरा घूमता हुआ महसूस हो रहा था। उसका चेहरा कहीं से कट गया था और उसमें से खून बह-बहकर उसके होंटों पर पड़ रहा था। जेम्सबांड में आक्रमण करने की शक्ति बाकी नहीं रही थी।

कोको ने अट्टहास करते हुये उसकी ओर कदम बढ़ाया । एकाएक कोको बढ़ता हुआ रुक गया। उसके नेत्रों से विजय की चमक गायब हो गई। एक मजबूत बांह उसकी छाती के इर्द-गिर्द लिपट गई थी। और वह पीछे घसीट लिया गया था।

वह मजबूत बांह सैण्डर की थी। सैण्डर का जो रूप जेम्स बांड ने उस समय देखा, वह उसे जिन्दगी भर नहीं भूला । सैण्डर उस समय इस दुनिया का इन्सान नहीं कोई भूत या हिम मानव लग रहा था। वह सिर से पांव तक बर्फ से ढका हुआ था। उसका विशाल आकार, उसके नाक-नक्श, उसके चेहरे के भाव एक वर्फ की मोटी परत के नीचे दबे हुये थे ।

रायफल धारी इकलौता जीवित फौजी दरवाजे की बगल में खड़ा हक्का-बक्का सा सैण्डर को देख रहा था। फिर बड़ी मुश्किल से वह अपने आपको होश में ला पाया। उसने अपनी रायफल सैन्डर की ओर तानी लेकिन उसके घोड़ा दबा पाने से पहले ही सैण्डर ने अपना खाली हाथ बढ़ाया और यूं फौजी के हाथ से रायफल छीन ली जैसे उसने किसी बच्चे के हाथ से पैंसिल छीन ली हो। साथ ही उसने रायफल के कुन्दे से ही फौजी को धक्का दिया ।

फौजी भरभराता हुआ पिछली दीवार से जा टकराया।

उतने समय में कोको अपने खाली हाथ से अपनी जेब से रिवाल्वर निकालने में कामयाब हो गया था। सैण्डर ने उसके फायर कर पाने से पहले ही उसके रिवाल्वर बाले हाथ पर हाथ मारा और रिवाल्वर दोनों के हाथ से छिटककर दूर जा गिरी ।

उसी क्षण फौजी ने सैंडर पर छलांग लगा दी। सैंडर ने कोको को छोड़ दिया और फौजी को हवा में ही थाम लिया। उसने फौजी को अपने सिर से ऊपर उठा लिया और फिर गेंद की तरह उसे झोंपड़े के खुले दरवाजे से बाहर फेंक दिया ।

फौजी का शरीर भड़ाक से पथरीली जमीन से टकराया और शान्त हो गया। कोको ने उस स्थिति का लाभ उठाकर सैन्डर पर छलांग लगाई। सैन्डर कोको को लिए फर्श पर आ गिरा। दो पहाड़ जैसे शरीर इतनी जोर से फर्श से ठकराए कि झोंपड़े की दीवारें हिल गईं।

कोको के विशाल हाथ सैन्डर की गर्दन से लिपट गए लेकिन अब उसकी आंखों में विजय की चमक के स्थान पर मौत का भय था। अब वह अपनी जान बचाने के लिए लड़ रहा था। एक क्षण

के लिए सैन्डर के शरीर में कोई हरकत नहीं हुई। कोको पूरी शक्ति से सैन्डर की गरदन दबा रहा था। फिर सैंडर के शरीर में हरकत हुई। उसके दो हाथ आगे बढ़े और उन्होंने कोको के अपने गरदन से लिपटे हाथों को कलाइयों से थाम लिया ।

हेलेन जेम्स बांड की बगल में आ खड़ी हुई थी और अब वह जेम्स बांड के शरीर को सहारा दिए हुए थी। वे दोनों विस्फा-रित नेत्रों से सैन्डर और कोको को देख रहे थे।

सैन्डर के फौलादी हाथ कोको की कलाइयों पर कसे जा रहे थे। जेम्स बांड को उन हाथों की शक्ति का तजुर्बा था। एक बार जब सैन्डर ने उसकी कलाइयां थामकर थोड़ा- सा ही दबाव उन पर डाला था तो उसके आंसू निकल आए थे और आंखों के सामने अन्धेरा छाने लगा था। सख्त सर्दी में उसके माथे पर पसीने की बूंदें चहचहा आई थीं और उसे यूं यूं लगने लगा था जैसे उसकी कलाइयां कोल्हू के बेलनों में फंसी हुई थीं। जेम्सबांड की कलाइयों पर सैन्डर ने केवल अपनी उंगलियों का जोर डाला था और उसकी वह हालत हो गई थी, कोको की कलाइयां तो वह अपने सारे शरीर की शक्ति के साथ दबा रहा था।

कोको के चेहरे पर आतंक, अविश्वास और तीव्र पीड़ा के भाव एकदम उभरे। उसने यूं सैन्डर की ओर देखा जैसे कोई अजूबा देख रहा हो। फिर सैन्डर की गरंदन के गिर्द लिपटी हुई उसकी उंगलियां धीरे-धीरे खुलने लगीं। कोको की कला-इयां थामे थामे ही सैन्डर ने कोको को अपने ऊपर से धकेल दिया। उसने करवट बदली और उठकर खड़ा हो गया। अपने साथ ही उसने कोको को भी खींच लिया। अब दोनों एक-दूसरे के सामने थे। कोको की कलाइयां अभी भी सैन्डर के हाथ में थीं। आतंकित कोको अपनी कलाइयां सैंडर की फौलादी पकड़ में से स्वतन्त्र करने के लिए छटपटा रहा था।

एकाएक सैन्डर ने उसकी कलाइयां छोड़ दीं और अपनी विशाल शक्तिशाली भुजायें कोको की छाती के गिर्द लपेट लीं और फिर कोको को अपने साथ जकड़ लिया। इससे पहले कि कोको कुछ समझ पाता, सैन्डर का सिर उसकी छाती से जा लगा। कंधे ऊपर उठ गए और उसने पूरी शक्ति से कोको को अपनी छाती के साथ जकड़कर दबाना आरम्भ कर दिया ।

कोको सैन्डर की पकड़ में छटपटाने लगा। उसकी आंखें बाहर को उबल पड़ीं और वह सांस के लिए तड़फड़ाने लगा। उसके मुंह से तीव्र वेदना की कराह निकलने लगी और वह अपनी

भिची हुई दोनों मुट्ठियों के प्रहार सैन्डर के कन्धों और पीठ पर बरसाने लगा। लेकिन नतीजा कुछ भी नहीं निकला ।

जेम्स बांड मंत्रमुग्ध-सा सैन्डर को देख रहा था। सैन्डर के चेहरे पर कोई भाव नहीं था। कोको के विशाल शरीर पर उसकी बढ़ती हुई जकड़ के साथ उसके अपने शरीर से बर्फ झड़ रही थी। जेम्सबांड हर क्षण कोको की हड्डियां चटखने की भयंकर और दहशतनाक आवाज आने की प्रतीक्षा कर रहा था।

उसी क्षण कोको के गले से निकली एक हृदय विदारक चीख से झोंपड़ा गूंज गया। फिर कोको का निर्जीव शरीर सैन्डर की बांहों में भूल गया ।

सुबह के चार बजे थे, जब जान्सी, हेलेन, जेम्स बांड और फैरेंस जोल्तान और सैन्डर आस्ट्रिया-हंगरी बार्डर पर पहुंचे । आस्ट्रिया और हंगरी के बीच सीमा रेखा को क्रास करने वाली लगभग तीन चार मीटर चौड़ी नहर एकदम जम चुकी थी ।

स्टेशन वैगन छोड़ देने के बाद बाकी के चार किलोमीटर के बर्फीले रास्ते को उन लोगों ने बड़ी कठिनता से तय किया था। कितनी ही बार सैन्डर को हेलेन और प्रोफेसर को अपने कंधों पर उठाना पड़ा था। कई जंगह रास्ते में इतनी भयंकर बर्फ मिली थी कि वे लोग घुटनों तक बर्फ में धंस जाते थे। लेकिन वह बेहद गन्दा मौसम ही उनकी सुरक्षा की गारन्टी था। बार्डर पर सिक्योरिटी का कोई भी वाचमैन मौजूद नहीं था। शायद वे लोग बैरकों की चारदीवारी में उष्णता का आनन्द ले रहे थे। शायद उन्हें उम्मीद नहीं थी कि ऐसे गन्दे मौसम में कोई बार्डर क्रास करने की कोशिश करेगा।

जेम्स बांड के मानसपटल पर बार-बार काउन्ट की सूरत उभर आती थी और उसकी आंखों में विषाद् की छाया तर जाती थी ।

'मुझे मालूम है. आप क्या सोच रहे हैं, मिस्टर बांड।'-जान्सी ने जैसे उसके मन के भाव पढ़ लिए- 'काउन्ट जैसे महान आदमी को खोकर किसे दुख नहीं होगा ।'

जेम्स बांड चुप रहा। बोलने के लिए था ही क्या ।

'आप इस समय योरोप के सबसे अधिक महत्वपूर्ण स्थान पर खड़े हैं, मिस्टर बांड। इस तीन मीटर चौड़ी नहर के इस पार कम्यूनिस्ट हंगरी है और उस पार आस्ट्रिया है।
आजादी सिर्फ तीन मीटर दूर है, प्रोफेसर फैरेंस जोल्तान । कदम बढ़ाइए प्रोफेसर, और गुलामी के माहौल से बाहर निकल जाइए।'

प्रोफेसर अनिश्चय की प्रतिमूर्ति बना अपने स्थान पर खड़ा रहा ।

'आगे बढ़िए प्रोफेसर, आगे बढ़िए कमांडर जेम्स बांड ।

आपका मिशन कामयाब रहा।'

जेम्स बांड चुप रहा।

'और मिस्टर बांड, अगर आप समझते हैं कि मैंने आपका कोई हित किया है तो इस बूढ़े आदमी पर एक अहसान की जिए।'

'तुम्हारे लिए मेरी जान हाजिर है, जान्सी ।'

'हेलेन को अपने साथ ले जाइए।'

हेलेन ने विस्फारित नेत्रों से अपने बाप की ओर देखा। उसने अपने दोनों हाथों से जान्सी को कन्धों से थाम लिया ।

'जान्सी ।' - वह तीव्र स्वर से बोली- 'क्या कहा तुमने? मैंने क्या सुना है अभी?'

'तुमने ठीक सुना है, मेरी बच्ची। मैं इस मुसलसल खतरे में तुम्हें और ज्यादा नहीं रख सकता। मेरे साथ रहने का तुम्हारा आखिरी बहाना था कि तुम अपनी मां से मिलना चाहती हो।'

'लेकिन जान्सी मैं तुम्हें यहां अकेला छोड़कर कैसे जा सकती हूं।'

'मैं अकेला नहीं हूं। कौन कहता है मैं अकेला हूं। सैन्डर मेरे पास है। रिजीस्टेंस मूवमेंट के मेरे सैकड़ों साथी मेरे पास हैं। अपने इतने दोस्तों के बीच में मैं अकेला कैसे हो सकता हूं।'

'लेकिन, जान्सी, तुम घायल हो। तुम मर जाओगे । अब इन्तहा हो चुकी है। अब तुम्हें यहां और अधिक नहीं ठहरना चाहिये ।'

'हां, जान्सी'- जेम्स बांड भी बोला- 'हमारे साथ चलो । आजादी की ओर ।'

'मैं कैसे जा सकता हूं'- जान्सी अपना पट्टियों से ढंका सिर नकारात्मक ढंग से हिलाता हुआ बोला- 'अभी मेरे दोस्तों को मेरी यहां जरूरत है। अभी मुझे बहुत काम करना है। अगर मैं आजादी की इस लड़ाई से किनारा कर गया तो काउन्ट मुझे कभी माफ नहीं करेगा। हेलेन, तुम अपने बाप से कैसे यह उम्मीद कर सकती हो कि वह तब हंगरी से कूच कर जाये जब कि मेरे देशवासियों को अभी भी ब्लैक सी कनाल के नर्क और साइबेरिया के बान्सैन्ड्रेशन कैम्पों में धकेला जा रहा है, जब उनसे जबरदस्ती खेतों और खदानों में सोलह-सोलह घन्टे काम कराया जा रहा है, जब उन्हें बिना किसी अपराध के गोलयिों से भूना जा रहा है। क्या तुम अपने बाप को इतना स्वार्थी आदमी समझती हो हेलेन!'

'जान्सी' हेलेन ने अपना मुँह जान्सी की छाती में छुपा लिया और फफक कर रो पड़ी- 'मैं तुम्हें छोड़कर नहीं जा सकती ।'

'तुम जा सकती हो। तुम जा रही हो। तुम्हें जाना ही पड़ेगा। अब मैं, सैन्डर, या पार्टी का कोई भी आदमी हंगरी में तुम्हारी सुरक्षा की गारन्टी नहीं कर सकता। अब सीक्रेट पुलिस के लोग तुम्हें जान चुके हैं। अब तुम्हारे लिये हंगरी में कोई जगह नहीं। तुम्हें जाना ही होगा, हेलेन,। और फिर मैं तुमसे वादा करता हूं कि किसी-न-किसी दिन मैं तुम से मिलने जरूर आऊंगा।'

हेलेन हिचकियां लेकर रोने लगी।

'बहादुर बनो हेलेन - जान्सी के स्वर में मीठी झिड़की थी - 'तुम मेजर जनरल अलैक्सिस इन्यूरिन की बैटी हो। तुम्हें ऐसा व्यवहार शोभा नहीं देता।'

हेलेन अपने पर काबू पाने की कोशिश करने लगी ।

जान्सी ने जेम्स बांड को संकेत किया ।

'आओ हेलेन'- जेम्स बांड गम्भीर स्वर से बोला ।

हेलेन जान्सी से अलग हुई। उसकी सिसकियां बन्द हो गई थीं लेकिन आंखों से अविरल अश्रु धारा वह रही थी। जेम्स बांड और प्रोफेसर ने ने जान्सी और सैन्डर से हाथ मिलाया।

हेलेन ने सैन्डर का हाथ थाम लिया और संधे स्वर में बोली-'गुड बाई, सैन्डर।'

'गुड वाई' सैन्डर भरथि स्वर से बोला ।

'जान्सी का ख्याल रखोगे न सैन्डर?'

सैन्डर ने उत्तर देने के लिए मुंह खोला लेकिन उसका गला रु'ध गया। उसके गालों पर मोटे-मोटे आंसू ढुलक पड़े। उससे आश्वासनपूर्ण ढंग से हेलेन का हाथ दबाकर छोड़ दिया और फिर मुंह फेर लिया ।

जेम्स बांड, प्रोफेसर और हेलेन जमी हुई नहर पार कर गये । हेलेन रह-रहकर कातर निगाहों से जान्सी की ओर देख रही थी। जान्सी का सिर उसकी छाती पर झुका हुआ था ।

'गुड बाई जान्सी, गुड बाई, सैन्डर'- नहर के पार से जेम्स बांड बोला ।

'दस्वीदानिया!' - जान्सी होंठों में बुदबुदाया और फिर उच्च स्वर से बोला- 'गुड बाई दोस्त ।'

जेम्स बांड ने वृद्ध प्रोफेसर और रोती हुई हेलेन का हाथ थामा और मुड़कर आगे बढ़ गया ।

□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□ □

□□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□ □□ □□□□□□ □□□ □□ □□□ □□□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□ □□□ □□ □□□ □□□

'□□□□□□□□□□□□'- □□□□□ □□□□ □□□□□□ □□□ □□□□□□□□□□

***** □□□□□□ *****

sjeet

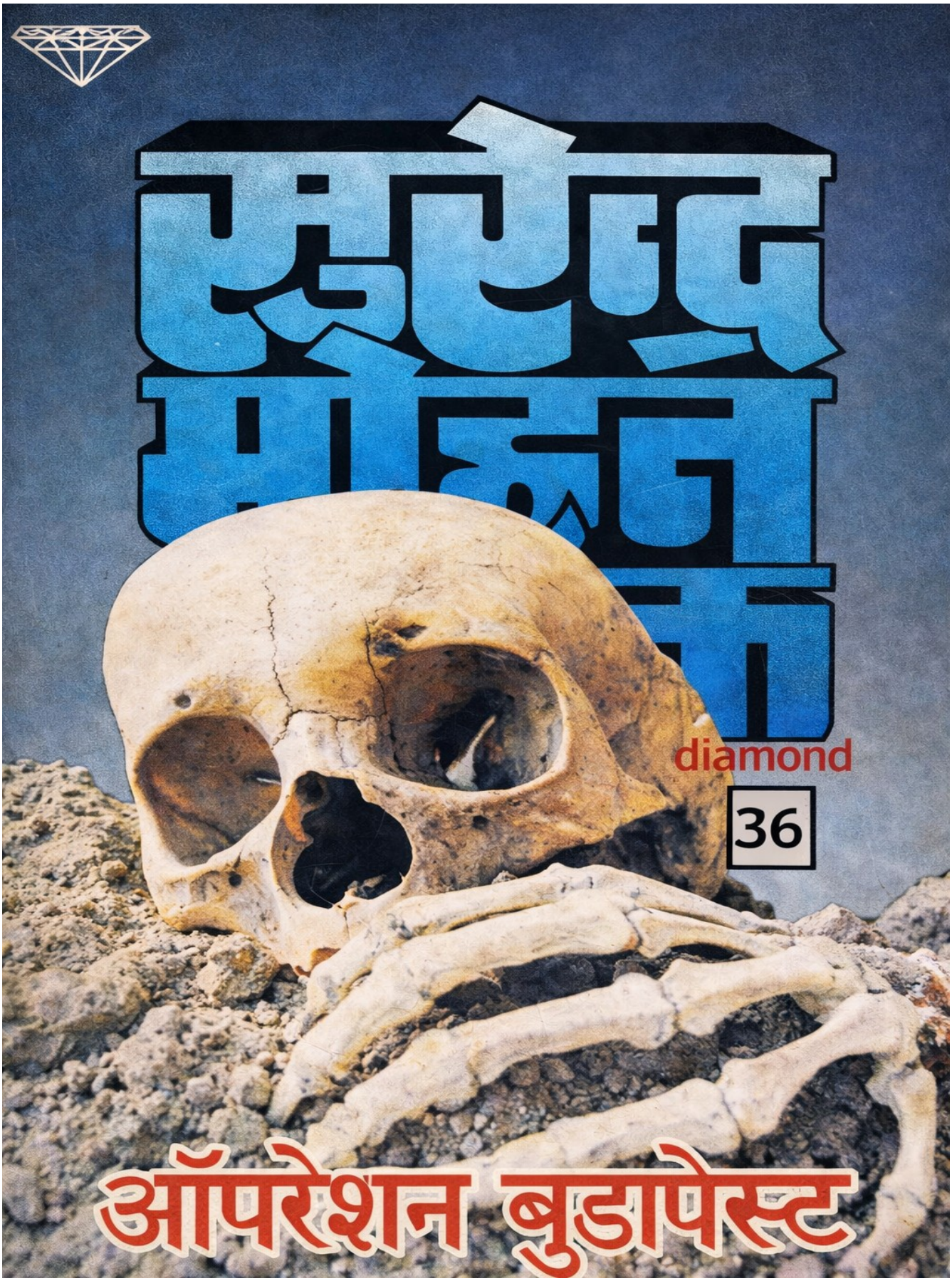
diamond
36
ऑपरेशन बुडापेस्ट